महानगर नई दिल्ली गुरुवार 11 जुलाई, 2019, रु. 5.00 (14 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

# जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

**कर्नाटक :** कांग्रेस नेता शिवकुमार को मुंबई से बंगलुरु भेजा, मामला सुप्रीम कोर्ट में

# कांग्रेस के और दो विधायकों के इस्तीफे से गहराया सियासी संकट

बगलुरु/मुंबई, 10 जुलाई (भाषा)।

कर्नाटक में पहले से ही कुआं और खाई के बीच झूल रही जद(सेकु) कांग्रेस सरकार को और दो विधायकों के इस्तीफे से बुधवार को बड़ा झटका लगा है। वहीं दूसरी ओर मुंबई में हाई-वोल्टेज ड्रामा जारी है, जहां मंत्री डीके शिवकुमार को बागी विधायकों को मनाने के प्रयास में होटल पहुंचने पर हिरासत में लिया गया। साथ ही इस नाटक का एक हिस्सा राजधानी दिल्ली में उच्चतम न्यायालय में भी चल रहा है।

एचडी कुमारस्वामी सरकार में आवास मंत्री एमटीबी नागराज और के सुधाकर ने बुधवार को अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार को सौंपा। दोनों कांग्रेस के विधायक हैं। राज्य में गहराते राजनीतिक संकट के बीच कांग्रेस और जद (सेकु) के 10 बागी विधायक शीर्ष अदालत पहुंच गए हैं और याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि विधानसभा अध्यक्ष जानबूझकर उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं कर रहे हैं और कुमारस्वामी सरकार को संभलने का वक्त दे रहे हैं। बुधवार को हुए और दो इस्तीफों के साथ ही बाकी पेज 8 पर

## कांग्रेस नेता को हिरासत में रखा

*इस* पूरे मामले में हाई-वोल्टेज ड्रामा मुंबई में हुआ। कांग्रेस की ओर से इस पूरे मसले को सुलझाने और बागी विधायकों को मनाने के लिए मुंबई में पोवई स्थित रेनेसां होटल पहुंचे शिवकुमार, मिलिंद देवड़ा और नसीम खान को पुलिस ने हिरासत में लिया और उन्हें बीकेसी पुलिस अतिथि घर ले गई। तीनों को घंटों हिरासत में रखा गया। देवड़ा ने बताया कि शिवकुमार को छोड़ने के बाद उन्हें सीधा बंगलुरु रवाना कर दिया गया। खान को भी छोड़ दिया गया है। देवड़ा ने ट्वीट किया था, 'पुलिस शिवकुमार को (मुंबई) हवाई अड्डा लेकर जा रही है। उन्हें जबरन बंगलुरु वापस भेजा जा रहा है।'

## सूचीबद्ध को लेकर कोर्ट में आज सुनवाई

*उच्चतम* न्यायालय बुधवार को कांग्रेस और जद (सेकु) के 10 बागी विधायकों की एक याचिका पर बृहस्पतिवार को तत्काल सुनवाई करेगा जिसमें इन विधायकों ने कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष पर उनका इस्तीफा जानबूझकर स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया है। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता और न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस का पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगा। पीठ ने बागी विधायकों को आश्वासन दिया गया कि अदालत देखेगी कि उनकी याचिका को बृहस्पतिवार को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है या नहीं।

## गोवा कांग्रेस के 15 में से 10 विधायक भाजपा में शामिल

पणजी, 10 जुलाई (भाषा)।

गोवा में कांग्रेस के दो-तिहाई (15 में से 10) विधायकों के एक समूह का बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा में विलय हो गया। अब 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 27 विधायक हो गए हैं। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने ऐलान किया कि कांग्रेस विधायक दल के दो तिहाई सदस्यों के समूह का भाजपा में विलय हो गया है। दो-तिहाई संख्या दल-बदल कानून के तहत होने वाली कार्रवाई से बचाने के लिए पर्याप्त है।

चंद्रकांत कावलेकर

कांग्रेस 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। अब उसके विधायकों की संख्या पांच रह गई है। नेता विपक्ष चंद्रकांत कावलेकर के नेतृत्व में विधायकों का समूह बुधवार शाम विधानसभा अध्यक्ष से मिला और उन्हें कांग्रेस से नाता तोड़ने की जानकारी देते हुए एक पत्र सौंपा। कावलेकर के अलावा भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में अतानासियो मोन्सेराते, जेनिफर मोन्सेराते, फ्रांसिस सिल्वेरा, फिलिप नेरी रॉड्रिग्स, सी डियाज, विल्फ्रेड डीसा, नीलकांत हलारंकार और इसिडोर फर्नांडीज शामिल हैं।

कावलेकर ने भाजपा में विलय का कारण बताते हुए कहा कि उन्होंने और अन्य विधायकों ने भाजपा में शामिल बाकी पेज 8 पर

# बाल यौन शोषण मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

बाल यौन उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पॉक्सो कानून को कड़ा करने के लिए इसमें संशोधनों को मंजूरी दे दी।

प्रस्तावित संशोधनों में बच्चों का गंभीर यौन उत्पीड़न करने वालों को मृत्युदंड तथा नाबालिगों के खिलाफ अन्य अपराधों के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। सरकार ने एक बयान में कहा कि बाल यौन शोषण के पहलुओं पर उचित ढंग बाकी पेज 8 पर

*केंद्रीय* मंत्रिमंडल की बैठक में पॉक्सो कानून कठोर करने के लिए संशोधनों को मंजूरी।

*यौन* उत्पीड़न के गंभीर मामलों में मृत्युदंड और नाबालिगों के खिलाफ अन्य अपराधों में कठोर सजा।

*बाल* पोर्नोग्राफी पर लगाम लगाने के लिए सजा और जुर्माने का भी प्रावधान।

## बच्ची के पिता ने पंजाब हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

चंडीगढ़, 10 जुलाई (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के चर्चित कठुआ बलात्कार और हत्याकांड में नाबालिग बच्ची के पिता ने बुधवार को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हुए छह दोषियों की सजा को बढ़ाने की मांग की और एक आरोपी को बरी किए जाने को चुनौती दी।

**कठुआ बलात्कार और हत्या मामला**

याचिकाकर्ता के वकील उत्सव बैंस ने कहा कि दोषी सांझी राम, दीपक खजूरिया और प्रवेश कुमार को मिली आजीवन कारावास की सजा को बढ़ाकर मृत्युदंड करने का अनुरोध किया गया है।

याचिका में कहा गया है, यह दुर्लभतम मामला है और उच्चतम न्यायालय द्वारा तय मानकों के अनुसार नाबालिग बच्ची के साथ इतनी असंवेदनशीलता, क्रूरता, नीचता और विकृत मानसिकता के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या का मामला इसी श्रेणी में आता है।

याचिकाकर्ता ने तीन अन्य दोषियों सुरिन्दर कुमार, तिलक राज और आनंद दत्ता की सजा को भी पांच साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास करने का अनुरोध किया है।

# कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों को दिल्ली नहीं छोड़ने का निर्देश

अजय पांडेय
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के मद्देनजर पार्टी के अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद नए अध्यक्ष को लेकर जारी असमंजस के जल्द खत्म होने के आसार हैं। पार्टी ने अपनी सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) के सभी सदस्यों से नए अध्यक्ष को लेकर उनकी राय पूछी है और उनसे बंद लिफाफे में अपने तीन-चार पसंदीदा नेताओं के नाम लिखकर पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को देने को कहा है। सीडब्लूसी सदस्यों को फिलहाल दिल्ली छोड़कर बाहर नहीं जाने की भी ताकीद की गई है। ऐसे संकेत हैं कि 15 जुलाई को सीडब्लूसी की बैठक हो सकती है जिसमें राहुल के इस्तीफे को स्वीकार कर नए अध्यक्ष की ताजपोशी का रास्ता साफ कर दिया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि सीडब्लूसी के सभी सदस्यों के बीच नए अध्यक्ष को लेकर अनौपचारिक बातचीत जारी है। सभी नेताओं से उनकी पसंद पूछी जा रही है। पार्टी ने वेणुगोपाल को ही यह जिम्मेदारी सौंपी है कि वे किसी एक नाम पर सहमति बनाने का प्रयास करें। अध्यक्ष पद के लिए नौजवान नेताओं में पूर्व सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, राजस्थान के उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा तो बुजुर्ग नेताओं में सुशील कुमार शिंदे और मल्लिकार्जुन खरगे के नाम चल रहे हैं।

सीडब्लूसी के एक सदस्य ने कहा कि यह सही है कि नए अध्यक्ष को लेकर सभी सदस्यों से अपनी राय और पसंद बताने के लिए कहा गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि वे दिल्ली में ही बने रहें क्योंकि नए अध्यक्ष के चयन को लेकर सीडब्लूसी की बैठक कभी भी हो सकती बाकी पेज 8 पर

मल्लिकार्जुन खरगे

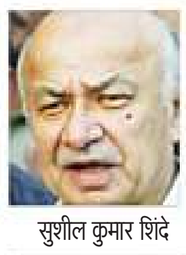
सुशील कुमार शिंदे

मिलिंद देवड़ा

ज्योतिरादित्य सिंधिया

सचिन पायलट

*अध्यक्ष* के लिए आम सहमति बनाने का जिम्मा केसी वेणुगोपाल को।

*नौजवानों* में सिंधिया व पायलट, देवड़ा तो बुजुर्गों में शिंदे और खरगे के नामों पर चर्चा।

*15 जुलाई* को बुलाई जा सकती है कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक।

*गांधी* परिवार की चुप्पी ने बढ़ाई रणनीतिकारों की मुसीबत।

# अवैध खनन घोटाला प्रजापति और चार आइएएस के खिलाफ दो नए मामले

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने उत्तर प्रदेश में अवैध खनन घोटाले के संबंध में दो नए मामले दर्ज किए हैं, जिनमें चार आइएएस अधिकारियों और पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के नाम आरोपियों के तौर पर शामिल किए गए हैं।

सीबीआइ ने प्राथमिकियां दर्ज करने के बाद आइएएस अधिकारी अभय सिंह, विवेक के परिसरों समेत 12 स्थानों पर छापे मारे। आइएएस अभय सिंह के आवास से 47 लाख एवं एक वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी देवी शरण उपाध्याय के आवास से करीब 10 लाख रुपए की करंसी बरामद की। उपाध्याय अभी आजमगढ़ के सीडीओ के रूप में तैनात हैं। सीबीआइ ने विवेक के परिसरों से संपत्तियों से संबंधित कुछ दस्तावेज भी जब्त किए हैं। बुलंदशहर, लखनऊ, फतेहपुर, आजमगढ़, इलाहाबाद, नोएडा, गोरखपुर, देवरिया समेत 12 स्थानों पर छापे मारे गए।

इस बीच, खनन घोटाले में सीबीआइ की छापेमारी की कार्रवाई के बाद शासन ने जिला मजिस्ट्रेट अभय कुमार सिंह को हटाकर प्रतीक्षा में रखा है। उनकी जगह पर रविंद्र कुमार को जिले का नया मजिस्ट्रेट बनाया गया है।

सीबीआइ के द्वारा दर्ज ताजा प्राथमिकियों में समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार में मंत्री रहे प्रजापति, तत्कालीन प्रधान सचिव जिवेश नंदन, विशेष सचिव संतोष कुमार, जिले के तत्कालीन मजिस्ट्रेट अभय और विवेक के नाम हैं। प्रजापति की संलिप्तता वाले मामले में एजंसी ने आरोप लगाया कि बालू खनन के लिए अपने पट्टे के नवीकरण के लिए लाभार्थियों शिव सिंह और सुखराज ने मंत्री के प्रभाव का इस्तेमाल किया।

सीबीआइ के आरोप है कि नंदन कुमार और फतेहपुर के तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट अभय ने 2014 में सुखराज के मामले में पट्टे के नवीकरण के लिए मंत्री के साथ कथित तौर पर साजिश की। इन पट्टों का राज्य सरकार की ई-निविदा नीति का कथित तौर पर उल्लंघन कर नवीकरण कराया गया था। दूसरे बाकी पेज 8 पर

*सीबीआइ* ने 12 जगहों पर छापे मारे, बुलंदशहर के डीएम के आवास से 47 लाख एवं एक पीसीएस अधिकारी के आवास से 10 लाख रुपए की नकदी जब्त

गायत्री प्रजापति

*सीबीआइ* के आरोप है कि नंदन कुमार और फतेहपुर के तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट अभय ने 2014 में सुखराज के मामले में पट्टे के नवीकरण के लिए मंत्री के साथ कथित तौर पर साजिश की।

खबर पेज 14

**उदासी**

न्यूजीलैड के खिलाफ मैनचेस्टर में विश्व कप के पहले सेमी फाइनल मुकाबले में 18 रन से मिली शिकस्त के बाद उदास भारतीय कप्तान विराट कोहली और लोकेश राहुल।

## खालिस्तान समर्थक 'सिख्स फॉर जस्टिस' पर प्रतिबंध

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

केंद्र सरकार ने पंजाब के खालिस्तान समर्थित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्र सरकार ने संगठन के अलगाववादी रवैये के कारण यह कदम उठाया है।

अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन आदि देशों के कुछ कट्टरपंथी सिखों द्वारा चलाए जा रहे इस संगठन पर यूएपीए ऐक्ट 1967 की धारा 3(1) के तहत यह कार्रवाई की गई है। सरकार बाकी पेज 8 पर

**दरअसल**

37 साल में की 3.81 लाख नसबंदियां | **विश्व जनसंख्या दिवस** | इनमें पुरुषों के ऑपरेशन थे सिर्फ 13,500

# बच्चे दो ही अच्छे की वकालत की दूरबीन वाले बाबा ने

इंदौर, 10 जुलाई (भाषा)।

परिवार नियोजन के करीब 3.81 लाख ऑपरेशनों का कीर्तिमान बनाने वाले मशहूर सर्जन डॉ. ललितमोहन पंत ने बुधवार को कहा कि देश के संसाधनों पर भारी दबाव को देखते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द बनाया जाना चाहिए। उन्होंने 'बच्चे दो ही अच्छे' की वकालत करते हुए कहा कि दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले दंपतियों को सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के लाभ से वंचित किया जाना चाहिए।

पंत ने 11 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व जनसंख्या दिवस से पहले एक बातचीत में कहा कि देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून समय की मांग है। यह कानून जल्द बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, नागरिकों के प्रजनन के नैसर्गिक अधिकार पर किसी भी किस्म की कानूनी रोक संभव नहीं लगती। लेकिन ऐसा कानून बनाए जाने पर जरूर विचार किया जाना चाहिए, जिसमें दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने पर संबंधित दंपति को कुछेक सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के लाभ से वंचित किए जाने के प्रावधान हों।'

*हम* एक लोकतांत्रिक देश हैं, नागरिकों के प्रजनन के नैसर्गिक अधिकार पर किसी भी किस्म की कानूनी रोक संभव नहीं लगती। लेकिन ऐसा कानून बनाए जाने पर जरूर विचार किया जाना चाहिए, जिसमें दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने पर संबंधित दंपति को कुछेक सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के लाभ से वंचित किए जाने के प्रावधान हों। *-डॉ ललितमोहन पंत, सर्जन*

उन्होंने कहा कि सरकारी प्रयासों और आम लोगों में बढ़ती जागरूकता के कारण देश के कई राज्यों में जनसंख्या स्थिरीकरण की ओर बढ़ रही है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के कारण नागरिकों की जीवन प्रत्याशा में भी इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के बोझ के कारण देश के संसाधनों पर भारी दबाव जस का तस कायम है।

मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 64 साल के सर्जन ने कहा कि मैं गुजरे 37 सालों के दौरान करीब 3.81 लाख नसबंदी ऑपरेशन कर चुका हूं। मोटा अनुमान लगाया जाए, तो इन ऑपरेशनों से 10 लाख से ज्यादा संभावित जन्म रुके हैं। दुनिया भर में किसी भी सर्जन ने इतने नसबंदी ऑपरेशन नहीं किए हैं। पंत ने बताया कि उन्होंने पहला नसबंदी ऑपरेशन 1982 में किया था। वह मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश और दिल्ली में गुजरे बरसों में लगाए गए परिवार नियोजन शिविरों में भी नसबंदी ऑपरेशन कर चुके हैं।

डॉक्टर पंत 'दूरबीन वाले बाबा' के रूप में मशहूर हैं। इसका कारण यह है कि महिला नसबंदी की जिस पद्धति में उन्हें महारत हासिल है, उसके साथ दूरबीन का आमफहम शब्द जुड़ा है। उन्होंने कहा कि बिना चीरा, बिना टांका, बिना दर्द पद्धति के कारण पिछले वर्षों में नसबंदी बाकी पेज 8 पर

# जनसत्ता

## क्लासीफाइड

### व्यक्तिगत

I, Raju Rathore S/o Shri Virender Kumar R/o-E-348,New Ashok Nagar,Delhi-110096,have changed my name from Raju to Raju Rathore for all purposes. 0040502499-6

**It** is for general information that I SUSHILA D/O NANAK CHAND W/O HEMANT KUMAR residing at H.No.222, Block-B, Ekta Vihar, Jaitpur, Badarpur, New Delhi-110044 inform that name of mine has been wrongly written as VEENA in my PAN Card. The actual name of mine is SUSHILA, which may be amended accordingly. 0040502630-1

**I, Rajesh** Arya S/o Chandan Ram R/o F-52, Sector-20, Noida (U.P.) have changed my name from Rajesh Kumar to Rajesh Arya for all future purposes. 0040502695-1

**I,Pooja** Kabotra D/o Jagdish Kumar W/o Vishal Guleria R/o-A-36 Block-A, Kanti Nagar, East Delhi-110051,have changed my name to Pooja Guleria for all purposes 0040502708-2

**I, No.3998526Y, Hav Rahim Singh S/o Late Sh. Chand Ram Unit-15, Dogra residing at Vill-Bhadrad PO-Groru, Teh-Sarkaghat**, Distt-Mandi (HP) have changed date of birth of my wife Smt. Mamta Kumari from-21.01.1982 to 22.01.1981 vide,affidavit No.IN-KA66615377339035R dated:-08.07.2019, Meer Hassan Banglore. 0040502636-3

**I,No-8431286M** NK KARRI PARAMESWARA RAO, S/O-GODAVARI NAIDU, R/O-VPO-Ganaparthi, Teh-Mungapaka, Distt-Visakhapatnam(AP)-531055,that in my service-record,my son name, has-been written,as K SRI DINESH.But his correct name is K S D S V G NAIDU,for all future purpose. 0040502708-1

**I,Neelam** Rani W/O Virender Singh R/O-F-2/90,Ground-Floor,Sector-16, Rohini,Delhi-110089. Have Changed My Name To Neelam. 0040502690-8

**I,Mamta** Rani D/o Brij Bhushan Sharma R/o-D-528 Street No.13, Bhajanpura Delhi-110053,have changed my name to Mamta Sharma for all purposes. 0040502689-3

**I, Mahender Singh** Rawat S/o Udai Singh R/o Village Rekhari Post- Garkhet Distr Almora-263658, have inform The name of my wife Bhawati & Bhagwati Devi Are Pertaining to one and same Lady 0040502695-2

**I,Kawaljeet** Kaur W/o-Dhanwant Singh R/o-WZ-766, Plot.No-15, Vishnu-Garden, N.Delhi-110018, have changed my name to Harpreet Kaur. 0040502705-3

**I, Ashok Kumar S/o Sh.Sardar Singh R/o 345-A, Vill.-Neelwal,** PO.-Tikri Kalan New Delhi-41 inform that my son's name Manshu Drall & Manshu both are same person His correct name Manshu Drall for all future purposes. 0040502636-4

I, hitherto known as Sujeet Kumar S/o Late.Harlal Singh R/o-H.No.423-A, Inderpuri, Karkardooma Delhi-110092.have Changed my name and shall hereafter be known as Sujeet Samrat. 0040502687-10

I, Yogesh Kumar @ Yogesh Gogia S/o Sh.Prem Gogia R/o D-11/14, Model Town-II, North-West Delhi, Delhi-110009, have changed my name to Yogesh Kumar for all purposes. 0040502614-2

I, Yash Vir Singh S/O Late Sunder Singh R/o H.No 258, Gali no.3, Jeetpur Muradnagar, Ghaziabad, do hereby informs that I have changed my name from Yash Vir Singh to Yashvir Singh Tyagi for future purposes. 0040502669-2

I, Warisha Ahmed D/o Arif Ahmed R/o-4/30, Resham Katra, TajGanj, Agra, UP have changed my name to Warisha Arif. 0040502698-6

I, Vedwati W/o Yoginder Pal Singh,H.No.S-523, School-Block, Part-1, ShakarPur, Delhi-110092. Have changed my name to Vandana Verma. 0040502705-1

I, Varsha Rani D/o Tejvir Singh R/o Flat No-D-401, Plot No.84-B, Euro-Apartment, Sec-5, Rajendra-Nagar, Sahibabad, Ghaziabad.have changed my name to Varsha for all purposes. 0040502698-7

I, Taranjeet Kaur W/o Harpreet Singh R/o 9/596, West Gugu Angad Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have change my Daughter's name from Harkiran Aneja to Harkiran Kaur for all future purposes. 0040502619-1

I, Sweta Bansal W/o Mohit Bansal R/o-949, Krishan-Ganj, Pilkhua-Dehat, Hapur, U.P-245304, have changed my name to Shweta Bansal permanently. 0040502687-2

I, Suresh Kumar S/o Late Sh.Om Prakash R/o-H.No126-127, Pocket-22, Sector-24, Rohini, Delhi-110085,in my LIC-record my name is wrongly-written as Suresh Garg but my actual name is Suresh Kumar. 0040502698-3

I, Sunil Agarwal s/o Kailash Gupta R/o-Plot.No-7A, 3rd-Floor, Side-Block, MS.Mohan-Garden, Uttam-Nagar, Delhi-110059, have changed my name to Sunil Gupta, Permanently. 0040502705-4

I, Soni Chanda S/O Samar Chanda, H.NO-121B,Begum Pur, New-Delhi-110017. Have Changed my Name to Shankar Chanda. 0040502705-10

I, Sonal Malhotra W/O Paras Verma R/O T24-204 Common Wealth Games-Village LaxmiNagar Delhi Have Changed My Name To Sonal Verma. 0040502690-1

I, Savinder Kaur w/o Amrik Singh Sandhu resident VPO Moriwala Sirsa, Haryana, have changed my name to Surinder Kaur Sandhu. 0040502676-2

I, Saroj Sharma S/O-Shivnath Sharma R/O-122, Rithala-Village, Delhi-85.Changed My Name To Saroj Kumar Sharma. 0040502690-4

I, Rukiyabahen Mohadirfan Chaudhari W/o Irfan R/o Khasra No.8/20 G-47 Shiv Mandir Road Swaroop Nagar Delhi-110042.changed my name to Ruckaiya Chaudhary. 0040502689-8

I, Rekha Devi, D/o Thakur Lal, R/o House No. B-20, Gali No. 1, Bhatia Colony, Ballabgarh, Faridabad, Haryana-121004, have finally changed my name to Soni. 0070664256-1

I, Rajni Kaur D/o Hari Om Singh R/o B-4/61-B Keshav-Puram Delhi-110035 have changed my name to Jasmeet Kaur. 0040502687-5

I, Rajender Kumar S/o Late Sh.Chiranji Lal R/o 498,Mohalla Mantola, Pahar Ganj, New Delhi-110055, have changed the name of my minor son from Rishab to Rishabh for all purposes. 0040502614-1

I, Rajeshwari Verma W/o Navin Kumar Hav/Dsv Service No. 1493334h, R/o 75A/B10A, Udaygiri-1, Sector-34, Noida, UP, informs that Rajeshwari Devi & Rajeshwari Verma are same person's name that I will use my name as Rajeshwari Verma in all future purposes. As Affidavit No 77AD 344578. 0040502643-1

I, Rajeev Bhardwaj S/o Raghunath Dass R/o 60, Geeta Apartment, Block-17, Geeta Colony Delhi-110031 have changed my name to Rajiv Bhardwaj for all future purposes. 0040502612-1

I, Raja Gufran S/o Mohd.Firoz R/o S-7, Balai-Basti Nahrika Naka Sastrinager, Jaipur-302016, Rajasthan, have changed my name to Mohammed Gufran Badgujar,permanently. 0040502689-1

I, Protima Gupta W/O Anil Gupta R/O Flatno-611A, Aralias, Golf-Course-Road, Sector-42, Dlf-Golf-Links, Gurgaon, Haryana-122002.Have Change My Name To Achla Gupta. 0040502690-6

I, Preeti Aggrawal W/o Sanjay Aggarwal R/o L24/5, DLF Phase-2, Gurgaon, Hr-122008, have changed my name to Preeti Agarwal. 0040502689-4

I, Parmjeet Singh S/O Mahinder Singh R/O-C-2, Gali Ram-Mandir, New-Govindpura, Krishan Nagar, Delhi-110051.Have Changed My Name To Paramjeet Singh. 0040502690-7

I, Paramjit Singh S/O Gurdeep Singh R/O-Plot No-55, Chand Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to Paramjeet Singh. 0040502689-6

I, Om Prakash Arora S/O Choudhary Ram Kharbanda R/o-B-43 Mohan Park Naveen, Shahdara Delhi-110032,have changed my name to Omprakash Kharbanda 0040502689-2

I, Nisha kaur D/o Hari Om Singh R/o B-4/61-B Keshav Puram Delhi-110035 have changed my name to Kulwinder Kaur. 0040502687-6

I, Neelam Rani W/O Bhavnesh Asija Resident At M-56 Block-M NirmalPuri Lajpat-Nagar-4 Delhi-110024. Have Changed My Name To Neelam Asija. 0040502689-10

I, NAGARAM R/o E-2/43A, Gali No.1, Shastri Nagar, Delhi-110052 have changed my minor son name from HARISH DEVASI to SHANKAR KUMAR. 0040502632-1

I, Mukesh Kumar S/o Govind Gupta R/o-B-218, F-1, Shalimar Garden, Ghaziabad have changed my name to Mukesh Gupta. 0040502636-1

I, Mohit Kumar, R/o A-35, Trikuta Hills Apartment, C58/27, Sector 62, Noida, UP-201301, have changed my Minor Child's name from Shourya Singh to Shaurya Singh. 0070664257-1

I, Laltaish Rani, R/o G1/1101, Mansarovar Park, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name to Lalita Sharma. 0070664254-1

I, Lalit Kumar S/O Ramesh Chandra R/O-1/3054, 3rd-Floor, Plot.No-A-20, Gali.No-18, Ramnagar, Shahdara, Delhi-110032. Changed My Name To Lalit. 0040502705-5

I, Kuldip Atri,S/O Sewa Ram Atri R/O-22, Nav Vikas-Apartment, Sector-15, Rohini, Delhi-110089, Have Changed My Name To Kuldeep Atri. 0040502690-9

I, Kuldeep Chand S/O Jatt Ram, R/O-B-19, U/G Floor, Galino-6, Rajapuri, Vishwas-Park, Uttamnagar, N.Delhi-110059. Changed My Name To Kuldeep Thakur. 0040502705-7

I, Kanchan Negi W/O Amit Patwal R/o 2nd D/10-B, Kamna, Vaishali, Ghaziabad. have changed my name to Kanchan Amit Patwal for all purposes. 0040502698-8

I, Jyotshnarani Patra, W/o Nabaghan Patra, Residing at Flat No. 33, Mahabhadrakali CGHS, Plot No. 6, Sector-13, Dwarka, Delhi-110078, declare that name of mine has been wrongly written as Jyotsna Patra in the Educational Documents of Minor Daughter Lipsita Patra aged 13 years. The actual name of mine is Jyotshnarani Patra, which may be amended accordingly. 0070664255-1

I, Js Narkis Anal W/O Peter Augustine R/O.Flat.No-515, C&D-Block, Sfs-DDA-Flats, Shalimar Bagh, Delhi-110088. Have Changed My Name To Narkis Peter. 0040502690-3

I, Joginder Pal S/O-Bachiter Ram R/O - Ward No.-1, Begumpura Enclave, Mirpur Chowk, Gurdaspur, Punjab-143521. Changed My Name To Joginder Singh. 0040502690-2

I, Jasmeen Kaur W/O Balsher Singh R/O-Badal Sri Muktsar Sahib Punjab-152113.have changed my minor daughter's name Chitman Dhilon to Chitman Kaur Dhilon. 0040502687-3

I, Iftabim Isaq Sama R/o J4/44, 4th Floor, Khirki Extn, Malviya Nagar, ND-17, have changed my minor son's name from Sama Wasim Ibrahim to Wasim Ibrahim Sama. 0040502629-1

I, Harpreet Singh s/o Rajinder Singh r/o C-201, Sukhsagar Apartment, Plot No.-12, Sector-9, Dwarka, Delhi-110075, have changed my minor daughter's name from Divjot Sethi to DIVJOT KAUR SETHI. 0040502649-1

I, Hari Singh S/O Siya Ram R/O-45-B, Pocket-A-1, Mayur-Vihar Phase-3, Delhi-110096. Changed My Name To Hari Singh Choudhary. 0040502705-6

I, Hardeep Kaur W/o Amardeep Singh R/o-19A South-Anarkali Krishna-Nagar East New Delhi.changed my minor daughter's name Parneet to Parneet Kaur. 0040502698-4

I, Guru Charan Singh Jain S/o Deshpal Singh Jain R/o FlatNo.603, Tower-1, Ansal Sunshine-County, Adhkhalsa-Rai-131029, SONIPAT.have changed my name to Guru Charan Jain. 0040502698-9

I, Dinesh Kumar Sharma S/o Harish Chand Sharma R/o H. No.5131, Gali No.18, Krishna Colony, Sehatpur Extn. Amarnagar, Faridabad, Haryana-121003 have changed my name to Dinesh Sharma. 0040502668-1

I, Dheeraj Kumar S/o Sh. Jagdishwar Pandey R/o 2555, Pocket-2, Sector-C, Vasant Kunj, New Delhi-110070, have changed my name to Dheeraj Kumar Bhardwaj for all purposes. 0040502614-5

I, Devendra Kumar S/o Mathura Prasad R/o-251 Om-Apartment, LIG-Flats, Pocket-II, Sec-14, Dwarka, New Delhi-110075. changed my name to Devendra Dhyani. 0040502698-10

I, Devender Naagar S/O-Sahib Singh R/O-21-A, Jhang Apartment, Sector-13, Rohini, Delhi-85. Changed My Name To Devender Nagar. 0040502690-5

I, Deepali, D/o Kailash Singh, R/o G-126, Jagjeet Nagar, Delhi-110053, have changed my name to Deepali Rawat for all purposes. 0040502657-1

I, Davender, S/o Randhir Singh, R/o VPO Pabnawa, Kaithal, Haryana have changed my name to Davender Bodla vide Affidavit dated 08.07.2019 sworn before Executive Magistrate Dhand (Kaithal). 0070664221-1

I, Chandra Bhan Sharma S/o.Sohan Lal Sharma R/o-704,Shalimar-Garden, Extn-1, have changed my name to Chander Bhan Sharma for all purpose. 0040502705-2

I, Brijesh Kumar S/o Vanshraj Ram R/o Village Malikshahpur, Post-Kotila, Azamgarh, U.P.-276207, have changed my name to Kalika Prasad (LIC Policy No.123345693), for all purposes. 0040502674-1

I, Halima Parveen W/O Mohd Gufran R/o H.No-33, Raipur-Bhagwanpur Haridwar UK-247661 changed my name to Halima Baigam. 0040502687-8

I, Champa Thawani W/o Harish Chander Thawani R/o J-42, Lajpat Nagar-2 New Delhi have changed my name to Madhu Thawani 0130011603-1

I, Mohit Garg S/o Rakesh Kumar Garg R/o-976, Krishan-Ganj, Pilkhuwa.Hapur, U.P-245304, have changed my name to Mohit Kumar Garg permanently. 0040502687-1

I, Mohadirfan Abbasbhai Chaudhari S/o Abbas R/o Khasra No.8/20 G-47 Shiv-Mandir Road-Swaroop Nagar Delhi-110042. changed my name to Irfan Chaudhary. 0040502689-7

I, Mayank Verma S/o Rajbir Verma R/o Flat No.212/B,DG-2,Vikaspuri,New Delhi-110018, have changed my name to Eashan Varma for all purposes. 0050151272-1

I, Mansi Walia W/o Yogesh Walia R/o RZ-D-1/125,Gali No.7,Mahavir Enclave-I,New Delhi-110045 have changed my name to MEENU WALIA permanently. 0040502636-2

I, Manju Devi W/o Navdeep (16016675M) R/o VPO Achina, Tehsil & District Charkhi Dadri, Haryana have changed my name to Manju Kumari. 0040502689-9

I, Bipin Chandra Agrawal S/O Mahesh Chandra Agrawal R/O-1627, Barhpura-Colony, Sadar Road, Mathura, U.P-281001, Changed My Name To Bipin Singhal. 0040502698-2

I, Balwinder Kaur W/O Paramjeet Singh R/O-Plot No-55, Chand Nagar, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to Balvinder Kaur. 0040502689-5

I, Balvinder Kaur Basoor D/O Harcharan Singh Basoor Address-A-54 Sarita Vihar, Delhi-110076. Have Changed My Name To Balvinder Kaur. 0040502698-1

I, Bachan Singh S/o Sh.Ram Nath R/o D-1A/82, Janakpuri, West Delhi, Delhi-110058, have changed my name to Bachan Singh Dhiman for all purposes. 0040502614-3

I, Ashish Kumar S/o Yashvir Singh R/o I-34 Govindpuram, Ghaziabad do hereby inform that I have changed my name from Ashish Kumar to Ashish Kumar Tyagi for all future purposes. 0040502669-1

I, Arif Nazma D/o Mohammad Shamim R/o-4/30, Resham Katra, TajGanj, Agra, UP have changed my name to Nazma Arif. 0040502698-5

I, Anubha Singhal D/o Sh. Rakesh Kumar Jain R/o B-22, U.G. Jain Mandir, Radhey Puri, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to Anubha Jain. 0040502638-1

I, Anesh Kumar R/o H.No.32, Village Asalatpur Khawad, Delhi-110043 have changed my son name from Harsh Chaudhary to Arsh Chaudhary for all purposes. 0040502611-1

I, Amrik Singh s/o Baldev Singh resident VPO Moriwala Sirsa, Haryana, have changed my name to Amrik Singh Sandhu. 0040502676-1

I, Amajeet Singh Bedi S/O Pratap Singh Bedi.H.NO-26,Third-Floor, Gopal Nagar,Tilak-Nagar,New-Delhi-110018. Changed My Name to Amarjeet Singh Bedi. 0040502690-10

I, Aliza Shafiq D/o Mr. Shafique ul Hassan R/o K-281, Pocket K, Sarita Vihar, New Delhi-110076, have changed my name from Aliza Shafique to ALIZA SHAFIQ for all purposes. 0040502634-1

I, Ajeet Singh @ Ajeet Singh Arya @ Ajeet Singh Chaudhary @ Ajit Singh S/o Late Sh.Fateh Singh R/o-I-543, I-Block, Anandvas Shakurpur, Delhi-110034, have changed my name to Ajeet Singh Arya for all purposes. 0040502614-4

I, Abhishek S/O Rajesh Chand R/O-1775,Chok Shah Mubarak,Sita Ram Bazaar,Gali-Khatikan,Delhi-110006,Have Changed My Name To Abhishek Chola For All Future Purposes. 0040502636-5

I, Abhishek Kumar R/o B-21 Lake View Apts. Ward-8 Mehrauli ND-110030 changed my minor son name Aryan to Aryan Chaudhary. 0040502687-4

I have changed my name from Priyanshi Chaudhary to Priyanshi D/o Lalit Kumar, R/o Flat No. 714, SG Homes, Sec-3, Vasundhra, Ghaziabad U.P., forever. 0040502683-1

I, Sharel Agarwal D/O Sunil Agarwal R/o 129-A, Old Anarkali Krishna-Nagar Delhi-110051 have changed my name to Sharel Aggarwal for all future. 0040502687-7

I, Masoda W/O Mohd Irfan R/o H.No-33, Raipur-Bhagwanpur Haridwar UK- 247661 changed my name to Masooda Khatoon. 0040502687-9

I, Kanta Pawar, wife of late Shri Kaver Bal Behari MES 308283 (UDC) hereby inform that Madhwi Pawar is one and same person, and same will be rectified in my husband Service Book maintained by GE Central, Delhi cantt. If anyone have any objection, He/She may inform undersigned and GE Central with substantial evidence within 30 days of this notice. Contact No.9891948855. 0040502675-1

I Hitherto known as Lalita Sahgal D/o Nand Lal Sahgal W/o Late Somdutt Arora Residing at 3H/68,NH-3 NIT-Faridabad-121001,have changed my name and shall hereafter be known as Lalita Arora 0040502708-3

I Akash Kumar Panchal S/o Bijender Singh R/o B-834, Panchvati Society F Block Vikas Puri New Delhi-110018 have changed my name to Akash K Panchal. 0040502678-1

मैं, शिव आर्य पुत्र ईश्वर सिंह आर्य, निवासी 189-सी, क्यू. यू. ब्लाक उत्तरी पीतमपुरा ने अपना नाम बदलकर शिव कुमार आर्य रख लिया है।

**CHANGE OF NAME**
I, RANJITA SAPRA, D/o KRISHAN LAL and W/o ANIL KUMAR SAPRA, residing at H No 350, Sector 7, Ambala City, Ambala, Haryana, 134003, India, changed my name from RAJ RANI to RANJITA SAPRA vide affidavit dated **17.6.2019** sworn before Notary **RAVINDER KUMAR at AMBALA.**

## खोया+पाया

I, Khushboo D/o Dalbir singh.H.no-6 type-2 bses-colony andheria mode N.D-110074. Have lost my original certificate class-10th year-2017 Rollno-8232283 C.B.S.E. Delhi. 0040502708-6

I, MOHAMMAD Abdurakhman S/o Mohammad Ruhullah R/o-K-11/1257 Sangam Vihar N.D-80. Have lost my original certificate class-12th Year-2016 Rollno-9114328 C.B.S.E. Delhi. 0040502708-7

I, SHARDA RAY D/o Santosh chandra ray R/o B-45 Mig dda flats golf view apartment saket N.D-17.Have lost my original-certificate class-12th year-2018 Rollno-9198280 C.B.S.E. Delhi 0040502708-5

**LOST & FOUND**

मैं, आरती शर्मा D/O श्री जगदीश प्रसाद शर्मा की एम फिल (बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय) की मार्कशीट (Roll No. 136036) लखनऊ में खो गई है। जिस किसी को भी मिले संपर्क करें : 7905438963

**50151300**

**PUBLIC NOTICE**
I hitherto Known as S MANOJ alias SUNKE MANOJ S/O SUNKE KOTESWARA RAO, RESIDING at M-13 GREEN PARK MAIN, NEW DELHI- 110016, have changed my name and shall hereafter be known as SUNKE MANOJ

3 4hRLY(6)

**PUBLIC NOTICE**
**PUBLIC AT LARGE HEREBY INFORMED THAT** My Client Mr. Suraj Mal S/O Late Niater Singh aged about 58 year R/O H. N. 220, Dwarka Sector 19, Ambrahi village, South West Delhi, Delhi- 110077. Has disowned and Severed his all Relation With His Son Rohit and his Wife Namely Ms. Shalu and D/O Ram Chander H.N. 220, Dwarka Sector 19, Ambrahi village, South West Delhi, new Delhi- 110077. Due To Cruel Treatment by them, He Disinherited / Disowned Them From All her Properties-Movable and Immovable. Any Body Dealing With Them be doing So at His/Her/Their Own Risk And Consequences.
**H.L. VERMA (Advocate)**
**Ch. No. 181-A, Western Wing,**
**Tis Hazari Courts, Delhi**

**PUBLIC NOTICE**
KNOW ALL MEN that my clients SH. PUSHPAL SINGH S/o late Sh. Joginder Singh and his wife SMT. RENU RAJPUT, both R/o 382/1, Second Floor, Gali No.21, Shiv Nagar, Janakpuri, New Delhi-110058 have severed all their relations with their son namely SH. SAHIBPREET SINGH and his wife SMT. SONAKSHI D/o Mr. Srikrishan because of the unwarranted and untoward behavior of Smt. Sonakshi. My above said clients do hereby debarred both Sh. Sahibpreet Singh and Smt. Sonakshi from all their movable and immovable properties and they shall not be responsible or liable for any of their acts or deeds and anyone dealing with them in any way or manner whatsoever, shall be doing it on his/their own risks and consequences.
Sd/-
**J.S. KALRA (Advocate)**
**Ch. No. 296, Western Wing,**
**Tis Hazari Courts, Delhi**

**PUBLIC NOTICE**
This is to inform General Public that my clients Shri Ramesh Pratap Chhibbar, S/o Late Shri Atal Pratap Chhibbar, and Smt Anita Chhibbar, W/o Shri Ramesh Pratap Chhibbar, Both R/o House no A-2 / 62, Varun Apartments, Plot no - 12, Sector - 9, Rohini, Delhi, had severed & disconnected all their connections & relations with their son namely Sh. Rahul Chhibbar and his wife Gunjan Chhibbar, on account of their disobedient and anti-family attitude and acts and also disowns/disinherits them from all their (Ramesh Pratap Chhibbar's & Smt Anita Chhibbar's) properties, movable or immovable, whether presently owned or even may own by them in future.
Take note that any person dealing with their above named son (Rahul Chhibbar) and his wife (Gunjan Chhibbar) under the impression and belief of being the son and daughter-in-law of my clients or successor of the properties of my clients, shall do the same at its own risk and my clients shall not be held responsible for the same in any manner and my clients would not be liable for the same.
Sd/-
**NITIN SEHGAL (Advocate)**
**A-2/56, Varun Apartments,**
**Sector-9, Rohini, Delhi**

**PUBLIC NOTICE**
My client Dev Kumar Prasad S/o Vishvanath Prasad R/o 48 C, Block-R3A3, Near Gandhi Chowk, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi and his wife Simir Kali severe all relations and debarred their son Ram Babu Prasad from all moveable and immoveable properties as his conducts is highly immoral and irresponsible. My clients will not be responsible for their acts and conducts. The person who deals with them will be sole responsible for that.
**AJAY KUMAR JHA (Advocate)**
**C-20, Kiran Garden, Uttam Nagar, Delhi-59**

**PUBLIC NOTICE**
BE IT KNOWN TO ALL CONCERNED that my clients Sh. Nathu Ram S/o Late Sh. Sukh Ram and Smt. Maya Devi W/o Sh. Nathu Ram both residents of C/266, Second Floor, Tagore Garden Extn., New Delhi- 110027 has irreconcilable differences and strained relationship with his son Sh. Lalit Kumar and his wife Smt. Poonam. Thus, my clients are in full state of mind and have decided to severe/disown all relations from them too for all manners and purposes relating to all moveable and immoveable properties. My clients further restrain them from entering into their house/interfering their personal life. My clients shall not be responsible for their acts, omission while dealing with anyone in any manner for any purpose and intent.
**SATISH KUMAR (Advocate)**
**Ch. No. 310, Patiala House Courts, New Delhi- 01**

## शिक्षा संबंधित

**ADMISSION NOTICE**
**Baba Haridass College of Pharmacy & Technology**
**Jharoda Kalan, New Delhi - 72**
**Tel: 011-25315268, 9313862445**
Applications are invited from the candidates who have qualified CET 2019-2020 of DTTE, Govt. of NCT of Delhi for admission in **Diploma In Pharmacy & Diploma In Medical Lab Technology** against 10% Quota of Management seats. Admission will be done on merit based on percentage of marks in the qualifying examination. Prescribed form can be obtained from the institute on any working day within 15 days of this advertisement. For any other detail refer to notice board in the college campus. **Principal**

**Public Notice**
Notice is hereby given to all concerned, that my client is desirous of purchasing the entire first floor of property bearing number A-11/2, DDA SFS, SAKET, NEW DELHI - 110017 from its lawful owner Mr. SUJIT PAL SINGH. Any person(s), entity, institution or organization having any kind of claim, right, title, interest or objection of any nature in respect of the said flat, may come with his/her claim within 7 days of publication of this notice, to the undersigned. Thereafter no claim shall be entertained.
Adv. Jojo Jose
ABC Advocates, 130, Siddhartha Enclave, Ring Road New Delhi-110014
Enrollment No. K/3271/99
Mob. 9891779857

**PUBLIC NOTICE**
**This is to General Public inform that my client Sh. Bhagwati Prasad Kukreti and Smt. Chander Kala Kukreti both resident of H.No.5, Gali No.1, Saheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar, Delhi-94, disowned their son Sh. Pradeep and his wife Suman from all his movable and immovable assets, because of their unfamiliar, cruel and unfair attitude and behavior.**
**D & K Associates**
**(Advocates & Legal Conslutant)**
**Ch.No.390-A, Criminal Side, Western Wing,**
**Tis Hazari Courts, Delhi-110054**

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I Anil Kumar Dahiya S/O Ishwar Singh R/O Hno. 289/26, West Ram Nagar, Sonipat- 131001, Haryana. Declare that name of mine written as Anil Kumar in Passport (Passport no. H-4829535), is my maiden name. The actual name of mine is ANIL KUMAR DAHIYA. This may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

**सार्वजनिक सूचना**
मेरी मुवक्किला श्रीमती अनिता पत्नी स्व. श्री कुशल चन्द पता डी-445, द्वितीय तल, जे.जे. कालोनी, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली (आधार नं. 2890 2974 4031) एवम् मेरे मुवक्किल अशोक कुमार और हेमराज पुत्र स्व. श्री कुशल चन्द पता (वही) द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे उपरोक्त मुवक्किला श्रीमती अनिता ने अपने बेटे देवराज एवम् अशोक कुमार व हेमराज ने अपने भाई देवराज के द्वारा किए जा रहे बुरे बर्ताव तथा बुरा आचरण व गाली-गलौज करने तथा परिवार में अशांति फैलाने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और मेरे मुवक्किलों ने उपरोक्त देवराज से अपनी सभी प्रकार के संबंध समाप्त कर लिए हैं। भविष्य में अगर उपरोक्त देवराज किसी भी प्रकार का कोई गलत काम या अपराध करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगा अथवा अगर कोई भी व्यक्ति देवराज से कुछ भी लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा, इसमें मेरे मुवक्किलों व परिवार के अन्य किसी भी सदस्य की कोई भी जिम्मेवारी नहीं होगी।
हस्ता./-
एं.के. श्योरॉन
अधिवक्ता
**A.K. Sheoran Advocate**
**Delhi High Court**
**Chamber No. 455 Patiala House Court, New Delhi-110001**

**सार्वजनिक सूचना**
मेरे मुव्वकिल सोनी देवी पत्नी श्री रमेश चन्द निवासी म.न. D-150, लक्ष्मी पार्क, नांगलोई, नई दिल्ली-110041, ने अपने पुत्र प्रदीप कुमार और उसकी पत्नी वर्षा को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सभी सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं इस पर हुये लेनदेन पुलिसकेस की जवाबदेई मेरे मुव्वकिल की नहीं होगी।
**Advocate : Mahender Kumar**

**सार्वजनिक सूचना**
मेरी मुवक्किला आलीया बेगम पत्नी स्व. तफजील अहमद निवासी बी-65, गली नं. 1, श्रीराम कॉलोनी, करावल नगर, दिल्ली 94, ने अपने पुत्र मुदसीर अहमद व पुत्रवधु फरहीन को उनके प्रति दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण उनसे अपने संबंध विच्छेद कर अपनी सभी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कार्य के लिए मेरे मुवक्किला जिम्मेदार नहीं होंगी।
**हस्ता./-**
**मौहम्मद फुरकान**
**एडवोकेट**
**E-520, Karkardooma Courts Delhi-110032**

**सार्वजनिक सूचना**
यहां सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संजीव कुमार गोयल पुत्र स्व. श्री प्रेम चन्द गोयल जी, निवासीः बी-46, विशाल एन्कलेव, न्यू दिल्ली-110027 ('संपत्ति'), स्व. श्री प्रेम चन्द गोयल जी के कानूनी वारिस एवं उत्तराधिकारी हैं तथा उपरोक्त वर्णित संपत्ति के पूर्णरूप से, एकमात्र, कानूनी तथा सही/ सच्चे स्वामी/ मालिक हैं। यहां सर्वसाधारण को प्रस्तुत नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री संजीव कुमार गोयल के अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति/ व्यक्तियों को उपरोक्त संपत्ति को बेचने, किराये पर देने, उपहार स्वरूप देने, पट्टे पर चढ़ाने, दान करने, किराएदारी समझौते हस्तांतरित करने अथवा अन्य किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने का कोई अधिकार नहीं है। कोई भी व्यक्ति यदि उपरोक्त संपत्ति के संदर्भ में किसी भी प्रकार का हक, अधिकार, शीर्षक, रूचि, दावा अथवा कोई भी किसी भी प्रकार की मांग रखता है, तो उसे इस हेतु पूरे प्रामाणिक दस्तावेजों के साथ इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि के 15 (पन्द्रह) दिनों के भीतर अधो-हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करना है, जिसमें असफल रहने पर, बिना किसी संदर्भ के इस भांति के दावे एवं यदि ऐसा कोई दावा करता है या करती है तो उसे निश्चित रूप से छोड़ दिया गया/ खारिज कर दिया गया और निरस्त किया गया समझा जाएगा।
**गीतान्शू रुस्तगी**
**(वकील)**
**पताः** 39/7, **शक्ति नगर, दिल्ली**-110007, **दूरभाष नं.:** + 91 9810077935 **एवं** 9711700394

**PUBLIC NOTICE**
Notified that my client (1) Smt. Samooti W/o Shri Desh Raj (2) Shri Desh Raj S/o Shri Khem Chand both R/o UU-167-A, Pitampura, Delhi- 110034, has/have severe relation from their son **LALIT TANWAR and his wife MONIKA TANWAR and their daughter NANDANI TANWAR.** Due to their cruel and harassing behaviour towards my above named client. Now they have no domestic relations with them and has/have disowned them from all movable & immovable properties.
Any person dealing with his/her/him/them will do at his/her/them own cost & risk and my client's should not be responsible for them, If any.
**SAURABH GUPTA (Advocate)**
**Enrl. No. D-369/2011**

**PUBLIC NOTICE**
I Heena Sharma Advocate on behalf of my clients Mr. Rajeev Suri and Ms Rita Suri, (mother of Mr. Rajeev Suri), R/o House No.4, Road No.25 Near Hansraj Model School, West Punjabi Bagh Extn. New Delhi-26, caused this notice to the general public that my above mentioned clients have barred and disowned all relationship with Mr. Ritesh who is the son of Mr. Rajeev Suri and Ms. Sunita Suri who is the ex-wife of Mr. Rajeev Suri after the divorce between Rajeev Suri and Sunita Suri in 2004. They have no relationship whatsoever with either Sunita suri or Ritesh Suri, hence both of them have no right whatsoever on my clients or their movable or immovable property. If anybody deals with them in any manner, he/shall do so at his/her own risks, costs and consequences. My clients have no concern with them in any manner.
**Heena Sharma Advocate**
**Office : 2/75, West Punjabi Bagh, New Delhi-110026**

**PUBLIC NOTICE**
It is for information of general public that my clients **Mohd. Shamshad** S/o Liyakat Hussain and **Amina Khatoon** both R/o H.No E-37, Rani Garden, Shastri Nagar, Delhi-31, have disowned their daughters namely **Shama** and **Heena** and their family & they shall have no right or concern with my clients and their moveable and immoveable properties. In future my clients shall not be held liable and responsible for the acts and deeds of said **Mohd. Shamshad** and **Amina Khatoon.**
**Tarun Babbar** (Advocate) Manu Appts., Mayur Vihar-I, Delhi-110091.

**PUBLIC NOTICE**
IT IS HEREBY INFORMED THAT MY CLIENT SMT. SATISH KUMARI W/O SH. PURAN CHAND R/O WZ-3673, RAJA PARK, RANI BAGH, DELHI-110034, IS THE ALLOTTEE OF PLOT BEARING NO. 81, IN BLOCK-B, POCKET-3, AREA MEASURING 32.00 SQ. MTRS., SITUATED AT SECTOR - 37, ROHINI, DELHI AND SHE HAS MISPLACED/LOST THE ORIGINAL FDR VIDE APPLICATION NO. 135335 & PRIORITY NO. 16468 & HAVE LODGED A FIR/NCR VIDE LR NO. 1239248/ 2019 DATED 08.07.2019, WITH POLICE STATION, CRIME BRANCH, DELHI, IF ANY BODY FIND THE SAID DOCUMENT, PLEASE INFORM HIM AT THE ABOVESAID ADDRESS OR PH. NO.:- 9873733110.
IF ANY OTHER CLAIMENT HAS ANY RIGHT IN THE AFORESAID PROPERTY, HE/SHE SHOULD FILE AN FIR & GIVE INTIMATION TO DY/ASST. DIRECTOR (LSB), DDA VIKAS SADAN, INA, NEW DELHI WITH IN 30 DAYS FROM THE DATE OF ISSUE OF THIS NOTICE
Sd/-
**RENU BALA (Advocate)**
**Enrl No. D-4533/2014**

**सार्वजनिक सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री महेश कुमार भाटिया पुत्र श्री वासदेव निवासी ए-70, हिमगिरी एन्कलेव, चन्दर विहार, निलोठी एक्ट., नई दिल्ली-110041 ने अपने गोद लिये हुए पुत्र नवनीत कुमार जिस पर मेरे मुवक्किल का कोई नियंत्रण नहीं है तथा पिछले 16 साल से अलग रह रहा है, को मेरा मुवक्किल अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से तुरंत प्रभाव से बेदखल करता है तथा अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद करता है। भविष्य में कोई भी व्यक्ति इसके साथ किसी भी प्रकार का कोई लेन देन या व्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इसमें मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
**Sd./-**
**RAJBIR BANSAL**
**ADVOCATE**

**PUBLIC NOTICE**
Be it known to all public that my client Sh. Man Singh S/o Sh. Late Sh. Murari & his wife Mrs. Babli R/o E-II-239, Madangir, New Delhi-110062, has disowned /debarred their son namely Mr. Deep and his wife Smt. Meenakshi from all their movable and immovable properties/assets and severed all relations due to their disobedience and bad behavior. My client shall not be responsible for their any acts and deeds in any manner whatsoever.
**Jitendar Singh, Advocate**
**Ch. No. 469, Lawyers Block Saket Court Complex, New Delhi-17, Mob: 8800876270**

**PUBLIC NOTICE**
It is informed to the Public at large that my client namely Ram Babbar S/o Joginder Babbar R/o H.No. 726, First Floor, West Guru Angad Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-110092 does not have any concern with Company namely M/s Croyez Immigration Service Private Limited having its office at 12/304, 1st Floor, Sona Complex, 52nd Street, 7th Avenue Ashok Nagar, Chennai, Tamil Nadu-600083 in any manner whatsoever of any kinds.
SD/- Yogesh Dhama (Advocate)
Enrl. No. D-1513/03
Dhama and Associates
E-523, Karkardooma Court, Delhi-51

**PUBLIC NOTICE**
I, for and on behalf of my client Shri Amar Bahadur S/o Shri Vasudev R/o H.No.13, Malikpur Village, Near Model Town, Delhi -110009, hereby inform to the General Public at large that my Client has severed off/disconnected all his relations with his son namely "SANJEET KUMAR" and his dependents/ legal heirs, and has debarred/disowned them from his all movable and immovable properties (as he has already taken his share) for all intents and purposes as they are out of their control for the last 15 years. If anybody deals with them he/she shall be liable and responsible for the consequences.
DEVENDRA PAL SINGH (Advocate)
Flat No RU-368, Pitampura, Delhi-110088
Enrl. No.D/2621/06

## अदालती सूचना

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT (ORDER 5, rule 20 of the Code of Civil Procedure)
In the court of Ms. Geetanjali
Senior Civil Judge-cum-Rent Controller
Shahdara District
Room No 48, Karkardooma Courts, Delhi
Suit No.: CS-10675/16
M/s Vijay Kapoor Chits P. Ltd.
Versus
Anju Etc.
To.
1. Smt. Anju W/o Vishal Kumar R/o E-329, Mandir Marg, East Babarpur Shahdara, Delhi-32
2. Sh. Vishal Kumar S/o Sh. Anand Kumar R/o E-329, Mandir Marg, East Babarpur Shahdara, Delhi-32
The Defendants above named
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 26-07-2019 the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
GIVEN under my hand and the seal of the court, this 01-07-2019.
Sd/-
Senior Civil Judge-cum-Rent Controller
Seal
Shahdara District, Karkardooma Courts, Delhi

# साहसिक खेलों व पर्यटन को बढ़ावा देगी हिमाचल सरकार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

हिमाचल में साहसिक खेलों व पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों के उद्यमियों को हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में निवेश करने का न्योता दिया है।

मुख्यमंत्री बुधवार को ग्लोबल निवेशक सम्मेलन के लिए आयोजित रोड शो के कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। यह सम्मेलन 7-8 नवंबर को हिमाचल में होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्राकृतिक सौंदर्य, प्राकृतिक संसाधनों व कानून व्यवस्था की दृष्टि से सर्वोत्तम राज्य है। अगर निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए आगे आते हैं तो राज्य सरकार उन्हें पूरा सहयोग व सहायता देगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए केवल एक मात्र क्षेत्र पर फोकस नहीं किया है, बल्कि पर्यटन, साहसिक पर्यटन, कृषि, बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण, विद्युत उत्पादन समेत अन्य क्षेत्रों में काम किया है। सरकार इन सभी क्षेत्रों में निवेशकों को प्रदेश में आमंत्रित करना चाहती है। हाइडल सेक्टर में निवेश के लिए सरकार ने पॉवर पॉलिसी में भी बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश बिजली खरीदता नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों को बेचता है।

इस बार नवंबर में होने वाले ग्लोबल सम्मेलन तक राज्य को कुल 85 हजार करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व सरकार ने जर्मनी, नीदरलैंड व दुबई में भी रोड शो आयोजित किए थे। यहां भी राज्य सरकार को सफलता मिली है।

दुबई के निवेशकों ने राज्य में वैलनेस सेंटर रिजॉर्ट्स, न्यूरोपैथी रिजॉर्ट्स, फल व खाद्य प्रसंस्करण समेत रियल स्टेट में निवेश करने में रुचि दिखाई है। उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ने बताया कि राज्य में राज्य सरकार सभी भागों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय व राज्य उच्च मार्गों का व्यापक नेटवर्क है। सरकार हिमाचल को सबसे बेहतर गंतव्य स्थल बनाने पर काम किया है।

इस मौके पर हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव बीके अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव व मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीकांत बाल्दी समेत प्रदेश के अन्य सचिव भी उपस्थित थे। इन्होंने प्रदेश में उनके संबंधित क्षेत्र में निवेश की योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर सीआइआइ दिल्ली राज्य के पूर्व अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी राहुल चौधरी भी उपस्थित थे।

**PUBLIC NOTICE**
Be it known to the general public at large on behalf of my client Mrs. Vijay Laxmi W/o Late Sh. Vijay Mohan Malhotra R/o C-24B, Anoop Nagar, Bindapur, Uttam Nagar, Delhi, that the husband of my client was the sole and absolute owner of Property bearing No. C-23-B & C-24-B, land area measuring 10+48 = 58 sq. yds. Approx., second floor two rooms set, with roof rights, out of Khasra No. 212 and 110, situated in the area of Village Bindapur, Delhi, abadi known as Anup Nagar, in Block-C, Uttam Nagar, New Delhi-110059 vide sale deed dated 29.11.2004, who expired on 03.02.2014 and leaving behind his wife Mrs. Vijay Laxmi as his only legal heirs and successors and after the death of Sh. Vijay Mohan Malhotra my client became the sole and absolute owner of the aforesaid property.
It is hereby made clear that if any one has any objection/claim regarding the aforesaid property which devolve upon my client after the death of her husband Sh. Vijay Mohan Malhotra come forward within 7 days from the date of publishing this public notice alongwith the relevant documents.
Sd/-
**VIKAS SHARMA (Advocate)**
**Ch. No. 214, Civil Side,**
**Tis Hazari Courts, Delhi-54**

**PUBLIC NOTICE**
I hitherto Known as S MAHESH RAO alias SUNKE MAHESH RAO S/O SUNKE KOTESWARA RAO, RESIDING. at M-13 GREEN PARK MAIN, NEW DELHI - 110016, have changed my name and shall hereafter be known as SUNKE MAHESH RAO

**PUBLIC NOTICE**
To Be know to all that I Shanta Basra W/O Ashok Basra C-8/162A, First Floor, Lawrence Road, Delhi-110035, has applied for conversion of the aforesaid Flat from lease hold to free hold vide application no-0155367 in DDA. Original documents i.e. Possession Letter, NOC of electric and water connection and site possession slip of the above flat have been lost. File no-F. 26(310) 73/HB An F.I.R–to this effect has been lodged in the Police station. Any Person(s) claiming my rights, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above name person at above address with in 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right interest, objection with respect to this property can personally inform or write to Deputy Director (LAB) Housing or Director (Housing) I, D Block 3rd floor, INA, New Delhi.

नई दिल्ली
# राजधानी

**मौसम**

| तापमान | नई दिल्ली |
|---|---|
| अधिकतम–39.0 डि.से. | सूर्योदय– 5:21 |
| न्यूनतम– 28.2 डि.से. | सूर्यास्त– 19:22 |



# एनएसयूटी ने पीएचडी का शुल्क किया आधा

सुशील राघव
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

**शोधार्थियों के लिए मासिक छात्रवृत्ति को बढ़ाने का प्रस्ताव**

नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी) ने शोधार्थियों को राहत देते हुए पीएचडी पाठ्यक्रम का शुल्क आधा कर दिया है। दूसरी ओर, शोधार्थियों के लिए मासिक छात्रवृत्ति को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है।

एनएसयूटी के कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने बताया कि शोध को बढ़ावा देने के लिए और अच्छे शोधार्थियों को आकर्षित करने के लिए हमने कई महत्त्वपूर्ण फैसले किए हैं। इसके तहत पीएचडी के सालाना शुल्क को आधा कर दिया गया है। उनके मुताबिक पहले पीएचडी का सालाना शुल्क 72 हजार रुपए था जिसे अब कम करके 37 हजार रुपए कर दिया गया है। यह फैसला शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू हो जाएगा। इसे सीनेट ने भी मंजूर कर दिया है। कुलपति के मुताबिक शोधार्थियों को मिलने वाली 36 हजार रुपए मासिक छात्रवृत्ति को भी बढ़ाकर 45 हजार रुपए करने का प्रस्ताव किया गया है। यह प्रस्ताव सीनेट में पास कर दिया गया है लेकिन बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट में अभी पास होना बाकी है। उनके मुताबिक एनएसयूटी में अभी 100 से ज्यादा शोधार्थी हैं जो 12 विषयों में शोध कर रहे हैं।

## छात्र संघ अध्यक्ष ने जेएनयू कुलपति को लिखा पत्र

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष एन साईं बालाजी ने अपने दाखिला पंजीकरण निलंबित होने के मामले में बुधवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर एम जगदीश कुमार को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने दाखिला पंजीकरण निलंबित करने के निर्णय को गैर कानूनी बताते हुए उसे वापस लेने को कहा है।

## मेट्रो में महिलाओं के मुफ्त सफर के प्रस्ताव को चुनौती वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 10 जुलाई (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मेट्रो में महिलाओं के लिए मुफ्त सफर के आम आदमी पार्टी सरकार के प्रस्ताव को चुनौती देने वाली याचिका बुधवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि किसी वर्ग को छूट देने का फैसला करना प्राधिकार का काम है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर के पीठ ने कहा कि इस याचिका में कोई दम नहीं है। पीठ ने याचिकाकर्ता पर 10,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने उस अपील को भी खारिज कर दिया, जिसमें किराया कम करने और टिकट की कीमत मौजूदा छह स्लैब की बजाय 15 स्लैब में करने का अनुरोध किया गया था।


**ADMISSION NOTICE 2019-20**
For Management Quota Seats
S.B. College of Science & Technology (SBCST)
(Affiliated with BTE Delhi)
2 years Diploma in Pharmacy
Eligible Candidates may apply
for more details contact
College Office directly
(Near) The Mann School,
Holambi, Khurd,
Delhi – 110082
www.sbcstcollege.in
E-mail: sbcst1992@gmail.com
Ph No. 011-27700815

**Karur Vysya Bank** — Smart way to bank
मंडल कार्यालय, नं. 6, 3रा तल, सामने मेट्रो पिलर नं. 80, पूसा रोड, करोलबाग, नई दिल्ली– 110005
फोनः 011–28758374/ 2875375/ 76/ 77, ई–मेलः delhi-do@kvbmail.com, viswanadhama@kvbmail.com

**अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना**

**प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई–नीलामी बिक्री सूचना**

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों तथा गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/ चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका द करुर वैस्य बैंक, प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा किया गया है, की 1) मै. सेवॉय कन्सेप्ट्स, श्रीमती संजीवा गुगलानी, श्रीमती श्रुति गुगलानी तथा श्री सुशांत गुगलानी जिनका व्यावसायिक स्थल 576 आर, मॉडल टाउन, पानीपत–132103 में है, 2) श्रीमती संजीवा गुगलानी, पत्नी श्री सतीश गुगलानी, 3) श्रीमती श्रुति गुगलानी उर्फ श्रुति भाटिया, पत्नी श्री साहिल गुगलानी, 4) श्री सुशांत गुगलानी, पत्नी श्री सतीश गुगलानी; 5) श्री साहिल गुगलानी, पुत्र श्री सतीश गुगलानी; 6) श्री सतीश कुमार गुगलानी, पुत्र श्री भगवान दास (नं. 2 से 6 निवासीः मकान नं. 576– आर, मॉडल टाउन, पानीपत–132103; 7) श्री अशोक भाटिया, पुत्र श्री के.एल. भाटिया; 8) श्रीमती रमा भाटिया, पत्नी श्री अशोक भाटिया,( दोनों 7 एवं 8 निवासीः एच.नं. 399 आर, मॉडल टाउन पानीपत– 132103, 9) श्री रमेश कुमार बजाज, पुत्र श्री देव राज बजाज, निवासी एच.नं. 624, राम शरणम आश्रम के पीछे, मॉडल टाउन, पानीपत–132103; से द करुर वैस्य बैंक लि. प्रतिभूत क्रेडीटर को देय रु. 2,74,92,153.22 (रुपये दो करोड़ चौहत्तर लाख बानवे हजार एक सौ तिरानवे एवं पैसे बाइस मात्र) की वसूली के लिये 23.8.2019 को "जैसा है जहाँ है", "जो भी जैसा है" तथा "जो कुछ भी वहाँ है" आधार पर बिक्री की जायेगी। आरक्षित मूल्य मद सं. 1 के लिये रु. 1,74,00,000.00 (रुपए एक करोड़ चौहत्तर लाख मात्र) तथा मद सं. 2 के लिये रु. 34,00,000.00 (रुपये चौंतीस लाख मात्र) है, धरोहर राशि भुगतान मद सं. 1 के लिये रु. 17,40,000/- (रुपये सत्तरह लाख चालिस हजार मात्र) तथा मद सं. 2 के लिये रु. 3,40,000.00 (रुपये तीन लाख चालिस हजार मात्र) है।

**अचल सम्पत्ति का विवरण**

मद सं. 1. पट्टी राजपुतान, आबादी शास्त्री कॉलोनी, पानीपत में स्थित औद्योगिक भूमि तथा भवन, लगभग माप 1000 वर्ग यार्ड्स जो खेवट नं. 3393 में शामिल है। चौहद्दीः
उत्तरः रोड, दक्षिणः कुमार रेडियो
पूर्वः गुरु नानक हैंडलूम की सम्पत्ति पश्चिमः श्मशान भूमि।
मद सं. 2. टीडीआई सिटी, पानीपत, हरियाणा में आवासीय प्लॉट नं. 83, ब्लॉक सी, लगभग माप 260.22 वर्ग यार्ड्स। चौहद्दीः
पूर्वः प्लॉट नं. 84 पश्चिमः प्लॉट नं. 82
उत्तरः रोड, दक्षिणः अन्य भूमि

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया हमारे बैंक/ प्रतिभूत क्रेडीटर की वेबसाईट अर्थात www.kvb.co.in/ Property Under Auction में दी गई लिंक तथा साथ ही सेवा प्रदाता, मै. श्रीराम ऑटोमाल इंडिया लि. की वेब पोर्टल https://eauctions.samil.in देखें।

**सरफैसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत 30 दिनों की सांविधिक बिक्री सूचना**

एतद्द्वारा ऋणधारक/ गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि ई–नीलामी की तिथि से पूर्व अद्यतन ब्याज तथा सहायक खर्चे के साथ उक्त राशि का भुगतान करें अन्यथा सम्पत्ति की नीलामी/ बिक्री की जायेगी तथा शेष देयता, यदि कोई हो, ब्याज तथा लागतों के साथ वसूल की जायेगी।

**तिथिः** 09.07.2019 — **मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी**
**स्थानः पानीपत** — **द करूर वैस्य बैंक लिमिटेड**

**कार्यालयः रिकवरी अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण– I, दिल्ली**
4था तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, पटेल चौक, नई दिल्ली– 110001

आर.सी. नं. 120/15 — **केनरा बैंक बनाम एफएम इंक ट्रैवल्स डिवीजन एवं अन्य**

कथित रिकवरी प्रमाण पत्र में मेरे आदेश तिथि 14.5.2019 के अनुसार 21.8.2019 को सार्वजनिक ई–नीलामी बिक्री द्वारा नीचे वर्णित सम्पत्ति की बिक्री की जाएगीः
यह नीलामी बिक्री वेबसाईट **https://bankeauctions.com** के माध्यम से "ऑन लाईन ई–नीलामी" होगी।
**ई–नीलामी की तिथि एवं समय** 21.8.2019 को 3.00 बजे अप. से 4.00 बजे अप. (4.00 बजे अप. के बाद 5 मिनट की असीमित विस्तार के साथ)

| क्रम सं. | सम्पत्ति का विवरण | आरक्षित मूल्य | ईएमडी |
|---|---|---|---|
| 1. | 23–24, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अतरौली, अलीगढ़, उ.प्र., माप 2897 वर्ग यार्ड्स | रु. 72.66 लाख | रु. 7.27 लाख |

**नियम एवं शर्तें**

1. नीलामी बिक्री वेबसाईट पोर्टल **https://bankeauctions.com** पर "ऑन लाईन ई–नीलामी" होगी।
2. ईएमडी का भुगतान रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–I, दिल्ली, खाता आर.सी. नं. 120/15 के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर के द्वारा अथवा द्वारा किया जायेगा जिसके साथ पहचान के स्व–सत्यापित प्रमाण (वोटर आई–कार्ड/ ड्राइविंग लाइसेंस/ पासपोर्ट) जिसमें भविष्य में पत्राचार का पता शामिल हो तथा पैन कार्ड की स्वतः सत्यापित प्रति अधिकतम 19.8.2019 के 5.00 बजे अप. तक रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–I, दिल्ली के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए। उसके बाद प्राप्त ईएमडी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
3. ईएमडी के साथ प्रेषक के विवरणों जैसे पते, ई–मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर आदि से युक्त लिफाफे के ऊपर "आरसी नं. 120/15" शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
4. संपत्ति की बिक्री "जैसा है जहां है आधार" पर की जा रही है।
5. बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने तथा ई–नीलामी में भाग लेने से पूर्व विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए पोर्टल https://bankeauctions.com देखें एवं/ अथवा श्री अभय कुमार, मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली से संपर्क करें।
6. संभावित बोलीदाता को पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा तथा अग्रिम में लॉगिन आईडी तथा पास्वर्ड प्राप्त करना होगा जो सी 1 इंडिया प्रा.लि., गल्फ पेट्रो केमिकल, प्लॉट नं. 301, 1ला तल, उद्योग विहार फेज–II, गुरुग्राम (हरियाणा)–122015, वेबसाईटः https://bankeauctions.com से प्राप्त करना अनिवार्य है। ई–नीलामी सेवा प्रदाता के सम्पर्क व्यक्ति श्री विनोद चौहान, मो.नं. 09813887931, टेली. 0124–4302000 (एक्स्टें. 200)
7. संभावित बोलीदाता 1 इंडिया प्रा.लि. गल्फ पेट्रोकेम बिल्डिंग नं. 31, 1ला तल, उद्योग विहार, फेज–II, गुरुग्राम (हरियाणा)–122015, वेबसाईटः https://bankeauctions.com, ई–नीलामी सेवा प्रदाता के सम्पर्क व्यक्ति श्री विनोद चौहान, मोबाईल नं. 09813887931, टेलीः 0124–430200 (एक्स्टें. 200) से ई–नीलामी पर ऑन लाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।
8. केवल ऐसे बोलीदाता ऑन–लाइन ई–नीलामी में भाग लेने के लिए अधिकृत होंगे जिनके पास वैध यूजर आईडी एवं पास्वर्ड तथा डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर के माध्यम से ईएमडी के भुगतान का निश्चित प्रमाण होगा।
9. जो इच्छुक बोलीदाता 19.3.2019 के 5.00 बजे अप. तक आरक्षित मूल्य से कम नहीं, में अपनी बोली जमा करते हैं वे ई–नीलामी में भाग लेने के लिये योग्य होंगे जो 21.8.2019 को 3 बजे अप. से 4 बजे अप. के बीच आयोजित की जायेगी। यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो नीलामी का अंतिम समय स्वतः 5 मिनट बढ़ जायेगा।
10. बोलीदाता रु. 50,000/– (रुपए पचास हजार मात्र) के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं।
11. सफल/ उच्चतम बोलीदाता को ई–नीलामी की समाप्ति के तत्काल बाद धरोहर राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद 24 घंटे के भीतर रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–I, दिल्ली खाता आरसी नं. "120/15" के पक्ष में 25% का डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे रिकवरी अधिकारी के कार्यालय में इस तरह से भेजना होगा ताकि वह 3 दिनों के भीतर उस पते पर पहुंच जाएं अन्यथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।
12. सफल/ उच्चतम बोलीदाता को संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वाँ दिन रविवार या अवकाश होता है तो 15वें दन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस को रु. 1000/– तक 2% तथा 1000 से अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से रजिस्ट्रार, डीआरटी–I, दिल्ली के पक्ष में पाउन्डेज शुल्क के साथ रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–I, दिल्ली "आर.सी.नं. 120/15" के पक्ष में देय शेष 75% बिक्री राशि का भुगतान करना होगा (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उक्त रूप से रिकवरी अधिकारी के पास पहुंच जाना चाहिए।
13. असफल बोलीदाता रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–I, दिल्ली से प्रत्यक्ष रूप से अपना ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।
14. रिकवरी अधिकारी को उसका कोई भी कारण बताए बिना किसी या सभी बोलियों को स्वीकार अथवा निरस्त करने तथा नीलामी को स्थगित या रद्द करने का अधिकार है।

(संजू स्नेही)
रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–I, दिल्ली

**राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान**
(निफ्ट अधिनियम, 2006 द्वारा शासित एक सांविधिक संस्थान)
(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
निफ्ट परिसर, हौज खास, समीप गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली–110016

**भर्ती सूचना**

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक सांविधिक निकाय तथा देश भर में स्थित 16 कैम्पसों सहित फैशन व्यवसाय शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान, निम्नलिखित विज्ञापनों के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए अनुबंध / प्रतिनियुक्ति आधार पर ऑनलाइन / ऑफलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित करता है :

| विज्ञापन संख्या | नियुक्ति का प्रकार | आवेदन का तरीका | विज्ञापित पद |
|---|---|---|---|
| 06/Direct Rectt-Contract/ERP Posts/2019 | अनुबंध | ऑनलाइन | 1. सहायक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर<br>2. सॉफ्टवेयर इंजीनियर<br>3. जूनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर |
| 07/Direct Rectt-Contract/MIS Posts/2019 | अनुबंध | ऑनलाइन | 1. सीनियर MIS कोऑर्डिनेटर<br>2. MIS कोऑर्डिनेटर |
| 08/Group-A Posts/Deputation/2019 | प्रतिनियुक्ति | ऑफलाइन | 1. संयुक्त निदेशक<br>2. उपनिदेशक (वित्त एवं लेखा)<br>3. लेखा अधिकारी |

आवेदन करने की अंतिम तिथि 16.08.2019, सायं 5:30 बजे है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट www.nift.ac.in पर जाएं।

**सार्वजनिक सूचना**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीलामी तिथि 21 दिसंबर, 2018 के माध्यम से बेची गई फ्री होल्ड निर्मित सम्पत्ति जो खसरा नं. 200 (नया नं. 367) का भाग है, ग्राम नांगली सकरावती डाक घर, नजफगढ़, दिल्ली–110043 के लिए आदित्य मल्ला एवं अपूर्व मल्ला के लिए पंजाब नेशनल बैंक द्वारा जारी बिक्री प्रमाण पत्र तिथि 31 जनवरी, 2019 कहीं गुम हो गई है। उक्त सम्पत्ति पंजाब नेशनल बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग शाखा, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली में गिरवी था। इस संबंध में संबंधित पुलिस थाना में एक शिकायत पहले ही दर्ज करा दी गई है। यदि कोई व्यक्ति उक्त बिक्री प्रमाणपत्र का कारोबार करता है तो ऐसा वह स्वयं के जोखिम तथा उत्तरदायित्व पर करेगा।

**इन्टेक कैपिटल लिमिटेड**
**मांग सूचना का प्रकाशन**
**वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना**

अधोलिखित को 29.5.2019 को स्पीड पोस्ट से भेजी गईः 1) मै. प्रभु शान्ति रीअल इस्टेट प्रा.लि. (ऋणधारक) पंजीकृत कार्यालयः 3 ए, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा– 124507
2. श्री विजेन्दर सिंह लैथर (गारन्टर), निवासीः एच.नं. 24, पीडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507, साथ हीः 3 ए, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा– 124507
3. सुश्री भावना लैथर निवासीः एच.नं. 24, पीडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507, साथ हीः 3 ए, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा– 124507
4. श्री चित्रेश लैथर (गारन्टर), निवासीः एच.नं. 24, पीडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507, साथ हीः 3 ए, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा– 124507
5. सुश्री विमला सिंह लैथर (गारन्टर/ मार्टगैजर), निवासीः एच.नं. 24, पीडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507, साथ हीः 3 ए, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा– 124507
6. श्री जोगिन्दर सिंह लैथर (गारन्टर), निवासीः एच.नं. 24, पीडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507, साथ हीः 3 ए, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा– 124507

**विषयः इन्टेक कैपिटल लिमिटेड शाखा– नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में ऋण खाता सं. LNPIT03415-160005613 के माध्यम से ऋण अनुबंध सं. 011682 तथा ऋण खाता सं.**

आप ने ऋणों के पुनर्भुगतान में चूक की है तथा रु. 2,53,89,787/– (रुपये दो करोड़ तिरेपन लाख नवासी हजार सात सौ सतासी मात्र) की राशि बकाया है।

इन्टेक कैपिटल लिमिटेड ने 29.5.2019 को अधिनियम के अंतर्गत सूचना जारी कर आपको रु. 2,53,89,787/– (रुपये दो करोड़ तिरेपन लाख नवासी हजार सात सौ सतासी मात्र) की राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया। यह सूचना स्पीड पोस्ट से भेजी गई तथा पांच (5) संबोध्य व्यक्तियों का प्राप्त हुए बिना वापस लौट आई।

आपको निर्देश दिया जाता है कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनो के भीतर रु. 2,53,89,787/– (रुपये दो करोड़ तिरेपन लाख नवासी हजार सात सौ सतासी मात्र) की राशि का भुगतान करें जिसमें विफल रहने पर इन्टेक कैपिटल लिमिटेड यहां नीचे अनुसूची में दी गई प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध प्रतिभूति हित के प्रवर्त्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करेगा। यह सूचना इन्टेक कैपिटल लि. को उपलब्ध किसी अन्य अधिकार के प्रति पूर्वाग्रह रहित है।

**अनुसूची**

परिसम्पत्तियों का विशिष्ट विवरण इस प्रकार है जिसमें प्रतिभूति हित निर्मित हैः
**गिरवी परिसम्पत्तियां:** खेवट नं. – 146 मिन/ 119, खाता नं.– 185, किल्ला नं. 27/3, सराय औरंगाबाद, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा।

**हस्ता./–**
**तिथिः** 10.7.2019 — **प्राधिकृत अधिकारी**
**स्थानः नई दिल्ली** — **इन्टेक कैपिटल लि.**

**ANDHRA BANK**
(A Govt. of India Undertaking)
आर.के. पुरम (नई दिल्ली), डी.डी.ए. शॉपिंग कॉम्प्लैक्स, स्वामी माली मंदिर के निकट, सेक्टर–6, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, टेली. नं. 011–26196767/8380/882

**प्रतिभूति हित के प्रवर्त्तन के लिए 2002 के अधिनियम 54 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना. मांग सूचना**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न ऋणधारकों ने बैंक से उनके द्वारा प्राप्त साख सुविधाओं के मूलधन तथा ब्याज के भुगतान में चूक की है तथा उक्त सुविधाएं गैर प्रचालन परिसम्पत्तियां बन चुकी हैं। बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उनके अंतिम ज्ञात पते पर ऋणधारकों एवं गारन्टरों को वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना जारी की गई। लेकिन सभी सूचनाएं अन्सर्व्ड वापस लौट आई, ऋणधारकों तथा सभी गारन्टरों को इस सार्वजनिक सूचना के द्वारा उसके बारे में सूचित किया जाता है।

| ऋणधारकों/सहदेनदारों/ गारन्टरों/ पार्टनरों/ मार्टगैजर का नाम | चल/अचल सम्पत्तियों का विवरण | एनपीए की तिथि<br>मांग सूचना तिथि | बकाया राशि |
|---|---|---|---|
| ऋणधारकः<br>फाइव करोड़ इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड डब्ल्यूजेड–15 बी, भूतल, उग्रसैन मार्केट, अशोक नगर, नई दिल्ली–110018<br>गारन्टरोंः<br>1. अमर जीत सिंह कालरा<br>सी–130, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015<br>2. सुरिन्दर कौर कालरा<br>सी–130, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015<br>3. जगजीत कौर कालरा<br>सी–130, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015<br>4. सुरिन्दर सिंह कालरा<br>सी–130, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015 | **प्राथमिक प्रतिभूति:** कैश क्रेडिटः घरेलू कार्यरत पूंजी की जरूरतों (बिक्री पूर्व तथा पश्चात) को पूरा करने के लिए स्टॉक्स एवं बुक डेब्ट्स का हाइपोथेकेशन<br>प्रीशिपमेन्ट– पैकिंग क्रेडिट (पीसी/ पीसीएफसी)ः ईसीजीसी के ईसीआईबी (डब्ल्यूटी–पीसी) के अंतर्गत स्टॉक्स तथा कवरेज का हाइपोथेकेशन।<br>पोस्ट शिपमेन्टः एफबीपी/ एफबीडीः स्टॉक्स तथा रिसीवैबल्स, ईसीआईबी (डब्ल्यूटी–पोस्ट शिपमेन्ट) ईसीजीसी का समान कवर तथा संपुष्ट प्राईम बैंक एलसी/ सम्पुष्ट आदेशों तथा कम्पनी की सम्पूर्ण चालू परिसम्पत्तियों के लिए दाखिल निर्यात बिल्स का हाइपोथेकेशन।<br>**कोल्लेटरल प्रतिभूति इस प्रकार हैः** भूमि एवं भवन– एफ–622 फेज–1, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, भिवाड़ी, जिला अलवर, राजस्थान में स्थित फाइव करोड़ इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सम्पत्ति के स्वामी) की औद्योगिक सम्पत्ति, एरिया माप 2000 वर्ग मी. तथा चौहद्दीः पूर्वः प्लॉट नं. एफ–621, पश्चिमः प्लॉट नं. एफ–629, उत्तरः सड़क, दक्षिणः प्लॉट नं. एफ–623<br>**भूमि तथा भवनः** सी–116, बेस्टमेन्ट तल (बिना छत/ टैरेस अधिकार के), ग्राम तिहाड़,फतेह नगर, कॉलोनी, जेल रोड, नई दिल्ली–110018 में स्थित श्री अमरजीत सिंह कालरा (सम्पत्ति के स्वामी) की आवासीय सम्पत्ति, क्षेत्रफल माप 138 वर्ग यार्ड्स, सीढ़ियों एवं पैसेज के अधिकार के साथ तथा उसके नीचे की भूमि में आनुपातिक अधिकारों के साथ। चौहद्दीः पूर्वः अन्य सम्पत्ति, पश्चिमः अन्य सम्पत्ति सं. सी–117, उत्तरः सड़क, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति।<br>**भूमि तथा भवनः** सी–116, भू तल (बिना छत/ टैरेस अधिकार के), ग्राम तिहाड़,फतेह नगर, कॉलोनी, जेल रोड, नई दिल्ली–110018 में स्थित श्रीमती सुरिन्दर कौर कालरा (सम्पत्ति के स्वामी) की आवासीय सम्पत्ति, क्षेत्रफल माप 138 वर्ग यार्ड्स, सीढ़ियों एवं पैसेज के अधिकार के साथ तथा उसके नीचे की भूमि में आनुपातिक अधिकारों के साथ। चौहद्दीः पूर्वः अन्य सम्पत्ति, पश्चिमः अन्य सम्पत्ति सं. सी–117, उत्तरः सड़क, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति।<br>**भूमि तथा भवनः** सी–116, प्रथम तल (बिना छत/ टैरेस अधिकार के), ग्राम तिहाड़,फतेह नगर, कॉलोनी, जेल रोड, नई दिल्ली–110018 में स्थित श्री अमरजीत सिंह कालरा (सम्पत्ति के स्वामी) की आवासीय सम्पत्ति, क्षेत्रफल माप 138 वर्ग यार्ड्स, सीढ़ियों एवं पैसेज के अधिकार के साथ तथा उसके नीचे की भूमि में आनुपातिक अधिकारों के साथ। चौहद्दीः पूर्वः अन्य सम्पत्ति, पश्चिमः अन्य सम्पत्ति सं. सी–117, उत्तरः सड़क, दक्षिणः अन्य सम्पत्ति।<br>**भूमि तथा भवनः** सी–130 (छत/ टैरेस अधिकारों के साथ तीसरा तल), मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली–110015 में आवासीय सम्पत्ति, क्षेत्रफल माप 310 वर्ग यार्ड्स, एरिया माप 310 वर्ग यार्ड्स, सीढ़ियों एवं पैसेज के सामूहिक अधिकारों के साथ तथा उसके अन्तर्गत भूमि में आनुपातिक अधिकारों के साथ तथा चौहद्दीः पूर्वः सम्पत्ति सं. सी–131, पश्चिमः सड़क, उत्तरः सड़क, दक्षिणः सर्विस लेन। | 25.6.2019<br>1.7.2019 | 30.6.2019 को<br>रु. 521252238.86 |

1. **शॉपः** शॉप प्राईवेट नं. 16–बी, निर्मित सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजेड–15 के दक्षिणी भाग का हिस्सा, भू तल, (बिना छत के अधिकार के), ग्राम तिहाड़, उग्रसेन मार्केट, अशोक नगर, तिलक नगर, नई दिल्ली– 110018 जो फाइव करोड़ इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (सम्पत्ति के स्वामी) के स्वामित्व में है, एरिया, माप लगभग 11.91 वर्ग मी. (6.41+ 5.5 वर्ग मी.)
2. सम्पूर्ण ऊपरी तल (बिना छत के अधिकार के), निर्मित सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजेड–15 के दक्षिणी भाग का हिस्सा, ग्राम तिहाड़, उग्रसेन मार्केट, अशोक नगर, तिलक नगर, नई दिल्ली– 110018, क्षेत्रफल माप लगभग 76 वर्ग यार्ड्स जो फाइव करोड़ इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (सम्पत्ति के स्वामी) के स्वामित्व में है। चौहद्दीः पूर्वः उक्त सम्पत्ति का शेष भाग, पश्चिमः सड़क, उत्तरः अन्य सम्पत्ति, दक्षिणः उक्त सम्पत्ति का शेष भाग।

**टिप्पणी:** क) उपरोक्त सम्पत्तियों के पास सामूहिक प्रवेश, पैसेज तथा सीढ़ियों के उपयोग का अधिकार है तथा वह स्वामी/ सम्पत्ति के कब्जाधारक/ स्वामी की ओर से व्यवधान तथा अपत्ति–रहित है।
ख) ऊपर वर्णित सम्पत्तियों के पास यदि भवन किसी भी प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकम्प, बाढ़, आग के कारण मरम्मत– योग्य नहीं रहता है, भवन के नीचे अविभाजित तथा इन्डिवायजेबल आनुपातिक शेयर होगा।

**भूमि तथा भवनः** डब्ल्यूजेड–15, तीसरा तल (छत के अधिकार के साथ), ग्राम तिहाड़, उग्रसेन मार्केट, तिलक नगर, नई दिल्ली–110018 में स्थित फाइव करोड़ इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (सम्पत्ति के स्वामी) के स्वामित्व में, क्षेत्रफल माप लगभग 9 वर्ग यार्ड्स, सीढ़ियों एवं पैसेज के सामूहिक उपयोग के साथ तथा नीचे की भूमि में आनुपातिक अधिकारों के साथ। चौहद्दीः पूर्वः उक्त सम्पत्ति का शेष भाग, पश्चिमः सड़क, उत्तरः अन्य सम्पत्ति, दक्षिणः उक्त सम्पत्ति का शेष भाग।

**भूमि तथा भवनः** प्लॉट नं. एफ–24 से एफ–27, एफ–38 से एफ 41, ई–47 (बी) से ई–50, रिको इंडस्ट्रियल एरिया, सारे खुर्द भिवाड़ी, जिला अलवर, राजस्थान क्षेत्रफल माप 26881.64 वर्ग मी. में स्थित फाइव करोड़ इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सम्पत्ति के स्वामी) के स्वामित्व में औद्योगिक सम्पत्ति, चौहद्दीः पूर्वः 24 मी. चौड़ी सड़क, पश्चिमः प्रा. भूमि, उत्तरः एफ–22, 23, एफ 42–43 एवं ई 46, ई 47 (ए), दक्षिणः प्लॉट नं. एफ–28 से एफ–37, एफ–51

उपरोक्त ऋणधारकों/ गारन्टरों/ मार्टगैजरों को सलाह दी जाती है कि इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि का भुगतान करें अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों की समाप्ति के बाद वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जायेगी। ऋणधारकों/ गारन्टरों/ मार्टगैजरों को सलाह दी जाती है कि संबंधित शाखा से सूचना की प्रति प्राप्त करें।

**तिथिः** 11.7.2019, **स्थानः नई दिल्ली** (सोनालिका) एजीएम एवं प्राधिकृत अधिकारी, आन्ध्रा बैंक

**यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** — **Union Bank of India**
पंजाबी बाग शाखा, नंबर 38, सेंट्रल मार्केट, पंजाबी बाग, फोन नंबर : 011–25229717, 25229188,
फैक्स नंबर : 011–25222574 ई–मेल –punjabibagh@unionbankofindia.com

**[ नियम 8(6) का परंतुक देखें ] अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना**

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना।
एतदद्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदारों तथा गारंटरों को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पास बंधक / प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्तियां, जिनका कब्जा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (प्रत्याभूत लेनदार) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, निम्नलिखित कर्जदारों तथा गारंटरों से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (प्रत्याभूत लेनदार) की बकाया राशि की वसूली के लिए दिनांक 26–07–2019 को "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएगी। सुरक्षित मूल्य तथा धरोहर राशि जमा निम्नवर्णित अनुसार होगी :

| क्र. सं. | शाखा का नाम, प्राधिकृत अधिकारी एवं सम्पर्क नंबर | कर्जदार का नाम एवं पता | गारंटर का नाम एवं पता | नीलामी हेतु रखी गई अचल सम्पत्ति का वर्णन | प्रत्याभूत लेनदार को ज्ञात ऋणभार, यदि कोई | प्रलक्षित अथवा भौतिक कब्जा | कर्जदार / गारंटर से वसूली हेतु बकाया (रू.) | सुरक्षित मूल्य (रू.) | ईएमडी राशि (रू.) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | पंजाबी बाग शाखा<br>श्री मनीष<br>सम्पर्क नंबर : 9074093685 | मैसर्स वेदिका न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., 110, तिलक बाजार, खारी बावली, दिल्ली–110007 | श्री अक्रेश गर्ग, श्रीमती रितु गर्ग, श्री अनुराग गर्ग, श्रीमती मंजुलता गर्ग, सभी निवासी : ए–88, प्रीत विहार, दिल्ली–110092, मैसर्स सालासरधाम टेक्नोबिल्ड प्रा. लि. निवासी 80 सवेरा अपार्टमेंट, सेक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली–110085, मैसर्स ए आर कॉम प्रा. लि., निवासी डीत ए मेन मार्केट, शकरपुर, दिल्ली– 110092, मैसर्स न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., निवासी 467–468, प्रथम तल, कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली–110006 | जी–184, प्रीत विहार, दिल्ली–110092 का बेसमेंट, परिमाप 130.47 वर्ग गज | नहीं | हाँ | 131,99,59,966/- | 80,00,000/- | 8,00,000/- |
| 2. | पंजाबी बाग शाखा<br>श्री मनीष<br>सम्पर्क नंबर : 9074093685 | मैसर्स वेदिका न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., 110, तिलक बाजार, खारी बावली, दिल्ली–110008 | श्री अक्रेश गर्ग, श्रीमती रितु गर्ग, श्री अनुराग गर्ग, श्रीमती मंजुलता गर्ग, सभी निवासी : ए–88, प्रीत विहार, दिल्ली–110092, मैसर्स सालासरधाम टेक्नोबिल्ड प्रा. लि. निवासी 80 सवेरा अपार्टमेंट, सेक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली–110085, मैसर्स ए आर कॉम प्रा. लि., निवासी डी3 ए मेन मार्केट, शकरपुर, दिल्ली– 110092, मैसर्स न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., निवासी 467–468, प्रथम तल, कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली–110006 | डी 3 ए, आबादी दयानंद कालोनी, ग्राम मंडावली, फजलपुर, इलाका शाहदरा, पुराना प्लॉट नम्बर 21 एवं 22, खसरा नंबर 473 का हिस्सा, शकरपुर, दिल्ली–110092, परिमाप 145 वर्ग गज | नहीं | हाँ | 131,99,59,966/- | 1,64,00,000 | 16,40,000/- |
| 3. | पंजाबी बाग शाखा<br>श्री मनीष<br>सम्पर्क नंबर : 9074093685 | मैसर्स वेदिका न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., 110, तिलक बाजार, खारी बावली, दिल्ली–110008 | श्री अक्रेश गर्ग, श्रीमती रितु गर्ग, श्री अनुराग गर्ग, श्रीमती मंजुलता गर्ग, सभी निवासी : ए–88, प्रीत विहार, दिल्ली–110092, मैसर्स सालासरधाम टेक्नोबिल्ड प्रा. लि. निवासी 80 सवेरा अपार्टमेंट, सेक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली–110085, मैसर्स ए आर कॉम प्रा. लि., निवासी डी3 ए मेन मार्केट, शकरपुर, दिल्ली– 110092, मैसर्स न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., निवासी 467–468, प्रथम तल, कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली–110006 | आवासीय / व्यवसायिक सम्पत्ति नंबर आर–6, पुराना प्लॉट नंबर 4, आबादी रीटा पार्क, ब्लॉक–ए, ग्राम मंडावली फजलपुर, इलाका शाहदरा, शकरपुर एक्सटेंशन, दिल्ली–110092, परिमाप 143.00 वर्ग गज | नहीं | हाँ | 131,99,59,966/- | 2,13,00,000/- | 21,30,000/- |
| 4. | पंजाबी बाग शाखा<br>श्री मनीष<br>सम्पर्क नंबर : 9074093685 | मैसर्स वेदिका न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., 110, तिलक बाजार, खारी बावली, दिल्ली–110008 | श्री अक्रेश गर्ग, श्रीमती रितु गर्ग, श्री अनुराग गर्ग, श्रीमती मंजुलता गर्ग, सभी निवासी : ए–88, प्रीत विहार, दिल्ली–110092, मैसर्स सालासरधाम टेक्नोबिल्ड प्रा. लि. निवासी 80 सवेरा अपार्टमेंट, सेक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली–110085, मैसर्स ए आर कॉम प्रा. लि., निवासी डी3 ए मेन मार्केट, शकरपुर, दिल्ली– 110092, मैसर्स न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., निवासी 467–468, प्रथम तल, कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली–110006 | आर–5, (खसरा नंबर 472 का हिस्सा), रीटा पार्क, ग्राम मंडावली इलाका शाहदरा, मेन मार्केट शकरपुर, दिल्ली–110092, परिमाप 222.22 वर्ग गज | नहीं | हाँ | 131,99,59,966/- | 3,78,00,000/- | 37,80,000/- |
| 5. | पंजाबी बाग शाखा<br>श्री मनीष<br>सम्पर्क नंबर : 9074093685 | मैसर्स वेदिका न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., 110, तिलक बाजार, खारी बावली, दिल्ली–110008 | श्री अक्रेश गर्ग, श्रीमती रितु गर्ग, श्री अनुराग गर्ग, श्रीमती मंजुलता गर्ग, सभी निवासी : ए–88, प्रीत विहार, दिल्ली–110092, मैसर्स सालासरधाम टेक्नोबिल्ड प्रा. लि. निवासी 80 सवेरा अपार्टमेंट, सेक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली–110085, मैसर्स ए आर कॉम प्रा. लि., निवासी डी3 ए मेन मार्केट, शकरपुर, दिल्ली– 110092, मैसर्स न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., निवासी 467–468, प्रथम तल, कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली–110006 | दो समीपस्थ प्लॉट डी 3 तथा डी 3 सी (पुराना प्लॉट नंबर 22), गली बालाजी धर्मशाला, खसरा नंबर 473 का हिस्सा, फजलपुर, शकरपुर, दिल्ली–110092, परिमाप 165 वर्ग गज तथा 200 वर्ग गज | नहीं | हाँ | 131,99,59,966/- | 4,05,00,000/- | 40,50,000/- |
| 6. | पंजाबी बाग शाखा<br>श्री मनीष<br>सम्पर्क नंबर : 9074093685 | मैसर्स वेदिका न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., 110, तिलक बाजार, खारी बावली, दिल्ली–110008 | श्री अक्रेश गर्ग, श्रीमती रितु गर्ग, श्री अनुराग गर्ग, श्रीमती मंजुलता गर्ग, सभी निवासी : ए–88, प्रीत विहार, दिल्ली–110092, मैसर्स सालासरधाम टेक्नोबिल्ड प्रा. लि. निवासी 80 सवेरा अपार्टमेंट, सेक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली–110085, मैसर्स ए आर कॉम प्रा. लि., निवासी डी3 ए मेन मार्केट, शकरपुर, दिल्ली– 110092, मैसर्स न्यूट्राक्राफ्ट प्रा. लि., निवासी 467–468, प्रथम तल, कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली–110006 | व्यवसायिक सम्पत्ति नंबर 7, खसरा नंबर 428 का हिस्सा, ग्राम मंडावली फजलपुर, आबादी मेन पटपड़गंज रोड, वीर सावरकर ब्लॉक, इलाका शाहदरा, दिल्ली–110092, परिमाप 143.00 वर्ग गज | एमसीडी द्वारा सीलबंद | सांकेतिक कब्जा लिया गया | 131,99,59,966/- | 8,28,00,000/- | 82,80,000/- |

ई–नीलामी एजेन्सी : सेवा प्रदाता मैसर्स 4क्लोजर की वेबसाइट www.bankauctions.in (हेल्पलाइन नंबर 08142000062 / 66 (एम) फोन : 040–23836405) सम्पर्क व्यक्ति श्री विकास – 8142000809 ई–मेल : vikas@bankauctions.in एवं info@bankauctions.in

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट में उपलब्ध कराया गया लिंक नामतः www.unionbankofindia.co.in देखें।

**यह सूचना उक्त ऋण के उधारकर्ताओं / तथा गारंटरों के लिए ऊपर वर्णित तिथि को ई–नीलामी विक्रय आयोजित करने के बाबत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9(1) के अन्तर्गत निर्धारित प्रावधान तथा नियम 8(6) के अन्तर्गत एक सूचना के रूप में मानी जानी चाहिए।**

स्थान : नई दिल्ली, तिथि : 10–07–2019 — प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पंजाबी बाग शाखा

## खबरों में शहर

### जैतपुर मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

जैतपुर थाने के मीठापुर में 43 साल के ऑडिटर की हत्या मामले में पुलिस ने बुधवार को चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को पुलिस इस मामले का खुलासा कर तीन लोगों को पकड़ चुकी है। पुलिस का दावा है कि ऑडिटर आनंद सिंह की पत्नी सुनीता देवी ने बेटे के साथ मिलकर 1.5 लाख रुपए की सुपारी देकर आनंद की हत्या कराई थी। शराब पीकर घर आने और परिवार वालों से झगड़ा करने से तंग होकर पत्नी और बेटे ने उनकी हत्या कराई।

### पर्स चोरी के आरोप में बीएसएफ जवान गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर श्रीनगर जा रही एक महिला का पर्स चोरी करने के आरोप में बीएसएफ के एक एएसआइ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को पकड़ा है। गिरफ्तार एएसआइ नरेश चोरी से एक दिन पहले भी अवैध तरीके से अपने बैग में कारतूस ले जाते धरा गया था। सीआइएसएफ ने उसे दिल्ली पुलिस को आगे की जांच के लिए सौंप दिया है।

### सड़क हादसे में दो की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

मंगोलपुरी और मुंडका इलाके में हुए सड़क हादसों में दो की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मंगोलपुरी और मुंडका हादसों में मृतकों की पहचान महेंद्र सिंह और पुर्णमारी गिरी के रूप में हुई है। जबकि घायलों की पहचान राजपाल और स्वामी नाथ के रूप में हुई है।

### स्वामी दयानंद अस्पताल का निरीक्षण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर ने स्वामी दयानंद अस्पताल के निरीक्षण के दौरान जर्जर दिवार की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश दिए। कपूर ने अभियांत्रिकी विभाग को दिवार के टूटे प्लास्टर को अविलंब ठीक करने कहा। अध्यक्ष ने कहा कि चूंकि भवन 50 साल से अधिक पुराना है लिहाजा जर्जर हो रहे ब्लॉक का पुनर्निर्माण जरूरी है। बुधवार को निरीक्षण के दौरान कपूर ने अस्पताल प्रशासन से कहा कि अस्पताल के भवन पुनर्निर्माण में आने वाले खर्च का विस्तृत अनुमान पेश करें जिसके आधार पर दिल्ली सरकार से चरणबद्ध रूप में धनराशि की मांग की जाएगी। कपूर ने कहा कि अस्पताल भवन के पुनर्निर्माण के लिए दिल्ली सरकार से पहली किश्त में करीब 72 करोड़ रुपयों की मांग की जाएगी।

### संगम विहार में युवक की गोली मारकर हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

संगम विहार में मंगलवार रात गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी गई। मारे गए युवक की पहचान निशांत शर्मा उर्फ बिरदी के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस उपायुक्त विजय कुमार के मुताबिक मंगलवार रात 9:40 बजे निशांत को उसके घर के पास तीन युवकों ने गोली मार दी। बत्रा अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी मोटरसाइकिल से आए थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों सुलेंद्र, सिराजुद्दुल्ला और मोहम्मद उमर को गिरफ्तार कर लिया। तीनों ने बताया है कि निशांत दबंगई दिखाता था।

### पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

गैर सरकारी संस्था सहयोग ने बुधवार को दिल्ली में पौधरोपण अभियान चलाया। संस्था के अध्यक्ष मनोज जैन ने इस अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर जुटे कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों से उन्होंने पर्यावरण को ठीक रखने, प्रदूषण पर अंकुश लगाने और भीषण गर्मी से बचाव के लिए पौधरोपण को अनिवार्य बताया। उन्होंने सहयोग दिल्ली से जुडे लोगों के परिजनों से अपने विशेष अवसरों पौधरोपण करने की अपील की।

## आज के कार्यक्रम

### सभा संगोष्ठी / प्रदर्शनी

**एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट एंड लिटरेचर** : शहर हासमी रजा की कला प्रदर्शनी का आयोजन और चर्चा, एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट एंड लिटरेचर, 4/6 सिरिफोर्ट इंस्टीट्यूशनल एरिया, उद्घाटन शाम छह बजे।

**इंडिया इंटरनेशनल सेंटर** : लातूर से कलाकार अरुण कुमार चटर्जी की कला प्रदर्शनी, एनेक्स आर्ट गैलरी, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (एनेक्स), सुबह 11 बजे से, 16 जुलाई तक।

### विविध

**इंडिया इंटरनेशनल सेंटर** : नृत्य, सीडी देशमुख सभागार, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 40 मैक्समूलर मार्ग, शाम छह बजे।

---

### गिरते जल स्तर को रोकने के लिए योजना

# किसानों की जमीन पट्टे पर लेगी सरकार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

- यमुना क्षेत्र में पानी बचाने के दिल्ली किसानों से ली जाएगी जमीन
- कैबिनेट ने भू जल संचयन के लिए दी परियोजना को मंजूरी
- पल्ला से वजीराबाद बैराज के बीच बनाए जाएंगे जलाशय

दिल्ली में गिरते जल स्तर को थामने के लिए सरकार किसानों की जमीन पट्टे (लीज) पर लेगी। पल्ला से वजीराबाद के बीच इस जमीन पर छोटे-छोटे जलाशय बनाए जाएंगे और इससे गिरता जल स्तर रोकने में मदद मिलेगी। इस योजना को बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने मंजूरी दी। इस योजना को लागू करने के लिए किसानों से 77 हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से जमीन लीज पर ली जाएगी। इस मामले में दिल्ली सरकार ने विभिन्न विभागों से रिपोर्ट मांगी थी। इस रिपोर्ट को कैबिनेट ने स्वीकार किया है।

मुख्यमंत्री ने इस योजना की मंजूरी पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि योजना की मदद से दिल्ली को पानी की कमी को पूरा करने के लिए तैयार किया जा सकेगा। इस योजना के तहत यमुना नदी के साथ-साथ छोटे-छोटे तालाब बनाए जाएंगे। इन तलाबों में मानसून के दौरान पानी इकट्ठा किया जाएगा। इसकी मदद से दिल्ली को अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। अब तक यह पानी बह जाता था। इस वजह से लंबे समय तक यमुना को पानी की कमी से जूझना पड़ता था। इस परियोजना के लिए ग्रीन ट्रिब्यूनल को अभी दो प्रमुख बिंदुओं पर अपनी स्वीकृति देनी है। कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को भी दी। केंद्र सरकार ने इस योजना को लागू करने के लिए दिल्ली को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

फाइल फोटो

दिल्ली सरकार का दावा है कि यह पायलट परियोजना दिल्ली के लिए एक अहम परियोजना साबित हो सकती है। इसकी मदद से जहां भूमि जल स्तर को नियंत्रित किया जा सकेगा वहीं पीने के पानी की उपलब्धता को भी बढ़ाया जा सकेगा। इससे दिल्ली वालों को गर्मियों में भीषण पानी संकट से निजात मिल सकेगी। दिल्ली सरकार के मुताबिक वह सभी को घर तक पानी की टंकी से आपूर्ति उपलब्ध कराना चाहती है। जब 2015 में 'आप' की सरकार बनी थी तो केवल 58 फीसद लोगों को घर में पानी उपलब्ध था, लेकिन अब कनेक्शन की संख्या बढ़कर 88 फीसद तक हुई है। इसकी मदद से लोगों को पीने के लिए साफ पानी 24 घंटे उपलब्ध हो पाया है।

# समाजवादियों का दो दिवसीय समागम कल से

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

भारत में समाजवादी आंदोलन की स्थापना को 85 साल हो चुके हैं। इस मौके पर देश भर से समाजवादी चिंतक दिल्ली में जुट रहे हैं। 12 और 13 जुलाई को गांधी शांति प्रतिष्ठान में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें वर्तमान सरकार आने के बाद देश में उत्पन्न परिस्थितियों में समाजवादियों की क्या भूमिका हो इस पर भी विचार किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए एक समिति का गठन भी किया गया है। इसमें प्रोफेसर राजकुमार जैन, प्रोफेसर आनंद कुमार, हरभजन सिंह सिद्धू, रमाशंकर सिंह, डॉक्टर सुनीलम, कुरबान अली, अरुण श्रीवास्तव, डॉक्टर अनिल ठाकुर, राकेश कुमार, मंजू मोहन, बीआर पाटिल, संजय कनोजिया और गुड्डी सहित कई लोग सिरकत कर करेंगे। संयोजक डॉक्टर सुनिलम के मुताबिक इस समाजवादी संगठन की अध्यक्षता डॉक्टर जीजी पारिख (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं अध्यक्ष यूसुफ मेहर अली सेंटर) करेंगे। पूर्व सांसद डॉक्टर अरुण कुमार, पूर्व विधायक डॉक्टर अजय अलमस्त भी शामिल होंगे। इसमें प्रोफेसर आनंद कुमार, प्रोफेसर राजकुमार जैन, हरभजन सिंह सिद्धू ,रेणु कुशवाह, न्यायमूर्ति कोलसे पाटिल, थंपन थॉमस, पंडित रामकिशन, रमाशंकर सिंह का विशेष व्याख्यान होगा।

संयोजक डॉक्टर सुनिलम ने इस बाबत कहा कि 17 मई 2018 को दिल्ली में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के 84वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समाजवादी सम्मेलन में तय किए गए लक्ष्यों के तहत देश भर के समाजवादियों को इक्कठा करने के लिए साल भर तक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

# 'मेट्रो में विद्यार्थियों और बुजुर्गों को रियायती पास देने का विचार नहीं'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

सरकार का वरिष्ठ नागरिकों और विद्यार्थियों को मेट्रो में यात्रा करने के लिए रियायती दरों पर मेट्रो पास की सुविधा देने का विचार नहीं है। आवास और शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों और विद्यार्थियों को मेट्रो में यात्रा करने के लिए रियायती दरों पर मेट्रो पास की सुविधा देने का विचार नहीं है। पुरी ने महिलाओं के लिए मेट्रो में मुफ्त सफर की योजना शुरू किए जाने से भी इनकार किया।

पुरी ने बताया कि मेट्रो रेल अधिनियम 2002 के अनुसार, मेट्रो रेल के किराए का निर्धारण सरकार नहीं बल्कि, किराया निर्धारण समिति करती है। दिल्ली मेट्रो के किराए को चौथी किराया निर्धारण समिति की सिफारिशों के आधार पर संशोधित किया गया है। उन्होंने बताया कि समिति ने वरिष्ठ नागिरकों और विद्यार्थियों के लिए किसी छूट की सिफारिश नहीं की है। मेट्रो अधिनियम की धारा 37 के अनुसार, किराया निर्धारण समिति की सिफारिशें बाध्यकारी हैं। एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में पुरी ने बताया कि सरकार का दिल्ली मेट्रो में महिलाओं के लिए निःशुल्क यात्रा योजना शुरू करने का कोई विचार नहीं है।

दिल्ली में महिलाओं को मेट्रो में मुफ्त यात्रा की योजना शुरू करने को लेकर केंद्र व सूबे की आम आदमी पार्टी सरकार के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

# राजनीतिक दलों के हंगामे की भेंट चढ़ी डीईआरसी की सुनवाई

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

- बिजली की दरों के निर्धारण के लिए सुझाव मांगने के लिए बुलाई थी बैठक
- 'आप'-भाजपा के नेताओं में हाथापाई, जमकर लगे आरोप

बिजली दरों के निर्धारण के लिए बुधवार को दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) राजनीतिक दलों के हंगामे की भेंट चढ़ गया। आम आदमी पार्टी (आप) व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सुनवाई में हंगामे के लिए पूरी तैयारी से आई थी। दोनों पार्टियों के पास एक-दूसरे के खिलाफ तैयार किए गए पोस्टर बैनर थे। जैसे ही सुनवाई शुरू हुई तो हंगामा शुरू हो गया। यह हंगामा विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता के कागजों को फाड़ने की वजह से अधिक बढ़ गया। भाजपा ने 'आप' विधायकों पर सुनवाई के दौरान मारपीट के आरोप लगाए हैं।

वहीं, इस हंगामे पर आरडब्लूए संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। 'आप' विधायकों ने सुनवाई के दौरान भाजपा चोर है के नारे लगाए। इसके जवाब में भाजपा ने 'आप' चोर है के नारे लगाने शुरू कर दिए। हंगामे के दौरान सुनवाई में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता, जगदीश प्रधान, राखी बिड़लान, नितिन त्यागी, कर्नल सहरावत समेत अन्य नेता उपस्थित थे। नारेबाजी कर रहे 'आप' विधायकों का कहना था कि दल बदलने वाले नेताओं को भी चोर बताकर घेरा।

# रेलवे निजीकरण का विरोध, एक्टू की अगुआई में लोग पहुंचे जंतर मंतर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

अपने 'सौ दिन के एक्शन प्लान ' के साथ रेल मंत्रालय जितनी तेजी से रेलवे के ट्रैक पर निजी ट्रेन तेजस एक्सप्रेस सरीखे के दूसरी रेलगाड़ियों को भी दौड़ाने की तैयारी कर रहा है उतनी ही ऊर्जा के साथ ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (एक्टू) की अगुआई में लोग इसके विरोध में उतर आए हैं।

बुधवार को इसकी एक झलक उन्होंने दिल्ली में दिखा भी दी कि सरकार के लिए भारतीय रेल को निजी हाथों में सौंपना आसान नहीं होगा। इस कड़ी में दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आने वाले मजदूरों और रेलवे कर्मचारियों ने यहां के जंतर मंतर पर केंद्र सरकार के रेल निजीकरण के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (ऐक्टू) की ओर से आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में रेलवे के निजीकरण से होने वाली समस्याओं पर लोगों ने बात रखी व विरोध जताया। उन्होंने बताया कि वे इसका विरोध क्यों कर रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करते ही केंद्र सरकार ने देश की एक बड़ी संपत्ति भारतीय रेल को कमोवेश बेचने का एलान किया है। लखनऊ-दिल्ली रूट पर निजी ट्रेन तेजस को दौड़ाना इसी की पहली कड़ी है। इस मौके पर हुए धरने में निर्माण मजदूर, डीटीसी कर्मचारी, घरेलू कामगार, सरकारी विभागों के कर्मचारियों के साथ अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

> लखनऊ-दिल्ली रूट पर निजी ट्रेन तेजस को दौड़ाना निजीकरण की पहली कड़ी है : एक्टू

रेलवे में रिक्त पदों की भर्ती, रेलवे अपरेंटिस की समस्याओं, सातवें वेतन आयोग की अनियमितताओं इत्यादि मांगों को लेकर रेल कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगें उठाते आए हैं, लेकिन कर्मचारियों की मांग सुनने की जगह केंद्र सरकार भारतीय रेल को बेचने की राह पर चल पड़ी है। उन्होंने बजट का हवाला देते हुए दावा किया कि रेलवे की महत्त्वपूर्ण ट्रेनों का परिचालन भी निजी हाथों में देने का फैसला केंद्र सरकार की ओर से लिया जा चुका है। धरने को संबोधित करते हुए ऐक्टू दिल्ली के अध्यक्ष संतोष राय ने कहा कि रेलवे का निजीकरण केवल रेल कर्मचारियों का नहीं बल्कि देश की सवा सौ करोड़ जनता का मुद्दा है। रेल जनता की संपत्ति है, संसद में बहुमत मिलने का मतलब ये कतई नहीं हो सकता कि केंद्र सरकार रेल को निजी हाथों में बेच दे, ये जनता से गद्दारी है। रेलवे की उत्पादन इकाइयों को पहले निगमीकरण और फिर निजीकरण करने की योजना सरकार तैयार कर चुकी है।

# विधायक ने कहा, मुझ पर गोलियां चलीं, पुलिस ने किया इनकार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

'आप' विधायक प्रकाश जारवाल ने दावा किया उन पर चलाई गईं गोलियां

आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक प्रकाश जारवाल ने आरोप लगाया कि बुधवार को दक्षिणी दिल्ली के शनि बाजार क्षेत्र में एक कार्यक्रम के उन पर गोलियां चलाई गईं। हालांकि पुलिस ने इस दावे से इनकार किया है। दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त विजय कुमार ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। घटनास्थल से जो सीसीटीवी फुटेज लिए गए हैं, उसमें गोलीबारी की घटना नहीं दिख रही है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

प्रकाश जारवाल ने पत्रकारों से सामने दावा किया कि उन पर संगम विहार में भी रविवार को गोली चलाई गई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस को मौखिक रूप से इसकी जानकारी देने के बाद उन्होंने नेब सराय पुलिस थाने में औपचारिक तौर पर इसकी शिकायत दर्ज करा दी है। जारवाल ने दावा किया कि उन पर बुधवार को शराब का अवैध कारोबार करने वाले एक व्यक्ति ने गोली चलाई। वह तीन दिन से उनका पीछा कर रहा है। जारवाल ने कहा कि वह औपचारिक तौर पर पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराएंगे। जारवाल का आरोप है कि पुलिस से सुरक्षा की मांग करने के बाद भी इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मेरी जिंदगी खतरे में है।

# दूध व्यापारी से आठ लाख की लूट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

छतरपुर के मैदानगढ़ी-राजपुर खुर्द इलाके में एक दूध व्यापारी से हथियार के बल पर दिन में 8 लाख 10 हजार रुपए लूट लिए गए। तीन बदमाशों ने दिनदहाड़े लूटपाट को अंजाम देते हुए व्यापारी को गोली मारने की भी कोशिश की, लेकिन किस्मत अच्छी थी जो बंदूक से गोली नहीं निकली। पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दूध व्यापारी पैसे कलेक्शन करने के बाद मंगलवार दोपहर 3:30 बजे मैदानगढ़ी-राजपुर खुद से इग्नू के पास पंजाब नेशनल बैंक में रुपए जमा कराने जा रहा था। रास्ते में तीन बदमाश ने घटना को अंजाम दिया।

# अधेड़ व्यक्ति पर बच्ची से बलात्कार का आरोप, गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

मालवीय नगर में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने बच्ची से बलात्कार किया। मामले में एक 42 साल के अधेड़ व्यक्ति पर इलाके में रहने वाली एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम देने का आरोप लगा है। आरोपी पिछले कुछ समय से लगातार पीड़ित बच्ची को डरा-धमकाकर बलात्कार कर रहा था। इसी बीच एक दिन बच्ची ने हिम्मत दिखाते हुए अपने परिजनों को आरोपी की करतूतों के बारे में बताया। परिजनों ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बच्ची के परिजनों ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि आरोपी उनका जानकार है। काफी समय से उसका घर पर आना जाना है। घर पर आने का फायदा उठाते हुए आरोपी ने बच्ची के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की और घटना के बारे में किसी को नहीं बताने को कहा। डरी-सहमी बच्ची ने जब किसी को कुछ नहीं बताया तो आरोपी की हिम्मत और बढ़ गई और वह लगातार उसके साथ बलात्कार की वारदातों को अंजाम देने लगा। इसी बीच सोमवार को बच्ची ने हिम्मत दिखाई और अपने माता-पिता को आरोपी की पूरी हकीकत बता दी। परिजनों ने पुलिस के पास शिकायत देते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया और बलात्कार की पुष्टि होने पर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

# त्रिलोकपुरी में सरकारी स्कूल में छत का पंखा बच्चे पर गिरा, भाजपा ने 'आप' को घेरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी में एक सरकारी स्कूल में पंखा गिरने से एक बच्चा बुरी तरह घायल हो गया है। घायल छात्र का उपचार गुरु तेग बहादुर अस्पताल में चल रहा है। इस घटना को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की बड़ी लापरवाही बताया है। उन्होंने कहा कि पहले तो 'आप' सरकार ने 5 लाख का काम 25 लाख रुपए में कराया। अब इस तरह की घटनाओं से दिल्ली सरकार के तमाम दावों की पोल खुल रही है। उन्होंने स्कूलों के निर्माण पर सवाल खड़ा किया और कहा कि इस तरह के घटिया निर्माण में बच्चों के लिए एक खतरा खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के सारे स्कूल खतरे में हैं। इस मामले में पीड़ित बच्चे के पिता ने अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को तुरंत संज्ञान में लेना चाहिए और पीड़ित बच्चे से मुलाकात के लिए अस्पताल में जाकर मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि 'आप' ने बीते सालों में जमकर पैसा लूटा है और इसे हवाला कारोबार में लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के स्कूलों की स्थिति को लेकर दिल्ली सरकार को एक श्वेतपत्र जारी करना चाहिए। भाजपा नेता कुलजीत चहल ने बताया कि इस पीड़ित बच्चे का नाम हर्ष है और यह राजकीय विद्यालय त्रिलोकपुरी का छात्र है। उन्होंने कहा कि 'आप' के कार्यकाल में बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा प्रवक्ता हरीश खुराना की ओर से सूचना के अधिकार (आरटीआइ) कानून में मांगे गए जवाब के आधार पर भाजपा ने दिल्ली सरकार को घेरा। मनोज तिवारी ने कहा कि पहले दिल्ली सरकार बजट में शिक्षा के लिए अधिक पैसे का इंतजाम करती है। इसके बाद आबंटित की गई धनराशि को कम करती है और कम करने के बाद भी पैसे को खर्च नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि वहीं, निगम स्कूलों की हालत सुधारने के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से पैसा जारी नहीं किया जा रहा है।

# धनशोधन मामले में मीसा भारती और अन्य के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 10 जुलाई ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राजद प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती और अन्य के खिलाफ धन शोधन के कथित मामले में दिल्ली की एक अदालत में बुधवार को पूरक आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र में जांच एजंसी ने 35 नए आरोपियों को नामजद किया है जिसमें करीब 15 व्यक्ति हैं, बाकी कपंनियां हैं। आरोप पत्र में 15 व्यक्तियों में से आठ चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं जिन्हें आरोपी के तौर पर नामजद किया गया है। आरोप पत्र में आठ हजार करोड़ रुपए के शेयरों के विवरण का भी जिक्र है। यह आरोप पत्र विशेष लोक अभियोजक अतुल त्रिपाठी ने विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज के समक्ष दायर किया। एजंसी ने दो भाइयों सुरेंद्र कुमार जैन और वीरेंद्र जैन सहित अन्य के खिलाफ जांच के दौरान जुलाई 2017 में फार्महाउस और अन्य स्थानों पर छापेमारी की थी। जैन बंधुओं और अन्य पर मुखौटा कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए के धन शोधन का आरोप है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने चार्टर्ड अकाउंटेंट राजेश अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया था। उसने कथित रूप से मध्यस्थता की थी और जैन बंधुओं को अग्रिम भुगतान के तौर पर 90 लाख रुपए नकद मुहैया कराए थे, ताकि शेयर प्रीमियम के तौर पर मेसर्स मिशेल पैकर्स एंड प्रिंटर प्रा. लिमिटेड में निवेश किया जा सके। मीसा भारती और उनके पति इस कंपनी में पहले कथित रूप से निदेशक थे। ईडी ने आरोप लगाया कि जैन बंधु, अग्रवाल और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती और उनके दामाद 1.2 करोड़ रुपए का धन शोधन करने में मुख्य रूप से शामिल रहे।

# एनआइए ने आसिया अंद्राबी का मकान जब्त किया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) ने आतंकवाद रोधी कानून के तहत कट्टरपंथी कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी के श्रीनगर के बाहरी इलाके में स्थित मकान को जब्त कर लिया है।

प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान–ए–मिल्लत समूह की प्रमुख अंद्राबी के सौरा इलाके में 90 फुट रोड पर स्थित घर के बाहर एनआइए ने जब्ती का आदेश चिपकाया है। एनआइए ने कश्मीर घाटी के किसी भी अलगाववादी के खिलाफ पहली बार ऐसी कार्रवाई की है। प्रवक्ता के मुताबिक, जांच एजंसी ने गैर कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम (यूएपीए) के तहत संपत्ति को जब्त किया है। प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने जब्ती को मंजूरी दे दी थी जो कानून के तहत जरूरी है। जब्ती के बाद, संपत्ति को बेचा नहीं जा सकता है और आदेश देने वाले अधिकारी की इजाजत के बिना इसे न ही स्थानांतरित किया जा सकता न ही किसी भी तरह से सौदा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आदेश की एक आदेश प्रति श्रीनगर के उपायुक्त को भेजी गई है ताकि वह जब्ती को राजस्व रिकॉर्ड में दाखिल कर सकें।

यह जब्ती यूएपीए की धारा 25 (1) के तहत की गई है। इस धारा के मुताबिक, अगर जांच अधिकारी के पास यह मानने का कारण है कि किसी संपत्ति को आतंकवाद की कार्रवाई में इस्तेमाल किया गया है तो वह संपत्ति को जब्त कर सकता है। एनआइए ने पिछले साल नवंबर में अंद्राबी और उसके दो सहयोगियों के खिलाफ इंटरनेट का इस्तेमाल कर भारत के खिलाफ 'जंग छेड़ने' के आरोप में आरोप पत्र दाखिल किया था।

# रेलवे सुरक्षा बल सेवा को संगठित समूह मिलेगा ग्रुप 'ए' का दर्जा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल सेवा को संगठित समूह 'ए' का दर्जा देने को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को संगठित समूह 'ए' का दर्जा देने तथा कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के क्रमशः दिनांक 24 अप्रैल, 2009 और छह जून, 2000 के दिशा–निर्देशों और अनुवर्ती अनुदेशों के अनुसार एक जनवरी 2006 से गैर– क्रियात्मक वित्तीय उन्नयन (एनएफएफयू) के अनुवर्ती लाभ और छह जून, 2000 से वरिष्ठ ड्यूटी पद (एसडीपी) का 30 फीसद एनएफएसजी गैर–क्रियात्मक सलेक्शन ग्रेड (एनएफएसजी) देने को मंजूरी दी है।

फैसले के मुताबिक आरपीएफ को संगठित समूह 'ए' सेवा का दर्जा प्रदान करने से सेवा क्षेत्र में ठहराव खत्म होगा। इससे अधिकारियों की कैरियर प्रगति में सुधार होगा और उनका प्रेरणात्मक स्तर कायम रहेगा। इसका लाभ आरपीएफ के योग्य अधिकारियों को मिलेगा।

इस बाबत दिल्ली हाई कोर्ट ने चार दिसंबर 2012 के आदेश में रेलवे को आरएएफ को समूह 'ए' सेवा का दर्जा प्रदान करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 5 फरवरी, 2019 के आदेश द्वारा इसकी पुष्टि कर दी है। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने आरपीएफ को संगठित समूह 'ए' सेवा का दर्जा प्रदान करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था।

# रेलवे 2.94 लाख से अधिक पदों पर भर्ती कर रहा है : सरकार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (भाषा)।

सरकार ने बताया कि रेलवे में इस साल एक जून को 2.98 लाख से अधिक पद खाली थे और 2.94 लाख कर्मचारियों के लिए भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि रेलवे में पिछले एक दशक में 4.61 लाख से अधिक लोगों की भर्ती की गई।

**भारत सरकार**
**लोक उद्यम चयन बोर्ड**

**पॉवर सिस्टम ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड**
**में**
**निदेशक (मार्केट ऑपरेशन)**
**पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।**
**लोक उद्यम चयन बोर्ड में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 13 सितम्बर, 2019 (15:00 बजे तक) है।**
**जानकारी के लिए वेबसाइट**
**http://www.pesb.gov.in में लॉगइन करे**

## मै. फॉर्च्यून ग्रैफिक्स लिमिटेड (परिसमापन में)

**परिसमापक का पताः बी–165, जंगपुरा बी, नई दिल्ली–110018;**
**सम्पर्कः +91–11–24377675; ईमेल आईडीः ol.fortunergraphics@gmail.com**

**ई–नीलामी बिक्री सूचना**

दिवाला एवं दिवालिया संहिता 2016 तथा उसके अंतर्गत विनियमन के अंतर्गत एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे तालिका में वर्णित सम्पत्तियों की वेबसाईट http://www.eauctions.co.in के माध्यम से सेवा प्रदाता मै. लिंकस्टार इन्फोसिस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा ई–नीलामी द्वारा बिक्री की जायेगी।

| | |
|---|---|
| नीलामी की तिथि एवं समय | 21 जुलाई, 2019 को 1.00 बजे अप. से 3.00 बजे अप. |
| ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | 19 जुलाई, 2019 |
| निरीक्षण की तिथि एवं समय | 14 जुलाई, 2019 को 12 बजे अप. से 5.00 बजे सायं तक। निरीक्षण के लिये सम्पर्क किये जाने वाले व्यक्ति का नाम श्री अजीम खान, सम्पर्क नं. 9717829791 |

| लॉट नं. | विवरण | आरक्षित मूल्य (लाखों में) | ईएमडी (रु.) (लाखों में) |
|---|---|---|---|
| 1. | मर्सडीज बेंज कार ई 250 सीडीआई एवन्ट्रादेव मॉडल–2016, पंजीकरण संख्या UK07BX0900 Euro-3 आरसी/बीमा उपलब्ध नहीं | 14.50 | 3.00 |
| 2. | मर्सडीज बेंज कार जीएलई 250 डी 4 मैट्रिक Euro-3, मॉडल–2016 अ–पंजीकृत | 9.00 | 2.00 |

ईएमडी (अप्रतिदेय) का भुगतान 19 जुलाई 2019 को या उससे पूर्व "फॉर्च्यून ग्रैफिक्स लिमिटेड (परिसमापन में)" की खाता, खाता नं. 3757035055 तथा आईएफएससी कोड CBIN0282737 में एनईएफटी/ आरटीजीएस द्वारा अथवा "फॉर्च्यून ग्रैफिक्स लिमिटेड (परिसमापन में)" के पक्ष में डीडी/पे आर्डर इच्छुक बोलीदाता को करना होगा। ई–नीलामी बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये https://www.eauctions.co.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें। ई–नीलामी से संबंधित किसी भी जिज्ञासा के लिये श्री दीक्षित प्रजापति (एमः 7874138237), admin@eauctions.co.in या परिसमापक से उनके ई–मेल ol.fortunegraphics@gmail.com पर सम्पर्क करें।

हस्ता./–
सीए विनीत अग्रवाल
फॉर्च्यून ग्रैफिक्स लिमिटेड (परि. में) के परिसमापक
आईपी पंजी. सं. IBBI/IPA-001/IP-P00475/2017-18/10818

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 10 जुलाई, 2019

## इन्टेक कैपिटल लिमिटेड

**मांग सूचना का प्रकाशन**

**वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना**

अधोलिखित को 27.6.2019 को स्पीड पोस्ट से भेजी गईः 1) मै. बेलपोली माउल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड (ऋणधारक) पंजीकृत कार्यालयः ए–विंग, 8वां तल, लोक नायक भवन, खान मार्केट नई दिल्ली–110003; 2) श्री संजीव कपूर (गारन्टर/मार्टगैजर) निवासीः 58, नार्थ एवैन्यू, पंजाबी बाग, पश्चिम दिल्ली–110026, साथ हीः प्लॉट नं. 13, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा(उ.प्र.)–201301, साथ हीः फ्लैट नं. जीएफ–2, भूतल, टावर–ए, पर्ल्स गेटवे, प्लॉट नं. डी–8ए, सेक्टर–44, नोएडा (उ.प्र.), 3) श्रीमती सुनीता कपूर (गारन्टर/मार्टगैजर) निवासीः 58, नार्थ एवैन्यू, पंजाबी बाग, पश्चिम दिल्ली–110026, साथ हीः प्लॉट नं. 13, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा(उ.प्र.)–201301, साथ हीः फ्लैट नं. जीएफ–2, भूतल, टावर–ए, पर्ल्स गेटवे, प्लॉट नं. डी–8ए, सेक्टर–44, नोएडा (उ.प्र.)

**विषयः ऋण अनुबंध संख्या O10/163 तिथि 23.12.2010, O11/127 तिथिः 25.7.2011, O11/146 तिथिः 25.7.2011, O12/257 तिथि 25.8.2012 तथा दो ऋणों की ऋण अनुबंध संख्या O12/361 एवं O12/368 के माध्यम से पुनसँरचना की गई, इन्टेक कैपिटल लिमिटेड, शाखा–नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में।**

आप ने ऋणों के पुनर्भुगतान में चूक की है तथा रु. 49,20,20,715/– (रुपये उन्चास करोड़ बीस लाख बीस हजार सात सौ पन्द्रह मात्र) की राशि बकाया है।

इन्टेक कैपिटल लिमिटेड ने 25.6.2019 को अधिनियम के अंतर्गत सूचना जारी कर आपको 49,20,20,715/– (रुपये उन्चास करोड़ बीस लाख बीस हजार सात सौ पन्द्रह मात्र) की राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया। यह सूचना स्पीड पोस्ट से भेजी गई तथा दो (2) संबोध्य व्यक्तियों का प्राप्त हुए बिना वापस लौट आई।

आपको निर्देश दिया जाता है कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनो के भीतर 49,20,20,715/– (रुपये उन्चास करोड़ बीस लाख बीस हजार सात सौ पन्द्रह मात्र) की राशि का भुगतान करें जिसमें विफल रहने पर इन्टेक कैपिटल लिमिटेड यहां नीचे अनुसूची में दी गई प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध प्रतिभूति हित के प्रवर्त्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करेगा। यह सूचना इन्टेक कैपिटल लि. को उपलब्ध किसी अन्य अधिकार के प्रति पूर्वाग्रह रहित है।

**अनुसूची**

परिसम्पत्तियों का विशिष्ट विवरण इस प्रकार है जिसमें प्रतिभूति हित निर्मित हैः

**गिरवी परिसम्पत्तियांः** फ्लैट नं. जीएफ–2, भूतल, टावर–ए, पर्ल्स गेटवे, प्लॉट नं. डी–8ए, सेक्टर–44, नोएडा, उ.प्र.

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
इन्टेक कैपिटल लि.

तिथिः 10.7.2019
स्थानः नई दिल्ली

**Form No. URC-2**
**Advertisement giving notice about registration under Part I of Chapter XXI**
[Pursuant to section 374(b) of the companies Act, 2013 and rule 4(1) of the companies (Authorised to Register) Rules, 2014]

1. Notice is hereby given that in pursuance of sub-section (2) of section 366 of the Companies Act, 2013, an application is proposed to be made after fifteen days hereof but before the expiry of thirty days hereinafter to the Registrar of Companies at NCT of Delhi that **M/s. PRAEFINIO FOOTWEAR LLP**, a LLP may be registered under Part I of Chapter XXI of the Companies Act 2013, as a company limited by shares.
2. The principal objects of the company is "Manufacturing of Footwears".
3. A copy of the draft memorandum and articles of association of the proposed company may be inspected at the office at **TF-17, PEARL OMAXE TOWER, NETAJI SUBHASH PALACE, PITAMPURA, NEW DELHI, DELHI-110034**
4. Notice is hereby given that any person objecting to this application may communicate their objection in writing to the Registrar at **Central Registration Centre (CRC), Indian Institute of Corporate Affairs (IICA), Plot No. 6,7,8, Sector 5, IMT Manesar, District Gurgaon (Haryana), Pin Code- 122050,** within twenty one days from the date of publication of this notice, with a copy to the company at its registered office.

Dated this 10th Day of July 2019

Name(s) of Applicant

| Sd/- | Sd/- |
|---|---|
| POOJA THAKUR | DEEPANSHI JAIN |
| Designated Partner | Designated Partner |
| DIN: 07315566 | DIN: 07294625 |

**फार्म नं. आईएनसी–26**

**ट्रेन ब्रेन कैरियर प्राइवेट लिमिटेड**

(CIN: U74999DL2016PTC300897)

जिसका पंजीकृत कार्यालय : **एच–2/1, मॉडल टाउन, नई दिल्ली–110009**

(www.mca.gov.in)

कृते **ट्रेन ब्रेन कैरियर प्राइवेट लिमिटेड**

डीआईएनः 00135057

**Bhargava Traders Private Limited**
**CIN:** U 51101 DL 2006 PTC 151475
**Regd. Office:** B-73, DDA Flats, Jhilmil Colony, Delhi- 110 095
**E-mail:** abhinavbhargava2@gmail.com

Before the Central Government
Through the office of the Regional Director, Northern Region
Ministry of Corporate Affairs, New Delhi
In the matter of Section 13(4) of Companies Act, 2013
and Rule 30(5)(a) of the Companies (Incorporation) Rules, 2014
And in the matter of
**Bhargava Traders Private Limited** having its Registered Office at B-73, DDA Flats, Jhilmil Colony, Delhi- 110 095
Applicant Company

**PUBLIC NOTICE**

**Notice** is hereby given to the General Public that **Bhargava Traders Private Limited** (the Company) proposes to make an Application to the Central Government through the office of the Regional Director, Northern Region, Ministry of Corporate Affairs, New Delhi under section 13 of the Companies Act, 2013, read with Rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014, and other applicable provisions, if any, seeking confirmation/approval of alteration of Clause II of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed in the Extra ordinary General Meeting held on 10th July, 2019, to enable the Company to change its registered office from the NCT of Delhi to the State of Uttar Pradesh.

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of registered office of the Company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing Investor Complaint Form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit, stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, Ministry of Corporate Affairs, B-2 Wing, 2nd Floor, Pt. Deen Dayal Antodaya Bhawan, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi 110 003, within 14 days from the date of publication of this notice, with a copy to the Applicant Company at its Registered Office address mentioned above.

**For Bhargava Traders Private Limited**
**Sd/-**
**Abhinav Bhargava**
**Director**
**DIN: 00282953**

**Date: 10.07.2019**
**Place: New Delhi**

**Bhrigu Traders Private Limited**
**CIN:** U 51909 DL 2005 PTC 140603
**Regd. Office:** DDA Flats, B – 73, Jhilmil Colony, Delhi- 110 095
**E-mail:** abhinavbhargava2@gmail.com

Before the Central Government
Through the office of the Regional Director, Northern Region, Ministry of Corporate Affairs, New Delhi
In the matter of Section 13(4) of Companies Act, 2013
and Rule 30(5)(a) of the Companies (Incorporation) Rules, 2014
And in the matter of
**Bhrigu Traders Private Limited** having its Registered Office at DDA Flats, B – 73, Jhilmil Colony, Delhi- 110 095
Applicant Company

**PUBLIC NOTICE**

**Notice** is hereby given to the General Public that **Bhrigu Traders Private Limited** (the Company) proposes to make an Application to the Central Government through the office of the Regional Director, Northern Region, Ministry of Corporate Affairs, New Delhi under section 13 of the Companies Act, 2013, read with Rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014, and other applicable provisions, if any, seeking confirmation/approval of alteration of Clause II of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed in the Extra ordinary General Meeting held on 10th July, 2019, to enable the Company to change its registered office from the NCT of Delhi to the State of Uttar Pradesh.

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of registered office of the Company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing Investor Complaint Form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit, stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, Ministry of Corporate Affairs, B-2 Wing, 2nd Floor, Pt. Deen Dayal Antodaya Bhawan, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi 110 003, within 14 days from the date of publication of this notice, with a copy to the Applicant Company at its Registered Office address mentioned above.

**For Bhrigu Traders Private Limited**
**Sd/-**
**Abhinav Bhargava**
**Director**
**DIN: 00282953**

**Date: 10.07.2019**
**Place: New Delhi**

## फार्म जी
## अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण

**{दिवाला तथा दिवालिया (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिये दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 36 ए (1) के अंतर्गत}**

| संबंधित विवरण | | |
|---|---|---|
| 1. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम | सुनार ज्वेल्स प्राईवेट लिमिटेड |
| 2. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि | 12 मई, 2009 |
| 3. | वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/ पंजीकृत हैं | कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत कम्पनी रजिस्ट्रार |
| 4. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का कॉर्पोरेट पहचान संख्या/ सीमित दायित्व पहचान संख्या | U51909DL2009PTC190199 |
| 5. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय एवं प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता | शॉप नं. 321, 2608, बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली– 110005, भारत |
| 6. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि | 29 अप्रैल, 2019 (आदेश 25 अप्रैल, 2019 को पारित की गई) |
| 7. | अभिरुचि की अभिव्यक्ति के आमंत्रण की तिथि | 13 जुलाई, 2019 |
| 8. | संहिता की धारा 25(2) (एच) के अंतर्गत प्रस्ताव आवेदकों की पात्रता उपलब्ध हैः | पात्रता मानदंड cirp.sunarjewels@gmail.com से प्राप्त की जा सकती है। |
| 9. | धारा 29ए के अंतर्गत लागू होने वाले अयोग्यता का मानक उपलब्ध है। | अयोग्यता मानक cirp.sunarjewels@gmail.com से प्राप्त की जा सकती है। |
| 10. | अभिरुचि की अभिव्यक्ति प्राप्ति की अंतिम तिथि | 28 जुलाई, 2019 |
| 11. | संभावित प्रस्ताव आवेदकों की अस्थाई सूची जारी होने की तिथि | 7 अगस्त, 2019 |
| 12. | अस्थाई सूची के प्रति आपत्ति जमा करने की अंतिम तिथि | 12 अगस्त, 2019 |
| 13. | संभावित प्रस्ताव आवेदकों की अस्थाई सूची जारी होने की तिथि | 22 अगस्त, 2019 |
| 14. | संभावित प्रस्ताव आवेदकों को प्रस्ताव योजना के लिये सूचना मेमोरैण्डम, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा अनुरोध जारी होने की तिथि | 12 अगस्त, 2019 |
| 15. | प्रस्ताव योजना, मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना मेमोरैण्डम तथा अधिक जानकारी प्राप्त करने का तरीका | निर्धारित दस्तावेज cirp.sunarjewels@gmail.com के माध्यम से उपलब्ध होगी। cirp.sunarjewels@gmail.com के माध्यम से दिवाला एवं दिवालिया संहिता, 2016 की धारा 29 (2) के अंतर्गत गोपनीयता का वचन देने के बाद आईएम प्राप्त की जा सकती है। |
| 16. | प्रस्ताव योजना जमा करने की अंतिम तिथि | 11 सितम्बर, 2019 |
| 17. | प्रस्तावकर्मी के पास प्रस्ताव योजना जमा करने का तरीका | स्पीड पोस्ट द्वारा अथवा प्रस्ताव कर्मी के पास हाथों– हाथ मुहरबंद लिफाफे में। |
| 18. | स्वीकृति के लिये निर्णायक प्राधिकरण के पास प्रस्ताव जमा करने की अनुमानित तिथि | 11 अक्टूबर, 2019 |
| 19. | प्रस्ताव कर्मी का नाम तथा पंजीकरण संख्या | मनोज गर्ग, IBBI/IPA-001/IP-P01167/2018-19/11872 |
| 20. | बोर्ड में यथा–पंजीकृत प्रस्ताव कर्मी का नाम, पता तथा ई–मेल | मनोज गर्ग, जीएफ–85, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, बाबर रोड, कनॉट प्लेस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली–110001, cagargmanoj@hotmail.com |
| 21. | प्रस्ताव कर्मी के साथ पत्राचार के लिये प्रयोग करने के लिये पता तथा ईमेल | जीएफ–85, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, बाबर रोड, कनॉट प्लेस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली–110001, cirp.sunarjewels@gmail.com |
| 22. | विस्तृत विवरण उपलब्ध हैं | मनोज गर्ग, अंतरिम प्रस्तावकर्मी, ई–मेल आईडी– cirp.sunarjewels@gmail.com, मोबाईल नं. 9811275735 |
| 23. | फार्म जी के प्रकाशन की तिथि | 11 जुलाई, 2019 |

हस्ता./–
मनोज गर्ग, अंतरिम प्रस्ताव कर्मी
सुनार ज्वेल्स प्राईवेट लिमिटेड के लिये
पंजी. सं. IBBI/IPA-001/IP-P01167/2018-19/11872
जीएफ– 85, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, बाबर रोड
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001

तिथिः 11 जुलाई, 2019
स्थानः नई दिल्ली

(THIS IS ONLY AN ADVERTISEMENT FOR INFORMATION PURPOSES AND NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT)

SK INTERNATIONAL EXPORT

# SK INTERNATIONAL EXPORT LIMITED

Our Company was originally formed as partnership firm constituted under the Indian Partnership Act, 1932 (the "**Partnership Act**") in the name of M/s S.K International (Export) Co., pursuant to a deed of partnership dated November 01, 1991 and subsequent change including addition and retirement of partners by way of partnership deed dated May 18, 2018 thereafter conversion from a partnership firm to a public limited company under Part I of Chapter XXI of the Companies Act, 2013 with the name SK International Export Limited and received a certificate of incorporation from Registrar of Companies, Mumbai on September 13, 2018 bearing corporate identification number U18109MH2018PLC314141. For details of changes in name and registered office of our Company, please refer to the section titled "Our History and Certain Other Corporate Matters" beginning on page 124 of the Prospectus.

**Registered office:** 78, Ground, A2, Shah & Nahar Industrial Estate, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Mumbai – 400013, Maharashtra India. **Tel.:** +91 022 6660 6450/ 022 6660 6451; **E-mail:** info@skinternational.in; **Website:** www.skinternational.in;
**Contact Person:** Mr. Hitesh Shrawankumar Sadh; **E-Mail:** info@skinternational.in

**PROMOTERS OF OUR COMPANY: MR. SHRAWANKUMAR P. SADH AND MR. HITESH SHRAWANKUMAR SADH**

**BASIS OF ALLOTMENT**

**INITIAL PUBLIC ISSUE OF 19,80,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs.10.00 EACH OF SK INTERNATIONAL EXPORT LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF Rs. 20.00 PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF Rs. 10.00 PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING TO Rs. 396.00 LACS/- ("THE ISSUE"), OF WHICH 1,02,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs. 10.00 EACH FOR CASH AT A PRICE OF Rs. 20.00 PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF Rs. 10.00 PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO Rs. 20.40 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF 18,78,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs. 10.00 EACH AT A PRICE OF Rs. 20.00 PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO Rs. 375.60 LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 27.01% AND 25.61% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.**

**THIS ISSUE IS BEING MADE IN TERMS OF CHAPTER IX OF THE SEBI (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENT) REGULATIONS, 2018 (THE "SEBI ICDR REGULATIONS") READ WITH RULE 19(2)(b)(I) OF SCRR AS AMENDED. THIS ISSUE IS A FIXED PRICE ISSUE AND ALLOCATION IN THE NET OFFER TO THE PUBLIC WILL BE MADE IN TERMS OF REGULATION 253(2) OF THE SEBI (ICDR) REGULATIONS, 2018.**

**THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 10/- EACH AND THE ISSUE PRICE IS ₹ 20/- EACH. THE ISSUE PRICE IS 2 TIMES OF THE FACE VALUE.**

**ISSUE PROGRAMME** **OPENS ON FRIDAY, JUNE 28, 2019 | CLOSES ON FRIDAY, JULY 05, 2019**

**PROPOSED LISTING: MONDAY, JULY 15, 2019***

The Equity Shares offered through Prospectus are proposed to be listed on the SME Platform of BSE ("BSE"). Our Company has received in-principal approval letter dated April 08, 2019 from BSE for using its name in this offer document for listing of our shares on the SME Platform of BSE. For the purpose of this Issue, the Designated Stock Exchange will be the BSE Limited ("BSE"). The trading is proposed to be commenced on or about July 15, 2019*.

** Subject to receipt of listing and trading approvals from the BSE SME Platform.*

All Applicants were allowed to participate in the Issue through APPLICATIONS SUPPORTED BY BLOCKED AMOUNT ("ASBA") process by providing the details of their respective bank accounts in which the corresponding application amounts were blocked by Self Certified Syndicate Banks (the "SCSBs"). Further, pursuant to SEBI Circular No. SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2018/138 dated November 01, 2018, Retail Individual Investors applying in public issue were required to use either Application Supported by Blocked Amount (ASBA) facility for making application or also can use UPI (Unified Payment Interface) as a payment mechanism with Application Supported by Blocked Amount for making application. For details in this regards, specific attention are invited to the chapter titled "Issue Procedure" beginning on page 214 of the Prospectus.

**SUBSCRIPTION DETAILS**

The Issue has received 104 applications (after removing applications not banked) for 23,58,000 Equity Shares resulting in 1.19 times subscription (including reserved portion of Market Maker). After considering invalid bids, bids not banked and Technical rejection cases, the issue was subscribed 1.1364 times including Market Maker reservation portion. The details of the applications received in the Issue (before technical rejections) are as follows:

**Summary of the Valid Applications Received:**

| Sr. No. | Category | Gross Application | | Less: Rejections | | Valid Application | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | No. of Applications | Equity Shares | No. of Applications | Equity Shares | No. of Applications | Equity Shares |
| 1 | Reserved for Market Maker | 1 | 1,02,000 | - | - | 1 | 1,02,000 |
| 2 | Non-Retail Investors | 19 | 17,52,000 | 2 | 96,000 | 17 | 16,56,000 |
| 3 | Retail Individual Investors | 84 | 5,04,000 | 2 | 12,000 | 82 | 4,92,000 |
| | **Total** | **104** | **23,58,000** | **4** | **1,08,000** | **100** | **22,50,000** |

Allocation: The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange - BSE SME Platform on 10th July, 2019

**A. Allocation to Market Maker (After Technical & Multiple Rejections and Withdrawal):** The Basis of Allotment to the Market Maker, at the issue price of Rs 20/- per Equity Share, was finalised in consultation with BSE SME Platform. The category was subscribed by 1 time. The total number of shares allotted in this category is 1,02,000 Equity shares.

| Sr.No | No. of Shares applied for (Category wise) | Number of applications received | % to total | Total No. of Shares applied in each category | % to total | Proportionate shares available | Allocation per Applicant (Before Rounding Off) | Allocation per Applicant (After Rounding Off) | Ration of allottees to applicants | Number of successful applicants (after rounding) | % to total | Total No. of shares allocated/ alloted | % to total | Surplus /Deficit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1,02,000 | 1 | 100 | 1,02,000 | 100 | 1,02,000 | 1,02,000 | 1,02,000 | Firm | 1 | 100 | 1,02,000 | 100 | 0.00 |
| **GRAND TOTAL** | | **1** | **100** | **1,02,000** | **100** | **1,02,000** | **1,02,000** | **1,02,000** | **Firm** | **1** | **100** | **1,02,000** | **100** | **0.00** |

**B. Allocation to Retail Individual Investors (After Technical & Multiple Rejections and Withdrawal):** The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, at the issue price of Rs 20/- per Equity Share, was finalized in consultation with BSE SME Platform. The category was subscribed by 0.52 times i.e. for 4,92,000 Equity Shares. Total number of shares allotted in this category is 4,92,000 Equity Shares to 82 successful applicants.

| Sr.No | No. of Shares applied for (Category wise) | Number of applications received | % to total | Total No. of Shares applied in each category | % to total | Proportionate shares available | Allocation per Applicant (Before Rounding Off) | Allocation per Applicant (After Rounding Off) | Ration of allottees to applicants | Number of successful applicants (after rounding) | % to total | Total No. of shares allocated/ alloted | % to total | Surplus /Deficit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 6,000 | 82 | 100 | 4,92,000 | 100 | 9,42,000 | 11487.8 | 6000 | Firm | 82 | 100 | 4,92,000 | 100 | (4,50,000) |
| **GRAND TOTAL** | | **82** | **100** | **4,92,000** | **100** | **9,42,000** | | | **Firm** | **82** | **100** | **4,92,000** | **100** | **(4,50,000)** |

**C. Allocation to Other than Retail Individual Investors (After Technical Rejections & Withdrawal):** The Basis of Allotment to Other than Retail Individual Investors, at the issue price of Rs 20/- per Equity Share, was finalized in consultation with BSE SME Platform. The category was subscribed by 1.19 times i.e. for 16,56,000 shares. Total number of shares allotted in this category is 13,86,000 Equity Shares to 17 successful applicants.

The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

| Sr.No | No. of Shares applied for (Category wise) | Number of applications received | % to total | Total No. of Shares applied in each category | % to total | Proportionate shares available | Allocation per Applicant (Before Rounding Off) | Allocation per Applicant (After Rounding Off) | Ration of allottees to applicants | | Number of successful applicants (after rounding) | % to total | Total No. of shares allocated/ alloted | % to total | Surplus /Deficit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 12000 | 2 | 11.76 | 24000 | 1.45 | 20087 | 10043.48 | 6000 | 1 | 1 | 2 | 11.76 | 12000 | 0.87 | 8087 |
| | | | | | | | | 6000 | 1 | 2 | 1 | 5.88 | 6000 | 0.43 | -6000 |
| 2 | 18000 | 4 | 23.53 | 72000 | 4.35 | 60261 | 15065.22 | 12000 | 1 | 1 | 4 | 23.53 | 48000 | 3.46 | 12261 |
| | | | | | | | | 6000 | 1 | 2 | 2 | 11.76 | 12000 | 0.87 | -12000 |
| 3 | 24000 | 1 | 5.88 | 24000 | 1.45 | 20087 | 20086.96 | 18000 | 1 | 1 | 1 | 5.88 | 18000 | 1.30 | 2087 |
| 4 | 36000 | 2 | 11.76 | 72000 | 4.35 | 60261 | 30130.43 | 30000 | 1 | 1 | 2 | 11.76 | 60000 | 4.33 | 261 |
| 5 | 48000 | 2 | 11.76 | 96000 | 5.80 | 80348 | 40173.91 | 42000 | 2 | 1 | 2 | 11.76 | 84000 | 6.06 | -3652 |
| 6 | 54000 | 2 | 11.76 | 108000 | 6.52 | 90391 | 45195.65 | 42000 | 1 | 1 | 2 | 11.76 | 84000 | 6.06 | 6391 |
| | | | | | | | | 6000 | 1 | 2 | 1 | 5.88 | 6000 | 0.43 | -6000 |
| 7 | 102000 | 1 | 5.88 | 102000 | 6.16 | 85370 | 85369.57 | 84000 | 1 | 1 | 1 | 5.88 | 84000 | 6.06 | 1370 |
| 8 | 150000 | 1 | 5.88 | 150000 | 9.06 | 125543 | 125543.48 | 126000 | 1 | 1 | 1 | 5.88 | 126000 | 9.09 | -457 |
| 9 | 258000 | 1 | 5.88 | 258000 | 15.58 | 215935 | 215934.78 | 216000 | 1 | 1 | 1 | 5.88 | 216000 | 15.58 | -65 |
| 10 | 750000 | 1 | 5.88 | 750000 | 45.29 | 627717 | 627717.39 | 630000 | 1 | 1 | 1 | 5.88 | 630000 | 45.45 | -2283 |
| **GRAND TOTAL** | | **17** | **100.00** | **1656000** | **100.00** | **1386000** | | | | | **17** | **100.00** | **1386000** | **100.00** | **0** |

The Board of Directors of the Company at its meeting held on July 10, 2019 has taken on record the Basis of Allocation of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange viz. BSE and has authorized the corporate action for the transfer of the Equity Shares to various successful applicants.

In terms of the Prospectus dated June 11, 2019 and as per the SEBI (ICDR) Regulations, 2018 wherein a minimum of 50% of the net offer of shares to the Public shall initially be made available for allotment to retail individual investors as the case may be. The balance net offer of shares to the public shall be made available for allotment to a) individual applicants other than retail investors and b) other investors, including Corporate Bodies / Institutions irrespective of number of shares applied for. The unsubscribed portion of the net offer to any one of the categories specified in (a) or (b) shall be made available for allocation in the other category, if so required. "For the purpose of sub-regulation (2) of regulations 253, if the retail individual investor category is entitled to more than fifty per cent on proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher percentage".

The CAN-cum-Refund advices and allotment advice and/or notices will be forwarded to the address/email id of the Applicants as registered with the depositories as filled in the application form on or before 12th July, 2019. Further, the instructions to Self-Certified Syndicate Banks for unblocking the amount will be processed on or prior to 11th July, 2019. In case the same is not received within 10 days, investors may contact at the address given below.

The Equity Shares allocated to successful applicants are being credited to their beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is taking steps to get the Equity Shares admitted for trading on the BSE SME Platform within six working days from the date of the closure of the Issue.

**Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meaning assigned to them in the Prospectus dated June 11, 2019 ("Prospectus").**

**INVESTORS PLEASE NOTE:** The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Issue KARVY FINTECH PRIVATE LIMITED at www.karisma.karvy.com. All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/Sole applicants, serial number of the Application Form, number of shares applied for and Bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the Registrar given below:

KARVY FINTECH

**Karvy Fintech Private Limited,**
Karvy Selenium Tower-B, Plot 31 & 32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally, Hyderabad – 500 032, Telangana, Hyderabad. **Tel.:** +91 40 6716 2222; **Fax:** +91 40 2343 1551
**Email:** einward.ris@karvy.com; **Investor Grievance Email:** skinternational.ipo@karvy.com; **Website:** https://karisma.karvy.com; **SEBI Registration No.:** INR000000221; **Contact Person:** Mr. M Murali Krishna

**For SK International Export Limited**
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Managing Director

**Place :** Mumbai
**Date :** 10/07/2019

**THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF SK INTERNATIONAL EXPORT LIMITED.**

CONCEPT

जनसत्ता



# जाति का दंश

गुजरात में अमदाबाद के वरमोर गांव में अंतरजातीय विवाह के बाद एक दलित युवक की हत्या की जो घटना सामने आई है, उससे एक बार फिर यही साबित होता है कि विकास के दावे चाहे जितने किए जाएं, लेकिन ऐसे मौकों पर यही लगता है कि एक समाज के रूप में हम बेहद पिछड़े हैं। गौरतलब है कि एक उच्च कही जाने वाली जाति की युवती और दलित समुदाय के एक युवक ने प्रेम विवाह किया था। लेकिन लड़की के परिवार वाले इसलिए बेहद नाराज थे कि एक निम्न कही जाने वाली जाति के लड़के ने उनकी बेटी से विवाह कर लिया। वे बहाने से लड़की को अपने घर ले आए। उसके कुछ समय बाद लड़के ने गुजरात में ऐसे मामलों को देखने के लिए गठित 'अभयम' समूह की सहायता ली और पत्नी को लाने उसके घर गया। लेकिन वहां लड़की के परिवार वालों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और 'अभयम' की पूरी टीम के सामने ही मार डाला। यह घटना बताती है कि जाति से जुड़ी श्रेष्ठता की ग्रंथि व्यक्ति की संवेदनाओं को किस कदर खत्म कर दे सकती है और बिना नतीजे की परवाह के जघन्य अपराध तक करवा डालती है।

सवाल है कि जब युवक ने 'अभयम' की मदद ली तो उस टीम ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस-बल को ले जाना क्यों जरूरी नहीं समझा? जबकि पिछले कुछ समय से गुजरात में दलितों के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यह जगजाहिर है कि जाति-व्यवस्था ने समाज में कैसे विद्रूप रचे हैं और इंसानी संवेदनाओं का गला घोंटा है। एक उम्मीद यह की जाती है कि शिक्षा हासिल करने और सभ्य होने की कसौटियों पर गौर करने के बाद कोई समाज इस तरह की जड़ताओं से ऊपर उठ सकता है। मगर जाति की ग्रंथियों से संचालित व्यवहार कई बार इन तकाजों से बेअसर दिखते हैं। गुजरात की घटना में लड़की ने सामाजिक जड़ताओं या जाति को दरकिनार कर प्रेम और संबंध को तरजीह दी और इस तरह जातिगत दायरों को तोड़ कर एक इंसानी समाज की ओर कदम बढ़ाया। मगर उसके परिवार वालों के लिए यह मामूली बात स्वीकार करना क्यों संभव नहीं हुआ कि उनकी बेटी बालिग है और उसने अपना भला-बुरा समझ कर ही अपनी जिंदगी के बारे में फैसला लिया होगा?

इससे अफसोसनाक और क्या हो सकता है कि विकास की चकाचौंध के बीच आज भी जाति के नाम पर झूठी इज्जत को बचाने के लिए प्रेमी जोड़ों को मार डाला जाता है। हाल में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जबकि न केवल सामाजिक संबंधों के लिहाज से, बल्कि संवैधानिक रूप से भी दो वयस्क लोगों को अपनी पसंद और चुनाव के मुताबिक किसी से प्रेम और विवाह करने का अधिकार है। इसमें जाति सहित कोई भी परंपरा बाधा नहीं बन सकती। लेकिन परंपरा में बंध कर जीते लोगों की मानसिकता इस कदर जड़ हो जाती है कि वे ऐसे संबंधों को संवेदना और कानून की कसौटी पर रख कर देख ही नहीं पाते। जातियों के दायरे में जीते हमारे समाज में यह सोचना तक जरूरी नहीं समझा जाता कि यह व्यवस्था कैसे मानवीयता के हर तकाजे को तार-तार करती है। उल्टे जाति के पायदान में ऊपर होने की वजह से उपजे श्रेष्ठताबोध के असर में डूबे लोगों को न इंसानी संवेदनाओं का खयाल रह पाता है, न उनके भीतर कानून का कोई भय होता है। यह समझना मुश्किल है कि तमाम पढ़ाई-लिखाई और आर्थिक उपलब्धियों के बावजूद हमारा समाज जातिगत श्रेष्ठता की कुंठा के मनोविज्ञान में जीना क्यों ज्यादा सहज मानता है, जो कई बार मनुष्य के रूप में न्यूनतम संवेदना भी छीन लेता है!

# संकट और उम्मीद

लंबे समय से नोएडा-ग्रेटर नोएडा में बड़े बिल्डरों और फ्लैट खरीदारों के बीच चला आ रहा विवाद अभी तक किसी ऐसे ठोस समाधान तक नहीं पहुंच पाया है जिससे खरीदारों को जल्दी अपने घर का कब्जा मिलने का रास्ता साफ हो सके। मामला अब सुप्रीम कोर्ट में है। बयालीस हजार से ज्यादा खरीदारों को संकट में देख सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में अब तक काफी सख्त रुख दिखाया है। सर्वोच्च न्यायालय के दखल से फिलहाल इतना हुआ कि ग्राहकों से धोखाधड़ी करने वाले और अपने को दिवालिया बताने वाले बिल्डरों पर कानून का शिकंजा कसा। अदालत ने कई बिल्डरों से पैसा जमा करवाया और कुछ को जेल भी भिजवाया। लेकिन सर्वोच्च अदालत की इतनी सक्रियता और कड़ी कार्रवाई के बावजूद खरीदार खाली हाथ ही हैं। खरीदार लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो पूरा पैसा दे चुके हैं और बैंक कर्ज की किस्त भी भर रहे हैं। साथ ही जिस घर में रह रहे हैं उसका किराया भी दे रहे हैं। इसके अलावा बिल्डर से मुकदमा लड़ने का खर्च अलग उठा रहे हैं। खरीदारों पर यह तिहरी मार है।

अब सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि वही कोई उपाय करे जिससे खरीदारों को जल्द ही फ्लैटों का कब्जा दिलवाया जा सके। इसके लिए अदालत ने सरकार से ठोस व्यावहारिक प्रस्ताव बना कर देने को कहा है। अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में है। देखने की बात यह है कि सरकार क्या कदम उठाती है। साफ है कि अगर सरकारें इतनी सजग और जनता के हितों की संरक्षक होतीं तो बिल्डर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने का दुस्साहस नहीं कर पाते। बिल्डरों ने सरकारी नियम-कानूनों को ताक पर रखते हुए पिछले कुछ सालों में जिस तरह से कारोबार किया है वह एक भ्रष्ट तंत्र की पोल खोलता है। अब तक का घटनाक्रम बताता है कि बिल्डरों ने जम कर मनमर्जी की और सरकार की ओर से उन पर कोई निगरानी नहीं रखी गई। सरकार-बिल्डर गठजोड़ एक तरह से माफिया की तरह ही काम कर रहा है। अगर फ्लैट खरीदारों ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया होता और उनके हित में सुप्रीम कोर्ट ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो ऐसे बिल्डर कब के भाग निकले होते।

अब समस्या यह है कि अगर कोई बिल्डर कानूनी प्रक्रिया के तहत दिवालिया घोषित कर दिया जाता है तो सबसे पहले उसकी संपत्ति की बिक्री से बैंक अपना कर्ज वसूलेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल जेपी इन्फ्राटेक के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया था। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि फ्लैट खरीदारों को पैसा या कब्जा कैसे मिलेगा? अदालत का रुख साफ है कि धोखेबाज बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी और लोगों को उनके घर भी दिलवाए जाएंगे। पर यह संभव होगा कैसे, इसी का समाधान केंद्र को निकालना है। सुप्रीम कोर्ट ने दो महीने पहले आम्रपाली समूह की सभी पंद्रह आवासीय संपत्तियां दोनों प्राधिकरणों को सौंपने की बात कही थी, ताकि अधूरे काम पूरे हो सकें और लोगों को घर मिल सकें। लेकिन अधूरी परियोजनाओं को पूरा कराने के मामले में नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने हाथ खड़े कर दिए। बिल्डर दिवालिया हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के कहने बाद भी सरकारी प्राधिकरण इस काम को कर पाने में लाचारी दिखा चुके हैं। तब कौन परियोजनाएं पूरी करेगा और लोगों को मकान देगा! ऐसे में खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र सरकार क्या प्रस्ताव तैयार करती है, सबकी उम्मीदें इसी पर टिकी हैं।

## कल्पमेधा

**अपवित्र कल्पना भी उतनी ही बुरी होती है**
**जितना बुरा अपवित्र कर्म होता है।**
**-विवेकानंद**

# बढ़ती आबादी का संकट

रवि शंकर

**यदि हमें देश को जनसंख्या विस्फोट से बचाना है तो ऐसी योजनाएं बनानी होंगी जो आम लोगों को आर्थिक रूप से संपन्न बना सकें। साथ ही साक्षरता के लिए भी प्रयास करना होगा, जिससे शिक्षा का प्रकाश सब तक पहुंच सके। परिवार कल्याण कार्यक्रम में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। ऐसी नीतियां भी बनानी होंगी जिनसे जनता स्वयं इसमें रुचि ले।**

अगले सात-आठ साल में भारत चीन को पछाड़ कर दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश हो जाएगा। हाल में संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक आबादी पर जो रिपोर्ट प्रकाशित की है, उसमें कहा गया है कि 2027 तक भारत की आबादी दुनिया में सर्वाधिक होकर डेढ़ सौ करोड़ के पार पहुंच जाएगी। अभी भारत की आबादी एक सौ सैंतीस करोड़ है, और चीन की एक सौ तियालीस करोड़। रिपोर्ट अनुसार पूरी दुनिया की आबादी, जो अभी साढ़े सात अरब है, अगले तीन दशकों यानी 2050 तक बढ़ कर साढ़े नौ अरब से भी ज्यादा हो जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट बताती है कि 2010 से लेकर 2019 के बीच भारत की आबादी 1.2 फीसद की सालाना दर से बढ़ी है। जबकि इस दौरान चीन की जनसंख्या वृद्धि दर 0.5 फीसद ही रही। भारत में एक महिला औसतन 2.3 बच्चों को जन्म दे रही है। हालांकि इस जन्म औसत में पिछले पांच दशक में काफी सुधार आया है। 1969 में यह दर 5.6 थी। यदि वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो यह आंकड़ा अभी ढाई फीसद है। यदि औसत आयु की बात करें तो 2019 में जीवन प्रत्याशा उनहत्तर साल है जो 1969 में मात्र सैंतालीस साल थी। वर्तमान में जापान के लोगों की औसत आयु चौरासी साल है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आधी से ज्यादा जनसंख्या वृद्धि नौ देशों में होगी। इनमें भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, इथियोपिया, तंजानिया, इंडोनेशिया, मिस्र और अमेरिका हैं। अन्य सभी देशों की तुलना में भारत को जनसंख्या वृद्धि की समस्या के भीषण रूप का सामना करना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की आबादी आने वाले कई वर्षों तक बढ़ती रहेगी। इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती आबादी किस तरह से नई-नई चुनौतियां खड़ी कर रही है। आजादी के वक्त भारत की जनसंख्या तैंतीस करोड़ थी, जो पिछले सात दशक में चार गुना से अधिक बढ़ गई है। परिवार नियोजन के आधे-अधूरे कार्यक्रमों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है। निश्चित रूप से सात साल बाद जब भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होगा तो भारत के समक्ष वर्तमान में दिखाई दे रही जनसंख्या की चुनौतियां और अधिक गंभीर रूप में दिखाई देंगी। दुनिया की कुल जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी करीब अठारह फीसद हो गई है, जबकि पृथ्वी के धरातल का मात्र 2.4 फीसद हिस्सा भारत के पास है। चार फीसद जल संसाधन है। जबकि विश्व में बीमारियों का जितना बोझ है, उसका बीस फीसद बोझ अकेले भारत पर है।

भारत आज जिन गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, उनका बड़ा कारण तेजी से बढ़ती आबादी ही है। हालांकि हमारे नीति-निर्माताओं ने तीन-चार दशक पहले ही जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न खतरों को भांप लिया था। इस समस्या से निपटने के लिए अनेक योजनाएं भी बनीं, लेकिन ये सभी योजनाएं आबादी नियंत्रण के लक्ष्य को हासिल कर पाने में नाकाम रहीं। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 में दावा किया गया है कि अगले दो दशक में भारत में जनसंख्या वृद्धि दर में तेजी से गिरावट आएगी। सर्वेक्षण में विभिन्न अध्ययनों के विश्लेषण के आधार पर कहा गया है कि देश में शून्य से 19 आयु वर्ग की आबादी अपने चरम पर पहुंच चुकी है और अब इसमें स्थिरता देखी जाएगी। इसकी वजह देश भर में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) में तेजी से गिरावट को माना गया है। नौ राज्यों, जिनमें दक्षिणी राज्यों, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से काफी नीचे है। इसके अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश जैसे घनी आबादी वाले राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से ऊपर है, लेकिन पहले की तुलना में यह तेजी से घट रही है। प्रतिस्थापन दर का मतलब उस दर से है, जब किसी देश की आबादी में कोई वृद्धि नहीं होती है। इसका आशय है कि जितने लोगों की मृत्यु होती है, लगभग उतने ही लोगों का जन्म होता है। ऐसी स्थिति को प्रतिस्थापन दर शून्य माना जाता है।

पिछले दो दशकों में भारत ने काफी तरक्की की है और यह विश्व की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बन गया, लेकिन इस बात का बहुत प्रतिकूल प्रभाव भी देखने को मिला। मसलन, अंतरराज्यीय असमानताएं पहले की तुलना में ज्यादा बढ़ गईं। दूसरी तरफ जनसंख्या वृद्धि से बेरोजगारी, स्वास्थ्य, परिवार, गरीबी, भुखमरी और पोषण से संबंधित कई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। हालांकि इन समस्याओं का विश्व के प्रायः सभी देशों को सामना करना पड़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत में अभी भी जागरूकता और शिक्षा की कमी है। लोग जनसंख्या की भयावहता को समझ नहीं पा रहे हैं। आबादी का विस्फोट किसी भी देश के आर्थिक विकास को भी प्रभावित कर सकता है। जनसंख्या के लगातार बढ़ने से कई देशों में गरीबी बढ़ रही है। लोग सीमित संसाधनों और पूरक आहार के तहत जीने के लिए बाध्य हैं। भारत सहित कई देशों में आबादी के बोझ ने अनेक गंभीर संकटों को जन्म दिया है। खाद्यान्न, जल संकट, प्रदूषण जैसी समस्याएं बढ़ती जनसंख्या की ही देन हैं। चिंताजनक बात यह है कि लोगों की संख्या तो प्रतिदिन बढ़ रही है, लेकिन धरती का क्षेत्रफल नहीं बढ़ सकता। संसाधन तेजी से सीमित होते जा रहे हैं।

भारत में जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण गरीबी है। भारतीय समाज में इसका एक बड़ा कारण कम उम्र में विवाह होना भी है। कानून बनने के बाद बाल विवाहों की संख्या में तो कुछ कमी तो अवश्य आई है, लेकिन अभी तक पर्याप्त सुधार नहीं हुआ है। इसके अलावा, भारतीय समाज में लड़के की चाहत भी जनसंख्या वृद्धि के लिए काफी कुछ जिम्मेदार है। सरकार द्वारा चलाया जा रहा परिवार नियोजन (अब परिवार कल्याण) कार्यक्रम अभी भी जनता का कार्यक्रम नहीं बन पाया है। इसे अभी भी सरकारी कार्यक्रम से ज्यादा कुछ नहीं समझा जाता।

यदि हमें देश को जनसंख्या विस्फोट से बचाना है तो ऐसी योजनाएं बनानी होंगी जो देश के आम लोगों को आर्थिक रूप से संपन्न बना सकें। साथ ही साक्षरता के लिए भी प्रयास करना होगा, जिससे शिक्षा का प्रकाश सब तक पहुंच सके। परिवार कल्याण कार्यक्रम में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। ऐसी नीतियां भी बनानी होंगी जिनसे जनता स्वयं इसमें रुचि ले। इमरजंसी के दौरान जिस तरह जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए गए थे, वे किसी से छिपे नहीं हैं। उस समय सरकार के इस प्रयास के विरोध में जनता जबरदस्त गुस्से में थी और इसका खमियाजा सरकार को उठाना पड़ा था। इसलिए यह स्पष्ट है कि यदि जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों और जनअवधारणों के बीच असंतुलन और संवादहीनता की स्थिति कायम रहेगी तो बेहतर परिणाम सामने नहीं आएंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पिछले पचास वर्षों में सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठन जनता के साथ एक ऐसा संवाद स्थापित करने में नाकाम रहे हैं जिससे कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकल सके। मुख्य चिंता जनसंख्या को स्थिर करना है। निश्चित रूप से भारत में जनसंख्या वृद्धि को रोकना एक कठिन चुनौती है, लेकिन यह कोई असंभव काम भी नहीं है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सब इस समस्या पर गंभीरता के साथ पुनर्विचार करें, ताकि भविष्य में बढ़ती आबादी के बोझ से होने वाली समस्याओं से छुटकारा मिल सके।

# वे कोरा कागज नहीं

आलोक कुमार मिश्रा

**दुनिया मेरे आगे**

यों बहुत से शिक्षाविदों ने ऐसी मान्यताओं को तार्किक आधार पर सिरे से खारिज किया है जो बच्चों को महज कोरा कागज समझती हैं या फिर गीली मिट्टी, जिस पर शिक्षकों, अभिभावकों और बड़ों के द्वारा जो भी लिखा जाएगा वही अंकित होगा। यानी वे जैसे ढाले जाएंगे, उसी तरह ढल जाएंगे। इसमें खुद उनके प्रयासों, अवलोकनों, अंतर्निहित क्षमताओं या सहज रूप से उपलब्ध परिवेश की भूमिका गौण ही रहेगी। आज भी कमोबेश हमारी शिक्षा व्यवस्था में यही समझ प्रभावी बनी हुई है। स्कूल की किताबों को अंतिम ज्ञान मान उन्हीं को रटने-रटाने के प्रयास में जुटे हैं। प्रचलित परीक्षा प्रणालियां इसे खाद-पानी देने का कार्य करती हैं। हमारी संस्कृति और परंपरा में गुरु और शिष्य की प्रचलित ऐसी ही छवियां भी इसे पुख्ता बनाती हैं।

मगर बच्चे अक्सर इस प्रचलित समझ से परे अपनी समृद्ध उपस्थिति दर्ज कराते हैं। वे अपनी गतिविधियों, बातचीत और सहज मेधा से यह सिद्ध करते रहते हैं कि उन्हें महज कोरा कागज समझना गलत है। वे अपने सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप अनुभवों और समझ से लैस होते हैं। औपचारिक रूप से सीखना वे बिल्कुल शून्य से शुरू नहीं करते। पैदा होने के बाद और स्कूलों में प्रवेश पाने तक के बीच वे भाषा, शारीरिक कौशलों और संस्कृति के सरल सूत्रों को कुछ हद तक आत्मसात कर चुके होते हैं। वे अपनी कुछ विशिष्ट क्षमताओं को भी कच्चे रूप में सही, अवसर मिलने पर प्रदर्शित करने लगते हैं। सच यह है कि आगे के औपचारिक और सुनियोजित अधिगम को ग्राह्य करने और उसके साथ अंतःक्रिया करने में ये विशिष्टताएं बहुत काम की होती हैं।

इन्हें आधार बना कर सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर और आसान बनाया जा सकता है। पर स्कूलों में स्कूल के बाहर सीखे गए अनुभव या ज्ञान को तरजीह देने की संस्कृति अभी भी बहुत कमजोर है। उनके अपने अनुभवों को पूर्वनिर्धारित पाठ्यचर्या में जगह मिलना या उन्हें साथ लेकर चलना मुश्किल से ही दिखाई देता है। लेकिन यह कोई कठिन कार्य नहीं है। अवसर दिए जाने पर बच्चों की रचनात्मकता आश्चर्य में डाल देती है। हाल ही में मुझे अपने शिक्षण कार्य के दौरान ऐसा अनुभव प्राप्त हुआ। मेरे लिए अपनी छठी की कक्षा में 'असमानता और भेदभाव' की संकल्पना को बच्चों के स्तर के अनुरूप बनाने के लिए उपयुक्त उदाहरण ढूंढ़ना मुश्किल पड़ रहा था।

स्कूली किताब के पाठ में जातीय, धार्मिक, लैंगिक या आर्थिक आधार पर होने वाले भेदभावों का उदाहरण दिया गया है, मगर मैं शुरुआत खुद बच्चों द्वारा अनुभव की जाने वाली परिस्थितियों के वर्णन से करना चाहता था। बात करने पर इसमें मेरी मदद कक्षा के विद्यार्थियों न ही की। उनमें से किसी ने बताया कि 'हम बच्चे जब दुकान पर कोई सामान लेने जाते हैं और अगर कोई ज्यादा उम्र का व्यक्ति हमारे बाद वहां कुछ खरीदने आ जाए तो अक्सर दुकानदार हमें सामान न देकर पहले उन्हें देते हैं। उनकी नजर में हम बच्चों के समय की कोई कीमत नहीं होती। यह उम्र के आधार पर होने वाला भेदभाव ही तो है।' इस अनुभव आधारित उदाहरण ने कक्षा में भेदभाव की संकल्पना को खोलने में शुरुआती आधार का काम बखूबी किया। बच्चों का अपना अनुभव जब किताबी ज्ञान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत बनता है।

बच्चे हम बड़ों या शिक्षकों को भी कई बार नई या अनोखी सीख देते हैं। इसलिए उन्हें अपने-आप को अभिव्यक्त करने का अवसर देना बहुत जरूरी है। कक्षा की एक छात्रा ने तो मुझे एक वाक्य बोल कर ही बहुत बड़ी सीख दे दी। वह मुझसे कुछ पूछना चाहती थी, पर मैंने मासिक रजिस्टर का काम पूरा करने के चक्कर में उसे बाद में आने को कहा। वह रजिस्टर की तरफ देखते हुए बोली, 'आखिर मुझसे जरूरी कौन-सा काम हो सकता है?' उसके इस कथन ने मेरी चेतना को झिंझोड़ कर रख दिया। ऐसा लगा कि समस्त शैक्षिक दर्शन और ज्ञान मीमांसा की बारिश उसने मुझ पर एक साथ कर दी हो। जाहिर है, मैं निरुत्तर होकर उसकी तरफ ध्यान देने को विवश हो गया।

बच्चों को बच्चा तो समझा जाना चाहिए, पर बच्चे का मतलब अनाड़ी नहीं। कहने का तात्पर्य है कि हमें उनको अपने परिवेश में एक जीवंत सामाजिक-सांस्कृतिक इकाई मान कर आगे बढ़ना होगा। एक ऐसी इकाई जो अपने अवलोकन, अवसरों के दोहन, गलतियों और प्रयासों से निरंतर सीखती है। विद्यालय में सीखने की यह प्रक्रिया समता, स्वतंत्रता से पूर्ण वातावरण में संपन्न की जानी चाहिए। बच्चों की भाषा, संस्कृति, उनमें व्याप्त विविधता, उनकी गरिमा आदि, सभी का सम्मान करते हुए आलोचनात्मक चेतना से लैस शिक्षा देने का प्रयास होना चाहिए। आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों से लैस इकाइयां ही न्याय और बंधुत्व पर आधारित सामाजिक समष्टि का निर्माण करेंगी, जो अभी तक विषमता, वर्चस्व और अन्याय पर टिकी हुई दिखाई देती है।

# जनसंख्या विस्फोट

इन दिनों दक्षिण एशिया, अफ्रीकी महाद्वीप और विशेष रूप से भारत जनसंख्या विस्फोट से त्रस्त हैं। भारत में तेजी से बढ़ती जनसंख्या आज सबसे बड़ी समस्या है। जनसंख्या वृद्धि दर में कमी के बावजूद हम सारी दुनिया में तेजी से आबादी बढ़ा रहे हैं और यही हाल रहा तो चीन को भी पीछे छोड़ देंगे। क्षेत्रफल की दृष्टि से चीन हमसे कई गुना बड़ा है, लेकिन जनसंख्या में हम करीब-करीब उसके बराबर हैं। जनसंख्या विस्फोट नकारात्मक व सकारात्मक दोनों ही कारणों से हुआ है।

हमारे देश में शिक्षा का अभाव, परिवार नियोजन के साधनों या उनके सही उपयोग का पता न होना, संतान उत्पत्ति को ईश्वरीय देन मान बैठना, वर्ग संघर्ष में संख्या बल से विजय पाने की चाह और दूरदृष्टि की कमी आदि अनेक कारण हैं, जिन्होंने जनसंख्या को तेजी से बढ़ाया है। इसे रोकने के लिए जन जागरण बहुत जरूरी है। आम आदमी को बताना व समझाना होगा कि तरक्की का रास्ता कम बच्चे पैदा करने वाली सड़क से गुजरता है। कम संतान मतलब कम जिम्मेदारी व अच्छा पालन-पोषण है जो अपनी व बच्चों की योग्यता से समाज में मिलता है और समृद्धि के रास्ते खुलते हैं।

जरूरी यह भी है कि देश की बढ़ती जनसंख्या को कुशल बनाया जाए। जब तक देश को कुशल श्रम नहीं मिलेगा, तकनीकी का प्रशिक्षण कारगर तरीके से नहीं मिलेगा, जनसंख्या एक बोझ लगती रहेगी। हमें चीन और जापान से सीखना होगा कि मानव संसाधन का बेहतर व प्रभावशाली उपयोग कैसे किया जा सकता है। चीन ने तो अपनी बढ़ती आबादी का उपयोग इस कदर किया कि वह आज विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। वास्तव में जनसंख्या को बिना किसी धर्म, राजनीति या क्षेत्र से पक्षपात किए, श्रम कुशल बना कर देश के विकास को सुनिश्चित करना होगा।

● *दुर्गेश शर्मा, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश*

## भविष्य के वाहन

सरकार ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए महत्त्वाकांक्षी योजना बनाई है जिसके तहत बैटरी और ई-वाहनों के कलपुर्जे बनाने के लिए पांच विशाल संयंत्र लगाए जाएंगे। यह निर्माण कार्यक्रम वर्ष 2024 तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा। सरकार ने पेट्रोलियम से चलने वाले वाहनों को ई-वाहन में तब्दील करने की भी योजना बनाई है। हमारे देश के कई शहर विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में शुमार हैं। समूचे विश्व में मौतों की एक मुख्य वजह वाहनों से निकलने वाला धुआं भी है। लिहाजा, पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जरूरी यह भी है कि ई-वाहनों को बाजार में बड़े पैमाने पर उतारने से पहले उनकी सभी प्रकार की खामियों-सीमाओं की भलीभांति जांच कर ली जाए क्योंकि ये भविष्य के वाहन हैं।

आम जनता को ई-वाहनों की खरीद के लिए प्रेरित करने की खातिर इन वाहनों को और ज्यादा सब्सिडी देने की जरूरत है। आम जनता को जागरूक करने के लिए इन वाहनों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने की भी आवश्यकता है। गौरतलब है कि हमारा झुकाव अब तक पेट्रोलियम से चलने वाले वाहनों की ओर ही है। सरकारी क्षेत्र में और सार्वजनिक परिवहन में पेट्रोलियम ईंधन वाले वाहनों को हटाकर इलेक्ट्रिक वाहन चलाना ज्यादा कारगर साबित होगा। इससे न सिर्फ पेट्रोलियम के आयात पर होने वाले बेहिसाब खर्च की बचत होगी बल्कि पर्यावरण भी संतुलित होगा। अभी इलेक्ट्रिक वाहनों में कुछ खामियां-सीमाएं हैं जिनका निराकरण करने की जरूरत है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बनावट में रफ्तार, बैटरी क्षमता जैसे पहलुओं पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। इन वाहनों की कीमत भी ऐसी हो कि आम जनता उन्हें आसानी से खरीद सके तभी सरकार की यह परियोजना सफल हो पाएगी।

● *अमित पांडेय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़*

## बर्बादी का जल

हम लोग 'जल ही जीवन है' तो कहते रहते हैं लेकिन विडंबना देखिए कि जल के संरक्षण के लिए कोई जागरूक नहीं है। इस लापरवाही के कारण ही अब कई जगह पानी के लिए हाय-तौबा मच गई है। गाड़ियों की धुलाई में हजारों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। हम छत पर रखी टंकी भरने के लिए मोटर चालू कर अन्य कामों में मशगूल हो जाते हैं और पानी बहता रहता है। 'आरओ' के जरिए भी काफी पानी बर्बाद कर देते हैं। हमें इस तरह पानी की बर्बादी को रोकना होगा और जल संरक्षण के प्रति जागरूक होना होगा, तभी पानी के संकट से बचा जा सकेगा। शहर की सड़कों पर कई जगह ऐसे नल और बोरिंग देखने को मिल जाते हैं, जिनसे बेवजह पानी बहता रहता है। इस पर नियंत्रण करने की जरूरत है। बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर भी पानी की बर्बादी रोकने के लिए ठोस व्यवस्था होनी चाहिए।

● *सुशील वर्मा, गोरखपुर विश्वविद्यालय*

## नाकाम व्यवस्था

जिस प्रकार साल दर साल वर्षा में कमी आ रही है उसी प्रकार भूजल स्तर में कमी आ रही है। भारत के अनेक राज्य पानी की कमी के शिकार हैं। बिहार में पेयजल के लिए लोग तरस रहे हैं। कुएं, नदियां, तालाब या पानी के स्रोत जमींदोज हो चुके हैं। अत्यधिक जल दोहन और समुचित जल संरक्षण के कारण जलाभाव की विकरालता आने वाले समय के लिए गंभीर खतरे की घंटी बजा चुकी है। बड़े शहरों और महानगरों में जिस प्रकार भूजल का दोहन हो रहा है और उसे बर्बाद किया जा रहा है, उससे तो एक दिन शहरों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। कुछ अधिक संपन्न लोग अधिक जल बर्बाद करते देखे जा रहे हैं। इनके घरों के फर्श और गाड़ियां आदि धोने में बेतहाशा पानी बर्बाद किया जा रहा है।

इन्हें कोई रोकने वाला नहीं, इन्हें किसी लाइसेंस की आवश्यकता नहीं! इनमें से अनेक वे लोग भी हैं जो भारत के विभिन्न अभियानों के 'ब्रांड एंबेसडर' बने हुए हैं। कुछ अधिक दबाव पड़ने पर कार्रवाई के नाम पर इन्हें 100 या 500 रुपए का चालान थमा कर कर्तव्य की इतिश्री समझी जा रही है। उधर प्यासे लोग हाहाकार कर रहे हैं, मवेशी प्यास से दम तोड़ दे रहे हैं। मगर इन्हें उससे क्या! इनके फर्श व गाड़ियों को तो चमकने चाहिए!

● *रितेश कुमार उपाध्याय, संत कबीर नगर*

**किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश**

**आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com**

## खेल कार्यक्रम

| | |
|---|---|
| आस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड दूसरा सेमी फाइनल | 1 जुलाई |
| विश्व कप फाइनल | 14 जुलाई |
| डायमंड लीग-9 | 12 जुलाई |
| विश्व एक्वेटिक चैंपियनशिप | 12-28 जुलाई |
| आइटीयू ट्राइथलॉन विश्व कप-10 | 13-19 जुलाई |

## जन्मदिन

| | |
|---|---|
| सरदार सिंह (हॉकी) | 15 जुलाई |
| धनराज पिल्लै (हॉकी) | 16 जुलाई |
| गेरेथ बेल (फुटबॉल) | 16 जुलाई |
| संदीप सिंह मान (पैरा एथलीट) | 16 जुलाई |
| स्मृती मंधाना (क्रिकेटर) | 18 जुलाई |

### विश्व कप 2019 : अब तक का कुल जमा हासिल

# पहले बल्लेबाजी, जीती मैच की बाजी

संदीप भूषण

विश्व कप के 12वें संस्करण के विजेता की घोषणा में अब महज दो मैच का फासला रह गया है। इंग्लैंड की सरजमीं पर खेले जा रहे इस क्रिकेट महाकुंभ में लीग चरण के मुकाबले भारत और श्रीलंका की भिड़ंत के साथ समाप्त हो गया। न्यूजीलैंड और भारत के बीच मैच से फाइनल में भिड़ने वाले एक टीम का नाम भी तय हो गया है। कीवी टीम खिताबी भिड़ंत में पहुंच गई है। टूर्नामेंट के इस सत्र में कुल दस टीमों के बीच 45 लीग मैच खेले गए। राउंड रोबिन होने के कारण सभी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ खेलने का मौका भी मिला। इस दौरान ज्यादातर मैचों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ही जीत दर्ज करने में कामयाब रही। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खिताबी भिड़ंत में जो टीमें आमने-सामने होंगी वे इस टोटके को आजमाती है या फिर अपनी काबिलियत पर ही भरोसा जताती हैं।

दरअसल, इस विश्व कप में इंग्लैंड की पिच और मौसम को देखते हुए यह माना जा रहा था कि ज्यादातर मैचों में स्कोर बोर्ड पर 400 से अधिक रन दिखेंगे। आइसीसी और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसे लेकर तैयारिया भी की थीं। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। कुछ मैचों में जरूर 300 से 350 रन बनें लेकिन, ज्यादातर मुकाबले कम स्कोर वाले ही रहे। उसमें भी जो टीम पहले बल्लेबाजी करती उसके लिए विपक्षी टीम को हराना काफी आसान हो जाता। लीग चरण के 45 में से 27 मैचों में उस टीम ने जीत दर्ज की जिसे पहले बल्लेबाजी का मौका मिला। महज 14 मैच ही ऐसे थे जिसमें टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए जीतने में कामयाब रही। वहीं 30 मई से पहले के मुकाबलों को देखें तो आंकड़े कुछ और ही कहते हैं। विश्व कप अभ्यास मैच के दौरान कुल 10 मैच खेले गए जिसमें महज तीन में ही पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीत दर्ज कर सकी।

**पहले बल्लेबाजी बनाम लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम**

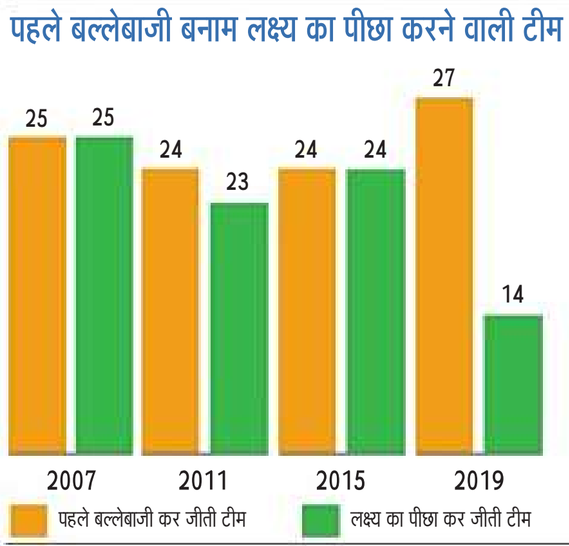


**विश्व कप 2019 लीग चरण के आंकड़े दो भागों में**

● जब टीम विश्व कप के लिए यहां पहुंची थी तब आसमान साफ और पिच सपाट थी। यही कारण रहे कि पहले खेले गए 21 मैचों में जीत-हार का अनुपात लगभग बराबर रहा। धीरे-धीरे मौसम के बदलने के साथ पिच के स्वभाव में भी बदलाव आया।

**लक्ष्य का पीछा कर जीत के आंकड़े**

| समय | मैच | जीत | हार | रनरेट |
|---|---|---|---|---|
| अप्रैल 15-मई 19 | 58 | 32 | 20 | 6.08 |
| विश्व कप 2019 | 42 | 14 | 27 | 5.47 |

**आकलन**

**क्या कहते हैं आंकड़े**

इस पूरे मसले को समझने के लिए हमें लीग चरण के मुकाबलों को दो भागों में देखना होगा। 30 मई से कुछ समय पहले जब दुनिया की 10 दिग्गज क्रिकेट टीम इंग्लैंड पहुंची थीं तब मौसम और हालात अलग थे। वहीं 15 जून के बाद के हालात काफी बदल गए। आंकड़े इसकी गवाही भी देते हैं। पहले के 21 मुकाबले को देखें तो उसमें से 11 में वे टीम विजयी रहीं जो पहले बल्लेबाजी के लिए उतरीं, 10 मैचों में टीम ने लक्ष्य का पीछा कर जीत दर्ज की। बाद के 20 मैचों में यह फासला काफी बढ़ गया। इस दौरान महज चार मैचों में ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को जीत नसीब हुई, वहीं 16 में पहले बलल्लेबाजी करने वाले को ही फायदा हुआ।

जीत-हार के इस अंतर के कारण विश्व कप के ज्यादातर मैच नीरस ही रहे। 100 ओवर के मैच में 70 ओवर के खेल के बाद लगभग यह तय हो जाता कि जीत किस टीम के पाले में जाएगी। लगभग 32 साल बाद ऐसा हो रहा था। 1987 के विश्व कप में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था। इस महाकुंभ में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को जहां 19 मैच में जीत मिली वहीं महज 8 मैच में ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम विजयी रही। पिछले चार विश्व कप के आंकड़ों को देखें तो यह कहना मुश्किल नहीं होगा कि 2019 का सत्र पहले बल्लेबाजी करने वाले को जीत दिलाने के मामले में सबसे आगे रहा। 2007 में जहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के जीत-हार का आंकड़ा 25-25 का था तो 2011 में 24-23 का। 2015 विश्व कप में एक बार फिर इसका अनुपात 50:50 ही रहा।

**इसके पीछे क्या रही वजह**

विश्व कप 2019 में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए जीत दर्ज करना इतना आसान कैसे रहा? इस सवाल का जवाब ढूढ़ें तो पता चलेगा कि इसमें इंग्लैंड के मौसम की भूमिका अहम रही। जब टीम विश्व कप के लिए यहां पहुंची थी तब आसमान साफ और पिच सपाट थी। यही कारण रहे कि पहले खेले गए 21 मैचों में जीत-हार का अनुपात लगभग बराबर रहा। धीरे-धीरे मौसम के बदलने के साथ पिच के स्वभाव में भी बदलाव आया। 100 ओवर तक बल्लेबाजों के अनुकूल रहने वाली पिच अब बीच में ही धोखा देने लगी। दूसरी पारी में बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल होने लगा। बचे दो मैच अब एजबेस्टन और लॉर्ड्स के मैदान पर होने हैं। एजबेस्टन में जहां जीत हार का अनुपात 50-50 का है तो वहीं लॉर्ड्स पर खेले गए सभी मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने ही जीते हैं।

विश्व कप के दूसरे भाग में रनरेट में भी गिरावट देखने को मिली। विश्व कप से पहले अप्रैल 2015 से मई 2019 तक इंग्लैंड की धरती पर खेले गए कुल 58 मैचों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम महज 20 मैचों में ही सफल हो पाई वहीं लक्ष्य का पीछा वाली टीम ने 32 मैचों में जीत दर्ज की। इस दौरान लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम का रन औसत लगभग छह का रहा। वहीं विश्व कप के दौरान यह 5.47 का रहा। ऐसे में आगे बचे मैचों में भी यह कहा जा सकता है कि जो टॉस जीतने के साथ बल्लेबाजी करता है उसके जीत दर्ज करने की उम्मीद बढ़ जाएगी।

# बुमराह : यॉर्कर और धीमी गेंदों के फनकार

मनोज जोशी

जिस खिलाड़ी को कुछ साल पहले आस्ट्रेलियाई सीरीज में भुवनेश्वर की जगह टीम इंडिया में शामिल किया गया था, वही खिलाड़ी आज आइसीसी रैंकिंग में दुनिया का नम्बर एक गेंदबाज़ होने के अलावा विश्व कप में भारत का सबसे भरोसे का खिलाड़ी है। आलम ये है कि इस खिलाड़ी ने एक ही कैलेंडर वर्ष में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक पारी में पांच विकेट लेने वाले पहले एशियाई होने का रेकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। हम बात कर रहे हैं भारतीय स्पीडस्टर जसप्रीत बुमराह की, जिनसे आज दुनिया का हर धाकड़ बल्लेबाज खौफ खाता है और भारतीय टीम उनके प्रदर्शन के दम पर विश्व कप का खिताब तीसरी बार जीतने का सपना संजोये हुए है।

कभी बुमराह यॉर्कर गेंदों के फनकार होते थे। यहां तक की इस क्षेत्र में माहिर श्रीलंका के स्पीडस्टर लसित मालिंगा भी उनकी इस कला का लोहा माना करते थे। जब से दोनों ने आइपीएल में मुम्बई इंडियंस का दामन थामा, तब से बुमराह की इस कला में खासा निखार हुआ। जैसे-जैसे उन पर हर फॉर्मेट की जिम्मेदारी सौंपी गई, वैसे-वैसे बुमराह ने अपने तरकश में यॉर्कर के अलावा कई तीर इकट्ठे कर लिए। इनमें स्लोअर बॉल प्रमुख थी। धीरे-धीरे उन्होंने धीमी गेंदों में भी काफी विविधता हासिल कर ली। आज वह अपने एक्शन में बदलाव किए बिना बिंदास अंदाज में स्लोअर करते हैं जो उनकी विकेट चटकाने वाली गेंद है। इंग्लैंड में जहां धीमी पिचें हैं, वहां उनकी ऐसी गेंदें खूब कहर बरपाती हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्लोवर बाउंसर भी विकसित कर ली है जिसकी लाइन मिडिल से लेग स्टम्प की ओर होती है जिसमें बल्लेबाज अक्सर गच्चा खा जाता है और टॉप एज यानी गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से से लगकर सीधे फील्डर के हाथ में जाती है।

**नई खोज**

बेशक बुमराह को इस विश्व कप में मिशेल स्टार्क और मुस्तफिजर रहमान जितने विकेट न मिल पाए हों लेकिन वह इस सूची में इन दोनों के बाद तीसरे स्थान पर हैं लेकिन इनका औसत इन दोनों से बेहतर रहा है जबकि उनकी इकॉनमी इस विश्व कप में भाग ले रहे किसी भी नियमित गेंदबाज़ से अच्छी रही है। सच तो यह है कि उनकी गेंदबाजी अपनी टीम के लिए सबसे ज़्यादा उपयोगी साबित हुई है और वह अपने कप्तान के हर भरोसे पर खरे उतरे हैं। शुरुआती ओवरों में दुनिया का हर बल्लेबाज उन्हें बहुत सावधानी के साथ खेलता है। विराट उन्हें बीच के ओवरों में एक या दो ओवरों के लिए लाते हैं। फिर डेथ ओवरों में उनकी विकेट चटकाने की मारक क्षमता देखने लायक है। वह इन ओवरों में मिशेल स्टार्क के बाद सबसे किफायती हैं। इस विश्व कप में अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज़ के खिलाफ वे एक ही ओवर में दो-दो विकेट चटकाकर मैच के टर्निंग पॉइंट साबित हुए। दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ शीर्ष बल्लेबाजों को आउट करके उन्होंने जहां जीत का आधार तैयार किया तो वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस्मान ख्वाजा के अलावा निचले क्रम के दो बल्लेबाज़ों को निपटाकर उन्होंने जीत की रस्म अदायगी की। इंग्लैंड के बेन स्ट्रोक जब बेहद खतरनाक साबित हो रहे थे, तब उन्होंने उनका अहम विकेट चटकाया। बुमराह की उम्दा गेंदबाज़ी की बदौलत आज डेविड गॉवर से लेकर शोएब अख्तर तक हर कोई उनका मुरीद है और वे मौजूदा भारतीय आक्रमण को अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी आक्रमण कह रहे हैं।

## दम लगा के हईसा

इंग्लैंड के बकिंघम में बुधवार को श्री वद्धानाप्रभा मेमोरियल पोलो मैच में भाग लेते ब्रिटेन के प्रिंस हैरी।

# विश्व कप : अब नहीं दिखेगा इनका जलवा

सुरेश कौशिक

आजकल चर्चा में है क्रिकेट। इंग्लैंड में चल रहे विश्व कप का शोर अब थमने को है। अगले कुछ दिन में तय हो जाएगा कि 50 ओवरों की एकदिनी क्रिकेट का बादशाह कौन सा देश बनेगा। टीम को बादशाहत दिलाने में रोल होता है खिलाड़ी का। कई बार खिलाड़ी विशेष के प्रदर्शन से टीम की नैया पार लग जाती है तो कई मौकों पर जीत टीम वर्क से मिलती है। नए चेहरे अपनी चमक बिखेरने को लालायित रहते हैं तो अनुभवी खिलाड़ी अपने विदाई पल को यादगार बनाने को प्रयासरत रहते हैं।

**संन्यास**

**क्रिस गेल**

अपना आखिरी विश्व कप खेलने वाला एक सुपरस्टार था क्रिस गेल। वेस्ट इंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज का यह पांचवां विश्व कप था। लेकिन गेल इसमें रहे फेल। न तो वे अपनी साख के अनुरूप प्रदर्शन कर पाए और न ही वेस्ट इंडीज को प्रेरित कर पाए। विश्व कप जीतने की उनकी कसक अधूरी ही रह गई। आठ पारियों में वे केवल 242 रन ही बना सके। इसमें केवल दो अर्धशतक रहे। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने इंडियन प्रीमियर लीग में उनका जलवा देखा है, इसलिए गेल के आंकड़े उनके लिए चौंकाने वाले हैं। पांच विश्व कप में गेल ने 35 पारियों खेलीं और कुल बनाए 1186 रन। विश्व कप में रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में उनका नंबर है छठा। वेस्ट इंडीज के लिए सबसे ज्यादा रन ब्रायन लारा (1225) ने बनाए हैं। गेल के पास उनको पीछे छोड़ने का सुनहरा अवसर था। लेकिन आइपीएल वाला धुआंधार वे विश्प कप में नहीं कर सके। पर वे इसी से संतुष्ट हैं कि उनकी विदाई जीत के साथ हुई। अंतिम लीग मैच में वेस्ट इंडीज ने अफगानिस्तान को हराया।

**लसिथ मलिंगा**

श्रीलंका के लिए चार विश्व कप खेले लासिथ मलिंगा ने भी विश्व कप को बॉय-बॉय कर दिया। 20004 में वनडे पदार्पण करने वाले लासिथ मलिंगा अपने गेंदबाजी एक्शन को लेकर सुर्खियों में रहे। ऐक्शन वैध करार दिए जाने के बाद वे दर्शकों में खासे लोकप्रिय रहे। अंतिम समय तक हार नहीं मानने का उनका जज्बा काबिले तारीफ रहा। विश्व कप में खेले 30 मैचों में उन्होंने 55 विकेट बटोरे। अपनी घातक यार्कर, धीमी गेंदों और तेज तर्रार बाउंसरों से बल्लेबाजों को विचलित करने वाले मलिंगा इस विश्व कप में आठ मैचों से 13 विकेट ही बटोर पाए। आखिरी लीग मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने उनकी धुनाई लगाते हुए 10 ओवरों में 82 रन कूट लिए। विकेट एक ही मिला। विश्व कप में श्रीलंका ने जिन तीन मैचों में जीत दर्ज की उसमें अहम भूमिका मलिंगा की रही। उनकी जानदार गेंदबाजी (43 रन पर चार विकेट) के दम पर श्रीलंका ने विश्व कप की प्रबल दावेदार इंग्लैंड को शिकस्त दी।

विश्व कप इतिहास में दो हैट्रिक जमाने वाले मलिंगा इकलौते गेंदबाज हैं। लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने का विश्व रेकॉर्ड उन्हीं के नाम है। 2007 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका जीत से मात्र पांच रन दूर था और उसके पांच बल्लेबाज आउट होने बाकी थे। तब मलिंगा ने करिश्माई गेंदबाजी से हारी हुई बाजी को जीत में बदल दिया था। विश्व कप में केन्या के खिलाफ 38 रन पर छह विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

इसी मैच में उन्होंने विश्व कप में अपनी दूसरी हैट्रिक जमाई।

रनों पर अंकुश लगाने की बात हो या खतरनाक होती साझेदारी को तोड़ने की, मलिंगा अपने कप्तान के विश्वास पर हमेशा खरे उतरे। इंडियन प्रीमियर लीग में भी मलिंगा का अनुभव और सटीक गेंदबाजी का जलवा मुंबई इंडियन की खिताबी जीत में मददगार बना है। उम्मीद की जाती है कि अंतरराष्ट्रीय मानचित्र से भले ही मलिंगा दूर हो रहे हैं लेकिन आइपीएल में अपना कमाल दिखाते रहेंगे।

**शोएब मलिक**

पाकिस्तान के सबसे अनुभवी खिलाड़ी शोएब मलिक के लिए यह विश्व कप बहुत निराशाजनक रहा। पाकिस्तान के सेमीफाइनल दौड़ से बाहर होने के साथ ही उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 37 साल के शोएब मलिक तीन मैचों में सिर्फ आठ रन ही बना पाए। दो मुकाबलों में वे जीरो पर ही आउट हो गए।

**इमरान ताहिर**

इस वर्ष आइपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज 40 वर्षीय इमरान ताहिर की भी विदाई हो गई। उनकी विदाई बढ़िया रही। आस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम लीग मैच में उन्होंने आरोन फिंच का विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका ने भी उलटफेर करते हुए पिछले विजेता आस्ट्रेलिया पर रोमांचक जीत दर्ज की। पाकिस्तान में जन्मे इमरान ताहिर ने 2011 में वनडे पदार्पण किया था।

नई दिल्ली

# कर्नाटक मुद्दे पर विपक्षी दलों का बर्हिगमन

नई दिल्ली, 10 जुलाई (भाषा)।

लोकसभा में कांग्रेस ने बुधवार को लगातार तीसरे दिन कर्नाटक के सियासी घटनाक्रम का मुद्दा उठाया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कर्नाटक में जद (सेकु)-कांग्रेस गठबंधन सरकार को सत्ता से हटाने की साजिश रचने तथा महाराष्ट्र में मार्शल लॉ लागू होने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कर्नाटक के सिंचाई मंत्री डीके शिवकुमार को मुंबई में असंतुष्ट विधायकों से मिलने से रोके जाने एवं विधायकों की खरीद फरोख्त करने का आरोप लगाया । इस मामले में सरकार के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, राकांपा सहित विपक्षी दलों ने सदन से वाकआउट किया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस अपने विधायकों को साथ रखने में विफल रहने के कारण ऐसे आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले विधायकों ने डीके शिवकुमार से खतरा होने के बारे में मुंबई के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था और इस शिकायत के आधार पर इन विधायकों को पुलिस सुरक्षा प्रदान कर रही है।

**लोकसभा**

जोशी ने कहा कि मुंबई में जिन विधायकों के होटल में रुकने की बात की गई है, वे कांग्रेस के विधायक हैं। उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। उन्होंने मुंबई के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा कि उन्हें डी के शिवकुमार से खतरा है। ऐसे में पुलिस उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रही है, तो क्या गलत है। उन्होंने कहा कि जहां तक विधायकों के इस्तीफे की बात है, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहले ही कह चुके हैं कि राहुल गांधी ने इस्तीफे का जो सिलसिला शुरू किया, उसी कड़ी में इन विधायकों ने इस्तीफा दिया है।

इससे पहले, शून्यकाल शुरू होने पर कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी इस विषय को उठाना चाहते थे। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि उन्हें बाद में मौका दिया जाएगा। चौधरी ने कहा कि कर्नाटक में मौजूदा सरकार को गिराने की साजिश की जा रही है। इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गिराने के लिए विधायकों की खरीदफरोख्त की जा रही है। महाराष्ट्र में तो 'मार्शल लॉ' लागू हो गया लगता है। कर्नाटक के सिंचाई मंत्री मुंबई के होटल में विधायकों से मिलना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उनकी गाड़ी को रोक दिया, होटल में उनकी बुकिंग रद्द कर दी गई।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता ने कहा, 'हमारे एमएलए को ले गए हैं, चुने हुए प्रतिनिधियों की खरीदफरोख्त का प्रयास किया जा रहा है। हिंदुस्तान के लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।' इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि रोज रोज एक ही विषय को उठाना ठीक नहीं है 'यह सदन आपका है।' इसके बाद कांग्रेस सदस्य आने स्थान से नारेबाजी करने लगे। वे 'वी वांट जस्टिस' (हमें न्याय चाहिए) के नारे लगा रहे थे। कुछ देर बाद कांग्रेस सदस्य अध्यक्ष के आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे ।

कांग्रेस सदस्य सोमवार से ही संसद में कर्नाटक में विधायकों के इस्तीफे के करण बनी राजनीतिक अस्थिरता का मुद्दा उठा रहे हैं और भाजपा नीत केंद्र सरकार पर विपक्षी पार्टी के सदस्यों को प्रलोभन देकर दल बदल कराने का आरोप लगा रहे हैं।

### राज्यसभा में शोरशराबा

नई दिल्ली, 10 जुलाई । कर्नाटक के राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक तीन बार के स्थगन के बाद अंततः दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। शोरशराबे के बीच ही सदन में आम बजट पर कुछ देर चर्चा हुई। उपसभापति हरिवंश ने आसन के समीप आकर नारेबाजी कर रहे कांग्रेस सदस्यों से अपने स्थान पर जाने का अनुरोध किया ताकि बजट पर चर्चा शुरू कराई जा सके। लोकसभा में मंगलवार को देर रात तक बजट पर चर्चा हुई।

# कोलकाता हवाई अड्डे पर दुर्घटना में स्पाइसजेट के तकनीशियन की मौत

कोलकाता, 10 जुलाई (भाषा)।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट के एक तकनीशियन की यहां हवाई अड्डे पर मंगलवार देर रात एक घातक दुर्घटना में मौत हो गयी। वह तकनीशियन विमान के लैंडिंग गियर के दरवाजे पर मरम्मत का काम कर रहा था, तभी उसका सिर हाइड्रॉलिक दरवाजों के फ्लैप के बीच फंस गया।

हवाई अड्डा पुलिस ने 'अस्वाभाविक मौत' की शिकायत दर्ज की है। जबकि उड्डयन विनियामक ने घटना की जांच शुरू कर दी है। 'स्पाइसजेट' ने एक बयान में बताया कि हाइड्रॉलिक दरवाजे दुर्घटनावश बंद हो गए, जिसके कारण रोहित पांडे वहां फंस गया। यह हादसा देर रात पौने दो बजे हुआ। स्पाइसजेट ने कहा, 'पांडे क्यू400 विमान के दाएं हाथ के मुख्य लैंडिग गियर व्हील क्षेत्र में 10 जुलाई को रखरखाव संबंधी काम कर रहा था। यह विमान कोलकाता हवाईअड्डे के बे नंबर 32 में खड़ा था। मुख्य लैंडिग गियर हाइड्रॉलिक दरवाजा 'दुर्घटनावश' बंद हो गया और वह हाइड्रॉलिक दरवाजों के फ्लैप के बीच फंस गया।' उसने कहा, 'पांडे को बचाने के लिए हाइड्रॉलिक दरवाजों को तोड़ना पड़ा लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया।' पांडे मुंबई के उपनगर कांदिवली के पोइसर का रहने वाला था और उसने पिछले साल ही स्थानीय उड्डयन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी।

# बब्बर खालसा से जुड़े चार लोगों को सात साल की कैद

लखनऊ, 10 जुलाई (भाषा)।

एनआइए की विशेष अदालत ने बुधवार को बब्बर खालसा संगठन के चार सदस्यों को उत्तर प्रदेश के शामली जिले में दो कांस्टेबलों से राइफल लूटने के जुर्म में सात साल के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश पीएम त्रिपाठी ने संगठन के एक अन्य पांचवें सदस्य को पांच साल के कारावास की सजा सुनाई है। मुकदमे की कार्यवाही के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दोषियों ने 2 अक्तूबर, 2018 को कांस्टेबल संसार सिंह और संजय वर्मा से शामली में राइफल लूटी थीं। दोनों कांस्टेबल उस समय ड्यूटी पर थे। एनआइए ने लूटी गई दो राइफल बरामद की थीं। इन लोगों ने खुलासा किया था कि वे भिंडरावाला से प्रभावित थे और खालिस्तान आंदोलन चलाना चाहते थे। वे पंजाब के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह बादल को मारना चाहते थे, इसी वजह से राइफल लूटी थीं।

# बाल यौन शोषण मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान

पेज 1 का बाकी

से निपटने के लिए पॉक्सो कानून, 2012 की धाराओं 2, 4, 5, 6, 9, 14, 15, 34, 42 और 45 में संशोधन किए जा रहे हैं।अधिकारियों ने बताया कि बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) कानून में प्रस्तावित संशोधनों में बाल पोर्नोग्राफी पर लगाम लगाने के लिए सजा और जुर्माने का भी प्रावधान शामिल है। सरकार ने कहा कि कानून में बदलाव से देश में बढ़ते बाल यौन शोषण के मामलों के खिलाफ कठोर उपाय और नए तरह के अपराधों से भी निपटने की जरूरत पूरी होगी। सरकार ने कहा कि कानून में शामिल किए गए मजबूत दंडात्मक प्रावधान निवारक का काम करेंगे। पॉक्सो कानून में संशोधन की मंशा परेशानी में फंसे असुरक्षित बच्चों के हितों का संरक्षण करना तथा उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना है। संशोधन का उद्देश्य बाल उत्पीड़न के पहलुओं तथा इसकी सजा के संबंध में स्पष्टता प्रावधान लेकर आने का है।

ट्रांसजेंडर विधेयक, 2019 को मंजूरी : इसके अलावा मंत्रिमंडल ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक 2019 को मंजूरी दे दी है। इस बिल में ट्रांसजेंडर लोगों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए काम किए जाने का प्रावधान किया गया है।

नदी विवादों से निपटने को एकल पंचाट : राज्यों के बीच जो नदियां गुजरती है, उसमें जल विवाद को लेकर एकल पंचाट (सिंगल ट्राइब्यूनल) बनाने का फैसला लिया गया है और दो साल में यह लागू होगा। इससे नदियों के जल बंटवारे को लेकर होने वाले विवादों से तेजी से निपटा जा सकेगा।

व्यावसायिक सुरक्षा विधेयक : मंत्रिमंडल ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तों के विधेयक, 2019 को भी मंजूरी दी है। इसके तहत 13 केंद्रीय श्रम कानूनों को नए कोड के तहत लाया गया है। यह उन सभी कंपनियों पर लागू होगा, जिनमें 10 या उससे ज्यादा कर्मचारी हैं, जबकि खदानों और बंदरगाहों पर काम करने वाले हर एक कर्मचारी को इसका लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने कहा कि 40 करोड़ से ज्यादा मजदूरों को इसका लाभ मिलेगा। हर माह की तय तारीख को मजदूरी दी जाएगी। हर मजदूर को न्यूनतम मजदूरी का कानूनी अधिकार दिया जाएगा।

मजदूरों को भी नियुक्ति पत्र : इसी लोकसभा सत्र में विधेयक लाकर श्रमिक को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य किया जाएगा। इसके अलावा हर महीने श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच जरूरी की जाएगी। नए सुधारों में सिर्फ मजदूरों के लिए ही नहीं बल्कि नियोक्ताओं के लिए भी कई सुधार किए गए हैं। इनमें रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस और रिटर्न केवल एक-एक फॉर्म से किए जाने जैसे सुधार शामिल हैं।

# वित्त मंत्रालय में मीडिया पर बंदिशें, एडिटर्स गिल्ड ने आपत्ति जताई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

एडिटर्स गिल्ड ने नॉर्थ ब्लॉक में मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से लगाई गई बंदिशों को मीडिया की आजादी का गला घोंटना करार दिया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से यह मनमाना फैसला वापस लेने की अपील की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय से मंगलवार को जारी स्पष्टीकरण में कहा गया था कि वित्त मंत्रालय के भीतर मीडियाकर्मियों के प्रवेश के संबंध में प्रक्रिया तय की गई है और मंत्रालय में पत्रकारों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं है। एडिटर्स गिल्ड ने नॉर्थ ब्लॉक में वित्त मंत्रालय के दफ्तरों में यहां तक कि सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों के प्रवेश पर भी बंदिशें लगाने के मंत्रालय के मनमाने फैसले की भी निंदा की। सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों से कहा गया है कि उन्हें जिस अधिकारी से मिलना हो, उससे मिलने का समय पहले ही ले लें वरना प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। गिल्ड ने कहा कि मंत्रालय से इस बाबत उसका कोई विवाद नहीं है कि पत्रकारों को वित्त मंत्रालय में मौजूद रहने के दौरान संयम और जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए, लेकिन कोई सीधा-सपाट आदेश इसका जवाब नहीं है।

> ●सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों से कहा गया कि उन्हें जिस अधिकारी से मिलना हो, उससे मिलने का समय पहले ही ले लें वरना प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों को दिल्ली नहीं छोड़ने का निर्देश

पेज 1 का बाकी

है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 15 जुलाई को यह बैठक हो सकती है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन सरकार पर छाए संकट के कारण भी सीडब्लूसी में देरी हो रही है। लेकिन इसकी वजह से अध्यक्ष के चुनाव में और विलंब नहीं किया जा सकता। कांग्रेस के नए अध्यक्ष के चयन में हो रही देरी को लेकर पार्टी सूत्रों ने कहा कि रणनीतिकारों के समक्ष सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि गांधी परिवार ने इस पूरे मामले से खुद को बिल्कुल अलग कर लिया है। राहुल गांधी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनके परिवार का कोई भी सदस्य पार्टी का अध्यक्ष नहीं बनेगा। गांधी परिवार अपनी ओर से पार्टी पर कोई अध्यक्ष नहीं थोपना चाहता लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि इस कुर्सी तक वही पहुंचेगा जो पार्टी व गांधी परिवार के बीच तालमेल बनाएगा।

# ट्विटर पर एक करोड़ फॉलोवर पर राहुल बोले, शुक्रिया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर पर बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के फॉलोवर की संख्या एक करोड़ को पार कर गई जिस पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि वे अमेठी में इसका जश्न मनाएंगे।

एक करोड़ फॉलोवर होने के बाद गांधी ने ट्वीट कर कहा- ट्विटर पर एक करोड़ फॉलोवर- आप लोगों में से हर व्यक्ति का धन्यवाद। उन्होंने कहा कि उन्हें अमेठी में आज कांग्रेस समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात करनी है और इस आयाम का जश्न वे वहीं मनाएंगे। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के मद्देनजर पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद राहुल गांधी लगातार चर्चा में बने हुए हैं। नेहरू-गांधी परिवार की पारंपरिक संसदीय सीट कही जाने वाली अमेठी से राहुल लोकसभा का पिछला चुनाव हार गए।

# खालिस्तान समर्थक 'सिख्स फॉर जस्टिस' पर प्रतिबंध

पेज 1 का बाकी

ने कार्रवाई के तहत संगठन पर 12 प्राथमिकियां (एफआइआर) दर्ज की हैं। इसके 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इसके समर्थन में चल रहे कई सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगाई गई है।

गृह मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पंजाब सरकार समेत कई राज्य सरकारों के साथ चर्चा करके इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया है। कई सिख संगठनों ने भी 'सिख्स फॉर जस्टिस' की गतिविधियों पर सवाल उठाए थे। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्र सरकार के इस कदम की तारीफ करते हुए कहा कि भारत विरोधी और आइएसआइ समर्थित अलगाववादी संगठनों से देश को बचाने की दिशा में यह पहला कदम है। राज्य सरकार केंद्र के इस फैसले का समर्थन करती है। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक 'सिख्स फॉर जस्टिस' के लोग अपने एजंडे को आगे बढ़ाने के लिए करतारपुर कॉरिडोर का इस्तेमाल करना चाहते थे। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, पंजाब पुलिस और एनआइए ने इस संगठन के पंजाब में सक्रिय कई मॉड्यूल को खत्म किया है। जांच में पता चला है कि इस संगठन की गतिविधियों को विदेशों में रह रहे खालिस्तानी उग्रवादियों गुरपतवंत सिंह पन्नुन, हरमीत सिंह और परमजीत सिंह पम्मा की तरफ से मदद मिल रही थी।

इस संगठन और इसके अलगाववादी एजंडे रेफरेंडम 2020 को पाकिस्तान से समर्थन मिल रहा था। 'एसएफजे' और रेफरेंडम 2020 की आधिकारिक वेबसाइट कराची स्थित एसएफजे कार्यकर्ताओं की वेबसाइट से सामग्री साझा कर रही थी और उसी पाकिस्तानी वेबसाइट से जुड़ी हुई थी। अप्रैल में मोदी सरकार के अनुरोध पर पाकिस्तान ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि इस बात के कभी भी पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं कि पाकिस्तान ने इस संगठन को लेकर यह कदम उठाया है।

# वायुसेना के लिए 18 सुखोई-30 और 20 मिग-29 खरीदे जाएंगे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

भारतीय वायुसेना के लिए सरकार रूस से एक स्क्वाड्रन यानी 18 सुखोई-30 बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान खरीदने की तैयारी में है। इसके अलावा 20 मिग-29 विमान खरीदे जाएंगे। दोनों देशों के बीच इस सौदे पर बातचीत चल रही है। यह सौदा 'फास्ट ट्रैक रूट' से हो रहा है, इसलिए इस पर बातचीत तक तुरंत अंतिम फैसले लेने की खातिर वायुसेना प्रमुख एअर मार्शल बीएस धनोआ नौ से 12 जुलाई तक रूस की यात्रा पर हैं। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, वायुसेना के लारा हामी भरे जाने के साथ ही खरीद पर मुहर लगाया जा सकता है। भारत ने 90 के दशक में रूस से 272 सुखोई 30 का सौदा किया था, जिनमें से 50 को रूस में और बाकी को भारत में तैयार करना था। यह कार्यक्रम अपने तय समय से चल रहा है और भारतीय वायुसेना में 200 से ज्यादा सुखोई शामिल किए जा चुके हैं। रूस से आने वाले नए 18 सुखोई से वायुसेना की एक नई स्क्वायड्रन तैयार की जाएगी।

इसके अलावा रूस से उसके स्टोर में रखे हुए 20 मिग-29 को अपग्रेड कर खरीदने के सौदे पर मुहर लगाने की तैयारी है। ये मिग-29 भारत को अपेक्षाकृत कम कीमत में मिल रहे हैं। फिलहाल 50 मिग-29 के तीन स्क्वायड्रन भारतीय वायुसेना में हैं। मिग-29 भी एक बहुउद्देश्यीय लड़ाकू जेट है, जिसे भारतीय वायुसेना ने 1985 से शामिल करना शुरू किया था।

भारतीय वायुसेना इस समय लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही है। भारतीय वायुसेना में स्वीकृत 42 स्क्वाड्रन की तादाद घटकर अब 31 स्क्वाड्रन रह गई है। इनमें मिग-21 साठ के दशक में और जगुआर 70 के दशक में वायुसेना में शामिल किया था। स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस अपने उत्पादन के शुरुआती दौर में है और अभी उसकी एक स्क्वाड्रन भी तैयार नहीं की जा सकी है।

फ्रांस से 36 रफाल लड़ाकू विमान खरीदे गए हैं, जिनके इस साल सितंबर में वायुसेना को मिलने और अगले मई तक भारत लाए जाने की संभावना है। इनके दो स्क्वाड्रन को अंबाला और पासीघाट में तैनात किए जाने की संभावना है।

## कांग्रेस के और दो विधायकों के इस्तीफे से गहराया सियासी संकट

पेज 1 का बाकी

कर्नाटक में अभी तक कांग्रेस के 13 और जद (सेकु) के तीन विधायक इस्तीफा दे चुके हैं जबकि दो निर्दलीय विधायक एच नागेश और आर शंकर ने समर्थन वापस ले लिया है।

गठबंधन सरकार के पास अध्यक्ष के अलावा फिलहाल 116 विधायक हैं। इनमें कांग्रेस के 78, जनता दल (सेकु) के 37 और बसपा का एक विधायक है। मंत्रिमंडल से सोमवार को दो निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे के साथ ही 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास कुल 107 विधायक हो चुके हैं। अगर सभी 16 विधायकों का इस्तीफा स्वीकार हो जाता है तो गठबंधन के पास सदस्यों की संख्या घटकर 100 रह जाएगी।

कर्नाटक के राजनीतिक संकट की आवाज आज लगातार तीसरे दिन भी राज्यसभा में सुनाई दी, जहां कांग्रेस सदस्यों ने हंगामा किया। वहीं बेंगलुरु में भाजपा की कर्नाटक इकाई ने मुख्यमंत्री कुमारस्वामी पर इस्तीफे के लिए दबाव बनाने की खातिर विधान सौंध के समक्ष प्रदर्शन किया।

दूसरी ओर इस्तीफों की पुष्टि करते हुए विधानसभा अध्यक्ष रमेश कुमार ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से कहा कि सुधाकर और नागराज ने त्यागपत्र दे दिया है। इस्तीफा देने के बाद नागराज ने कहा कि वे राजनीति से ऊब गए हैं और सार्वजनिक जीवन से दूर होना चाहते हैं।

## बच्चे दो ही अच्छे की वकालत की दूरबीन वाले बाबा ने

पेज 1 का बाकी

को लेकर पुरुषों की मानसिकता बदली है। फिर भी नसबंदी ऑपरेशनों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की भागीदारी बेहद कम बनी हुई है। पंत ने कहा कि मैंने अब तक जो 3.81 लाख नसबंदियां कीं, उनमें पुरुषों के केवल 13,500 परिवार नियोजन ऑपरेशन शामिल हैं। परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी बढ़नी चाहिए।

## कावेरी पर बांध बनाने की कर्नाटक की योजना पर तमिलनाडु ने आपत्ति की

चेन्नई, 10 जुलाई (भाषा)।

तमिलनाडु सरकार ने मेकेदातु में कावेरी नदी पर एक बांध बनाने के कर्नाटक के प्रस्ताव पर चर्चा करने के केंद्रीय समिति के फैसले पर बुधवार को एतराज जताया।

तमिलनाडु सरकार ने कहा कि यह विवाद अधिकरण के अंतिम आदेश और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्पष्ट उल्लंघन है।

## गोवा कांग्रेस के 15 में से 10 विधायक भाजपा में शामिल

पेज 1 का बाकी

होने का फैसला इसलिए लिया, क्योंकि विपक्ष में होने के कारण उनके निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों में बाधाएं आ रही थीं। कावलेकर ने कहा कि हमने सावंत के काम का तरीका देखा है। वह राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमने उनसे हाथ मिलाने का फैसला किया है। कावलेकर ने दावा किया कि वे बिना शर्त भाजपा में शामिल हुए हैं।

# अलकायदा ने वीडियो जारी कर भारत को दी धमकी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन अलकायदा के प्रमुख अयमन अल जवाहिरी ने वीडियो जारी कर कश्मीर में आतंक तेज करने की भारत को धमकी दी है। जवाहिरी ने कश्मीरी आतंकियों को उकसाते हुए कहा है कि वे भारतीय सेना और सरकार पर निरंतर हमले करते रहें। यह वीडियो अलकायदा की मीडिया शाखा- अल शबाब ने जारी किया है।

अलकायदा के वीडियो को लेकर भारतीय खुफिया एवं सुरक्षा एजंसियां सतर्क हो गई हैं। चौकसी बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए हैं। वीडियो में जवाहिरी ने कहा कि कश्मीर में मुजाहिद्दीन (आतंकियों) को अभी केवल भारतीय सेना और सरकार पर हमले पर फोकस करना चाहिए। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था कमजोर होगी और उसे कामगारों और सामानों की कमी होगी।

जवाहिरी के इस वीडियो में अंसार गजवत उल हिंद के इस संस्थापक और कुछ दिनों पहले मार गिराए गए आतंकी जाकिर मूसा की तस्वीर दिखाई जाती रही।

# करने वाले सीबीआइ डीआइजी का तबादला

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

कैबिनेट की प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली नियुक्ति समिति ने सीबीआइ के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के खिलाफ जांच की निगरानी करने वाले सीबीआइ के डीआइजी तरुण गौबा का कार्यकाल समय पूर्व खत्म करके वापस उनके राज्य कैडर में भेज दिया।

एक सरकारी आदेश के अनुसार, व्यापमं मामलों की भी जांच करने वाले उत्तर प्रदेश कैडर के 2001 बैच के आइपीएस अधिकारी गौबा को उनके कैडर में वापस भेजा गया है। सीबीआइ के पूर्व अतिरिक्त निदेशक एम नागेश्वर राव ने अस्थाना के खिलाफ जांच की निगरानी के लिए उन्हें नियुक्त किया था। बुधवार को जारी आदेश में कहा गया, 'कैबिनेट की नियुक्ति समिति तरुण गौबा को समय पूर्व उनके राज्य कैडर में वापस भेजने को मंजूरी देती है।'

# प्रजापति और चार आइएएस के खिलाफ दो नए मामले

पेज 1 का बाकी

मामले में एजंसी ने आरोप लगाया कि देवरिया में डीएम के रूप में तैनात रहने के दौरान विवेक ने शारदा यादव के नवीकरण करने की अनुमति दी। अभय सिंह अभी बुलंदशहर के जिला मजिस्ट्रेट हैं और विवेक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक हैं। अभय सिंह समाजवादी पार्टी की अखिलेश यादव सरकार में फतेहपुर के डीएम थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने सारे नियमों को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से खनन पट्टे किए। हाई कोर्ट की रोक के बावजूद लोगों को अवैध खनन की रेवड़ी बांटी गई। वह मूल रूप से प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। उन्हें लगभग पांच महीने पहले ही बुलंदशहर का डीएम बनाया गया था। बताया जा रहा है कि आमजगढ़ सीडीओ देवी शरण उपाध्याय तत्कालीन देवरिया के एडीएम थे। उनके यहां से दस लाख रुपए कैश और कई अघोषित संपत्तियों के दस्तावेज बरामद हुए हैं।

अभय सिंह यूपी में चंद्रकला के बाद दूसरे आइएएस अधिकारी है, जिनके खिलाफ सीबीआई ने खनन घोटाले में छापा मारा है। सीबीआई ने जनवरी के पहले हफ्ते में उत्तर प्रदेश और दिल्ली में बालू खनन घोटाले के सिलसिले में कई लोगों के घरों पर छापा मारा था। जिन लोगों के यहां जनवरी में सीबीआइ ने छापा मारा था, उसमें लखनऊ में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बी चंद्रकला, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता सत्यदेव दीक्षित और सपा एमएलसी रमेश मिश्रा समेत कई अन्य के यहां अवैध बालू खनन मामले में छापा मारा गया था।

28 जुलाई 2016 को हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआइ ने इस मामले में जांच शुरू की थी। उसने सात प्राथमिक जांच दर्ज की थीं। इनमें से तीन हमीरपुर, शामली और कौशांबी जिलों से जुड़ी जांचों को प्राथमिकियों में तब्दील कर दिया गया। दरसअल साल 2012 में अवैध खनन पट्टों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई के बाद साल 2013 में अदालत ने आदेश दिया था कि अब कोई भी नया पट्टा नहीं दिया जाएगा और न ही पुराने पट्टों का नवीनीकरण होगा लेकिन इसके बाद भी अवैध खनन का खेल बदस्तूर जारी रहा। इसके बाद साल 2016 में इलाहाबाद हाईकोर्ट में अवैध खनन को लेकर कई याचिकाएं दाखिल की गईं, जिन पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अवैध खनन की जांच के आदेश दिए थे।

# 'पाक में दाऊद का सिंडिकेट अब आतंकी नेटवर्क बना'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 10 जुलाई।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान में रह रहे अंतरराष्ट्रीय माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम का मुद्दा उठाया और कहा कि उसका आपराधिक सिंडिकेट अब एक आतंकवादी नेटवर्क के रूप में बदल गया है। संरा सुरक्षा परिषद में भारत के राजदूत सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि दाऊद इब्राहिम का नेटवर्क, जैश ए मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा से पैदा हो रहे वास्तविक खतरों से निपटने की दिशा में ध्यान केंद्रित करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने पाकिस्तान को ऐसे आपराधिक एवं आतंकी गुटों का 'पनाहगाह' बताते हुए कहा कि वहां चल रही ऐसी गतिविधियों से दुनिया को खतरा है और वह दाऊद की मौजूदगी से भी इनकार करता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार संरा सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन के भाषण को लेकर कहा कि पाकिस्तान का दाऊद की मौजूदगी से इनकार करना उसके दोहरे मापदंडों को दर्शाता है। दरअसल, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने पिछले सप्ताह यह कहा था कि दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान में नहीं है। इससे पहले ब्रिटेन की एक अदालत ने सूचित किया था कि 1993 में हुए मुंबई हमलों के लिए वांछित दाऊद इस समय पाकिस्तान में है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने मंगलवार को 'अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को खतरा : अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और संगठित अपराध के बीच संबंध' विषय पर सुरक्षा परिषद की बहस में कहा कि आतंकवादी संगठन धन जुटाने के लिए मानव तस्करी एवं प्राकृतिक संसाधनों का व्यापार करने जैसी आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल हो रहे हैं।

अकबरूद्दीन ने कहा, 'हमने अपने क्षेत्र में दाऊद इब्राहिम के आपराधिक सिंडिकेट को डी-कंपनी नाम के आतंकवादी नेटवर्क में बदलते देखता है।' उन्होंने कहा, 'डी कंपनी की अवैध आर्थिक गतिविधियों के बारे में हमारे क्षेत्र के बाहर अधिक लोग नहीं जानते हैं, लेकिन हमारे लिए सोने की तस्करी, जाली नोट जैसी गतिविधियां वास्तविक एवं मौजूदा खतरे हैं। हमारे लिए उस पनाहगाह से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी वास्तविक खतरा है जो दाऊद की मौजूदगी से भी इनकार करता है।'

नई दिल्ली

## परमाणु समझौते से पीछे न हटे ईरान, यूरोप की अपील

तेहरान, 10 जुलाई (एएफपी)।

यूरोपीय देशों ने ईरान से मंगलवार को अपील की कि वह यूरेनियम संवर्धन बढ़ाने के अपने कदम से पीछे हटे। इस बीच फ्रांस का एक दूत ऐतिहासिक 2015 परमाणु समझौता बचाने का प्रयास करने के लिए तेहरान पहुंच गया है।

इस समझौते में कहा गया है कि इसके लागू होने के बाद ईरान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग–थलग नहीं रखा जाएगा और इसके बदले में ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने थे। लेकिन ईरान ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से समझौते से पीछे हटने के बाद से यूरोपीय देशों ने एक साल से भी अधिक समय तक जो निष्क्रियता दिखाई है, उसे देख कर उसका धीरज जवाब दे चुका है।

# लेबनानी संसद के दो हिजबुल्ला सदस्यों पर पाबंदी लगाई अमेरिका ने

वाशिंगटन, 10 जुलाई (एएफपी)।

अमेरिका के वित्त विभाग ने लेबनान की संसद के दो हिजबुल्ला सदस्यों को मंगलवार को अपनी प्रतिबंधों की काली सूची में डाल दिया। यह पहली बार है जब अमेरिका ने ईरान समर्थित समूह के निर्वाचित नेताओं को काली सूची में डाला है।

लेबनान की इस शक्तिशाली शिया आंदोलन पर वैश्विक दबाव बढ़ाने की कवायद के तौर पर वित्त विभाग ने सांसद अमीन शेरी और मुहम्मद हसन राड को आतंकवाद से संबंधित काली सूची में डालते हुए कहा कि हिजबुल्ला ने हिंसक गतिविधियों के लिए अपनी शक्ति का इस्तेमाल किया।

मूवमेंट के महासचिव हसन नसरल्ला के करीबी एक शीर्ष हिजबुल्ला अधिकारी वाफिक

**मूवमेंट के महासचिव हसन नसरल्ला के करीबी एक शीर्ष हिजबुल्ला अधिकारी वाफिक सफा को भी काली सूची में डाला गया है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका ने तीन अधिकारियों को प्रतिबंधित किया है जिन्होंने हिजबुल्ला के लिए अपने पदों का फायदा उठाया।**

सफा को भी काली सूची में डाला गया है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका ने तीन अधिकारियों को प्रतिबंधित किया है जिन्होंने हिजबुल्ला के लिए अपने पदों का फायदा उठाया।

उन्होंने कहा, 'हिजबुल्ला की राजनीतिक और सैन्य शाखाओं के बीच किसी तरह का अंतर बनावटी है।' उन्होंने कहा, 'हम अपने सहयोगियों और साझेदारों से हिजबुल्ला को पूरी तरह से एक आतंकवादी संगठन घोषित करने का आ''ान करते हैं।' पोम्पिओ ने पश्चिम एशिया में ईरान और हिजबुल्ला समेत उसके प्रतिनिधि संगठनों के खिलाफ अमेरिका के 'अधिकतम दबाव' को इस कार्रवाई की वजह बताया। अमेरिका ने आधिकारिक रूप से हिजबुल्ला को 'आतंकवादी समूह' घोषित कर रखा है।

# अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत किम डैरेक ने दिया इस्तीफा

लंदन, 10 जुलाई (भाषा)।

अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत किम डैरेक ने लीक हुए उन ई–मेल को लेकर चल रहे कूटनीतिक विवाद के बीच बुधवार को इस्तीफा दे दिया जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की आलोचना की गई थी।

डैरेक ने कहा कि वह अटकलों पर विराम लगाना चाहते है। उन्होंने कहा, 'मौजूदा स्थिति मेरे लिए अपनी वैसी भूमिका निभाना असंभव बना रही है जैसी मैं चाहता हूं।' ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने डैरेक के इस्तीफे की पुष्टि की है।

डैरेक ने विदेश कार्यालय को लिखे एक पत्र में कहा, 'इस दूतावास से आधिकारिक दस्तावेजों के लीक होने के बाद से मेरी स्थिति और राजदूत के रूप में मेरे शेष कार्यकाल की अवधि को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं उन अटकलों पर विराम लगाना चाहता हूं।' बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार स्थायी उपमंत्री और राजनयिक सेवा के प्रमुख सिमोन मैकडोनाल्ड ने पत्र के जवाब में कहा, 'डैरेक ने 'लंबे और प्रतिष्ठित करिअर को पूरी गरिमा और पेशेवर ढंग से निभाया।' सिमोन ने कहा, 'आप हम में से सबसे अच्छे हैं।' प्रधानमंत्री टेरेसा मे ने कहा कि यह 'बड़े खेद का विषय' है कि डैरेक को इस्तीफा देने की आवश्यकता महसूस हुई।


**पंजाब नैशनल बैंक** .......भरोसे का प्रतीक (A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

**punjab national bank** ...the name you can BANK upon!

वसूली विभाग, मण्डल कार्यालय : दक्षिणी दिल्ली
चौथा तल, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110008
फोन : 011-25861489, ई–मेल : cosdelrd@pnb.co.in

## आम जनता के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक कर्जदार के विरुद्ध नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर्जदारों / गारंटीकर्ताओं / बंधककर्ताओं (इसके बाद कर्जदारों कहा जायेगा) से राशि की वसूली हेतु मांग सूचना जारी किया था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों जो कि नीचे दिए कर्जदारों को प्रदत्त ऋण/क्रेडिट सुविधाओं के संदर्भ में प्रतिभूतियों के रूप में धारित हैं, का कब्जा ले लिया है। जैसा कि, प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री, मांग सूचना के अनुसार कर्जदारों से पंजाब नैशनल बैंक को देय सुरक्षित ऋणों + भविष्य का ब्याज, बैंक द्वारा उस पर चलायी गयी लागत एवं प्रभार उसके बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर की वसूली के लिए **सार्वजनिक ई–नीलामी** के माध्यम से की जानी है। सर्वसाधारण को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत एजेन्ट के माध्यम से बोली करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। **बैंक सुयोग्य सम्पत्तियों के लिए बोली करने के लिए स्वतंत्र होगा।**

### प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची

| क्र. सं. | कर्जदार एवं बैंक शाखा का नाम | मांग सूचना की तिथि एवं उसमें वर्णित बकाया राशि | सम्पत्ति का विवरण – बंधककर्ता के नाम (सम्पत्ति के स्वामी) सहित | कब्जे की स्थिति (भौतिक या सांकेतिक) | आरक्षित मूल्य | धरोहर राशि (ईएमडी) | ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | उस खाते का विवरण जिसमें ईएमडी आरटीजीएस/एनईएफटी एवं आईएफएससी कोड के माध्यम से जमा की जानी है | सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय | बोली वृद्धि राशि | प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर | बकाया सरकारी देय, यदि कोई हो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मैसर्स स्टैण्डर्ड फार्मस् प्रा. लि.<br>शाखा: एनएसआईसी ओखला, नई दिल्ली | 05.07.2018<br>रु. 247564461.00 | भूमि खेवत नं. 479–480, खाता नं. 530, मुस्तातिल नं. 70, किला नं. 4 (7–17) गाँव नौरंगपुर, जिला गुड़गाँव, हरियाणा में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 7 कनाल 17 मारला (सेल डीड नं 2561 दिनांकित 04.05.2005 सब रजिस्ट्रार, गुड़गाँव, हरियाणा में पंजीकृत बही नं. 1 जिल्द नं. 8445, पेज नं. 73) और भूमि खेवत नं. 479–480, मुस्तातिल नं. 70, खाता नं. 732, किला नं. 6(8-0),7/1(2-2),15(8-16), खेवत नं. 479-480, मुस्तातिल नं. 71, खाता नं. 732, किला नं. 10(8-0),11/1(6-12) गाँव नौरंगपुर, जिला गुड़गाँव, हरियाणा में स्थित, जिसका क्षेत्रफल 33 कनाल 10 मारला (सेल डीड नं 2550 दिनांकित 04.05.2005 सब रजिस्ट्रार, गुड़गाँव, हरियाणा में पंजीकृत बही नं. 1 जिल्द नं. 8445, पेज नं. 72) कुल प्रोजेक्ट भूमि क्षेत्रफल 5.17 एकड़, इंडिपेंडेंट फ्लोर प्रोजेक्ट 'रहेजा अयाना' सैक्टर–79बी, गाँव नवरंगपुर के पास, गुरुग्राम में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स स्टैण्डर्ड फार्म प्रा. लि. के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 2115 लाख | रु. 211.5 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 5.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 2 | मैसर्स जय अम्बे ग्लोबल इलेक्ट्रिकल्स लि.<br>शाखा: एनएसआईसी ओखला, नई दिल्ली | 09.05.2018<br>रु. 3,27,77,581.60 | मकान नं. 230, खसरा नं. 39 में से, मिन खाता नं. 50–51, किला नं. 22/4,6,8,3/1 और 7, गाँव लेहा, तहसील गन्नौर, जिला सोनीपत, हरियाणा में स्थित, यह सम्पत्ति श्री आशीष पुत्र श्री शिव दत्त के नाम पर है, क्षेत्रफल 371.20 वर्ग गज | सांकेतिक | रु. 35.00 लाख | रु. 3.5 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 3 | मैसर्स जय अम्बे ग्लोबल इलेक्ट्रिकल्स लि.<br>शाखा: एनएसआईसी ओखला, नई दिल्ली | 09.05.2018<br>रु. 3,27,77,581.60 | मकान नं. 229, खसरा नं. 39 में से, मिन खाता नं. 50–51, किला नं. 22/4,6,8,3/1 और 7, गाँव लेहा, तहसील गन्नौर, जिला सोनीपत, हरियाणा में स्थित, यह सम्पत्ति श्री आशीष पुत्र श्री शिव दत्त के नाम पर है, क्षेत्रफल 371.20 वर्ग गज | सांकेतिक | रु. 73.00 लाख | रु. 7.3 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 4 | मैसर्स मित्तल स्टोन क्रशिंग<br>शाखा: सैक्टर–15, फरीदाबाद | 17.10.2018<br>रु. 1,18,67,373.84 | प्लॉट नं. 84, ओल्ड स्टोन क्रशिंग ज़ोन, जसुआ पाली रोड, गाँव मोहताबाद (पाली) क्षेत्रफल 4461.12 वर्ग गज, यह सम्पत्ति मैसर्स मित्तल स्टोन क्रशिंग कम्पनी के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 206.00 लाख | रु. 20.6 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 अपराह्न 02.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : डीके श्रीवास्तवा, मो. नं. 9425818512, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 5 | मैसर्स डी जैन वीडियो ऑन व्हील्स और एन एस टी पी एल<br>शाखा: एनएसआईसी ओखला | 10.02.2017<br>रु. 379602617.73 | कॉर्यालय नं. 704, 7वां तल, प्लॉट नं. 211 दालामल टॉवर, परिसर को–ऑप. सोसाइटी लि., ब्लॉक–III, बैकबे रिक्लेमेशन, नरीमन प्वाइंट, मुम्बई–400021, यह सम्पत्ति मैसर्स जैन क्लिनिक प्रा. लि. के नाम पर है। क्षेत्रफल 552 वर्ग फीट | सांकेतिक | रु. 144.00 लाख | रु. 14.40 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 6 | मैसर्स तेज ट्रेडिंग क.<br>शाखा: एनएसआईसी ओखला | 15.11.2017<br>रु. 1,26,03,00,000/- | एम सी नं. डी के पी 1546, खेवत नं. 129 का भाग, खतौनी नं. 168–172, मौजा भिवानी लोहारु, संजय गाँधी मैमोरियल रोड, भिवानी (हरियाणा) में स्थित, क्षेत्रफल 550 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती बिमला देवी पत्नी सज्जन सिंह और तेजेन्दर मन पुत्र सज्जन सिंह के नाम पर है। | भौतिक | रु. 65.00 लाख | रु. 6.50 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 17.08.2019 अपराह्न 04.00 बजे से अपराह्न 05.00 बजे | रु. 50000 | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 7 | मैसर्स हंसा स्टोन क्रशिंग कं.<br>शाखा: फरीदाबाद, सैक्टर–15 | 10.04.2018<br>रु. 50,00,000/- | प्लॉट नं. 72, क्लस्टर I, स्टोन क्रशिंग ज़ोन, गाँव मोहताबाद (पाली) श्रमिक हाउसिंग प्लॉट क्षेत्रफल 5305.50 वर्ग गज, यह सम्पत्ति नरेश कुमार गोयल के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 176.00 लाख | रु. 17.60 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : डीके श्रीवास्तवा, मो. नं. 9425818512, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 8 | प्रदीप स्टोन क्रशिंग<br>शाखा: फरीदाबाद एनआईटी | 15.01.2018<br>रु. 25615601.00 | प्लॉट नं. 53, स्टोन क्रशिंग ज़ोन पाली जिला फरीदाबाद, क्षेत्रफल 4835.5 वर्ग गज और क्षेत्रफल 170"X256" श्रमिक हाउसिंग प्लॉट नं. 160 क्षेत्रफल 500 वर्ग गज, कुल क्षेत्रफल 535.5 वर्ग गज, यह सम्पत्ति मैसर्स प्रदीप स्टोन क्रशिंग क. के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 230.00 लाख | रु. 23.00 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : संजय कौल, मो. नं. 9977702687, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 9 | मैसर्स तिरुपति स्टोन क्रशिंग मिल्स<br>शाखा: फरीदाबाद एनआईटी, नई दिल्ली | 02.04.2018<br>रु. 23471656.23 | प्लॉट नं. 77, स्टोन क्रशिंग ज़ोन पाली, मोहताबाद फरीदाबाद, क्षेत्रफल 4835.5 वर्ग गज, यह सम्पत्ति मैसर्स प्रदीप स्टोन क्रशिंग मिल्स के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 231.00 लाख | रु. 23.1 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : संजय कौल, मो. नं. 9977702687, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 10 | रूबी<br>शाखा: फरीदाबाद एनआईटी | 01.07.2017<br>रु. 1354670.00 | मकान नं. 6031 – सी/एलआईजी/जीएफ, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पॉकेट–1, सैक्टर–3, अरबन ईस्टेट, फरीदाबाद वाईस सेल डीड नं. 10182 दिनांकित 30.12.2013, सब रजिस्ट्रार बल्लभगढ़, तक्षशिला मॉडल स्कूल के पास, यह सम्पत्ति श्रीमती रूबी पत्नी श्री एस के लुनिया के नाम पर है। क्षेत्रफल 19.41 वर्ग गज | सांकेतिक | रु. 11.00 लाख | रु. 1.10 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 अपराह्न 02.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे | रु. 10000 | प्राधिकृत अधिकारी : संजय कौल, मो. नं. 9977702687, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 11 | भागवत दयाल, सरोज और अनिल जिंदल<br>शाखा: फरीदाबाद एनआईटी | 04.01.2018<br>रु. 16162309.00 | मकान नं. 543, सैक्टर–16ए, फरीदाबाद में स्थित, क्षेत्रफल 3050 वर्ग फीट (भूतल + प्रथम तल), यह सम्पत्ति श्री भगवत दयाल, सरोज और अनिल जिंदल के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 203.00 लाख | रु. 20.30 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 17.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : संजय कौल, मो. नं. 9977702687, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 12 | श्रीराम न्यू होराइजोन लिमिटेड और श्रीराम इन्फो मीडिया लिमिटेड<br>शाखा : एन एस आई सी, ओखला | 03.04.2017<br>रु. 604672302.91 | प्लॉट नं. 1204, ब्लॉक–बी, द्वितीय तल, सिग्नेचर टॉवर, साउथ सिटी, गुड़गाँव में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती सुकन्या भरत राम के नाम पर है। जिसका क्षेत्रफल 3024.43 वर्ग फीट | भौतिक | रु. 333.00 लाख | रु. 33.3 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 17.08.2019 अपराह्न 04.00 बजे से अपराह्न 05.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 13 | ईज़ी कनेक्ट टैलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड<br>शाखा : ओखला, एन एस आई सी | 12.01.2018<br>रु. 8330172.73 | रिहायशी औद्योगिक प्लॉट, डीडीए एसएफएस फ्लैट नं. 7, तृतीय तल, जोकि पॉकेट ए–04, कोर्णाक अपार्टमेंट, कालकाजी एक्स., नई दिल्ली, यह सम्पत्ति श्रीमती शालिनी पत्नी श्री शिव खरे के नाम पर है। क्षेत्रफल 75 वर्ग मी. | भौतिक | रु. 65.00 लाख | रु. 6.50 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 19.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 14 | आकाश पुस्तक केन्द्र<br>प्रोप. श्री राम रतन<br>शाखा : ओखला, एन एस आई सी | 29.08.2018<br>रु. 12061277.24 | रिहायशी मकान नं. 568, डॉ. मुखर्जी नगर, नई दिल्ली–110009 में स्थित, क्षेत्रफल 160 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्रीमती रीता दवार के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 600.00 लाख | रु. 60.00 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 19.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 15 | मैसर्स आर एक फुटवियर ट्रेडिंग<br>प्रोप. श्री जगजीत कुमार<br>शाखा : ओखला, एन एस आई सी | 20.09.2018 &<br>रु. 1192045.54 | रिहायशी किला नं. 16/25/1, खेवत नं. 436 हेतु 4 कनाल 3 मारला (इंटकाल नं. 4100), किला नं. 18/25/2, खेवत नं. 310 हेतु 1 कनाल 12 मारला (इंटकाल नं. 4098) किला नं. 18/25/3, खतौनी नं. 491/1 हेतु 13 मारला (इंटकाल नं. 4099) कुल क्षेत्रफल 6 कनाल 8 मारला लेकिन 6 कनाल 7 मारला अर्थात 104/105 हिस्से के क्षेत्रफल रामन के बाद, जोकि मौजा खेड़ी साध, तहसील साम्पला जिला रोहतक, हरियाणा में स्थित | सांकेतिक | रु. 215.00 लाख | रु. 21.5 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 19.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 16 | एम एस टैक्सटाईल्स्<br>प्रोप. श्री महेश कुमार<br>शाखा : एन एस आई सी, ओखला | 01.09.2018<br>रु. 1,13,74,637.24 | व्यवसायिक सम्पत्ति नं. 02/04/174, मोती बाजार, सराई पुख्ता, ओल्ड सिटी, पलवल – 121102 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री संतोष कुमारी पत्नी श्री महेश कुमार के नाम पर है। | भौतिक | रु. 108.00 लाख | रु. 10.80 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 19.08.2019 अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 17 | संजय शेखावत<br>शाखा : ओखला, एन एस आई सी | 20.01.2018<br>रु. 1,23,64,164.11 | रिहायशी सम्पत्ति नं. आर जेड – 26 – ए/1 (ओल्ड प्लॉट नं. 51डी), द्वितीय तल (बिना छत के अधिकार) खसरा नं. 69/15, गाँव पालम, पालम कॉलोनी, राज नगर–1, नई दिल्ली –110045 में स्थित, क्षेत्रफल 154 वर्ग गज (यह सम्पत्ति संजय शेखावत पुत्र श्री मान सिंह शेखावत) | भौतिक | रु. 100.00 लाख | रु. 10.00 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 19.08.2019 अपराह्न 04.00 बजे से अपराह्न 05.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 18 | टी एस चड्ढा एण्ड कं.<br>शाखा : वसंत कुंज | 22-10-2018 &<br>रु. 3072676.26 | आईपी सम्पूर्ण निचला भूतल और तृतीय तल जोकि गुरमीत कौर के नाम पर है। बिना छत के अधिकार के, सम्पत्ति नं. 148–ए में से, क्षेत्रफल 82 वर्ग गज, गली नं. 29, अर्जुन नगर, सफदरगंज एनक्लेव, नई दिल्ली–110029 | भौतिक | रु. 63.10 लाख | रु. 6.31 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 19.08.2019 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे | रु. 50000 | प्राधिकृत अधिकारी : राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 19 | नीलम गुप्ता एण्ड संदीप गुप्ता<br>शाखा : महरौली रोड, हौज़ खास | 24-05-2018 &<br>रु. 16844290.50 | रिहायशी सम्पत्ति प्रथम तल प्लॉट नं. 292, ब्लॉक–ए, शिवालिक, मालवीय नगर के पास, दिल्ली–110017 में स्थित, क्षेत्रफल 1140 वर्ग फीट, यह सम्पत्ति नीलम गुप्ता के नाम पर है। | भौतिक | रु. 190.00 लाख | रु. 19.00 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | 09.08.2019 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे | 19.08.2019 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 20 | मैसर्स हरबक्शीश ट्रेक्टर पार्ट्स<br>शाखा : ओखला, एन एस आई सी | 7.3.2018 &<br>रु. 12280474.70 | भूतल और प्रथम तल का मध्य हिस्सा, बिना छत के अधिकार के, सम्पत्ति नं. 20–बी/105–एबी, जोकि तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, यह सम्पत्ति श्री सुरजीत सिंह पुत्र देव सिंह के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 170.00 लाख | रु. 17.00 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018800 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 19.08.2019 अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे | रु. 1.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : ए के जैन, मो. नं. 7290084249, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |
| 21 | मैसर्स सफायर डिजिटल प्रिंटर्स<br>शाखा : फव्वारा चौक, गुड़गाँव | 23.04.2018<br>रु. 345434127.28 | व्यवसायिक सम्पत्ति दुकान सह फ्लैट तीन मंजिला नं. 49, सैक्टर–15, फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित, प्लॉट क्षेत्रफल 133.33 वर्ग गज, 4480 वर्ग फीट कवर्ड बी+जी+2 फ्लोर, यह सम्पत्ति सुरेन्द सिंह बेदी के नाम पर है। | सांकेतिक | रु. 639.00 लाख | रु. 63.90 लाख | 14.08.2019 | 0188002100339054 Earnest Money Deposit SARFAESI a/c PUNB0018801 | इच्छुक बोलीदाता सम्पत्ति का निरीक्षण स्वंय कर सकते है। | 19.08.2019 अपराह्न 02.00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे | रु. 5.00 लाख | प्राधिकृत अधिकारी : फूल सिंह, मो. नं. 9566199908, नोडल ऑफिसर: राकेश शर्मा, मो. नं. 9977702687 | ज्ञात नहीं |

ई–नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें : बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। (1) सम्पत्तियों की बिक्री जैसे है जहां है आधार पर की जा रही है। (2) नीलामी बिक्री "ई–नीलामी के माध्यम से ऑनलाइन" पोर्टल **http://pnbindia.biz** पर होगी। (3) इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त वर्णित प्रत्येक सम्पत्तियों के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी से सम्पर्क करके एसएमएस/ई–मेल के माध्यम से अग्रिम तौर पर लॉग इन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा, जो कि ई–बिडिंग के लिए अनिवार्य है। (4) अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार करने अथवा स्वीकार्य न पाए जाने की स्थिति में सभी बोलियों को निरस्त करने अथवा किसी भी समय नीलामी को स्थगित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस सम्बंध में उनका निर्णय अंतिम होगा। (5) नीलामी के अंतिम समय के अंतिम 5 मिनट में बोली लगाए जाने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः ही 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। (6) बोलीदाता को अपने पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होगी। ऐसे बोलीदाता भी, जोकि व्यक्ति नहीं हैं, ई–बिडिंग हेतु उपयुक्त मैनडेट अपलोड करें। (7) सफल बोलीदाता को पहले जमा कराई गई धरोहर राशि सहित बोली राशि की 25% राशि तुरंत जमा करानी होगी। (8) सफल बोलीदाता को बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिन के भीतर बोली राशि की शेष 75% राशि जमा करानी होगी। (9) बोली राशि की 25% राशि तुरंत तथा निर्धारित अवधि के भीतर शेष 75% राशि जमा कराने में चूक की स्थिति में पहले जमा कराई गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्रतिभूत परिसम्पत्ति की पुनः बिक्री की जाएगी। (10) समस्त वैधानिक देयताएं/अटेंडेन्ट चार्जेज/अन्य देय राशि, रजिस्ट्रेशन चार्जेज, स्टाम्प ड्यूटी, कर आदि क्रेता को ही वहन करने होंगे। (11) यह प्रकाशन उपरोक्त कर्जदारों/गारंटरों/बंधककर्ताओं के लिए 30 दिन का नोटिस भी है। और अधिक विवरण तथा सम्पूर्ण नियमों व शर्तों के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स देखें तथा/अथवा उपरोक्त प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी/प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें : **https://etender.pnbnet.in ; www.pnbindia.in ; www.eprocure.gov.in/epublish/app.**

दिनांक : 10.07.2019, स्थान : नई दिल्ली | प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

# भारी नकद निकासी पर अंकुश के लिए लगाया गया है टीडीएस : सीतारमण

## 2017-18 में 448 फर्मों ने बैंक खातों से निकाले थे 5.6 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली,10 जुलाई (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को स्पष्ट किया कि कुछ इकाइयों की ओर से बड़े पैमाने पर नकद निकासी की प्रवृत्ति को देखते हुए सरकार को एक सीमा से अधिक की ऐसी निकासी पर टीडीएस (धन के स्रोत पर कर की कटौती) का प्रावधान करना पड़ा है।

उन्होंने लोक सभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2017-18 में मात्र 448 कंपनियां ऐसी रहीं जिन्होंने बैंक खातों से 5.56 लाख करोड़ रुपए की राशि की नकद निकासी की। यही वजह है कि सरकार को बैंक खाते से साल में एक करोड़ रुपए से अधिक की निकासी करने वाले व्यक्तियों और इकाइयों पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लगाना पड़ा है।

उपरोक्त 448 इकाइयों के मामले में हरेक ने अपने बैंक खातों से साल में 100-100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2017-18 में करीब दो लाख लोगों और इकाइयों ने बैंक खातों से एक-एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली। इन इकाइयों ने कुल मिलाकर 11.31 लाख करोड़ रुपए की निकासी की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि कारोबारी भुगतान नकद में करने को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से मैं बैंक खाते से एक साल में एक करोड़ रुपए से अधिक की निकासी पर दो फीसद टीडीएस का प्रस्ताव करती हूं। वित्त वर्ष 2017-18 में 1.03 लाख से अधिक इकाइयों ने एक से दो करोड़ रुपए की निकासी की और उनकी कुल मिलाकर निकासी 1.43 लाख करोड़ रुपए रही। वहीं 58,160 इकाइयों ने दो से पांच करोड़ रुपए की निकासी की और उनकी कुल मिला कर नकद निकासी 1.75 लाख करोड़ रुपए थी।

इसी तरह 14,552 इकाइयां ऐसी थीं जिन्होंने साल के दौरान बैंक खातों से 5 से 10 करोड़ रुपए निकाले और उनकी कुल निकासी 98,900 करोड़ रुपए रही। इसके अलावा 7,300 लोग ऐसे रहे जिन्होंने 10 से 100 करोड़ रुपए की निकासी की। उनकी कुल निकासी 1.57 लाख करोड़ रुपए रही।

# सूचकांक में 174 अंक की गिरावट

मुंबई,10 जुलाई (भाषा)।

कंपनियों के जून तिमाही के नतीजों की फीकी शुरुआत के बीच निवेशकों के बड़े जोखिम से बचने के रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में उतारचढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सूचकांक बुधवार को 174 अंक 38,557 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों के मुताबिक अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर ताजा हमला किए जाने का असर भी निवेशकों पर देखने को मिला।

विदेशी निवेशकों की ओर से पूंजी निकासी का सिलसिला बने रहने और वाहनों की कमजोर बिक्री और रुपए की विनिमय दर में गिरावट से भी बाजार की धारणा प्रभावित हुई। प्रमुख 30 शेयरों वाले बीएसई सूचकांक में दिन में 400 अंक के दायरे में उतार-चढ़ाव दिखा और यह नीचे में 38,474.66 एवं ऊंचे में 38,854.85 अंक तक गया था। अंत में सूचकांक 173.78 अंक यानी 0.45 फीसद गिर कर 38,557.04 पर बंद हुआ। सूचकांक कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक 4.91 फीसद गिरा।

टाटा कंसल्टेंसी सिर्वसेज में 1.16 की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का जून तिमाही का परिणाम बाजार की प्रत्याशा के अनुरूप नहीं बताया जा रहा है। मंगलवार को परिणाम आने से पहले भी यह शेयर गिरा था। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, हीरो मोटोकॉर्प, एमएंडएम, बजाज ऑटो और एसबीआइ के शेयरों में 2.94 फीसद तक की गिरावट दर्ज की गई। सियाम के आंकड़े में घरेलू यात्री वाहन की बिक्री में लगातार आठवें महीने गिरावट के बाद वाहन कंपनियों के शेयर टूट गए।

दूसरी तरफ येस बैंक, सन फार्मा, कोटक बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक और पावरग्रिड के शेयरों में 1.81 फीसद तक लाभ में रहे। जियोजित फाइनेंशियल सिर्वसेज के शोध विभाग के प्रमुख विनोद नायर ने कहा- वाहन बिक्री के कमजोर आंकड़े से वृद्धि उम्मीदें धुमिल हुई हैं जबकि तेल की कीमतों में वृद्धि से भी धारणा पर असर पड़ा है। टिकाऊ उपभोग के सामान, रीयल्टी, उद्योग, धातु, वाहन, तेल व गैस और बिजली क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में 1.65 फीसद तक की गिरावट देखी गई। अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए । हांगकांग के हांगसेंग और दक्षिण कोरिया के कोस्पी सूचकांक में बढ़त दर्ज की गई।

# नई प्रौद्योगिकी से बढ़ेंगी रेलगाड़ियों में रोजाना चार लाख आरक्षित सीटें

नई दिल्ली,10 जुलाई (भाषा)।

यात्रियों के लिए आने वाले समय में रेल का आरक्षित टिकट अपेक्षाकृत आसानी से सुलभ हो सकता है। रेलवे ऐसे उपाय करने जा रही है जिससे अक्तूबर से गाड़ियों में आरक्षित यात्रा के लिए रोजाना चार लाख से अधिक सीटें (बर्थ) बढ़ेंगी। इसके लिए रेल विभाग ऐसी प्रौद्योगिकी अपनाने जा रहा है जिससे डिब्बों में रोशनी और एअर कंडीशनिंग के लिए बिजली को लेकर अलग से पावर कार (जनरेटर डिब्बा) लगाने की जरूरत नहीं होगी और यह जरूरत इंजन के माध्यम से ही पूरी हो जाएगी। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को यह कहा।

फिलहाल लिंक हाफमैन बुश (एलएचबी) डिब्बों वाली हरेक रेलगाड़ी में एक से दो जनरेटर बोगी लगी होती है। इन्हीं डीजल जनरेटर बोगियों से सभी डिब्बों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। इसे 'एंड ऑन जनरेशन' (ईओजी) प्रौद्योगिकी के तौर पर जाना जाता है। अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही विभाग दुनिया भर में प्रचलित 'हेड ऑन जनरेशन' (एचओजी) प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल शुरू करने जा रहा है। इस प्रौद्योगिकी में रेलगाड़ी के ऊपर से जाने वाली बिजली तारों से ही डिब्बों के लिए भी बिजली ली जाती है।

अधिकारियों ने बताया कि अक्तूबर 2019 से भारतीय रेल के करीब 5,000 डिब्बे एचओजी प्रौद्योगिकी से परिचालित होने लगेंगे। इससे ट्रेनों से जनरेटर बोगियों को हटाने में मदद मिलेगी और उनमें अतिरिक्त डिब्बे लगाने की सहूलियत भी मिलेगी। इतना ही नहीं इससे रेलवे को ईंधन पर सालाना 6,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। सिर्फ एक गैर-वातानुकूलित डिब्बे को बिजली आपूर्ति करने के लिए प्रति घंटा 120 यूनिट बिजली की जरूरत होती है। इतनी बिजली पैदा करने के लिए जनरेटर प्रति घंटा 40 लीटर डीजल की खपत करता है।

**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि., विद्युत कालोनी, गोविन्द नगर, कानपुर-208006 अति-अल्पकालीन निविदा सूचना** अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा विद्युत वितरण मण्डल, कानपुर के अन्तर्गत निम्नलिखित विवरण के अनुसार कार्य हेतु अनुभवी व सक्षम निविदादाताओं द्वारा निविदायें आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि http://dvvnl.org के टेण्डर ऑप्शन पर जा कर पे-नाउ विकल्प का चयन करने के उपरान्त जमा की जायेगी। निविदा शुल्क की जमा कराने की रसीद को कार्यालय में प्रस्तुत करने पर निविदा प्रपत्र निर्गत किये जायेगे। निविदादाता के को निविदा के प्रथम भाग में निम्नलिखित प्रपत्र प्रेषित कराना अनिवार्य होगाः- 1. आयकर, प्रमाण पत्र प्रेषित करना होगा। 2. जी.एस.टी. पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रेषित करना होगा। 3. निविदादाताओं को कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। 4. सी.वी.सी. के दिशा निर्देशानुसार निविदादाता का पिछले 03 वित्तीय वर्ष का टर्नओवर टेंडर वैल्यू का कम से कम 30 प्रतिशत होना चाहिये। 5. निविदा में मांगे गये प्रपत्र ही संलग्न करे अनावश्यक प्रपत्र संलग्न न करें। उपरोक्त प्रपत्र प्रेषित न करने की स्थिति में निविदादाता के भाग-2 पर विचार नही किया जायेगा। निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, कानपुर के पास सुरक्षित है। क्रं.स. 1, 1. अति-अल्पकालीन निविदा सं.2, 07/वि.वि.मं.का./2019-20 विवरण 3 कानपुर क्षेत्र, कानपुर के अन्तर्गत स्थापित 225 नग विद्युत उपकेन्द्रों पर "उपकेन्द्र के महत्त्वपूर्ण अभिलेखों का रखरखाव एवं नोडल अधिकारी के कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व अभिलेखों का विवरण" सम्बन्धी साइन बोर्ड की स्थापना का कार्य। निविदा शुल्क 1000+जी.एस.टी. धरोहर धनराशि 4000.00 निविदा खुलने की तिथि 18.07.2019 **हस्ता./- अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल द.वि.वि.नि.लि. कानपुर-06 पत्र संख्याः 1644/विविमंका/ओ-3 दिनाँकः** 10.7.19

# प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य कठिन, पर असंभव नहीं : सीबीडीटी प्रमुख

नई दिल्ली,10 जुलाई (भाषा)।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य नए सिरे से तय करते हुए इसे 13.35 लाख करोड़ रुपए तय किया है जिसे केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) प्रमुख ने 'कठिन लेकिन हासिल किया जा सकने वाला' बताया है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार छूट और कटौती समाप्त होने के बाद कंपनी कर की दरों में और कमी लाने के बारे में सोच सकती है। सीबीडीटी चेयरमैन प्रमोद चंद्र मोदी ने कहा- पिछले संशोधित अनुमान में 2019-20 के लिए हमारा लक्ष्य 13.78 लाख करोड़ रुपए तय किया गया था। यह अपेक्षाकृत अवास्तविक दिखता था क्योंकि यह सालाना आधार पर करीब 24 फीसद की वृद्धि को दर्शा रहा था।

उन्होंने कहा कि बजट पर विचार के दौरान हमने इस बारे में अपनी बातें रखी थी। उन्होंने कहा- मुझे यह कहने में खुशी है कि...सरकार ने पिछले साल के वास्तविक संग्रह को देखते हुए उस आधार पर लक्ष्य तय किया। और प्रत्यक्ष कर के लिये बजट में तय संग्रह लक्ष्य को अब 13.35 लाख रुपये तय किया गया है। यह सालाना आधार पर करीब 17.5 फीसद वृद्धि को बताता है।

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा- यह लक्ष्य हमें काफी उम्मीद देता है कि हम दिए गए लक्ष्य के अनुसार 17.5 फीसद वृद्धि हासिल करने में कामयाब होंगे। आयकर विभाग ने पिछले वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.37 लाख करोड़ रुपए प्राप्त किया।

सीबीडीटी प्रमुख ने कहा कि निवेश और वृद्धि को गति देने के लिये बजट में जो कदम उठाया गया है, मुझे भरोसा है कि अर्थव्यवस्था अच्छी करेगी और परिणामस्वरूप राजस्व संग्रह भी अच्छा रहेगा। प्रत्यक्ष कर संग्रह में व्यक्तिगत आयकर, प्रतिभूति सौदा कर और कंपनी कर शामिल हैं। कंपनी कर की दर के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह बजट में लगभग सभी कंपनियों के लिए कर की दरें कम की।

उन्होंने कहा- सवाल यह है कि कंपनी कर की दरें कुछ छूट और कटौती से जुड़ी हैं जिसे कंपनियां प्राप्त कर रही हैं। सरकार की नीति कहती है कि छूट और कटौती को समय के साथ गीरे-धीरे समाप्त किया जाएगा। यह समय करीब पांच से 10 साल हो सकता है। सीबीडीटी प्रमुख मोदी ने कहा- इसीलिए छूट और कटौती खत्म होने के साथ हम निश्चित रूप से मान सकते हैं कि कंपनी कर की दर कम होगी।

# जनधन खातों में जमा राशि एक लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली,10 जुलाई (भाषा)।

जनधन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों में जमा राशि एक लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है।

मोदी सरकार ने पांच साल पहले इस योजना की शुरूआत की थी। वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़े के मुताबिक तीन जुलाई की स्थिति के अनुसार 36.06 करोड़ खातों में 1,00,495.94 करोड़ रुपए थे। जनधन लाभार्थियों के खातों में जमा राशि निरंतर बढ़ रही है।

**झारखण्ड सरकार**
**स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग**

प्रेस विज्ञप्ति

विभागीय अधिसूचना सं0-241 (9) दिनांक-21.06.19 द्वारा पाटलिपुत्र चिकित्सा महाविद्यालय, धनबाद एवं एम0जी0एम0 चिकित्सा महाविद्यालय, जमशेदपुर के विभिन्न विभागों में टयूटर एवं वरीय रेजिडेंट के रिक्त पदों पर नियुक्ति की गयी थी । उक्त अधिसूचना के कंडिका-2 द्वारा निदेशित किया गया था कि नवनियुक्त टयूटर/वरीय रेजिडेंट अपने पदस्थापित स्थान पर अधिसूचना निर्गत की तिथि से 07 दिनों के अन्दर अपना योगदान समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे।

चिकित्सा महाविद्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार नियुक्त टयूटर एवं वरीय रेजिडेंट द्वारा निर्धारित तिथि तक अपना योगदान समर्पित नहीं किया गया है। कुछ टयूटर एवं वरीय रेजिडेंट के द्वारा योगदान कर कर्त्तव्य स्थल से लगातार अनुपस्थित होने की सूचना भी विभाग को प्राप्त हुई है।

अतः विभागीय अधिसूचना सं0-241 (9) दिनांक-21.06.19 द्वारा पाटलिपुत्र चिकित्सा महाविद्यालय, धनबाद एवं एम0जी0एम0 चिकित्सा महाविद्यालय, जमशेदपुर के विभिन्न विभागों में नियुक्त एवं पदस्थापित टयूटर एवं वरीय रेजिडेंट को निदेशित किया जाता है कि वे दिनांक- 17.07.19 तक योगदान करना सुनिश्चित करें। उक्त निर्धारित तिथि तक अगर वे योगदान नहीं करतें हैं तो यह समझा जायेगा कि वे योगदान के लिए इच्छुक नहीं है तथा उनकी टयूटर एवं वरीय रेजिडेंट के पद पर की गयी नियुक्ति समाप्त कर दी जायेगी। इस संदर्भ में भविष्य में उनका कोई भी दावा मान्य नहीं होगा तथा भविष्य में टयूटर एवं वरीय रेजिडेंट के पद पर नियुक्ति से भी उन्हे वंचित रखा जायेगा।

(अभिशेक श्रीवास्तव)
उप सचिव।

PR 211280 Health Med Edu and Family Welfare(19-20)D

**भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड**
CONCOR
(भारत सरकार, रेल मंत्रालय का उपक्रम)
[illegible] नोएडा - 201301 (उत्तर प्रदेश)
फोन: 0120-4052932/35, फैक्स: 0120-4052983

निविदा सूचना: कॉन/एनसीआर/सीईआर/एफएमएलएफ/2019 दिनांक: 11.07.2019

| | |
|---|---|
| निविदा संख्या | कॉन/एनसीआर/सीईआर/एफएमएलएफ/2019 |
| कार्य का नाम | [illegible] |
| अनुमानित लागत | [illegible] |
| कार्य पूरा होने की अवधि | 6 (2+2+1) वर्ष |
| बयाना राशि | [illegible] |
| निविदा प्रलेख की लागत | [illegible] |
| निविदा प्रोसेसिंग शुल्क | [illegible] |
| ऑनलाइन निविदा की बिक्री की तारीख | 11.07.2019 को अपराह्न 3.00 बजे से 07.08.2019 [illegible] |
| निविदा प्रस्तुत करने की तारीख और समय | 08.08.2019 को अपराह्न 3.00 बजे तक [illegible] |
| निविदा खुलने की तारीख और समय | 09.08.2019 को अपराह्न 3.30 बजे |

निविदा प्रलेख www.tenderwizard.com/CCIL वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। अन्य कोई [illegible] की सूचना केवल इस वेबसाइट पर ही दी जाएगी।
मुख्य महाप्रबंधक/एनसीआर

**झारखंड सरकार**
**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**जलपथ प्रमण्डल सं0-1, चक्रधरपुर**

email :- eewaterwaysdivno1ckp@gmail.com
ई0-प्रोक्योरमेंट सूचना शुद्धि पत्र

अल्पकालीन ई0 निविदा सूचना सं0 WRD/WWD/CKP-1/01/2018-19 दिनांक 5.07.19 जिसका PR No- 211069 ( West Singhbhum) 19-20(D) है।

नोट :- निविदा शुल्क, भारतीय स्टेट बैंक/राष्ट्रीयकृत बैंक/भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, अभियंता, जलपथ प्रमण्डल सं0-1, चक्रधरपुर के पक्ष में भुगतेय हो, जो लौटाया नही जायेगा। केवल ई0 निविदा ही स्वीकार होगा। निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
जलपथ प्रमण्डल सं0-1,
चक्रधरपुर

PR 211378 (West Singhbhum)19-20*D

**"Form No. INC-26"**
**[Pursuant to rule 30 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]**
**Advertisement to be published in the newspaper for change of Registered Office of the Company from one state to another**
Before the Central Government,
Northern Region, New Delhi
In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act, 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014
AND
In the matter of **RAMDOOT CREATIONS PRIVATE LIMITED**
having its registered office at 34, I-O, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI 110030 IN
........................Petitioner

Notice is hereby given to the General Public that the company proposes to make application to the Regional Director, Northern Region, New Delhi under section 13 of the Companies Act, 2013 seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed at the Extra Ordinary General Meeting held on Saturday, 04th May, 2019 to enable the company to change its Registered Office from National Capital Territory of Delhi to the State Of Karnataka (Bangalore)".

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of the Registered Office of the Company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing investor complaint form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, B-2 Wing, 2nd Floor, Paryavaran Bhawan, CGO Complex, New Delhi - 110003 within fourteen days of the date of publication of this notice with a copy to the applicant company with a copy of the applicant company at its Registered Office at the address mentioned below:
34, I-O, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI SOUTH DELHI DL 110030 IN

For and on behalf of
**RAMDOOT CREATIONS PRIVATE LIMITED**
Sd/-
**SUMEET AGARWAL**
**DIRECTOR (DIN- 02484015)**
Date: 10/07/2019
Place: Delhi

**"Form No. INC-26"**
**[Pursuant to rule 30 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]**
**Advertisement to be published in the newspaper for change of Registered Office of the Company from one state to another**
Before the Central Government,
Northern Region, New Delhi
In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act, 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014
AND
In the matter of **RANJAN APPARELS PRIVATE LIMITED**
having its registered office at 34, I-O, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI SOUTH DELHI DL 110030 IN ........................Petitioner

Notice is hereby given to the General Public that the company proposes to make application to the Regional Director, Northern Region, New Delhi under section 13 of the Companies Act, 2013 seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed at the Extra Ordinary General Meeting held on Monday, 06th May, 2019 to enable the company to change its Registered Office from National Capital Territory of Delhi to the State Of Karnataka (Bangalore)".

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of the Registered Office of the Company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing investor complaint form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, B-2 Wing, 2nd Floor, Paryavaran Bhawan, CGO Complex, New Delhi - 110003 within fourteen days of the date of publication of this notice with a copy to the applicant company with a copy of the applicant company at its Registered Office at the address mentioned below:
34, I-O, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI SOUTH DELHI DL 110030 IN

For and on behalf of
**RANJAN APPARELS PRIVATE LIMITED**
Sd/-
SUMEET AGARWAL
DIRECTOR (DIN- 02484015)
Date: 10/07/2019
Place: Delhi

**"Form No. INC-26"**
**[Pursuant to rule 30 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]**
**Advertisement to be published in the newspaper for change of Registered Office of the Company from one state to another**
Before the Central Government,
Northern Region, New Delhi
In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act, 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014
AND
In the matter of **GLD REAL ESTATE PRIVATE LIMITED**
having its registered office at 34, I-O, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI SOUTH DELHI DL 110030 IN ........................Petitioner

Notice is hereby given to the General Public that the company proposes to make application to the Regional Director, Northern Region, New Delhi under section 13 of the Companies Act, 2013 seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed at the Extra ordinary general meeting held on Friday, 03rd May, 2019 to enable the company to change its Registered Office from National Capital Territory of Delhi to the State Of Karnataka (Bangalore)".

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of the Registered Office of the Company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing invester complaint form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, B-2 Wing, 2nd Floor, Paryavaran Bhawan, CGO Complex, New Delhi - 110003 within fourteen days of the date of publication of this notice with a copy to the applicant company with a copy of the applicant company at its Registered Office at the address mentioned below:
34, I-O, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI SOUTH DELHI DL 110030 IN

For and on behalf of
**GLD REAL ESTATE PRIVATE LIMITED**
Sd/-
**KAMLESH AGARWAL**
**DIRECTOR (DIN- 07501544)**
Date: 10/07/2019
Place: Delhi

**इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड**
इरकॉन IRCON
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाइट: www.ircon.org सीआईएन-L45203DL1976GOI008171

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं: इरकॉन/[illegible]/2019-20/1 दिनांक 11.07.2019
कार्य का नाम: बांग्लादेश में खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लिंक परियोजना के निर्माण के संबंध में भारत से बांग्लादेश में फुलतला एवं मोंगला में बैलेस्ट की आपूर्ति

| | |
|---|---|
| कार्य की अनुमानित लागत | ₹ 21.27 करोड़ |
| निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय | 01.08.2019 को 1500 बजे तक |

अधिक जानकारी एवं अपडेट हेतु कृपया इरकॉन की वेबसाइट www.ircon.org पर टेंडर अनुभाग (एक्टिव टेंडर) देखें। संशोधन/शुद्धिपत्र, यदि कोई, तो इसी वेबसाइट पर प्रकाशित होंगे।
मुख्य महाप्रबंधक (वर्क्स)
सी-4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110 017

**दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड**
**राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार**
**कार्यकारी अभियंता का कार्यालय**
**सी-10 इन्द्रलोक, दिल्ली-110035**

Name of work: MLA LAD FUND, GNCTD.
Sub Head: Improvement of drainage system and construction of left out road from J.D. Kapoor Hospital to Indian Oil Gas Godown at Pandav Nagar in AC-39.

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की ओर से कार्यपालक अभियंता, सी-10, डीयूएसआईबी, इन्द्रलोक, दिल्ली-110035 निम्नलिखित कार्य के लिए दो निविदा प्रणाली में प्रतिशत दर निविदा (ऑनलाइन) आमंत्रित करते हैं:
**एनआईटी संख्या:** 31/ EEC-10/ DUSIB/ 2019-20
**निविदा संख्या:** 2019_ DUSIB_ 175736-1
**कार्य का नाम:** एलएलए लाड फंड उप शीर्ष: जेडी कपूर अस्पताल से इन्डियन गैस गोदाम, पाँडव नगर विधान सभा क्षेत्र-39 में बरसाती पानी के निकास का सुधारीकरण व शेष सड़कों का निर्माण कार्य।
**अनुमानित लागत:** रु. 84,82,357.00 **धरोहर राशि:** रु. 1,70,000.00
**निविदा मूल्य:** रु. 1000.00 **कार्य अवधि:** 180 दिन
**निविदा प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि व समय:** 25.07.2019 के 15.00 बजे तक
**निविदा खोलने की तिथि:** 25.07.2019 के 15.30 बजे के बाद
निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण वेबसाइट **https://eprocurement.delhi.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है।
* सभी इच्छुक निविदादाताओं से अनुरोध है कि वह उक्त निविदा से संबंधित किसी भी अद्यतन/ सुधार के लिए नियमित रूप से उपरोक्त साइट का अवलोकन करते रहें, अद्यतन/ सुधार प्रेस में विज्ञापित नहीं किया जाएगा।
हस्ता./-
**कार्यकारी अभियन्ता**
**सी-10, डी.यू.एस.आई.बी.**
**DIP/Shabdarth/0358/19-20**

KVB **Karur Vysya Bank** Smart way to bank

मंडल कार्यालय, नं. 6, 3रा तल, सामने मेट्रो पिलर नं. 80, पूसा रोड, करोलबाग, नई दिल्ली- 110005, फोन: 011-28758374/ 2875375/ 76/ 77, ई-मेल: **delhi-do@kvbmail.com, viswanadhama@kvbmail.com**

**अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना**
**प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई-नीलामी बिक्री सूचना**

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों तथा गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/ चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका द करुर वैस्य बैंक, प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भौतिक कब्जा किया गया है, की 1) श्री पीयूष गोयल, पुत्र श्री सतीश कुमार गोयल तथा 2) श्री सतीश कुमार गोयल, पुत्र स्व. श्री राम स्वरूप, दोनों निवासी: बी-43, एमआईजी, भू तल, डीएलएफ, दिलशाद एक्स्टेंशन-II, भोपुरा, गाजियाबाद-201005 से करुर वैश्य बैंक लि. प्रतिभूत क्रेडीटर को देय रु. 12,09,823.50 (रुपए बारह लाख नौ हजार आठ सौ तेईस एवं पैसे पचास मात्र) की वसूली के लिए 17.12.2019 को "जैसा है जहां है", "जो भी जैसा है" तथा "जो कुछ भी वहां हैं" आधार पर बिक्री की जाएगी। आरक्षित मूल्य रु. 10,50,000.00 (रुपए दस लाख पचास हजार मात्र) तथा धरोहर राशि भुगतान रु. 1,05,000.00 होगा।

**अचल सम्पत्ति का विवरण**
बी-43, एमआईजी, भू तल, बैक साइड, डीएलएफ, दिलशाद एक्स्टेंशन-II, साहिबाबाद, गाजियाबाद में आवासीय फ्लैट, माप क्षेत्रफल लगभग 750 वर्ग फीट।
चौहद्दी:
उत्तर: रोड, दक्षिण: प्लॉट नं. बी 54
पूर्व: प्लॉट नं. बी 44 पश्चिम: प्लॉट नं. बी 42

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया हमारे बैंक/ प्रतिभूत क्रेडीटर की वेबसाईट अर्थात www.kvb.co.in/ Property Under Auction में दी गई लिंक तथा साथ ही सेवा प्रदाता, मै. श्रीराम ऑटोमाल इंडिया लि. की वेब पोर्टल https://eauctions.samil.in देखें।

**सरफैसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के अंतर्गत 30 दिनों की सांविधिक बिक्री सूचना**
एतद्द्वारा ऋणधारक/ गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि ई-नीलामी की तिथि से पूर्व अद्यतन ब्याज तथा सहायक खर्चे के साथ उक्त राशि का भुगतान करें अन्यथा सम्पत्ति की नीलामी/ बिक्री की जायेगी तथा शेष देयता, यदि कोई हो, ब्याज तथा लागतों के साथ वसूल की जायेगी।

**तिथि:** 08.07.2019 **मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी**
**स्थान: दिल्ली/ एनसीआर** **द करूर वैस्य बैंक लिमिटेड**

**Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, Katra**
**Date Extension Notice-II**

Due to poor response received, the Last Date for Receipt of Tenders for Supply of Spices (Masala Items) without Onion and Garlic of Tata/Catch/MDH/BMC/Everest Brands only in reference to this office Notice Inviting Tender No. CO/PUR/NE/ 368/2037 dated 24.05.2019 and Date Extension Notice No. CO/PUR/NE/368/3890 dated 29.06.2019 is hereby further extended upto 19.07.2019 at 03.00 P.M. IST. Other terms and conditions of the ibid NIT shall remain the same.

No.: CO/PUR/NE/368/4280
Dated: 09.07.2019
**Sd/- (Amit Vermani) KAS,**
**Dy. Chief Executive Officer**

**Form G**
**INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST**
(Under Regulation 36A (1) of the Insolvency and bankruptcy (Insolvency Resolution Process for Corporate persons) Regulation 2016)
**RELEVANT PARTICULARS**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Name of the corporate debtor | INKA FOODS PVT. LTD. |
| 2. | Date of incorporation of corporate debtor | 21/11/1995 |
| 3. | Authority under which corporate debtor is incorporated / registered | ROC, HIMACHAL PRADESH |
| 4. | Corporate identity number / limited liability identification number of corporate debtor | U01121HP1995PTC017301 |
| 5. | Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor | ROPAR ROAD , NALAGARH, DISTT. SOLAN, HIMACHAL PRADESH -177320 |
| 6. | Insolvency commencement date of the corporate debtor | 05.04.2019 (by Hon'ble NCLT, Chandigarh) Delhi Bench in CP No.(IB)-396/Chd/HP/2018 |
| 7. | Date of invitation of expression of interest | 08/07/19 |
| 8. | Eligibility for resolution applicants under section 25(2)(h) of the code is available at: | Details can be sought by emailing at email:- irpinkafoods@gmail.com |
| 9. | Norms of ineligibility applicable under section 29A are available at: | http://www.ibbi.gov.in/webfront/legal_framework.php (official website of IBBI) other details can be sought by emailing at email:- irpinkafoods@gmail.com |
| 10. | Last date for receipt of expression of interest | 18/07/2019 (Extended from 28/06/2019) |
| 11. | Date of issue of provisional list of prospective resolution applicants | 21/07/19 |
| 12. | Last date for submission of objections to provisional list | 26/07/19 |
| 13. | Date of issue of final list of prospective resolution applicants | 27/07/19 |
| 14. | Date of issue of information memorandum, evaluation matrix and request for resolution plans to prospective resolution applicants | 27/07/19 |
| 15. | Manner of obtaining request for resolution plan, evaluation matric, information memorandum and further information | Eligible Resolution applicant may communicate with Resolution Professional at the address mentioned against serial No. 21 for obtain RFRP, Evaluation Matrix, Information Memorandum and further information |
| 16. | Last date for submission of resolution plans | 27/08/19 |
| 17. | Manner of submitting resolution plans to resolution professional | In electronic form to the email ID or by Speed Post or Registered Post of by hand at address given at S. No. 21 |
| 18. | Estimated date for submission of resolution plan to the Adjudicating Authority for approval | On or before 20/09/2019 |
| 19. | Name and registration number of a resolution professional | ASHOK KUMAR GUPTA IBBI/IPA-003/IP-N00010/2016-17/10072 |
| 20. | Name, Address and e-mail of the resolution professional, as registered with the Board | LD-46, Pitampura,Delhi-110034 cmaashokgupt@gmail.com |
| 21. | Address and email to be used for correspondence with the resolution professional | 304, D.R. Chambers, 12/56, DB Gupta Road, Opp PP Jwellers, Karol Bagh, New Delhi 110005 Email: irpinkafoods@gmail.com Mobile : 9871251616 |
| 22. | Further Details are available at or with | other details can be sought by emailing at irpinkafoods@gmail.com |
| 23. | Date of publication of Form G | 08/07/19 |

Date : 08.07.2019
Place : New Delhi
Sd/-
**ASHOK KUMAR GUPTA**
**IBBI/IPA-003/IP-N00010/2016-17/10072**

# बरसों पुराना 200 रुपए का कर्ज लौटाने आए केन्या के सांसद

मुंबई, 10 जुलाई (भाषा)।

औरंगाबाद के रहने वाले 70 वर्षीय काशीनाथ गवली ने जब दस्तक की आवाज सुनकर घर का दरवाजा खोला तो वहां एक अनजान विदेशी शख्स को खड़ा पाया। गवली कुछ समझ पाते इससे पहले शख्स ने अपना परिचय देते हुए कहा कि वह केन्या के सांसद रिचर्ड टोंगी हैं और 30 साल पहले उनसे लिया 200 रुपए का कर्ज लौटाने आए हैं। पूरा माजरा जानकर गवली भाव-विभोर हो उठे।

रिचर्ड केन्या के न्यारीबरी चाचे निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं और वह यहां मुंबई अपने पुराने ऋणदाता को कर्ज लौटाने के लिए आए थे। 1985-89 के दौरान रिचर्ड औरंगाबाद में एक स्थानीय कॉलेज में प्रबंधन की पढ़ाई कर रहे थे। स्वदेश लौटने से पहले उन्होंने गवली से 200 रुपए का कर्ज लिया था। गवली उस वक्त वानखेड़ेनगर में राशन की दुकान चलाते थे, उसी इलाके में रिचर्ड रहा करते थे। इसलिए केन्या के सांसद सोमवार को जब उनसे मिलने पहुंचे तो गवली की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो सका।

# मुठभेड़ में एक महिला नक्सली सहित दो नक्सली ढेर

बालाघाट (मध्य प्रदेश), 10 जुलाई (भाषा)।

बालाघाट जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर देवर बेली इलाके में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक महिला नक्सली सहित दो नक्सली मारे गए हैं। ये दोनों नक्सली छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक केपी वेंकटेश्वर ने बुधवार को बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान मंजेश और नंदा के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को इन नक्सलियों ने पुलिस पर गोलीबारी की। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें ये दोनों नक्सली मारे गए। उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के एक गांव में हुई। यह गांव छत्तीसगढ़ की सीमा से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

(THIS IS ONLY AN ADVERTISEMENT FOR INFORMATION PURPOSES AND NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT)

# A B INFRABUILD LIMITED

**Corporate Identification Number CIN: U45202MH2011PLC214834**

*Our Company was incorporated as 'A B Infrabuild Private Limited' at Mumbai on March 16, 2011, under the provisions of the Companies Act, 1956 vide Certificate of Incorporation dated March 16, 2011 issued by the Registrar of Companies, Mumbai. Subsequently, the name of our company was changed to 'A B Infrabuild Limited' on June 20, 2018 and a fresh Certificate of Incorporation consequent upon change of name was issued by the Registrar of Companies, Mumbai.*

**Registered Office:** 104, Shubhangan CHS Ltd, Jawahar Nagar, Near Railway Crossing, Goregaon (West), Mumbai-400 062
**Tel No.:** +91 22 2871 2113/14 | **E-Mail ID:** cs@abinfrabuild.com | **Website:** www.abinfrabuild.com
**Contact Person:** Mr. Mohit Soni, Company Secretary and Compliance Officer

**PROMOTER OF THE COMPANY: MR. AMIT BHOLANATH MISHRA**

## BASIS OF ALLOTMENT

**PUBLIC ISSUE OF 44,28,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH OF A B INFRABUILD LIMITED ("ABINFRA" OR THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 29 PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 19 PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING TO ₹ 1284.12 LAKHS ("THE ISSUE"), OF WHICH 2,24,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 29 PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 19 PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO ₹ 64.96 LAKHS RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF 42,04,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH AT A PRICE OF ₹ 29 PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 19 PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO ₹ 1219.16 LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE CONSTITUTED 34.95% AND 33.18% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF THE COMPANY.**

**FIXED PRICE ISSUE AT ₹ 29 PER EQUITY SHARE**

**THE ISSUE PRICE OF ₹ 29 is 2.9 TIMES OF THE FACE VALUE**

**MINIMUM APPLICATION SIZE OF 4,000 EQUITY SHARES AND IN MULTIPLES OF 4,000 EQUITY SHARES THEREAFTER**

**ISSUE PROGRAMME**
**OPENED ON FRIDAY, JUNE 28, 2019**
**CLOSED ON WEDNESDAY, JULY 03, 2019**

**PROPOSED LISTING: FRIDAY, JULY 12, 2019***

The Equity Shares offered through the Prospectus are proposed to be listed on the SME Platform of National Stock Exchange of India Limited (**"NSE EMERGE"**) in terms of the Chapter IX of the SEBI (ICDR) Regulations, as amended from time to time. Our Company has received an approval letter dated September 06, 2018 from National Stock Exchange of India Limited ("NSE")for using its name in the Offer Document for listing of our shares on the SME Platform of **"NSE"**. For the purpose of this Issue, **"NSE"** is the Designated Stock Exchange. The trading is proposed to be commenced on or about **Friday, July 12, 2019***.

*Subject to the receipt of listing and trading approval from the National Stock Exchange of India Limited.

All Applicants were allowed to participate in the Issue through APPLICATIONS SUPPORTED BY BLOCKED AMOUNT (**"ASBA"**) process by providing the details of their respective bank accounts in which the corresponding application amounts were blocked by Self Certified Syndicate Banks (the **"SCSBs"**). Further, pursuant to SEBI Circular No. SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2018/138 dated November 01, 2018, Retail Individual Investors applying in public issue were required to use either Application Supported by Blocked Amount (ASBA) facility for making application or also can use UPI (Unified Payment Interface) as a payment mechanism with Application Supported by Blocked Amount for making application. For details in this regards, specific attention are invited to the chapter titled "Issue Procedure" beginning on page 175 of the Prospectus.

**SUBSCRIPTION DETAILS**

The Issue has received 405 applications (after removing applications not banked) for 3284000 Equity Shares resulting in 0.742 time subscription (including reserved portion of Market Maker). The details of the applications received in the Issue (before technical rejections) are as follows:

**Detail of the Applications Received (Before Technical Rejection):**

| Category | No. of Applications | % | No. of Equity Shares | % | Subscription |
|---|---|---|---|---|---|
| Market Maker | 1 | 0.25 | 224000 | 6.82 | 1.000 |
| Retail Individual Investors | 378 | 93.33 | 1512000 | 46.04 | 0.719 |
| Non Retail Investors | 26 | 6.42 | 1548000 | 47.14 | 0.737 |
| **Total** | **405** | **100.00** | **3284000** | **100.00** | |

**The details of applications rejected by the Registrar on technical grounds / withdrawal are detailed below:**

**Technical rejection / Withdrawal**

| Category | No. of Applications | No. of Equity Shares |
|---|---|---|
| Market Maker | - | - |
| Retail Individual Investors | 6 | 24000 |
| Non Retail Investors | - | - |
| **TOTAL** | **6** | **24000** |

**After eliminating Technically Rejected applications, the following table gives the details of Category wise net valid applications:**

| Category | No. of Applications | % | No. of Equity Shares (Valid) | % | Subscription | Proportionate No. of Equity Shares (Allocated) After Rounding off* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Market Maker | 1 | 0.25 | 224000 | 6.87 | 1.000 | 224000 |
| Retail Individual Investors | 372 | 93.23 | 1488000 | 45.64 | 0.707 | 1488000 |
| Non Retail Investors | 26 | 6.52 | 1548000 | 47.49 | 0.569 | 1548000 |
| **Total** | **399** | **100.00** | **3260000** | **100.00** | | **3260000** |

*The under subscribed portion of 6,16,000 Equity shares from Retail Investors Category have been spilled over to Non Retail Investors Category.

**Allocation:** The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange - NSE on July 09, 2019.

**A. Allocation to Market Maker (After Technical Rejections):** The Basis of Allotment to the Market Maker, at the issue price of ₹ 29 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE. The category was subscribed by 1.00 times. The total number of shares allotted in this category is 2,24,000 Equity Shares.

**B. Allocation to Retail Individual Investors (After Technical Rejections):** The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, at the issue price of ₹ 29 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE. The total number of shares allotted in this category is 14,88,000 Equity Shares to 372 successful applicants.

**The Category-wise details of the Basis of Allotment are as under:**

| No. of Shares applied for (Category wise) | No. of Applications Receives | % to total | Total No. of Shares Applied in each category | % of total | Proportionate Shares Available | Allocation Per Applicant Before Rounding Off | Allocation Per Applicant After Rounding Off | Ratio of Allottees to Applicants | Total No. of Shares Allotted | Surplus/ Deficit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4000 | 372 | 100.00 | 1488000 | 100.00 | 2104000 | 4000 | 4000 | 1:1 | 1488000 | -616000 |

**C. Allocation to Other than Retail Individual Investors (After Technical Rejections):**

The Basis of Allotment to the Non Retail Investors, at the issue price of ₹ 29 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE. The category was subscribed 0.737 time. The total number of shares allotted in this category is 15,48,000 Equity Shares.

**The Category-wise details of the Basis of Allotment are as under:**

| No. of Shares applied for (Category wise) | No. of Applications Receives | % to total | Total No. of Shares Applied in each category | % of total | Proportionate Shares Available | Allocation Per Applicant Before Rounding Off | Allocation Per Applicant After Rounding Off | Ratio of Allottees to Applicants | Total No. of Shares Allotted | Surplus/ Deficit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8000 | 1 | 3.85 | 8000 | 0.52 | 10853 | 10853 | 12000 | 1:1 | 8000 | -2853 |
| 12000 | 1 | 3.85 | 12000 | 0.78 | 16279 | 16279 | 16000 | 1:1 | 12000 | -4279 |
| 16000 | 6 | 23.08 | 96000 | 6.20 | 130233 | 21705 | 20000 | 1:1 | 96000 | -34233 |
| 20000 | 5 | 19.23 | 100000 | 6.46 | 135659 | 27132 | 28000 | 1:1 | 100000 | -35659 |
| 28000 | 2 | 7.69 | 56000 | 3.62 | 75969 | 37984 | 36000 | 1:1 | 56000 | -19969 |
| 80000 | 1 | 3.85 | 80000 | 5.17 | 108527 | 108527 | 108000 | 1:1 | 80000 | -28527 |
| 88000 | 1 | 3.85 | 88000 | 5.68 | 119380 | 119380 | 120000 | 1:1 | 88000 | -31380 |
| 100000 | 4 | 15.38 | 400000 | 25.84 | 542636 | 135659 | 136000 | 1:1 | 400000 | -142636 |
| 108000 | 1 | 3.85 | 108000 | 6.98 | 146512 | 146512 | 148000 | 1:1 | 108000 | -38512 |
| 120000 | 1 | 3.85 | 120000 | 7.75 | 162791 | 162791 | 164000 | 1:1 | 120000 | -42791 |
| 136000 | 1 | 3.85 | 136000 | 8.79 | 184496 | 184496 | 184000 | 1:1 | 136000 | -48496 |
| 172000 | 2 | 7.69 | 344000 | 22.22 | 466667 | 233333 | 232000 | 1:1 | 344000 | -122667 |

**D. Allocation to Lead Manager/Underwriter's Obligation (After Technical Rejections & Withdrawal):** Unsubscribed portion of 11,68,000 Equity Shares under Retail & Non-Retail Category was brought in as the Merchant Banker Underwriter's obligation at the price of ₹ 29 per Equity Share. Lead Manager & Underwriter, Mark Corporate Advisors Private Limited had fulfilled their underwriting obligation of 100.00% of the Issue Size on their own account and have accordingly subscribed for 11,68,000 Equity Shares. The Basis of Allotment for Lead Manager/Underwriter's Category at the issue price of ₹ 29 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE and 11,68,000 Equity Shares were allotted to Mark Corporate Advisors Private Limited.

**The Category-wise details of the Basis of Allotment are as under:**

| No. of Applications Receives | % to total | Total No. of Shares Applied in each category | % of total | Proportionate Shares Available | Allocation Per Applicant Before Rounding Off | Allocation Per Applicant After Rounding Off | Ratio of Allottees to Applicants | Total No. of Shares Allotted | Surplus/ Deficit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 100.00 | 1168000 | 100.00 | 1168000 | 1168000 | 1168000 | 1:1 | 1168000 | 0 |

The Board of Directors of the Company at its meeting held on July 09, 2019 has taken on record the Basis of Allocation of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange viz. NSE and has authorized the corporate action for the transfer of the Equity Shares to various successful applicants.

The Refund/allotment intimation is being dispatched to the address of the Applicants as registered with the depositories on or about July 10, 2019. Further, the instructions to Self Certified Syndicate Banks for unblocking the amount is being processed on or prior to July 11, 2019. In case the same is not received within ten days, investors may contact Registrar at the address given below.

The Equity Shares allocated to successful applicants are being credited to their beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is taking steps to get the Equity Shares admitted for trading on SME Platform of **"NSE EMERGE"**.

**Note:** All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meaning assigned to them in the Prospectus dated June 18, 2019 ("Prospectus").

**INVESTORS PLEASE NOTE**

The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Issue **BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED** at www.bigshareonline.com. All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/Sole applicants, serial number of the Application Form, number of shares applied for and Bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the Registrar given below:

**BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED**
1st floor, Bharat Tin Works Building, Opp. Vasant Oasis, Makwana Road, Marol, Andheri (East), Mumbai- 400 059, Maharashtra, India
**Tel:** +91 22 2847 0652/4043 0200 | **Fax:** +91 22 6263 8299 | **E-mail:** ipo@bigshareonline.com
**Website:** www.bigshareonline.com | **Contact Person:** Mr. Ashok S. Shetty | **SEBI Registration No.:** INR000001385

**For A B Infrabuild Limited**
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
**Amit Bholanath Mishra**
**Managing Director**

**Place :** Mumbai
**Date :** July 10, 2019

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARE ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF **A B INFRABUILD LIMITED**

Raka

Standard Chartered

# STANDARD CHARTERED PLC

(Standard Chartered PLC (the "**Company**") was incorporated in England and Wales on November 18, 1969 and registered as a public limited company under company number 00966425.)

**Registered Office and Principal Place of Business in the UK:** 1 Basinghall Avenue, London EC2V 5DD
**Tel:** +44 (0)20 7885 8888; **Fax:** +44 (0)20 7885 7337; **Website:** www.sc.com; **Email:** group-corporate.secretariat@sc.com
**Compliance Officer for IDRs:** Ekta Lalwani; **Tel:** +91 22 6115 7853; **Fax:** +91 22 2675 7733; **Email:** ekta.lalwani@sc.com

## SURRENDER AND SALE PROGRAM FOR THE INDIAN DEPOSITORY RECEIPTS ("IDRs")

The Company issued 240,000,000 IDRs with every 10 IDRs representing one ordinary share of US$ 0.50 nominal value ("**Shares**") of the Company, in June 2010.

In terms of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended (the **"Listing Regulations"**) and the Deposit Agreement dated May 8, 2010 entered into between the Company and Standard Chartered Bank, Mumbai (the **"Domestic Depository"**) (as amended), the Company has extended to the holders of IDRs (the **"IDR Holders"**), an option to surrender IDRs held by them (between June 17, 2019 to August 2, 2019 (the **"Surrender Period"**)) and request the sale of the Shares underlying such IDRs on the London Stock Exchange (**"LSE"**) (the **"Surrender & Sale Process"**).

On May 1, 2019, the Company announced that it would commence an on market share buy-back of the Company's Shares on May 2, 2019 pursuant to which the Company has entered into irrevocable, non-discretionary agreements with each of Merrill Lynch International (**"BoAML"**) and J.P. Morgan Securities plc (**"JPMS"**) to enable the purchase of Shares on the LSE by them, acting as principals, for an aggregate purchase price of up to USD 1 billion and the on-sale of such Shares by BoAML and JPMS to the Company, until 31 December 2019 (while regulatory approval remains in place) (the **"Buy-back"**).

The Shares underlying the IDRs which are surrendered under the Surrender & Sale Process would be offered for sale on the LSE, and may be purchased by BoAML and/or JPMS as part of the Buy-back process or any other third party (outside the Buy-back process), on the floor of the LSE. In order to participate in the Surrender & Sale Process and request the sale of the Shares underlying the IDRs being surrendered by the IDR Holders, on the LSE, IDR Holders are not required to open or have a CREST Account in the United Kingdom.

In order to facilitate the Surrender & Sale Process for the IDR Holders, the Company formulated a set of detailed guidelines setting out the details of the Surrender & Sale Process and the mechanisms for participation by the IDR Holders (the **"Surrender & Sale Operating Guidelines"**) and has submitted the same to BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited on *June 14, 2019*. A copy of the Surrender & Sale Operating Guidelines is also available at the locations detailed at the end of this announcement. The Company also issued an advertisement in this respect on *June 15, 2019*. Further, letters intimating about the right of the IDR Holders to participate in the Surrender & Sale Process and the mechanisms for doing so (the **"Letters"**), were dispatched to the IDR Holders on *June 15, 2019* and will be dispatched again on *July 11, 2019*, by speed post at their Indian address only and by an email to those IDR Holders who had registered their email address with the Registrar for receiving Company related communication via email. The Company has also enclosed a copy of the instruction letter, pursuant to which IDR Holders may issue instructions for the surrender of their IDRs to facilitate the sale of the Shares underlying such IDRs, with the Letters (the **"Instruction Letter"**). The IDR Holders may also obtain or download the Instruction Letter from the locations specified below and submit their surrender request in accordance with these Surrender & Sale Operating Guidelines, during the Surrender Period.

**Do note that participation in this Surrender & Sale Process is voluntary and the IDR Holders are not obliged to provide instructions for surrender of their IDRs and request the sale of the Shares underlying such IDRs (as part of the Buy-back or otherwise). Please also note that only those Shares which are purchased by BoAML and/or JPMS on behalf of the Company as part of the Buy-back shall be cancelled by the Company. Further, any Shares which are purchased by a third-party (other than BoAML and/or JPMS as part of the Buy-back process) on the LSE shall not be cancelled by the Company. As an IDR Holder, if you wish to continue to hold and trade in IDRs, no further action is required.**

**The IDR Holders are free to redeem their IDRs for Shares and conversion of Shares into IDRs, under the two-way fungibility program as per the separate operating guidelines issued to facilitate such redemption and conversion process.**

The table below provides a brief summary of the key information for participation by IDR Holders in the Surrender & Sale Process:

| Particulars | Information |
|---|---|
| **Surrender portion** | The outstanding IDRs (9,893,830 IDRs, as on June 7, 2019).<br>The Company has entered into irrevocable, non-discretionary agreements with each of BoAML and JPMS to enable the purchase of Shares (including, but not limited to the Shares underlying the outstanding IDRs) on the LSE by them for an aggregate purchase price of up to USD 1 billion (the **"Buy-back Headroom"**) and the onsale of such Shares by BoAML and JPMS to the Company. It is hereby clarified that the Buy-back Headroom is not limited to the Shares underlying the IDRs and extends to all outstanding Shares of the Company.<br>The Buy-back Headroom is applicable only with respect to Shares that can be purchased by BoAML and JPMS on the LSE as part of the Buy-back. Please however note that such Buy-back Headroom is not applicable with respect to sale of Shares on the LSE to any other third party (other than if BoAML and JPMS are purchasing under the Buy-back process), i.e. there is no cap on the Shares that may be purchased by any third party (other than if BoAML and JPMS are purchasing under the Buy-back process) on the floor of the LSE, pursuant to an open market purchase. |
| **Surrender Period** | From June 17, 2019 until August 2, 2019<br>All Instruction Letters must be submitted so as to be received by no later than 5:00 p.m. (Mumbai time) on August 2, 2019. Any letter received after that point will not be processed. |
| **Minimum number of IDRs to be tendered** | 10 IDRs or multiples thereof |
| **Methodology** | First-come, first-served basis during the Surrender Period. |
| **Domestic Depository Fees and Brokerage Fee** | The Domestic Depository has decided to waive the fee payable by the IDR Holders for cancellation of the IDRs for which the underlying Shares are sold on the LSE.<br>Please note that the proceeds of the sale of the underlying Shares on the LSE would be distributed to the IDR Holders net of the brokerage fee. |
| **Availability of Instruction Letter** | A copy of the Instruction Letter can be obtained in the following manner and from the following locations:<br>*Physical copy (on request) between 10:00 a.m. and 5:00 p.m. on a Business Day:*<br>Company – 1 Basinghall Avenue, London, EC2V 5DD, UK<br>Domestic Depository – Standard Chartered Bank, Securities Services, Crescenzo, Floor 3, C-38/39, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400 051<br>Overseas Custodian – The Bank of New York Mellon, One Piccadilly Gardens, Manchester, M1 1RN, UK<br>Registrar – Karvy Fintech Private Limited (*formerly known as* KCPL Advisory Services Private Limited), Karvy Selenium Tower B, Plot Nos. 31 & 32, Financial District Nanakramguda, Serilingampally Mandal, Hyderabad – 500 032, India<br>*Electronic copy:* An electronic copy of the Instruction Letter may also be downloaded from https://www.sc.com/en/investors/. |
| **Submission of Instruction Letter** | IDR Holders may submit duly filled, signed and stamped Instruction Letters along with the relevant enclosures in the following manner and at the following locations:<br>Instruction Letters must be received by no later than 5:00 p.m. (Mumbai time) on August 2, 2019. Any instructions received after that point will not be processed.<br>*By hand delivery between 10:00 a.m. to 5:00 p.m. on a Business Day (Monday to Friday):*<br>• At the centres designated by the Registrar as specified in **Annexure A** of the Surrender & Sale Operating Guidelines; or<br>• At the office of the Registrar at Karvy Fintech Private Limited (formerly known as KCPL Advisory Services Private Limited), Karvy Selenium Tower B, Plot Nos. 31 & 32, Financial District Nanakramguda, Serilingampally Mandal, Hyderabad – 500032<br>*By registered post or courier:*<br>• At the office of the Registrar **only** at Karvy Fintech Private Limited (*formerly known as* KCPL Advisory Services Private Limited), Karvy Selenium Tower B, Plot Nos. 31 & 32, Financial District Nanakramguda, Serilingampally Mandal, Hyderabad – 500032<br>**Instruction Letters submitted at times or locations or by modes other than those specified herein above shall be liable to be rejected.** |

**An IDR Holder may submit multiple Instruction Letters at different times during the Surrender Period, for surrender of the IDRs and sale of Shares underlying such IDRs held by such IDR Holder in separate tranches. It is not mandatory for an IDR Holder to submit one Instruction Letter for all the IDRs held by such IDR Holder.**

In this regard, the Registrar shall provide a facility on its website at http://www.karvyfintech.com/, whereby IDR Holders who have submitted the Instruction Letter can use their DP ID and Client ID/ Folio No. to access the detailed information about their respective request.

**IDR Holders shall not be permitted to amend, revise, cancel or withdraw their surrender request after submission of the Instruction Letter.**

**IDR HOLDERS MAY ONLY SUBMIT INSTRUCTION LETTERS IN CIRCUMSTANCES WHERE THE SUBMISSION OF SUCH INSTRUCTION LETTER AND THE SURRENDER OF IDRS AND THE SALE OF THE SHARES UNDERLYING SUCH IDRS DOES NOT GIVE RISE TO ANY REQUIREMENT ON THE PART OF THE COMPANY, THE DOMESTIC DEPOSITORY, THE OVERSEAS CUSTODIAN OR THE REGISTRAR IN ANY JURISDICTION TO COMPLY WITH ANY FILING OR OTHER REQUIREMENT OR TO PAY ANY FEES OR EXPENSES. ANY INSTRUCTION LETTER IN RESPECT OF WHICH THE FOREGOING APPLIES IS LIABLE TO BE REJECTED. BY SUBMITTING AN INSTRUCTION LETTER, THE RELEVANT IDR HOLDER IS DEEMED TO HAVE REPRESENTED AND WARRANTED THAT THERE IS NO SUCH REQUIREMENT IN RELATION TO THE IDRS REPRESENTING THE SHARES THAT HE IS SEEKING TO SURRENDER FOR SALE AS PART OF THE SURRENDER & SALE PROCESS. US PERSONS (WITHIN THE MEANING OF REGULATION S UNDER THE US SECURITIES ACT OF 1933, AS AMENDED) ARE NOT ELIGIBLE TO SUBMIT INSTRUCTION LETTERS AND ANY PERSON SUBMITTING AN INSTRUCTION LETTER IS DEEMED TO HAVE REPRESENTED AND WARRANTED THAT HE IS NOT A US PERSON.**

**FOR FURTHER DETAILS IN RELATION TO THE SURRENDER & SALE PROCESS AND THE MECHANISM TO PARTICIPATE IN THE SAME, PLEASE READ THE SURRENDER & SALE OPERATING GUIDELINES, AVAILABLE, ON REQUEST, AT THE OFFICE OF THE COMPANY AT 1 BASINGHALL AVENUE, LONDON, EC2V 5DD, UK, THE DOMESTIC DEPOSITORY AT STANDARD CHARTERED BANK, SECURITIES SERVICES, CRESCENZO, FLOOR 3, C-38/39, G-BLOCK, BANDRA KURLA COMPLEX, BANDRA (EAST), MUMBAI – 400 051, THE OVERSEAS CUSTODIAN AT THE BANK OF NEW YORK MELLON, ONE PICCADILLY GARDENS, MANCHESTER, M1 1RN, UK AND THE REGISTRAR AT KARVY FINTECH PRIVATE LIMITED (*FORMERLY KNOWN AS* KCPL ADVISORY SERVICES PRIVATE LIMITED), KARVY SELENIUM TOWER B, PLOT NOS. 31 & 32, FINANCIAL DISTRICT NANAKRAMGUDA, SERILINGAMPALLY MANDAL, HYDERABAD – 500 032, AS WELL AS ON THE COMPANY'S WEBSITE AT HTTPS://WWW.SC.COM/EN/INVESTORS/. TO ASSIST THE IDR HOLDERS, THE COMPANY HAS UPLOADED SOME LIKELY QUESTIONS CONCERNING THE SURRENDER & SALE PROCESS AND THE MECHANISM FOR PARTICIPATING IN THE SURRENDER & SALE PROCESS ON ITS WEBSITE AT HTTPS://WWW.SC.COM/EN/INVESTORS/ AND THESE SHOULD BE READ IN CONJUNCTION WITH THESE SURRENDER & SALE OPERATING GUIDELINES AND OTHER APPLICABLE LAWS.**

**IDR Holders should also consult their own counsel and advisors as to business, legal, tax, accounting and related matters under Indian and other applicable laws before applying in the Surrender & Sale Process.**

An Instruction Letter which is not in compliance with the Surrender & Sale Operating Guidelines or applicable law or regulation is liable to be rejected. The Shares underlying the IDRs for valid surrender requests received from the IDR Holders pursuant to the submission of the Instruction Letters, shall be offered for sale on the LSE. Since the sale of Shares is pursuant to an open-market sale on the LSE at then market price, there is no guarantee that any Shares offered for sale will be bought-back by the Company (as part of the Buy-back) or otherwise be purchased by any third party. If such Shares are sold on the LSE, the Domestic Depository shall distribute to those IDR Holders whose IDRs represent the underlying Shares that have been purchased, proceeds of the sale (on the date on which such Shares are offered for sale on LSE), after deducting the applicable brokerage fee, and cancel the IDRs representing the Shares which are sold on the LSE.

For **Standard Chartered PLC**
on behalf of Board of Directors
Sd/-
Andy Halford
Group Chief Financial Officer

Date: July 11, 2019

Adfactors 138

# बम फटने से दो लोगों की मौत

अहमदनगर, 10 जुलाई (भाषा)।

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में बुधवार तड़के एक बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। इस बम को कबाड़ बाजार में बेचने के लिए फायरिंग रेंज से उठाया गया था। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस उप निरीक्षक पीएस दताले ने बताया कि यह घटना खरे करजून गांव में सुबह 4 बजे हुई।

# सामूहिक बलात्कार के बाद गर्भवती हुई नाबालिग दलित, पांच पर मामला दर्ज

मंगलुरु, 10 जुलाई (भाषा)।

दक्षिण कन्नड़ के विट्ठल में पांच लोगों के खिलाफ एक नाबालिग दलित लड़की से कथित तौर पर बलात्कार करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के ही इन पांचों व्यक्तियों के लगातार यौन उत्पीड़न के कारण 17 वर्षीय लड़की अब छह महीने की गर्भवती है। उन्होंने बताया कि ये पांचों आरोपी पिछले साल दिसंबर से उसका यौन उत्पीड़न कर रहे थे।आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 506 और पोक्सो कानून तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार (रोकथाम) कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामला उस वक्त प्रकाश में आया जब एक आशा कार्यकर्ता पीड़ित के घर पर उससे मिलने पहुंची थी। इस दौरान पीड़ित ने आशा कार्यकर्ता को अपनी आपबीती सुनाई और बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने अपनी शिकायत में उन पांचों का नाम भी दर्ज कराया। इन पांचों आरोपियों में लड़की के रिश्ते का एक भाई भी शामिल है।

# बच्चे को अगवा करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

गोंदिया, 10 जुलाई (भाषा)।

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में फिरौती के लिए सात साल के एक लड़के को अगवा करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया।

लड़के को तीन जुलाई को अगवा किया गया था। अगले दिन वह लावारिस मिला और उसे परिवार के पास पहुंचाया गया। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गोंदिया की पुलिस अधीक्षक विनीता साहू ने बताया कि स्थानीय अपराध शाखा की टीम और दुग्गिपार पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। पांचों लोगों ने अपराध में अपना गुनाह कबूल लिया है।

घाटेगांव में रहने वाले बच्चे को तीन जुलाई को जिला परिषद स्कूल के सामने से अगवा कर लिया गया था।


## उत्तरी दिल्ली नगर निगम

कार्यालय कार्यपालक अभियंता (परियोजना) नरेला
जोनल कार्यालय भवन, नरेला, दिल्ली – 40

एनआईटी संख्या : ईई(परियोजना)/नरेला/टीसी/2019–20/04 दिनांक 10.07.2019

**निविदा दस्तावेज खरीदने / डाउनलोड करने की अंतिम तिथि** 12.07.2019 को अपराह्न 5.00 बजे तक
**ऑनलाईन निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि** 22.07.2019 को अपराह्न 2.00 बजे तक
**वित्तीय बोली खुलना** : 24.07.2019 को अपराह्न 12.15 बजे तक

आयुक्त, उत्तरी दिल्ली नगर निगम की ओर से कार्यपालक अभियंता (परियोजना) नरेला, अनुमोदित एवं योग्य ठेकेदारों से मुहरबंद प्रतिशत/मद दर निविदाएं आमंत्रित करते हैं। दरें पांच माह के लिए मान्य होंगी। **क्रम संख्या 1 कार्य का नाम:** नरेला जोन के वार्ड संख्या 32 एन के सेक्टर 26 जेजे कॉलोनी में मकान नंबर बी1 से ई2 तक आरएमसी के माध्यम से लेन बनाना एवं विकसित करना। XLVIII-S अनुमानित लागत(रुपए में): 6030300/– निविदा राशि (रुपए में): 5724978/– धरोहर जमा राशि (रुपए में): 114500/– निविदा लागत (रुपए में): 1000/– कार्य पूरा करने की अवधि: 3 माह **क्रम संख्या 2 कार्य का नाम:** नरेला जोन के वार्ड संख्या 32 एन के पॉकेट 2, सेक्टर 24 रोहिणी में मकान नंबर 149 से 172, 125 से 148, 168 से 129, 152 से 145, 26 से 36, 1 से 43, 296 से 264, 261 से 271, 232 से 209, 184 से 161, 136 से 113, 88 से 65, 244 से 53, 245 से 270, 196 से 173, 77 से 100 तक आरएमसी के माध्यम से लेन बनाना एवं विकसित करना। XL-VIII-S अनुमानित लागत(रुपए में): 9847600/– निविदा राशि (रुपए में): 9107215/– धरोहर जमा राशि (रुपए में): 182144/– निविदा लागत (रुपए में): 1000/– कार्य पूरा करने की अवधि: 4 माह **क्रम संख्या 3 कार्य का नाम:** नरेला जोन के वार्ड संख्या 32 एन के पॉकेट 8, सेक्टर 24 रोहिणी में मकान नंबर 149 से 172, 125 से 148, 168 से 129, 152 से 145, 26 से 36, 1 से 43, 296 से 264, 261 से 271, 232 से 209, 184 से 161, 136 से 113, 88 से 65, 244 से 53, 245 से 270, 196 से 173, 77 से 100 तक आरएमसी के माध्यम से लेन बनाना एवं विकसित करना। XL-VIII-S अनुमानित लागत(रुपए में): 9916900/– निविदा राशि (रुपए में): 9171301/– धरोहर जमा राशि (रुपए में): 183426/– निविदा लागत (रुपए में): 1000/– कार्य पूरा करने की अवधि: 4 माह **क्रम संख्या 4 कार्य का नाम:** नरेला जोन के वार्ड संख्या 35 एन में जे ब्लॉक ... आरएमसी के माध्यम से लेन बनाना एवं विकसित करना। XL-VIII-S अनुमानित लागत(रुपए में): 9415100/– निविदा राशि (रुपए में): 8707299/– धरोहर जमा राशि (रुपए में): 174148/– निविदा लागत (रुपए में): 1000/– कार्य पूरा करने की अवधि: 4 माह **क्रम संख्या 5 कार्य का नाम:** नरेला जोन के वार्ड संख्या 32 एन के पॉकेट 6, सेक्टर 24 रोहिणी में मकान नंबर 149 से 172, 125 से 148, 168 से 129, 152 से 145, 26 से 36, 1 से 43, 296 से 264, 261 से 271, 232 से 209, 184 से 161, 136 से 113, 88 से 65, 244 से 53, 245 से 270, 196 से 173, 77 से 100 तक आरएमसी के माध्यम से लेन बनाना एवं विकसित करना। XL-VII-S अनुमानित लागत(रुपए में): 9910300/– निविदा राशि (रुपए में): 9165224/– धरोहर जमा राशि (रुपए में): 183304/– निविदा लागत (रुपए में): 1000/– कार्य पूरा करने की अवधि: 4 माह। विस्तृत निबंधन एवं शर्तें वेबसाइट http://www.tenderwizard.com पर देखा जा सकता है। एमओडीओ के अनुमोदित/योग्य ठेकेदारों द्वारा बोली लगाने के लिए निविदा दस्तावेज http://www.tenderwizard.com पर उपलब्ध है।

R.O No. 34/North DMC/19-20 कार्यपालक अभियंता (परियोजना) नरेला



BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - II, DELHI 4TH FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001
Notice under Section 19(4) of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 read with Rule 12 & 13 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure Rules) 1993
OA No. 501/2017
ICICI Bank Ltd. ...Applicant VERSUS JAI KARAN SHUKLA ......Defendants
To,
D-1. Jai Karan Shukla S/o. Sh. Bhaiya Raja Shukla (Borrower) R/o. House No. 704, Tower No-B, Vrindavan Hight Apartment, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005
Also at: Jai Karan Shukla M/s. Sabka Sai Ex Trading Shop No. B-6, Plot No. 180, UTC Astha Appartment, Main GT Road, Sahibabad, Ghaziabad-201005
Whereas the above named applicant has instituted a case against you and whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance in this Tribunal 19/07/2019 at 10.30 A.M.
Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned day before this Tribunal, the case will be heard and decided in your absence.
Given under my hand and seal of the Tribunal on this 4th day of June, 2019.
Seal By Order of the Tribunal
Assistant Registrar, DRT-II, New Delhi

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - III, DELHI 4TH FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001
Notice under Section 19(4) of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 read with Rule 12 & 13 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure Rules) 1993
OA No. 176/2019
ICICI Bank Ltd. ...Applicant VERSUS NARAYANANKUTTY DAMODARANPILLAI PUTHENCHIRAYIL ......Defendants
To,
D-1 Narayanankutty Damodarampilai Puthenchirayil S/o. Sh. C P Damodaran Pillai (Borrower) R/o C-5/74, Lawrence Road, Delhi - 110035
Whereas the above named applicant has instituted a case against you and whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance in this Tribunal 31/07/2019 at 10.30 A.M.
Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned day before this Tribunal, the case will be heard and decided in your absence.
Given under my hand and seal of the Tribunal on this 15th day of June, 2019.
Seal By Order of the Tribunal
Assistant Registrar, DRT-III, New Delhi

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - II, DELHI 4TH FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001
Notice under Section 19(4) of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 read with Rule 12 & 13 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure Rules) 1993
OA No. 231/2019
ICICI Bank Ltd. ...Applicant VERSUS BIJENDER SINGH (PROP OF B.S. MOTORS) ......Defendants
To,
D-1. Bijender Singh S/o. Sh. Kartar Singh Prop. of B.S. Motors (Borrower) R/o. H.No. 547/228, Sec-22, Vill. Mohaneks, Tehsil & District, Gurgaon, Haryana - 122001
Also at: B.S. Motors having Office at: H.No. 2368, Sector-6, HB Colony, Dharuhera, Haryana-123106
Whereas the above named applicant has instituted a case against you and whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance in this Tribunal 31/07/2019 at 10.30 A.M.
Take notice that in case of your failure to appear on the above mentioned day before this Tribunal, the case will be heard and decided in your absence.
Given under my hand and seal of the Tribunal on this 15th day of June, 2019.
Seal By Order of the Tribunal
Assistant Registrar, DRT-II, New Delhi

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL – I, DELHI 4TH FLOOR JEEVAN TARA BUILDING PARLIAMENT STREET, NEW DELHI 110001
O.A. NO. 406/2018
CORPORATION BANK ............ Applicant
Vs Aastha Medtech P Ltd. & Ors. ......... Respondent
To,
1. M/s. Aastha Medtech P Ltd. Through its Director A-1/B, Shop No. 2, DDA Market, Paschim Vihar, New Delhi -63 Also at: Khasra No. 154/286, Extended Lal Dora Puth Khurd, Bawana, New Delhi -39
2. Sh. Amit Thakur S/o. Sh. Hari Singh Thakur A-1/130 Third Floor, Paschim Vihar, New Delhi -110063
3. Ms. Jaishree W/o. Sh. Hari Singh A-1/130 Third Floor, Paschim Vihar, New Delhi – 110063
Whereas the above named applicant (s) has/ have instituted a case of recovery of Rs. 92,45,969.00/- (Rupees Ninety Two Lacs Forty Five Thousand Nine Hundred Sixty Nine Only) against you and whereas it has been shown to the satisfaction of the Tribunal that it is not possible to serve you in ordinary way. Therefore, this notice is given by advertisement directing you to make appearance before Ld. Registrar on 20/08/2019 at 10.30 A.M.
Take notice that in default of your appearance on the day before the mentioned, the case will be heard and determined in your absence.
Give under my hand and seal of the Tribunal on this 25th day of May, 2019.
By Order of this Tribunal
For Registrar



MARUTI SUZUKI
मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड
CIN : L34103DL1981PLC011375
पंजीकृत कार्यालय: प्लाट नं.1, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली–110070
Tel: 011-46781000, Fax: 011-46150275/76
www.marutisuzuki.com, investor@maruti.co.in

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 47 के अनुसार एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि जून 30, 2019 को समाप्त हुई तिमाही के लिये कम्पनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार और स्वीकृति हेतु कम्पनी के निदेशक मंडल की बैठक शुक्रवार 26 जुलाई, 2019 को आयोजित की जाएगी।
कृपया अधिक जानकारी के लिए कम्पनी की वेबसाइट (www.marutisuzuki.com) या बी एस ई लिमिटेड (www.bseindia.com) या नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (www.nseindia.com) पर सम्पर्क करें।
वास्ते मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली 10 जुलाई 2019
संजीव ग्रोवर उप–प्रबंधक एवम् कम्पनी सचिव



Genus
GENUS PAPER & BOARDS LIMITED
(CIN: L21098UP2012PLC048300)
Regd. Office: Vill. Aghwanpur, Kanth Road, Moradabad-244001 (U.P.)
Phone: 0591-2511171, Fax: 0591-2511242
Website: www.genuspaper.com
Email: cs@genuspaper.com
NOTICE
NOTICE is hereby given pursuant to Regulation 29 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 that a Meeting of the Board of Directors of the Company will be held on July 31, 2019, inter-alia, to consider, approve and take on record the Unaudited Financial Results of the Company for the quarter ended June 30, 2019.
By order of the Board
Sd/-
Anuj Ahluwalia
Company Secretary
Date: 10-July-2019
Place: Moradabad



"प्रपत्र सं. आईएनसी–26"
पब्लिक कम्पनी को प्राइवेट कम्पनी में परिवर्तित करने के संबंध में समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाने हेतु विज्ञापन
क्षेत्रीय निदेशक, कार्पोरेट मामले उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कम्पनी अधिनियम 2013, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 तथा कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 41 के विषय में ...
1/1604, प्रथम तल, गली नंबर 1, वेस्ट गोरख पार्क, दिल्ली–110032
कृते एवं हितो आवेदक
हस्ता./–
विकास पांडे
डीआईएन : 01423854
निदेशक
तिथि : 10-07-2019
स्थान : दिल्ली



SBI
आईटी स्मॉल प्रोजेक्ट्स 2, पहली मंजिल, 'ए' विंग, एमबीडी एवं आईटी सेंटर एनेक्स, ओल्ड स्टाफ बिल्डिंग, बेलापुर, नवी मुंबई - 400 706.

प्रस्ताव हेतु अनुरोध

भारतीय स्टेट बैंक ने एप्लीकेशन (डोमेस्टिक) के लिए वॉर लिस्ट्स की सब्सक्रिप्शन सेवाएं प्राप्त करने के लिए आरएफपी जारी किया है। विवरणों के लिए, कृपया बैंक की वेबसाइट **https://bank.sbi** पर 'प्रोक्योरमेंट न्यूज' पर विजिट करें।

स्थान: नवी मुंबई
दिनांक: 11/07/2019

हस्ताक्षर
उप महाप्रबंधक
(आईटी–एसएपी2)



PUBLIC NOTICE
OTIS ELEVATOR COMPANY (INDIA) LTD.
Regd. Office: Otis Elevators India Ltd., Maguns Tower, 9th Floor, Mindspace Link Road, Malad (West), Mumbai-400064
Notice is hereby given that the Certificate for under mentioned 448 Shares of the Company have been lost/misplaced and the holder/ purchase of the said equity shares has applied to the company to issue duplicate shares certificates.
Any person who has claim in respect of the said shares should lodge the same with company at its registered address within 15 days from this date, else the company will proceed to issue duplicate certificate to the aforesaid applicant without any further intimation.

| Folio No. | Name of Shareholder | No. of Shares | Distinctive No. | Certificate No. |
|---|---|---|---|---|
| 002158 | INDERJIT SINGH | 50 | 938201-938250 | 813 |
| 002158 | INDERJIT SINGH | 20 | 1498501-1498520 | 4877 |
| 002158 | INDERJIT SINGH | 42 | 2461751-2461792 | 12257 |
| 002158 | INDERJIT SINGH | 112 | 4756735-4756846 | 21256-21259 |
| 002158 | INDERJIT SINGH | 224 | 10972588-10972811 | 68697-68701 |

INDERJIT SINGH



## केनरा बैंक Canara Bank बिक्री सूचना

### ई–नीलामी द्वारा वाहन की बिक्री सूचना

एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि बैंक द्वारा बंधक वाहन का बंधक प्राधिकारी के नाते कब्जा ले लिया गया है तथा इन निम्न नियम एवं शर्तों पर ई–नीलामी द्वारा बेचा जायेगा।

| ऋणकर्ता का नाम एवं पता व कुल बकाया धनराशि | वाहन का विवरण | आरक्षित धनराशि / धरोहर धनराशि | टेण्डर धनराशि जमा करने की अंतिम तिथि | टेण्डर प्रतिभूति जमा करने की अंतिम तिथि / ई–नीलामी की तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|
| शाखा– गोमती नगर विस्तार | | | | |
| ऋणकर्ता– श्री राज कुमार पुत्र श्री राम औतार, 602/1670 बेगरिया दुर्गापुर, हरदोई रोड, निकट तिवारी वारी हाउस, लखनऊ यू.पी. – 227107 कुल बकाया धनराशि– 7,94,533.45 दिनांक 09.07.2019 से प्रभावी + ब्याज एवं अन्य खर्चे | MODEL - FORCE CRUISER BS III, 2015 Reg. No. UP 32 FN 1622 COLOUR - Silver ENGINE NO. D60014174 CHASSIS NO. MC1D4DEA5FP053495 | रु. 147000.00 / रु. 14700.00 | 26.07.2019 | 26.07.2019 02:00 बजे तक / दिनांक 29.07.2019 समय सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे |

... 6. बिक्री निश्चित होने के 2 दिन के बाद असफल निविदाकर्ता की जमा ईएमडी वापस कर दी जायेगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा जैसाकि ऊपर वर्णित है। 7. ई–नीलामी आरक्षित मूल्य पर की जायेगी। ई–नीलामी प्रक्रिया बंद होने के समय जो सबसे अधिक धनराशि (निर्धारित धनराशि से कम नहीं) की निविदा प्रस्तुत करेगा उसे सफल बोली लगाने वाला घोषित किया जायेगा। बिक्री सफल बोलीकर्ता के पक्ष में सुनिश्चित की जायेगी। 8. सफल बोलीकर्ता विक्रय का 25 प्रतिशत ईएमडी राशि सहित धनराशि तुरन्त जमा करना होगा एवं शेष विक्रय पुष्टि तिथि के 15 दिनों के अन्दर जमा करना होगा। यदि उक्त निर्धारित तिथि तक सफल बोलीकर्ता शेष धनराशि देने में असफल रहता है तो जमा धनराशि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बिना सूचना दिये जब्त कर ली जायेगी और वाहन दोबारा बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। 9. क्रेता लागू होने वाले स्टाम्प शुल्क/अतिरिक्त शुल्क/अंतरण प्रभार फीस इत्यादि सकल निविदाकर्ता वहन करेगा। 10. बैंक को बिना कोई कारण बताये स्वीकार करने या अस्वीकार करने या स्थगित/निलंबित करने का पूर्ण अधिकार है। 11. प्राधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताये स्वीकार करने या अस्वीकार करने या स्थगित/निलंबित करने का पूर्ण अधिकार है। 12. विस्तृत जानकारी के लिए जानकारी सम्पर्क करें– अशोक कुमार गहलौत, प्रबंधक – 8173007840

दिनांक : 11.07.2019. स्थान: लखनऊ. प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक



## ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स — ई–नीलामी बिक्री सूचना

(भारत सरकार का उपक्रम)
लार्ज कॉरपोरेट शाखा, प्रथम तल, हर्षा भवन, ई–ब्लॉक, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001, फोन: 011-49191101,49191134,49191135,49191139, फैक्स: (011) 23417236

### चल/अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु ई–नीलामी की सार्वजनिक सूचना ईएमडी (धरोहर जमा राशि) तथा दस्तावेजों की प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय : 29–07–2019 को सांय 4.00 बजे तक

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम 2002 (2002 की सं. 54) के अधीन बैंक के पास बंधक पड़ी चल/अचल सम्पत्ति की बिक्री, जैसाकि ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स, के प्राधिकृत अधिकारी ने बैंक की बकाया राशि की वसूली हेतु "जो है जहाँ है", "जैसी है जो कुछ भी है" एवं "दायित्व रहित आधार पर" उसको बेचने के अधिकार के साथ हमारी शाखाओं के पास निम्नलिखित ऋण खाते में वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित के प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन जारी की गयी सूचना के अनुपालन में निम्नलिखित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। इसकी बिक्री वेब साईट www.bankeauctionwizard.com में प्रदान किये गये ई–नीलामी लिंक के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी।

चल/अचल सम्पत्तियों का विवरण

| कर्जदार का नाम | सम्पत्ति का विवरण एवं स्वामी का नाम | आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बोली में वृद्धि हेतु राशि | ई–नीलामी की तारीख/समय | सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि एवं समय | मांग सूचना की तिथि / बकाया राशि (जमानती कर्जे) | ई एम डी प्रेषण खाते का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गुप्ता एक्जिम (इंडिया) प्रा. लि., 144, डीएलएफ औद्योगिक क्षेत्र, फेज–I, फरीदाबाद, हरियाणा–121003 निदेशक/गारंटर: 1. श्री संदीप गुप्ता 2. श्रीमती शोभाना गुप्ता 3. श्री केएल गुप्ता | मकान नं. डी–967, न्यू फ्रैण्ड्स कॉलोनी, नई दिल्ली–110065 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री के. एल. गुप्ता के नाम पर है। | ₹ 19.44 करोड़ / ₹ 1.95 करोड़ / ₹ 2.00 लाख | 31-07-2019 समय 60 मिनट दोपहर 12.00 बजे से अपरा. 01.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) | 20-07-2019 अपरा. 01.00 से अपरा. 05.00 बजे के बीच | 16-01-2018 / रु. 520,04,32,414/- दिनांक 31.12.2017तक + भविष्य का ब्याज एवं अन्य प्रभार | 00071181000301 E-Auction under SARFAESI A/C Gupta Exim (India) Pvt. Ltd. IFSC Code ORBC0100007 |

नियम व शर्तें
1. ई–नीलामी "जो है जहाँ है", "जैसी है जो कुछ भी है" एवं "दायित्व रहित आधार पर" आयोजित की जा रही है।
2. धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 29.07.2019 को सांय 4.00 बजे तक है।
3. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान एवं सूचना के अनुसार सम्पत्ति पर कोई भार नहीं है। इच्छुक बोलीदाता नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति पर किसी भी भार, टाइटल और सम्पत्ति पर किसी भी दावे/अधिकार/बकाए के संबंध में बिड जमा करने से पहले स्वयं जांच कर सकते हैं। सम्पत्ति बैंक को ज्ञात और अज्ञात सभी वर्तमान और भविष्य के ऋण–भार सहित बेची जा रही है। तृतीय पक्ष यदि सम्पत्ति पर किसी बकाए / अधिकार के संबंध में कोई दावा करता है, तो इसके लिए किसी भी तरह से प्राधिकृत अधिकारी/जमानती ऋणदाता जिम्मेदार नहीं होगा।
4. रिकॉर्ड के अनुसार उपरोक्त सम्पत्ति फ्री होल्ड सम्पत्ति है। उपरोक्त सम्पत्ति का भौतिक कब्जा बैंक के पास है।
5. इच्छुक बोलीदाता जिन्होंने धरोहर राशि जमा किया है और लॉगइन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डाटा अपलोडिंग करने, बोली जमा करने, ई–बिडिंग प्रक्रिया पर प्रशिक्षण इत्यादि में अपेक्षित सहायता के लिए ... sachin@antaressystems.com, pushpraj@antaressystems.com ... 011-49191121 ...
6. बोलीदाता अपनी बोली प्रत्येक सम्पत्ति के आरक्षित मूल्य से ऊपर ...
7. सफल बोलीदाता को बोली राशि का 25 प्रतिशत राशि, पहले अदा की गई ईएमडी समायोजित करने के बाद, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकार किए जाने के तुरन्त बाद जमा करना होगा तथा शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री के 15वें दिन को अथवा उससे पहले जमा करनी होगी। सफल बोलीदाता द्वारा भुगतान में चूक की स्थिति में पहले जमा की गई राशि जब्त मान्य होगी ... तथा चूककर्ता बोलीदाता का सम्पत्ति/राशि के संबंध में कोई दावा/अधिकार मान्य नहीं होगा।
8. क्रेता को लागू स्टाम्प ड्यूटी/अंतरण/रूपांतरण प्रभार, शुल्क इत्यादि और किसी प्राधिकरण को देय सांविधिक/गैर–सांविधिक देयताओं, करों, दरों, आकलनों ... वहन करना होगा।
9. ... ई–नीलामी में लगी है की निलामी असफल होने की स्थिति में नियमानुसार बैंक प्राईवेट ट्रीटी द्वारा बिक्री करने का अधिकार रखता है।
(विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु कृपया हमारी वेबसाईट : www.obcindia.co.in और www.bankeauctionwizard.com देखें)

दिनांक 11.07.2019, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स



।। कार्यालय महानिदेशक पुलिस राजस्थान जयपुर ।।
क्रमांक–व–5(2) पीएस/ वर्दी/ 2019/8582 दिनांकः 01.07.2019

ई–बोली आमंत्रण सूचना

विभिन्न वस्तुओं के प्रदाय (supply) हेतु ई–बोली (e-bid) आमंत्रित की जाती है। बोली दस्तावेजों को दिनांक 04.07.2019 को प्रातः 11.00 बजे से वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, से डाउनलोड प्रारंभ किया जा सकेगा तथा बोली दिनांक 29.07.2019 को प्रातः 11.00 बजे तक निर्धारित दस्तावेजों के साथ इलेक्ट्रानिक फॉरमेट में उक्त वेबसाईट पर प्रस्तुत की जा सकेगी।
ऑन लाइन प्रस्तुत की जाने वाली बोली हेतु निर्धारित बोली प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं बोली प्रतिभूति राशि के अलग–अलग बैंकर चैक/ डिमांड ड्राफ्ट को ऑनलाईन स्कैन करने होंगे तथा दिनांक 30.07.2019 को दोपहर 3.00 पी.एम. तक सैम्पल सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में भौतिक रूप से उपस्थित होकर जमा करवाने होंगे। ई–बोली की क्वालीफाईड बिड दिनांक 31.07.2019 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगीः–
विस्तृत बोली आमंत्रण सूचना, बोली की मुख्य शर्तों एवं तत्संबंधी अन्य विवरण को वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://www.police.rajasthan.gov.in अथवा राजस्थान सरकार Procurement पोर्टल (http://sppp.raj.nic.in) पर देखा जा सकता है।

हस्ता./–
(पीयूष दीक्षित)
पुलिस अधीक्षक,
केन्द्रीय भण्डार, पुलिस मुख्यालय,
राजस्थान, जयपुर।

| क्र.सं. | वस्तु का नाम | अनुमानित मात्रा | UBN Number |
|---|---|---|---|
| 1 | कोट पारका | 16726 नग | POL1920GLOB00093 |
| 2 | जर्सी गर्म | 20314 नग | PO L1920GLOB00094 |
| 3 | जुर्राब गर्म | 100918 जोडा | POL1920GLOB00095 |
| 4 | जुर्राब नाईलोन | 105408 जोडा | POL1920GLOB00096 |
| 5 | पी.टी. बनियान | 102920 नग | POL1920GLOB00097 |
| 6 | गर्म बनियान | 30732 नग | POL1920GLOB00098 |
| 7 | दरी | 19651 नग | POL1920GLOB00099 |
| 9 | किट बैग खाकी | 11321 नग | POL1920GLOB00100 |
| 8 | मच्छरदानी | 12059 नग | POL1920GLOB00101 |
| 10 | निवार सूती | 33659 कि.ग्रा. | POL1920GLOB00102 |
| 11 | जंगल हैट ओ.जी. | 29842 नग | POL1920GLOB00103 |
| 12 | बैरेट कैप | 93268 नग | POL1920GLOB00104 |
| 13 | चाइपाई फोल्डिंग | 2628 नग | POL1920GLOB00105 |
| 14 | किट बॉक्स | 5057 नग | POL1920GLOB00106 |
| 15 | होलडाल केनवास | 4496 नग | POL1920GLOB00107 |
| 16 | बैल्ट वैब | 10277 नग | POL1920GLOB00108 |
| 17 | एंकलेट वैब | 4832 नग | POL1920GSOB00109 |
| 18 | पोच वैब | 2013 नग | POL1920GSOB00110 |
| 19 | सिलिंग वैब | 8336 नग | POL1920GSOB00111 |
| 20 | फ्रोग वैब | 10613 नग | POL1920GSOB00112 |
| 21 | पी–कैप | 342 नग | POL1920GSOB00113 |
| 22 | हैवरसेक वैब | 921 नग | POL1920GSOB00114 |
| 23 | पैक वैब | 327 नग | POL1920GSOB00115 |



"Form No. INC-26"
[Pursuant to rule 30 the Companies (Incorporation) Rules, 2014]
Advertisement to be published in the newspaper for change of Registered Office of the Company from one state to another
Before the Central Government, Northern Region, New Delhi
In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act, 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014
AND
In the matter of RPB INSURANCE CONSULTANCY PRIVATE LIMITED having its registered office at 34, I-0, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI 110030 IN
..........................Petitioner
Notice is hereby given to the General Public that the company proposes to make application to the Regional Director, Northern Region, New Delhi under section 13 of the Companies Act, 2013 seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of the Special Resolution passed at the Extra ordinary general meeting held on Thursday, 02nd May, 2019 to enable the company to change its Registered Office from National Capital Territory of Delhi to the State Of Karnataka (Bangalore)".
Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change of the Registered Office of the Company may deliver either on the MCA-21 portal (www.mca.gov.in) by filing investor complaint form or cause to be delivered or send by registered post of his/her objections supported by an affidavit stating the nature of his/her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, B-2 Wing, 2nd Floor, Paryavaran Bhawan, CGO Complex, New Delhi - 110003 within fourteen days of the date of publication of this notice with a copy to the applicant company with a copy of the applicant company at its Registered Office at the address mentioned below:
34, I-0, NEW QUTUB APARTMENT, WARD NO.1, DESU ROAD MEHRAULI, NEAR BHAGWATI HOSPITAL NEW DELHI SOUTH DELHI DL 110030 IN
For and on behalf of
For RPB INSURANCE CONSULTANCY PRIVATE LIMITED
Sd/-
KAMLESH AGARWAL
DIRECTOR (DIN- 07501544)
Date: 10/07/2019
Place: Delhi



## पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon!
(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)
वसूली विभाग मंडल कार्यालय – मध्य दिल्ली
चतुर्थ तल, राजेंद्र प्लेस नई दिल्ली –110008, फोन नं. 011–25713518, ई–मेल : cocdelrd@pnb.co.in

### आम जनता के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अधीन, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक कर्जदार के विरुद्ध नीचे दिए गए विवरण के अनुसार कर्जदारों / गारंटीकर्ताओं / बंधककर्ताओं (इसके बाद कर्जदारों कहा जायेगा) से राशि की वसूली हेतु मांग सूचना जारी किया था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों जो कि नीचे दिए कर्जदारों को प्रदत्त ऋण/क्रेडिट सुविधाओं के संदर्भ में प्रतिभूतियों के रूप में धारित हैं, का कब्जा ले लिया है। जैसा कि, प्रतिभूति परिसम्पत्ति की बिक्री, मांग सूचना के अनुसार कर्जदार से पंजाब नैशनल बैंक को देय सुरक्षित ऋणों + भविष्य का ब्याज, बैंक द्वारा उस पर उठायी गयी लागत एवं प्रभार उसके बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर की वसूली के लिए **सार्वजनिक ई–नीलामी** के माध्यम से की जानी है। सर्वसाधारण को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत एजेन्ट के माध्यम से बोली करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। **बैंक सुयोग्य सम्पत्ति के लिए बोली करने के लिए स्वतंत्र होगा।**

प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री की अनुसूची

| क्र. सं. | कर्जदार एवं बैंक शाखा का नाम | मांग सूचना की तिथि एवं उसमें वर्णित बकाया राशि | सम्पत्ति का विवरण – बंधककर्ता के नाम (सम्पत्ति के स्वामी) सहित | कब्जे की स्थिति (भौतिक या सांकेतिक) | आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) तथा ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | उस खाते का विवरण जिसमें ईएमडी आरटीजीएस/एनईएफटी एवं आईएफएससी कोड के माध्यम से जमा की जानी है | सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय | नीलामी की तिथि एवं समय / बोली वृद्धि | प्राधिकृत अधिकारी/नोडल अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क नम्बर / बकाया सरकारी देय, यदि कोई हो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मैसर्स हनुंग टॉयज एंड टैक्सटाइल्स लि. शाखा : आईबीबी, नई दिल्ली | 12.10.2015 रु. 712.96 करोड़ कंसोर्टियम बकाया रु. 2960.09 करोड़ | भूमि एवं भवन बी–7, हौजरी कॉम्प्लेक्स फेज– II, नोएडा, मैसर्स हनुंग टॉयसेस प्रा. लि. के नाम पर है। क्षेत्रफल 5000.00 वर्ग मी., साथ में परिसर में रखे कुछ टूटी मशीनरी के टुकड़ों सहित | भौतिक | रु. 1172.00 लाख / रु. 117.20 लाख 02.08.2019 | पंजाब नैशनल बैंक, सरकारी वसूली खाता नं. 2254002200011029 (IFSC कोड PUNB0225400) | 01.08.2019 अपरा. 03.00 बजे से अपरा. 06.00 बजे | 05.08.2019 पूर्वा. 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे / रु.100000/- | प्राधिकृत अधिकारी : श्री एस. के. गर्ग, सहायक महा प्रबंधक मो. नं. 8130894737, नोडल ऑफिसर रविन्द्र कुमार, मुख्य प्रबंधक, मो. 8130864563 / ज्ञात नहीं |

ई–नीलामी बिक्री के संक्षिप्त नियम एवं शर्तें : बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 में वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी। (1) सम्पत्तियों की बिक्री जैसे है जहां है आधार पर की जा रही है। (2) नीलामी बिक्री "ई–नीलामी के माध्यम से ऑनलाइन" पोर्टल **https://etender.pnbnet.in:8443/banks/detail/pnb/MTQy** पर होगी। (3) इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त वर्णित प्रत्येक सम्पत्तियों के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी से संपर्क करके एसएमएस/ई–मेल के माध्यम से अग्रिम तौर पर लॉग इन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा, जो कि ई–बिडिंग के लिए अनिवार्य है। (4) अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार करने अथवा स्वीकार्य न पाए जाने की स्थिति में सभी बोलियों को निरस्त करने अथवा किसी भी समय नीलामी को स्थगित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है तथा इस सम्बन्ध में उनका निर्णय अंतिम होगा। (5) नीलामी के अंतिम समय के अंतिम 5 मिनट में बोली लगाए जाने की स्थिति में अंतिम समय स्वतः ही 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। (6) बोलीदाता को अपने पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करनी होंगी। ऐसे बोलीदाता भी, जोकि व्यक्ति नहीं हैं, ई–बिडिंग हेतु उपयुक्त मैनडेट अपलोड करें। (7) सफल बोलीदाता को पहले जमा कराई गई धरोहर राशि सहित बोली राशि की 25% राशि तुरंत जमा करानी होगी। (8) सफल बोलीदाता को बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिन के भीतर बोली राशि की शेष 75% राशि जमा करानी होगी। (9) बोली राशि की 25% राशि तुरंत तथा निर्धारित अवधि के भीतर शेष 75% राशि जमा कराने में चूक की स्थिति में पहले जमा कराई गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्रतिभूत परिसम्पत्ति की पुनः बिक्री की जाएगी। (10) समस्त वैधानिक देयताएं/अटेंडेन्ट चार्जेज/अन्य देय राशि, रजिस्ट्रेशन चार्जेज, स्टाम्प ड्यूटी, कर आदि क्रेता को ही वहन करने होंगे। (11) यह प्रकाशन उपरोक्त कर्जदारों/गारंटरों/बंधककर्ताओं के लिए 15 दिन का नोटिस भी है। और अधिक विवरण तथा सम्पूर्ण नियमों व शर्तों के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स देखें तथा/अथवा उपरोक्त प्रत्येक सम्पत्ति के समक्ष अंकित नोडल अधिकारी/प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें : **https://etender.pnbnet.in:8443/banks/detail/pnb/MTQy ; www.pnbindia.in ; www.eprocure.gov.in**

दिनांक : 10.07.2019, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी : पंजाब नैशनल बैंक



## Fullerton India फ्यूलर्टन इंडिया क्रेडिट कम्पनी लि.

शाखा कार्यालयः 1बी, 4था तल, पूसा रोड, ओल्ड राजिन्दर नगर, दिल्ली–110060

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना

**वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्ति(यों) की बिक्री के लिये 15 दिनों की ई–नीलामी बिक्री सूचना**

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों तथा गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जिसका फ्यूलर्टन इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड/प्रतिभूत क्रेडीटर के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा किया गया है, की नीचे वर्णित ऋण–धारकों तथा गारन्टरों से फ्यूलर्टन इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड/प्रतिभूत क्रेडीटर को नीचे वर्णित बकाये तथा उगाही की तिथि तक आगे के ब्याज तथा उस पर अन्य खर्चे की वसूली के लिये नीचे वर्णित तिथि एवं समय पर "जैसा है जहाँ है", "जो भी जैसा है" तथा "जो कुछ भी वहाँ है" आधार पर बिक्री की जायेगी। आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी), वृद्धि मूल्य तथा ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि नीचे वर्णित हैः

| ऋणधारक(कों)/ गारन्टर(रों)/ऋण खाता | मांग सूचना तिथि एवं राशि | अचल सम्पत्ति का विवरण | आरक्षित मूल्य, ईएमडी एवं ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि | ई–नीलामी की तिथि एवं समय |
|---|---|---|---|---|
| रुचि एण्टरप्राईजेज, श्री सुभाष नरुला सुश्री पुष्पा नरुला, सुश्री रुचिका नरुला, श्री रमण नरुला, ऋण खाता सं. # 173026300001280 एवं 173026700000210 | मांग सूचना तिथिः 14 जून, 2017, मांग सूचना राशिः रु. 2,07,06,832 (रुपये दो करोड़ सात लाख छः हजार आठ सौ बत्तीस मात्र) 9.6.2017 को तथा वसूली की तिथि तक उस पर आगे का ब्याज तथा अन्य खर्चे | सम्पत्ति, एम–21, दूसरा तल, लाजपत नगर, पार्ट–II, नई दिल्ली–110024 (क्षेत्रफल माप 200 वर्ग यार्ड्स) का सभी भाग तथा हिस्सा। | आरक्षित मूल्यः रु. 1,40,00,000/– (रुपये एक करोड़ चालिस लाख मात्र) ईएमडीः रु. 14,00,000/– (रुपये चौदह लाख मात्र) ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथिः 27.7.2019 वृद्धि मूल्यः रु. 2,00,000/– (रुपये दो लाख मात्र) | तिथिः 29.7.2019 समयः 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. (प्रति 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ) |
| कुन्दन मल रूप चंद ज्वेलर्स प्रा.लि., करण सिंह सोनी, विमला देवी, रूप चंद सोनी, अंजना सोनी ऋणखाता सं. # 173001510078190 एवं 173003910078197 | मांग सूचना तिथिः 7.12.2017 रु. 5,39,93,344.92 (रुपये पाँच करोड़ उन्तालिस लाख तिरानवे हजार तीन सौ चौआलिस तथा पैसे बानवे मात्र), 7.12.2017 को तथा वसूली की तिथि तक उस पर आगे का ब्याज तथा अन्य खर्चे | सम्पत्ति, शॉप नं. 64, भूतल, यूनिवर्सल ट्रेड टावर, सेक्टर 49, सोहना रोड, गुड़गाँव, हरियाणा–122002 (क्षेत्रफल माप 5200 वर्ग फीट) का सभी भाग तथा हिस्सा। | आरक्षित मूल्यः रु. 3,00,00,000/– (रुपये तीन करोड़ मात्र) ईएमडीः रु. 30,00,000/– (रुपये तीस लाख मात्र) ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथिः 27.7.2019 वृद्धि मूल्यः रु. 2,00,000/– (रुपये दो लाख मात्र) | तिथिः 29.7.2019 समयः 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. (प्रति 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ) |

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया फ्यूलर्टन इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड/प्रतिभूत क्रेडीटर की वेबसाईट अर्थात् www.fullertonindia.com में दी गई लिंक देखें।

हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी
फ्यूलर्टन इंडिया क्रेडिट कम्पनी लि.
मो.नं.–8826205836 अथवा 9717739880
तिथिः 11.7.2019
स्थानः दिल्ली

# तमंचे लहरा कर नाचने वाले भाजपा विधायक को कारण बताओ नोटिस जारी

जनसत्ता संवाददाता/एजंसी
देहरादून, 10 जुलाई।

उत्तराखंड से भाजपा के निलंबित विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैम्पियन बुधवार को उस समय फिर एक नए विवाद में फंस गए जब उनका एक कथित वीडियो वायरल हो गया जिसमें वह हाथों में रिवॉल्वर लेकर नाचते दिखाई दे रहे हैं।

यह वीडियो सामने आने के बाद भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई और इसके बाद पार्टी ने उन्हें निष्कासन का कारण बताओ नोटिस जारी किया। उनसे दस दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। इस कथित वीडियो में खानपुर के विधायक हाथों में दो रिवॉल्वर लेकर बॉलीवुड के गाने पर नाचते दिख रहे हैं और उनके कंधे पर कार्बाइन लटकी नजर आ रही है। वीडियो में वह गिलास से शराब पीते दिख रहे हैं जबकि उनके मित्र उनके लिए तालियां बजाते दिख रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी ने कहा कि पार्टी प्रणव सिंह के आचरण की घोर निंदा करती है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष और नैनीताल से सांसद अजय भट्ट ने हरिद्वार में पत्रकारों को बताया, 'विधायक को एक नोटिस जारी किया गया है और उनसे 10 दिनों के भीतर उनके आचरण पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।' उन्होंने कहा, 'यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो उन्हें पार्टी से निष्कासित भी किया जा सकता है।'

# नोएडा के पीएफ विभाग में छह करोड़ के घोटाले का पर्दाफाश

नोएडा, 10 जुलाई (भाषा)।

नोएडा के सेक्टर–24 स्थित केंद्रीय भविष्य निधि (पीएफ) विभाग में करीब छह करोड़ रुपए के कथित घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। विभागीय आडिट में इस कथित घोटाले का पता चला है। बताया जा रहा है कि घोटाले को विभागीय साठगांठ से चंद पीएफ कंसल्टेंट और कंपनियों के एचआर प्रबंधकों द्वारा अंजाम दिया गया। घोटालेबाजों ने 219 कंपनियों के हजारों श्रमिकों की छह करोड़ रुपए की पीएफ राशि डकार ली और विभाग को कानोंकान भनक तक नहीं लगी।

पीएफ विभाग के दिल्ली स्थित मुख्यालय की स्पेशल ऑडिट टीम व जोनल फ्रॉड एनालिसिस एंड मैनेजमेंट कमेटी (जेडएफएएमएन) उत्तर जोन ने नोएडा पीएफ कार्यालय में नवंबर, 2017 से मई, 2018 के दौरान निष्पादित श्रमिकों के ईपीएफ और ईपीएस की जांच की थी। जांच के दौरान इस घोटाले की जानकारी मिली। स्पेशल ऑडिट कमेटी की 9 अप्रैल, 2018 और जेडएफएएमसी नोर्थ जोन की 24 मई, 2018 की रिपोर्ट में पाया गया कि किस तरह श्रमिकों की पीएफ की राशि फर्जी खातों में ट्रांसफर हो गई। खास बात यह देखी गई कि एक ही खाते में कई श्रमिकों की रकम ट्रांसफर की गई। मामले की जानकारी मिलते ही पीएफ विभाग के क्षेत्रीय आयुक्त एनके सिंह ने इसकी शिकायत मुख्यालय में की। इस मामले में दिल्ली स्थित मुख्यालय द्वारा विभागीय जांच भी शुरू की गई। लेकिन फर्जी बैंक खाते खोलकर जिन लोगों ने इस आपराधिक कृत्य को अंजाम दिया, उनके खिलाफ नोएडा पुलिस ने विभाग की एफआइआर तक नहीं ली। पीएफ विभाग के पैनल अधिवक्ता ने बताया कि मामले की शिकायत जिलाधिकारी और एसएसपी से भी की गई लेकिन एफआइआर नहीं लिखी गई। अब पीएफ विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय के पैनल से संबद्ध अधिवक्ता डीके सिंह ने गौतमबुद्धनगर के चीफ जूडीशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में एफआइआर दर्ज करवाने की गुहार लगाई है।

# दलित व्यक्ति की हत्या का एक आरोपी गिरफ्तार, सात की तलाश जारी

अमदाबाद, 10 जुलाई (भाषा)।

गुजरात के अमदाबाद जिले में ऊंची जाति के ससुराल वालों द्वारा कथित रूप से दलित व्यक्ति की हत्या किए जाने के दो दिन बाद, बुधवार को एक आरोपी को दबोच लिया गया जबकि अन्य सात मुल्जिमों की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि 25 साल के हरीश सोलंकी की पत्नी के रिश्तेदारों ने उसकी मंडल तहसील के वरमोर में सोमवार रात को हत्या कर दी थी। उसकी पत्नी के रिश्तेदार दरबार समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और वे शादी के खिलाफ थे। मंडल थाने के उप निरीक्षक वाईए परमार ने बताया कि हमने उसके एक रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है, जिसका नाम एचएस झाला है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही सात अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे।


## दिल्ली जल बोर्डः रा.रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार

कार्यालयः कार्यपालक अभियंता (सी)- एस एंड पी
दिल्ली जल बोर्डः रा.रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार
जल सदनः लाजपत नगरः नई दिल्ली–110024
एन.आई.टी. सं. 08/ एसएंडपी/(2019–20)
प्रैस निविदा

| क्रम सं. | कार्य का विवरण | आरक्षित मूल्य | ई–प्रापण सॉल्यूशन के माध्यम से निविदा जारी की तिथि | ई–प्रापण सॉल्यूशन के माध्यम से डाउनलोड एवं आरटीजीएस की अंतिम तिथि/ समय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | दिल्ली (फेज–V) में विभिन्न स्थानों पर 300 केएलडी क्षमता के 4 नग जलाशयों को फाइटोरिड शोधन तकनीक द्वारा जीर्णोद्धार। | भाग–क (सिविल कार्य) प्रतिशत दर राशि– 53840064/–<br>भाग–ख (ई एंड एम कार्य)– वस्तु दर | 2019-DJB-17612-1<br>9.7.2019 | 8.8.2019 के 3.00 बजे अप. तक |

इस संदर्भ में अधिक विवरण govtprocurement.delhi.gov.in पर देखें।
पी.आर.ओ. (जल) द्वारा जारी — हस्ता./–
विज्ञा. सं. जे.एस.वी. 2019–20/154 — कार्यपालक अभियंता (सी) एस एंड पी

## बैंक ऑफ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra

एक परिवार एक बैंक

बैंक ऑफ महाराष्ट्र, जीएफ 01–02, बी ब्लॉक, टाइम स्क्वायर, सुशान्त लोक–I, गुड़गांव–122002
फोन नं. : 0124–4047136, ई–मेलः bom1295@mahabank.co.in

| क्र. सं. | उधारकर्ता/गारंटर का नाम | बंधक सम्पत्ति का विवरण | स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा डिमांड नोटिस की तारीख |
|---|---|---|---|
| 1. | 1. मैसर्स परिवर्तन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड पंजीकृत कार्यालयः प्लॉट नंबर 96, दूसरी मंजिल, साई एन्क्लेव, सेक्टर 23, द्वारका, नई दिल्ली – 110 075 कॉर्पोरेट कार्यालयः प्लॉट नं 902, सेक्टर नं. 51, ग्राम समसपुर, गुड़गांव, हरियाणा – 122 001<br>2. श्री परिवर्तन सिंह प्लॉट नं 902, सेक्टर नं. 51, ग्राम समसपुर, गुड़गांव, हरियाणा – 122 001<br>3. श्री राजा भोज, प्लॉट नं 902, सेक्टर नं. 51, ग्राम समसपुर, गुड़गांव, हरियाणा – 122 001<br>4. श्री धरमवीर सिंह, मकान नंबर –23, सेक्टर 1, रोहतक, हरियाणा – 124 001<br>5. श्रीमती प्रवीण दहिया, मकान नंबर –23, सेक्टर 1, रोहतक, हरियाणा – 124 001<br>6. श्री सिद्धान्त दहिया, मकान नंबर –23, सेक्टर 1, रोहतक, हरियाणा – 124 001 | प्राथमिक प्रतिभूतिः<br>1. कंपनी के सम्पूर्ण चालू सम्पत्ति (वर्तमान और भविष्य) पर पारी चालू शुल्क (नकद ऋण)<br>2. उधारकर्ता से कारपोरेट गारंटी। उधारकर्ता की निश्चित परिसम्पत्तियों और वर्तमान परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त प्रभार।<br>आनुषंगिक प्रतिभूतिः<br>आवासीय संपत्ति विवरणः<br>1. फ्री होल्ड पर आवासीय संपत्ति प्लॉट नं. 22, सेक्टर 1, रोहतक में माप्तेत 420 वर्ग मीटर जोकि श्री धरमवीर सिंह दहिया और श्रीमती प्रवीन दहिया के नाम पर है।<br>2. फ्री होल्ड पर आवासीय संपत्ति प्लॉट नं. 23, सेक्टर 1, रोहतक में माप्तेत 420 वर्ग मीटर जोकि श्री धरमवीर सिंह दहिया और श्रीमती प्रवीन दहिया के नाम पर है। | 05.07.2019<br>डिमांड नोटिस की तारीख 03.07.2019<br>नोटिस के अनुसार देय राशि<br>रु. 7,58,36,823/– (रु. सात करोड़ अट्ठावन लाख छत्तीस हजार आठ सौ तेईस केवल) प्लस दिनांक 03.07.2019 से अनुबंधित ब्याज @14.90% (2.00% दंड ब्याज सहित) |

सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स एवं एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंट्रेस्ट एक्ट 2002 के अन्तर्गत तथा सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट (एनफोर्समेंट) नियमों 2002 के साथ पठते हुए अनुच्छेद 13 के नियम 2 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्राधिकृत अधिकारी ने सम्बन्धित ऋणी/कर्जियों/गारन्टर्स को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि अदा करने के लिए मांग नोटिस स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा दिनांक 03.07.2019 को जारी किया गया था, जो बैंक की शाखा में डाक विभाग/कोरियर द्वारा बिना वितरण के (Undelivered) वापस आ गया/लेने से इन्कार किया। आपको सूचित किया जाता है कि आप वापस आये नोटिस को मूल रूप में अधोहस्ताक्षर से प्राप्त कर सकते हैं। आप अपनी समस्त देयताओं का निस्तारण इस नोटिस की तिथि से 60 दिन के अन्दर कर दें अन्यथा बैंक (secured creditor) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अनुच्छेद 13(4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों अथवा किसी एक शक्ति का प्रयोग करने का अधिकारी होगा।

दिनांकः 10.07.2019 — स्थानः गुड़गांव — प्राधिकृत अधिकारी

## रौनक ईपीसी इंटरनेशनल लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः 20 कि.मी. मथुरा रोड, पो. ओ. अमर नगर, फरीदाबाद–121003 (हरियाणा)
दूरभाषः +91 (129) 4288888 फैक्सः +91 (129) 4288823-22
वेबसाइटः www.raunaqinternational.com ई–मेलः info@raunaqintl.com
सीआईएनः L51909HR1965PLC034315

**वार्षिक आम सभा एवं रिमोट ई–मतदान की जानकारी की सूचना**

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि रौनक ईपीसी इंटरनेशनल लिमिटेड के सदस्यों की 54वीं वार्षिक आम सभा (एजीएम) सोमवार, 05 अगस्त, 2019 को प्रातः 11:30 बजे फरीदाबाद इंडस्ट्रीज़ एसोसियेशन, एफआईए हाउस, बाटा चौक, फरीदाबाद–121001, हरियाणा में आयोजित की जाएगी, जिसमें सूचना, जिसे ऐसे शेयरधारक जिनका ई–मेल पता डिपॉज़िटरी/रजिस्ट्रार एवं अंतरण एजेंट के पास पंजीकृत है, उनके ई–मेल पते पर ई–मेल के माध्यम से तथा ऐसे शेयरधारक जिनका ई–मेल पता पंजीकृत नहीं हैं उन्हें रजिस्टर्ड पोस्ट/रजिस्टर्ड पार्सल/कोरियर द्वारा व्यक्तिगत रूप से भेजा गया है, में वर्णित व्यवसायों को निष्पादित किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2018–19 की वार्षिक रिपोर्ट को भी उपर्युक्त नोटिस के साथ भेजा गया है।

उक्त वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाईट www.raunaqinternational.com पर उपलब्ध है तथा साथ ही निरीक्षण के लिये सभा की तिथि तक सभी कार्य दिवसों को व्यावसायिक अवधि के दौरान कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में उपलब्ध है।

एतद्द्वारा पुनः सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के साथ पठित कम्पनी (प्रबंध एवं प्रशासन) नियम, 2014 एवं संशोधित कम्पनी (प्रबंध एवं प्रशासन) नियम, 2015 के नियम 20 एवं सेबी अधिनियम, 2015 के अधिनियम 44 के संदर्भ में कम्पनी सोमवार, 05 अगस्त, 2019 को आयोजित होने वाली उपरोक्त एजीएम में व्यवसाय निष्पादित करने के लिए शेयरधारकों को सहर्ष ई–मतदान (एजीएम के आयोजन स्थल के अलावा दूरदराज़ क्षेत्रों से मतदान "रीमोट ई–वोटिंग") की सुविधा लिंक इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (एलआईआईपीएल) द्वारा प्रदान रीमोट ई–वोटिंग माध्यम से उपलब्ध करा रही है। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि (क) 54वीं एजीएम की सूचना में निर्दिष्ट व्यवसायों को इलेक्ट्रॉनिक मतदान द्वारा निष्पादित किया जा सकता है, (ख) 54वीं एजीएम की सूचना भेजने की तिथि 10 जुलाई, 2019 है, (ग) रीमोट इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान 02 अगस्त, 2019 को प्रातः 09:00 बजे से आरंभ होगा, (घ) रीमोट इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान 04 अगस्त, 2019 को सायं 05:00 बजे बंद होगा, (ड.) रीमोट ई–मतदान के मताधिकार सिद्ध करने के लिए कट ऑफ तिथि 29 जुलाई, 2019 है, (च) कम्पनी के सदस्यों को सूचना वितरण के बाद तथा 29 जुलाई, 2019 की कटऑफ तिथि से पूर्व जो सदस्य शेयरों का अधिग्रहण करेंगे वे सदस्य rajiv.ranjan@linkintime.co.in या delhi@linkintime.co.in पर एक अनुरोध भेजकर अपना लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकते हैं, (छ) रीमोट इलेक्ट्रॉनिक पद्धति के माध्यम से मतदान की सुविधा 04 अगस्त, 2019 को सायं 05.00 बजे के बाद नहीं दी जाएगी, (ज) एजीएम में उपस्थित सदस्यों के लिए मतदान पत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा दी जाएगी एवं वहाँ उपस्थित सदस्य जिन्होंने रीमोट ई–वोटिंग से मतदान नहीं किया है वे मतदान पत्र द्वारा अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं, (झ) वह सदस्य जो रीमोट ई–वोटिंग के माध्यम से मतदान कर चुके हैं वे बैठक में भाग ले सकते हैं परन्तु उन्हें बैठक में फिर से मतदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी (ञ) जिन सदस्यों का नाम सदस्यों की पंजिका में या डिपॉज़िटरी द्वारा बनाए गए लाभकारी मालिकों के रजिस्टर में 29 जुलाई, 2019 की कटऑफ तिथि पर होंगे, वे सदस्य रीमोट ई–वोटिंग द्वारा तथा वार्षिक आम सभा में मतदान सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, (ट) 54वीं एजीएम की सूचना कम्पनी की वेबसाइट www.raunaqinternational.com एवं एलआईआईपीएल की वेबसाइट www.instavote.linkintime.co.in पर उपलब्ध है, (ठ) रीमोट ई–वोटिंग मतदान की प्रक्रिया एवं तरीके के लिये सदस्य 54वीं एजीएम के नोटिस के निर्देशों को देखें तथा किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिये एलआईआईपीएल की वेबसाइट www.instavote.linkintime.co.in के डाउनलोड खंड में सदस्यों के लिए Frequently Asked Questions (FAQs) तथा रीमोट ई–वोटिंग यूज़र मैन्युअल देखें अथवा श्री राजीव रंजन, उपाध्यक्ष–ई–वोटिंग, लिंक इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, सी–101, 247 पार्क एल.बी.एस. मार्ग, विखरोली पश्चिम, मुंबई-400083 से enotices@linkintime.co.in या दूरभाष 022-49186000 पर संपर्क करें जो रीमोट ई–वोटिंग के साथ जुड़ी शिकायतों का निपटारा करेंगे। ई–मतदान से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए सदस्य उपरोक्त ई–मेल आईडी पर कम्पनी सचिव अथवा पंजीकृत कार्यालय के पते पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

कृते रौनक ईपीसी इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता/–
सुखवीर
कम्पनी सचिव

तिथिः 10 जुलाई, 2019
स्थानः फरीदाबाद

OFFER OPENING PUBLIC ANNOUNCEMENT UNDER REGULATION 18(7) OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (SUBSTANTIAL ACQUISITION OF SHARES AND TAKEOVERS) REGULATIONS, 2011, AS AMENDED ("SEBI (SAST) REGULATIONS") AND CORRIGENDUM TO THE DETAILED PUBLIC STATEMENT WITH RESPECT TO THE OPEN OFFER TO THE PUBLIC SHAREHOLDERS (AS DEFINED BELOW) OF

## KPIT TECHNOLOGIES LIMITED

(Formerly KPIT Engineering Limited)
CIN: U74999PN2018PLC174192
Registered Office: Plot-17, Rajiv Gandhi Infotech Park, MIDC-SEZ, Phase-III, Maan, Hinjawadi, Pune - 411057
Tel.: 020-6770 6000; Email: info@kpit.com; Website: www.kpit.com

This advertisement (**"Offer Opening Public Announcement and Corrigendum"**) is being issued by Kotak Mahindra Capital Company Limited (**"Manager to the Offer"**), for and on behalf of the Acquirers (as defined below), along with the PACs (as defined below) in their capacity as the persons acting in concert with the Acquirers pursuant to and in accordance with Regulation 18(7) of the SEBI (SAST) Regulations for acquisition of up to 7,12,77,391 (Seven Crore Twelve Lakh Seventy Seven Thousand Three Hundred and Ninety One only) fully paid-up equity shares of face value of INR 10 (Indian Rupees Ten only) each (**"Equity Shares"**) representing 26% (twenty six percent) of the Voting Share Capital (as defined below) of KPIT Technologies Limited (**"KPIT"** or **"Target Company"** or **"TC"**) from the Public Shareholders of the Target Company (**"Offer"**/**"Open Offer"**).

Proficient Finstock LLP (**"Proficient"** or **"Acquirer 1"**) and Mr. Kishor Patil (**"Acquirer 2"**), are collectively referred to as **"Acquirers"**. Mr. Shashishekhar Pandit (**"PAC 1"**), Ms. Nirmala Pandit (**"PAC 2"**), Mr. Chinmay Pandit (**"PAC 3"**), Ms. Hemlata Shende (**"PAC 4"**), Ms. Anupama Patil (**"PAC 5"**), Mr. Shrikrishna Patwardhan (**"PAC 6"**), Mr. Ajay Bhagwat (**"PAC 7"**), Ms. Ashwini Bhagwat (**"PAC 8"**), Mr. Sachin Tikekar (**"PAC 9"**) and K and P Management Services Private Limited (**"PAC 10"**) are collectively referred to as **"PACs"**.

Acquirer 1, Acquirer 2, PAC 1, PAC 2, PAC 3, PAC 4, PAC 5, PAC 6, PAC 7, PAC 8, PAC 9 and PAC 10 are collectively referred to as **"KPIT Promoter Group"**.

National Engineering Industries Limited, (**"NEIL"** or **"Seller 1"**) and Central India Industries Limited (**"CIIL"** or **"Seller 2"**) are collectively referred to as **"Sellers"**.

For the purpose of this Offer Opening Public Announcement and Corrigendum, **"Public Shareholders"** shall mean all the public equity shareholders of the Target Company excluding (i) the Acquirers and the PACs (ii) persons deemed to be acting in concert with the Acquirers and the PACs and (iii) the Sellers.

This Offer Opening Public Announcement and Corrigendum should be read in continuation and in conjunction with the public announcement dated April 22, 2019 (the **"PA"**), the detailed public statement that was published on April 26, 2019 (**"DPS"**), the draft letter of offer dated May 6, 2019 (**"DLoF"**) and the letter of offer dated June 28, 2019 (**"LoF"**). The DPS was published on April 26, 2019 in Financial Express - English (all editions), in Jansatta - Hindi (all editions), Navshakti - Marathi (Mumbai edition) and Loksatta - Marathi (Pune edition).

1. The Offer Price is INR 66.50 (Rupees Sixty Six and Fifty Paise only) per Equity Share. There has been no revision in the Offer Price.
2. The committee of independent directors of the Target Company (**"IDC"**) published its recommendation on the Offer Price of INR 66.50 per Equity Share on July 9, 2019 in the same newspapers where the DPS was published. The relevant extract of the IDC recommendation is given below:

| | |
|---|---|
| **Members of the Committee of Independent Directors (IDC) (Please indicate the chairperson of the Committee separately)** | 1. Anant Talaulicar - Chairman<br>2. B V R Subbu<br>3. Shubhalakshmi Panse<br>All the members of the IDC are independent and non-executive directors on the Board of Directors of the TC. There is no relationship of IDC members with the Company or its directors. |
| **Recommendation on the Offer, as to whether the Offer is fair and reasonable** | At close of June 28, 2019, the market price of the shares of the TC as traded on the BSE Limited (**"BSE"**) and National Stock Exchange of India Limited (**"NSE"**) was ₹96.70 and ₹96.75 respectively, which is more than the Offer Price.<br>IDC believes that the Open Offer is in line with the SEBI (SAST) Regulations, 2011. However, the Public Shareholders should independently evaluate the Offer and take an informed decision in this regard. |
| **Summary of reasons for the recommendation** | IDC has perused the Letter of Offer (**"LO"**), the Detailed Public Statement (**"DPS"**), the Public Announcement (**"PA"**) and other documents as released by the Kotak Mahindra Capital Company Limited (as the Manager to the Offer) on behalf of the Acquirer and the PACs.<br>Based on the above, the IDC is of the opinion that the offer price of ₹66.50 (Rupees Sixty six and Fifty paise only) per Equity shares is in accordance with the guidelines prescribed by the SEBI (SAST) Regulations.<br>The IDC has taken into consideration the following for making this recommendation:<br>1. The Offer is a mandatory open offer in compliance with Regulation 3(1), and Regulation 4 of the SEBI (SAST) Regulations, 2011 pursuant to the acquisition of the voting rights and control of the TC.<br>2. The Offer price is in line with the parameters prescribed by SEBI as per SEBI (SAST) Regulations, 2011. |

3. The Offer is not a competing offer in terms of Regulation 20 of the SEBI (SAST) Regulations.
4. The LoF dated June 28, 2019 has been dispatched to all the Public Shareholders as on the Identified Date (i.e. June 28, 2019) by July 4, 2019.
5. Please note that a copy of the LoF (which includes detailed instructions in relation to the procedure for acceptance and settlement of the Offer at page 35 as well as the Form of Acceptance-cum-Acknowledgement) is expected to be made available on SEBI's website (www.sebi.gov.in) from which the Public Shareholders can download/print a copy in order to tender their Equity Shares in the Offer. Further, in case of non-receipt/non-availability of the Form of Acceptance-cum-Acknowledgement, the application can be made on plain paper in writing signed by all shareholder(s) along with the following details:
   a. **In case of Equity Shares held in physical form**: The Public Shareholders who are holding the Equity Shares in physical form should refer to paragraph 11 titled 'Procedure for tendering the Equity Shares held in physical form' of Part VII on page 37 of the Letter of Offer.
   b. **In case of Equity Shares held in dematerialised form**: Public Shareholders holding Equity Shares in dematerialized form may participate in the Offer by approaching their broker indicating the details of Equity Shares they intend to tender in Offer. Such Public Shareholders have to ensure that their order is entered in the electronic platform to be made available by BSE before the closure of the Offer. The Public Shareholders holding Equity Shares in dematerialized form are not required to fill the Form of Acceptance-cum-Acknowledgement.
6. In accordance with Regulation 16(1) of the SEBI (SAST) Regulations, the DLoF was submitted to SEBI on May 6, 2019. SEBI pursuant to its letter dated June 25, 2019 issued its comments on the DLoF. These comments and certain changes (occurring after the date of the PA) which may be material have been incorporated in the LoF dated June 28, 2019.
7. There have been no material changes in relation to the Offer since the date of the PA, save as otherwise disclosed in paragraphs 8 and 11 below, the DPS, the DLoF and the LoF.
8. U.S. SEC Approval: The staff of the U.S. Securities and Exchange Commission granted the exemptions and no action relief sought under the U.S. Securities Exchange Act of 1934 (as amended) in relation to the Open Offer on June 27, 2019.
9. As of the date of the LoF, to the best of the knowledge of the Acquirers and PACs, there are no other statutory approvals required to acquire the Equity Shares that are validly tendered by the Public Shareholders pursuant to the Offer. However in case of any statutory approvals being required by the Acquirers and PACs at a later date, the Offer shall be subject to such approvals.
10. Point 7 of Section VIII (Procedure For Tendering The Shares In Case Of Non-Receipt Of Letter Of Offer) of the DPS should be read as: *"The Acquisition Window will be provided by the Designated Stock Exchange to facilitate placing of sell orders. The Selling Broker can enter orders for dematerialized Equity Shares only."*
11. **Schedule of Activities**

| Activity | Schedule of activities as published in the DPS | Revised schedule of activities based on actual date of filing of DLoF | Revised schedule of activities |
|---|---|---|---|
| | Date & Day | | |
| PA | Monday, April 22, 2019 | Monday, April 22, 2019 | Monday, April 22, 2019 |
| Publication of the DPS | Friday, April 26, 2019 | Friday, April 26, 2019 | Friday, April 26, 2019 |
| Last date for filing of the DLoF with SEBI | Tuesday, May 7, 2019 | Monday, May 6, 2019* | Monday, May 6, 2019* |
| Last date for the public announcement for competing offer(s) | Tuesday, May 21, 2019 | Tuesday, May 21, 2019 | Tuesday, May 21, 2019 |
| Last date for receipt of SEBI observations on the DLoF (in the event SEBI has not sought clarifications or additional information from the Manager) | Tuesday, May 28, 2019 | Monday, May 27, 2019 | Wednesday, June 26, 2019^ |
| Identified Date# | Thursday, May 30, 2019 | Wednesday, May 29, 2019 | Friday, June 28, 2019 |
| Last date by which the letter of offer (**"Letter of Offer"**) is to be dispatched to the Public Shareholders whose name appears on the register of members on the Identified Date | Friday, June 7, 2019 | Thursday, June 6, 2019 | Friday, July 5, 2019 |
| Last date by which the committee of the independent directors of the Target Company shall give its recommendation to the Public Shareholders of the Target Company for this Offer | Tuesday, June 11, 2019 | Monday, June 10, 2019 | Tuesday, July 9, 2019 |
| Last date for upward revision of the Offer Price/Offer Size | Wednesday, June 12, 2019 | Tuesday, June 11, 2019 | Wednesday, July 10, 2019 |
| Date of publication of Offer opening public announcement in the newspapers in which the DPS has been published | Thursday, June 13, 2019 | Wednesday, June 12, 2019 | Thursday, July 11, 2019 |
| Date of commencement of the tendering period (**"Offer Opening Date"**) | Friday, June 14, 2019 | Thursday, June 13, 2019 | Friday, July 12, 2019 |
| Date of closure of the tendering period (**"Offer Closing Date"**) | Thursday, June 27, 2019 | Wednesday, June 26, 2019 | Thursday, July 25, 2019 |
| Last date of communicating the rejection/acceptance and completion of payment of consideration or refund of Equity Shares to the Public Shareholders of the Target Company | Thursday, July 11, 2019 | Wednesday, July 10, 2019 | Thursday, August 8, 2019 |
| Last date for publication of post-Offer public announcement in the newspapers in which the DPS has been published | Thursday, July 18, 2019 | Wednesday, July 17, 2019 | Monday, August 19, 2019 |

**Actual date of filing of DLoF with SEBI*

*^Actual date of receipt of SEBI's final observations on the DLoF. SEBI had sought clarification and additional information from the Acquirer post the submission of the DLoF.*

*# The Identified Date is only for the purpose of determining the Public Shareholders as on such date to whom the Letter of Offer would be posted.*

Capitalised terms used but not defined in this Offer Opening Public Announcement and Corrigendum shall have the meanings assigned to such terms in the LoF.

The Acquirers and PACs and their board of directors or Partners (as applicable) accept responsibility for the information contained in this Offer Opening Public Announcement and Corrigendum (other than such information as has been obtained from public sources) and their obligations under the Offer and shall be severally and jointly liable for ensuring compliance with the SEBI (SAST) Regulations.

This Offer Opening Public Announcement and Corrigendum is expected to be available on the SEBI website at http://www.sebi.gov.in

| ISSUED BY THE MANAGER TO THE OFFER ON BEHALF OF THE ACQUIRERS AND PACS | REGISTRAR TO THE OFFER |
|---|---|
| kotak Investment Banking<br>**KOTAK MAHINDRA CAPITAL COMPANY LIMITED**<br>27BKC, 1st Floor, Plot no. C-27, "G" Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai - 400 051<br>**Tel:** +91 22 22 4336 0128; **Fax:** +91 22 22 6713 2447<br>**Email:** kpitopenoffer2019@kotak.com/kpit.openoffer@kotak.com<br>**Contact Person:** Ganesh Rane<br>**SEBI Registration Number:** INM000008704<br>**CIN:** U67120MH1995PLC134050 | KARVY KEEP GROWING<br>**KARVY FINTECH PRIVATE LIMITED**<br>**(Formerly known as KCPL Advisory Services Private Ltd)**<br>Karvy Selenium Tower B, Plot No.31 & 32, Financial District, Nanakramguda, SerilingampallyMandal, Hyderabad - 500032<br>**Tel No.:** +91 40 6716 2222<br>**Contact Person:** Mr. M. Muralikrishna<br>**Email ID:** kpit.openoffer@karvy.com; **Website:** www.karvyfintech.com<br>**SEBI Registration No:** INR000000221 |

**For and on behalf of the Acquirers and the PACs**

| | | |
|---|---|---|
| **Proficient Finstock LLP**<br>Sd/- | **Mr. Kishor Patil**<br>Sd/- | **Mr. Shashishekhar Pandit**<br>Sd/- |
| **Ms. Nirmala Pandit**<br>Sd/- | **Mr. Chinmay Pandit**<br>Sd/- | **Ms. Hemlata Shende**<br>Sd/- |
| **Ms. Anupama Patil**<br>Sd/- | **Mr. Shrikrishna Patwardhan**<br>Sd/- | **Mr. Ajay Bhagwat**<br>Sd/- |
| **Ms. Ashwini Bhagwat**<br>Sd/- | **Mr. Sachin Tikekar**<br>Sd/- | **K and P Management Services Private Limited**<br>Sd/- |

Place : Pune
Date : July 10, 2019

PRESSMAN

विश्व कप -2019

जनसत्ता

# महासमर

11 जुलाई, 2019 14

**दिलचस्प आंकड़े**

| | | | |
|---|---|---|---|
| रन | 21474 | सबसे ज्यादा रन | रोहित शर्मा |
| विकेट | 644 | उच्चतम स्कोर | डेविड वार्नर |
| छक्के | 346 | | |
| अर्धशतक | 110 | | |

## विश्व कप डायरी

### पूर्व क्रिकेटरों ने की सेमी फाइनल की पिच की निंदा

मैनचेस्टर,10 जुलाई (भाषा)।

पूर्व क्रिकेटरों ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व कप सेमी फाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की आलोचना की है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन धीमी पिच पर रन बनाना आसान नहीं था। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने ट्विटर पर पिच की आलोचना की है।

वॉ ने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच अच्छी नहीं थी। काफी धीमी थी। यदि न्यूजीलैंड 240 रन बना लेता है तो मैच बराबरी का होगा। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने 97 गेंद में 67 रन बनाए जबकि रोस टेलर ने 90 गेंद में 74 रन बनाए। इंग्लैंड के पूर्व टैस्ट क्रिकेटर मार्क बूचर ने कहा कि इस विश्व कप में पिचें कचड़े की तरह रही है। उन्होंने कहा कि इसमें आखिर के पांच ओवर रोमांचक हो सकते हैं लेकिन बाकी 95 ओवर बेहद खराब। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्रीम फोवलेर ने कहा कि विश्व कप सेमी फाइनल की विकेट कितनी बेकार थी।

### कोच बने रहने के लिए आर्थर को फिर करना होगा आवेदन

कराची, 10 जुलाई (भाषा)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुख्य कोच मिकी आर्थर से कहा है कि राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बने रहने के लिए उन्हें नए सिरे से आवेदन देना होगा। आर्थर का तीन साल का करार विश्व कप के बाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने पीसीबी प्रमुख एहसान मनी और प्रबंध निदेशक वसीम खान से लंदन में मुलाकात करके टीम के साथ जुड़े रहने की इच्छा जताई।

एक सूत्र ने बताया कि मिकी आर्थर के अनुरोध पर बैठक बुलाई गई थी। वह टीम के प्रदर्शन और टीम के साथ अपने भविष्य पर बात करना चाहते थे। आर्थर को बता दिया गया है कि पीसीबी की क्रिकेट समिति पिछले तीन साल में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेगी। उन्हें पद पर बने रहना है तो नए सिरे से आवेदन देना होगा।

## भारतीय टीम का खिताब का सपना टूटा

# सेमी फाइनल में न्यूजीलैंड ने हराया

मैनचेस्टर, 10 जुलाई (भाषा)।

रविंद्र जडेजा की आकर्षक पारी के बावजूद भारत को विश्व कप सेमी फाइनल में बुधवार को न्यूजीलैंड के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष क्रम की नाकामी के कारण उसका क्रिकेट महाकुंभ में सफर भी समाप्त हो गया। भारत के सामने 240 रन का लक्ष्य था। जडेजा और महेंद्र सिंह धोनी ने सातवें विकेट के लिए 116 रन जोड़कर मैच को आखिर तक जीवंत बनाए रखा। भारत ने हालांकि दबाव में आखिरी चार विकेट 13 रन के अंदर गंवा दिए और इस तरह से न्यूजीलैंड लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। भारत 49.3 ओवर में 221 रन पर सिमटा।

न्यूजीलैंड 2015 में भी खिताबी मुकाबले में पहुंचा था जहां उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। उसे अब 14 जुलाई को होने वाले फाइनल में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरे सेमी फाइनल के विजेता से भिड़ना होगा। न्यूजीलैंड की जीत के नायक मैट हेनरी रहे जिन्होंने 37 रन देकर तीन विकेट लिए। ट्रेंट बोल्ट ने 42 रन देकर दो और मिशेल सैंटनर ने 34 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

भारत ने पहले चार ओवर में ही बेहतरीन फॉर्म में चल रहे रोहित शर्मा, कप्तान विराट कोहली और केएल राहुल के विकेट गंवा दिए। इससे स्कोर तीन विकेट पर पांच रन हो गया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 रन की हार के बाद भारतीय टीम के सदस्य।

दिनेश कार्तिक (छह) पर बड़ी जिम्मेदारी थी लेकिन उन्होंने नायक बनने का बेहतरीन मौका गंवा दिया। कार्तिक के आउट होते ही स्कोर दस ओवर में चार विकेट पर 24 रन हो गया। यह वर्तमान विश्व कप में पहले पावरप्ले में किसी भी टीम का न्यूनतम स्कोर है। न्यूजीलैंड ने इस मैच में एक विकेट पर 27 रन बनाए थे।

गेंदबाजों ने शुरू में सीम और स्विंग का बेहतरीन इस्तेमाल करके भारतीयों को परेशानी में डाला। ऋषभ पंत को 18 रन पर जीवनदान मिला। हालांकि वे इसका फायदा नहीं उठा पाए और बचकाना शॉट खेलकर पवेलियन लौटे। यहां तक कि कोहली भी उनके इस शॉट पर बेहद नाराज दिखे जिस पर उन्होंने मिडविकेट पर खड़े कोलिन डि ग्रैंडहोम को कैच का अभ्यास कराया। धोनी से ऊपर उतारे गए हार्दिक पंड्या ने भी पंत की गलती दोहराई। वह सैंटनर की सीधी गेंद पर स्लॉग स्वीप खेलकर पवेलियन लौटे।

जडेजा ने 33वें ओवर में नीशाम पर छक्का जड़कर टीम का स्कोर तिहरे अंक में पहुंचाया। जडेजा के आक्रामक तेवरों के सामने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की लाइन व लेंथ भी गड़बड़ा गई। जडेजा ने 39 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया जो विश्व कप नॉकआउट मैच में भारत के आठवें नंबर के बल्लेबाज का पहला पचासा है। वे 48वें ओवर में बोल्ट की गेंद पर लंबा शॉट खेलने के प्रयास में मिड ऑफ पर कैच दे बैठे।

भारत को आखिरी दो ओवरों में 31 रन चाहिए थे। धोनी ने फर्गुसन की पहली गेंद छक्के के लिए भेजी, लेकिन तेजी से दो रन चुराने के प्रयास में आउट हो गए। विकेटों के बीच सबसे बेहतरीन दौड़ के लिए मशहूर धोनी अपने करिअर के शुरू में भी रन आउट हुए थे।

**स्कोर बोर्ड**

**भारत :** केएल राहुल का लैथम बो हेनरी 01, रोहित शर्मा का लैथम बो हेनरी 01, विराट कोहली एगबाधा बो बोल्ट 01, ऋषभ पंत का ग्रैंडहोम बो सैंटनर 32, दिनेश कार्तिक का नीशम बो हेनरी 06, हार्दिक पंड्या का विलियमसन बो सैंटनर 32, महेंद्र सिंह धोनी रन आउट 50, रविंद्र जडेजा का विलियमसन बो बोल्ट 77, भुवनेश्वर कुमार बो फर्गुसन 00, युजवेंद्र चहल का लैथम बो नीशम 05, जसप्रीत बुमराह नाबाद 00 **गेंदबाजी :** बोल्ट 10-2-42-2, हेनरी 10-1-37-3, फर्गुसन 10-0-43-1, ग्रैंडहोम 2-0-13-0, नीशम 7.3-0-49-1, सैंटनर 10-2-34-2

### 'रोहित के प्रदर्शन का श्रेय उनकी मानसिकता को'

मुंबई, 10 जुलाई (भाषा)।

सचिन तेंदुलकर ने मौजूदा विश्व कप में रेकॉर्ड पांच शतक लगा चुके रोहित शर्मा के लगातार अच्छे प्रदर्शन का श्रेय उनकी मानसिकता को दिया है। किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक शतक का रेकॉर्ड अपने नाम करने वाले मुंबई के रोहित ने दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ शतक जड़े और वह टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर हैं।

तेंदुलकर ने कहा कि काफी समय पहले, किरण मोरे अंडर-19 टीम के चयनकर्ता थे और उन्होंने मुझे कहा कि तुम्हें रोहित शर्मा नाम के इस खिलाड़ी को देखना चाहिए। उसकी 'बैट स्विंग' शानदार है। उन्होंने कहा कि बार-बार मुझे पूछा जाता है कि रोहित शर्मा में विशेष क्या है और मुझे लगता है कि यह उनकी बैट स्विंग है जो काफी खिलाड़ियों के पास नहीं है।

तेंदुलकर ने कहा कि मैंने सुना था कि वह गेंदबाज बनना चाहते थे और इसके बाद धीरे-धीरे कोच के कहने पर बल्लेबाजी पर ध्यान देने लगे। इस दौरान उन्होंने जो हासिल किया वह बेहतरीन है।

रोहित ने एक विश्व कप में सर्वाधिक शतक का श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा का रेकॉर्ड तोड़ा। तेंदुलकर ने रोहित की मानसिकता की तारीफ की और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम के पहले मैच का उदाहरण दिया जिसमें इस सलामी बल्लेबाज ने मुश्किल हालात में भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि हमने बात की कि शुरुआती छह वर्ष में वह काफी सफलता हासिल नहीं कर पाए लेकिन पिछले छह साल उनके लिए विशेष रहे। तेंदुलकर ने जोर देकर कहा कि रोहित के प्रदर्शन की निरंतरता उनकी मानसिकता के कारण है। उन्होंने कहा कि हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में देखा, गेंद उनके बल्ले के बीच में नहीं लग रही थी लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वह खड़ा रहे और समय आने का इंतजार किया। हम सभी को पता है कि इसके बाद क्या हुआ।

### कोहली ने बुमराह की तरह गेंदबाजी करने का किया प्रयास

मैनचेस्टर, 10 जुलाई (भाषा)।

विराट कोहली ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमी फाइनल की बारिश के बाद दोबारा शुरुआत से पूर्व अपने नंबर एक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तरह गेंदबाजी करने का प्रयास किया। न्यूजीलैंड की पारी के बाकी ओवर पूरे करने के लिए मैच की शुरुआत से पूर्व कोहली ने वार्म आप के दौरान बुमराह के गैरपारंपरिक रन अप और एक्शन की नकल की जबकि इस दौरान यह तेज गेंदबाज देख रहा था। कोहली ने इसके बाद बुमराह की तरह जश्न भी मनाया। कोहली को अधिकतर नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए देखा जा सकता है लेकिन पीठ में तकलीफ के कारण उन्होंने दिसंबर 2017 के बाद मैच में गेंदबाजी नहीं की है।

# आस्ट्रेलियाई चुनौती से उबरने उतरेगा इंग्लैंड

बर्मिंघम, 10 जुलाई (भाषा)।

पहली बार विश्व कप जीतने की दहलीज पर खड़ी इंग्लैंड टीम का सामना गुरुवार को पांच बार की चैंपियन आस्ट्रेलियाई टीम से होगा। इंग्लैंड पिछली बार 2015 विश्व कप के पहले दौर से बाहर हो गया था। उसके बाद से हालांकि वनडे रैंकिंग में शीर्ष तक पहुंचा और काफी मजबूत टीम के रूप में उभरा। इंग्लैंड 1979, 1987 और 1992 में फाइनल तक पहुंचा लेकिन विश्व कप नहीं जीत सका। इस बार टीम के फॉर्म को देखते हुए विशेषज्ञों ने कयास लगाया था कि यह उसके पास सबसे सुनहरा मौका है।

इंग्लैंड और खिताब के बीच पहले कदम पर आस्ट्रेलिया है जो टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करता आया है। अभी तक उसने छह सेमी फाइनल जीते हैं और 1999 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाटकीय हालात में मैच टाई हो गया था। चार महीने पहले आस्ट्रेलिया को शायद ही कोई गंभीरता से लेता लेकिन आरोन फिंच की टीम ने शानदार वापसी की है। उसे अभी भी अतीत की 'अपराजेय' आस्ट्रेलियाई टीम नहीं कहा जा सकता लेकिन बड़े मुकाबलों में उसने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बार भी सही समय पर टीम फॉर्म में आ गई है और किसी तरह के दबाव में नहीं है। आस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि एक साल पहले हम इतने इत्मीनान से नहीं थे। हम बड़े संकट से गुजरे जिसका असर खेल पर ही नहीं बल्कि हमारे देश पर भी पड़ा। यह राहत की बात ही नहीं थी। हमें मेहनत करनी थी जो हमने की। हमें अच्छा खेलना ही नहीं था, अच्छा आचरण भी करना था।

उन्होंने डेविड वार्नर और स्टीवन स्मिथ का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे पता था कि इंग्लैंड में कुछ लोग खिल्ली उड़ाएंगे लेकिन यह सही था। हमें मेहनत करनी थी। हमें पता था कि हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 12 में से 10 मैच जीते लेकिन उन्हें पता है कि आस्ट्रेलियाई टीम कितनी खतरनाक है जिसने उन्हें लीग चरण में 64 रन से हराया। उसके बाद इंग्लैंड ने हालांकि आखिरी दो लीग मैच में भारत और न्यूजीलैंड को मात दी।

सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और जेसन रॉय जबर्दस्त फॉर्म में हैं। कप्तान इयोन मोर्गन ने भी रन बनाए हैं। तेज गेंदबाज लियाम प्लंकेट का मानना है कि उनकी टीम इस बार खिताब की प्रबल दावेदार है और आस्ट्रेलिया को हराएगी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की पिछली टीमों की तुलना में हम अलग तरह के प्राणी हैं। हमने पिछले चार साल में काफी क्रिकेट खेला है। हम नंबर एक रहे। हमारा दिन होने पर हम दुनिया में किसी को भी हरा सकते हैं।

### मुख्य चयनकर्ता के तौर पर इंजमाम का अनुबंध नहीं बढ़ेगा

कराची, 10 जुलाई (भाषा)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने राष्ट्रीय टीम के सेमी फाइनल में नहीं पहुंच पाने के बाद मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक का अनुबंध नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। सूत्रों ने कहा कि इंजमाम ने अपने अनुबंध को एक साल और बढ़ाने में दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन पीसीबी ने नई चयन समिति बनाने का फैसला किया है।

### आइपीएल ने दबाव से निपटने में मदद की : प्लंकेट

बर्मिंघम, 10 जुलाई (भाषा)।

तेज गेंदबाज लियाम प्लंकेट ने कहा कि आइपीएल में खेलने के अनुभव की बदौलत इंग्लैंड की मौजूदा पीढ़ी को दबाव से निपटने में मदद मिली। इंग्लैंड ने लीग चरण के अंत में दो हार झेलने के बावजूद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। उन्हें नॉकआउट में जगह बनाने के लिए अंतिम तीन ग्रुप मैचों में से दो में जीत की दरकार थी। आस्ट्रेलिया से हारने के बाद उसने भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी कर अंतिम चार में जगह बनाई।

प्लंकेट ने कहा कि आप दबाव से कैसे निपटते हैं, यही अहम होता है। दबाव का होना बुरी चीज नहीं है। लोग दबाव में भी आ सकते हैं और इससे बाहर भी निकल सकते हैं और उन क्षण का आनंद उठा सकते हैं। आइसीसी ने प्लंकेट के हवाले से लिखा, 'अन्य खिलाड़ी भी दबाव में खेले हैं और वे आइपीएल में और दुनिया में चलने वाले टूर्नामेंट में खेले हैं।' प्लंकेट ने कहा कि ग्रुप चरण में मिली हार से टीम और मजबूत हो गई है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उन शिकस्त ने हमें मजबूत बना दिया है। हमारे कुछ मैच खराब रहे लेकिन मुझे लगता है कि हमने समय पर वापसी की। हम अब अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल रहे हैं और हम अब भी सुधार कर सकते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि एशेज की प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ खेलना रोमांचकारी होगा। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में काफी रोमांच रहता है। हमने पिछले दो लीग मैचों में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि हमने इन दो मैचों में दबदबा बनाया हुआ था लेकिन हमें लगता है कि हमें इससे भी बेहतर करना होगा।

# दुती ने 100 मी. में जीता स्वर्ण पदक

नपोली, 10 जुलाई (भाषा)।

राष्ट्रीय रेकॉर्डधारी दुती चंद विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के 100 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर इन खेलों में अव्वल रहने वाली पहली भारतीय महिला ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गई हैं। तेईस बरस की दुती ने 11.32 सेकंड का समय निकालकर रेस जीती। चौथी लेन में दौड़ते हुए दुती आठ खिलाड़ियों में पहले नंबर पर रहीं। स्विटजरलैंड की डेल पोंटे (11.33 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहीं। जर्मनी की लिसा क्वायी ने कांस्य पदक जीता।

ओड़ीशा की दुती वैश्विक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली हिमा दास के बाद दूसरी भारतीय एथलीट बन गईं। हिमा ने पिछले साल विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर में पीला तमगा जीता था। दुती ने एशियाई खेल 2018 में 100 और 200 मीटर में रजत पदक जीता था। वह यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले इंदरजीत सिंह ने 2015 में पुरुषों के शॉटपुट में स्वर्ण जीता था।

हाल ही में समलैंगिक रिश्ते में होने की बात कबूल करने वाली दुती ने जीत के बाद कहा कि मुझे नीचे गिराने की कोशिश करो लेकिन मैं मजबूती से वापसी करूंगी। उन्होंने कहा कि इतने

स्वर्ण पदक जीतने के बाद दुती चंद (मध्य में)। फोटो: ट्विटर

सालों की मेहनत और आपके आशीर्वाद से मैंने विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले उन्होंने 11.41 सेकंड का समय निकालकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

दुती को अभी सितंबर-अक्तूबर में दोहा में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करना है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दुती को ट्विटर पर बधाई देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी खेलों में 100 मीटर फर्राटा जीतने पर दुती को बधाई। यह भारत का इन खेलों में पहला स्वर्ण है और हम काफी गौरवान्वित हैं। इस प्रदर्शन को ओलंपिक में बरकरार रखें।

खेलमंत्री किरन रिजीजू ने कहा कि मैं बचपन से इन खेलों में स्वर्ण का इंतजार कर रहा हूं। आखिरकार भारत को स्वर्ण पदक मिला। दुती चंद को विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में स्वर्ण जीतने पर बधाई।

# नौवीं बार विंबलडन के सेमी फाइनल में जोकोविच

लंदन, 10 जुलाई (एएफपी)।

शीर्ष वरीयता प्राप्त और चार बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने बुधवार को ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी 70वीं जीत दर्ज करके नौवीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी ने पहले सेट में एक बार सर्विस गंवाने के बाद अच्छी वापसी की तथा बेल्जियम के 21वीं वरीयता प्राप्त डेविड गोफिन को 6-4, 6-0, 6-2 से हराया।

जोकोविच को फाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन के राबर्टो बातिस्ता आगुट से भिड़ना होगा। इस 23वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के 26वें वरीय गुइडो पेला को 7-5, 6-4, 3-6, 6-3 से पराजित किया। जोकोविच को शुरू में थोड़ा संघर्ष करना पड़ा लेकिन एक बार लय हासिल करने के बाद उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी के प्रति निर्ममता दिखाई। उन्होंने आखिरी 17 में से 15 गेम जीते और 36वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में जगह बनाई।

- जोकोविच को फाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन के राबर्टो बातिस्ता आगुट से भिड़ना होगा।

विंबलडन

उन्होंने बाद में कहा कि उसने अच्छी शुरुआत की और बेसलाइन से खेल पर हावी हो गया। अगर मैंने पहला सेट गंवा दिया होता तो चीजें अलग हो सकती थीं लेकिन मैं दूसरे और तीसरे सेट में अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। जोकोविच ने कहा कि मुझे तीसरे दौर में (हुबर्ट हरकाट्र्ज के खिलाफ) कड़ा मैच खेलना पड़ा। इसको छोड़कर मैंने सीधे सेटों में जीत दर्ज की और पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

गोफिन ने अच्छी शुरुआत की और जोकोविच की सर्विस तोड़कर 4-3 से बढ़त हासिल की लेकिन 16 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता ने इसके बाद लगातार नौ गेम जीते। दूसरे सेट में तो उन्होंने गोफिन को अपनी सर्विस पर केवल चार अंक बनाने दिए। तीसरे सेट में जोकोविच ने शुरू में ब्रेक प्वाइंट लेकर 3-1 से बढ़त बनाई और फिर आसानी से मैच जीतकर सेमी फाइनल में कदम रखा।

### गुरसिमर और अमनदीप को साझी बढ़त

बंगलुरु, 10 जुलाई (भाषा)।

गुरसिमर बदवाल और अमनदीप द्राल ने बुधवार को यहां पहले दौर में तीन अंडर 67 के समान स्कोर के साथ यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 10वें चरण में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली।

- ऋद्धिमा दिलावरी, सोनम चुघ और नेहा त्रिपाठी एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

गुरसिमर और अमनदीप दोनों ने पहले दौर में चार बर्डी की लेकिन एक-एक बोगी भी कर गई जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा।अनन्या दतार दो अंडर 68 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पिछले हफ्ते खिताब जीतने वाली ऋद्धिमा दिलावरी, सोनम चुघ और नेहा त्रिपाठी एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। वहीं इनसे एक शॉट पीछे सिद्धी कपूर, गुरसिमर की बहन गुरजोत बदवाल और गौरिका बिश्नोई संयुक्त सातवें स्थान पर चल रही हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 235, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।

दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।